

सं0 1]

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 1, 1983 (पौष 11, 1904)

No. 1]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 1, 1983 (PAUSA 11, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

HITI III-WAR 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notification issued by the High Court, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railway and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 नवम्बर, 1982

सं० ए० 12019/3/80-प्रशा०-II---इस कार्यालय की सम-संख्यांक अधिसूचना दिनांक 6-8-1982 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा ग्रायोग एसदुद्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों (भाषाएं) को भाषोग के कार्यालय में 5-11-1982 से 4-2-1983 तीन मास की भ्रमेतर भ्रवधि के लिये श्रयवा भ्रगले श्रादेशों तक जो भी पहले हो, कनिष्ठ अनुसंधान श्रधिकारी (भाषाएं) के संबर्ग बाह्य पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं:---

- कुमारी के० बन्धोपाध्याय
- 2. श्री म० ल० वाराधपाडे
- 3. श्री बी० घोष
- 4. श्री एल० बी० कोडड
- 5. श्री ए० एन० गर्मा

उपर्युक्त व्यक्तियों को यह जान लेना चाहिए कि उनकी कनिष्ठ अनुसंधान श्रधिकारी (भाषाएं) के पद पर नियुक्ति बिल्कुल तद्दर्थ प्राधार पर है भौर इससे उन्हे कनिष्ठ भनुसंधान

श्रधिकारी (भाषाएं) के ग्रेड में श्रामेलन श्रंथवा वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> य० रा० गांधी सचिव क्ते सचिव, संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय ग्रन्वेषण क्यरो

नई दिल्ली, दिनांक

सं० ब्राई० 6/65-प्रशा०-5---निवर्तन की ब्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री श्राई० बी० रहना राव, पुलिस श्रधीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, मद्रास, ने दिनाक 30 नवम्बर, 1982 के अपराह्म मे पुलिस भ्रधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया

दिनांक 7 दिसम्बर 1982

ए-12024/1/82-प्रशा०-5--राब्द्रपति, प्रासाद से श्री डी० एन० नारचल, कार्यपालक (सिविल), एस० एस० डब्ल्यू० (खाद्य), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली को दिनांक 26 नवस्वर, 1982 के धपराह्म से अगले श्रादेण तक के लिये केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्येपालक श्राभयन्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर 1982

मं० ए-19036/7/77-प्रशा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त श्री डी० एस० थीरू-वेगडथन, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं, दिनांक 22-9-82 से दिनांक 20-11-1982 तक की छुट्टी समाप्त हो जाने पर, दिनांक 20 नवस्वर, 1982 के अपराह्म से तमिलनाड सरकार को सौंप दी गई।

आर० एस० नागपाल प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनांक दिसम्बर 1982

ं सं एफ-2/24/81-स्था (के रि पू बल) — राष्ट्रपति जी श्री जी एस रटूरी को सहायक कमांडेंट के पद पर स्थाया हप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 दिसम्बर 1982

सं० ग्रो० दो-88/69-स्था०—श्री पी० जे० विह, कमांडेट, जोकि तिपुरा सरकार में डेपुटेशन पर थे को भारत ग्रन्मुनियम कम्पनी लिमिटेड, नई दिल्ली डेपुटेशन, बेसिस में दिनांक 7-8-1982 (ग्रपराह्न) से ले लिया गया है।

दिनांक 11 दिसम्बर 1982

सं० श्रो० दो-1066/77-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डा० लिलत कुमार श्रीबातरी, कनिष्ठ चिकित्सा श्रीधकारी (जनरल इयूटी श्राफिसर ग्रेंड-II) I बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस का त्यागपत दिनाक 18-11-82 के अपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भरवार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस ग्रकादमी हैदराबाद-500252, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

सं० 15011/7/78-स्थापना—सरवार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैंधराबाद में अपनी प्रतिनियुक्ति की अविध की समाप्ति पर श्री सन्त कुमार, आई०पी० एस० (एस०पी० एस०-आं० प्र०) ने सरदार बल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में दिनांक 6-12-82 गपराह्म को सहायक निदेशक, के पद का कार्यभार अपने नए पद पुलिस श्रधीक्षक, विशेष शाखा-I, हैदराबाद के पद भार ग्रहण हेत् सौंपा ।

> के० वि० एस**ं भीमा राव** प्रशासन भश्चिकारी **कृते** निदेशक

योजना मंत्रालय सांख्यिकी विभाग संगणक केन्द्र

नई दिल्ली-110006, विनांक 26 नवम्बर 1982

सं० ए-20011/335/79-सी० सी०—केन्द्रीय सेवायें (श्रस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) के परन्तुक के श्रनुसार निदेशक, संगणक, केन्द्र, सांख्यिकी विभाग, योजना मंत्रालय, नई दिल्ली, श्री के० गोविन्दन, खाटा प्रोसेसिंग, सहायक टिंप लायेब्रेरियन की सेवाएं 18 श्रक्तूबर, 1982 की संगणक केन्द्र से समाप्त करते हैं।

मामराज प्रणासनिक ग्रधिकारी **कृते** निदेशक

वित्त मंत्रालय (राजस्य विभाग)

सीमा शुल्क उत्पाद शुल्क श्रीर स्वर्ण नियन्त्रण श्रपील श्रधिकरण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

फाठ संठ 6-सी०उ०स्व०नि०म्र०म्र०/82—श्री म्रार० पी० गुप्ता ने, जोकि पहले सांख्यिकी एवं म्रासूचना निदेशालय, केन्द्रीय उत्पाद गुल्क व सीमा गुल्क, नयी दिल्ली में सहायक मुख्य लेखा भिधकारी के पथ पर कार्य कर रहे खे, 1 दिसम्बर, 1982 (पुर्वाह्म) से सीमा गुल्क उत्पाद गुल्क भौर स्वर्ण नियन्त्रण भ्रपील श्रधिकरण में सहायक पंजीकार के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया है।

> म्रार० एन० सहगल पं*जीकार*

श्रार्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिमूति मुद्रणालय,

नासिक रोड, धिनांक 18 नवम्बर 1982

सं० 168/क — अधिसूचना संख्या 209/क०, दिनांक 22-4-1982 के कम में श्री एम० एस० पाण्डे, उप नियन्त्रण अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, की तदर्थ आधार पर नियुक्ति की उन्ही शतौं और नियमों पर दिनांक 20-10-1982 से अगले छः माह तक की अवधि के लिए

या उक्त पद नियमित प्राधार पर भरे जाने तक, इसमें जो भी पहले हो, बढ़ाया जाता है।

> पी० एस० शिवराम, महा प्रबन्धक

र्बंक नोट मुद्रणालय

देवास, विनांक 4 दिसम्बर 1982

क्रम सं विा ०एन ०पी ०/सी ०/5/82--- इस कार्यालय की श्रधिसूचना क्र० बी ०एन ०पी ०/सी ०/5/81, दिनांक 4-2-82 एवं समसंख्यक भ्रधिसूचना दिनांक 25-2-82 के अनुक्रम में निम्नलिखित प्रधिकारियों की सवर्थ नियुक्तियों की प्रविध दिनांक 31-12-82 तक या सहायक कार्य प्रबन्धक की श्रेणी में पदों के प्रत्यावितित होने और इन पदों के नियमित रूप से भर जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

ऋ० नाम	पद्य जिस पर लदर्थ
सं०	नियुम्ति की गई
सर्वश्री :	
 वी० वेंकटरमणी 	तकनीकी अधिकारी
	(मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
2. ग्रार० सी० ग्रग्नवाल	यथा
3. श्रशोक जोशी	यथा
 ए० डी० देशपाण्डे 	यथा
5. एस ० के० मुक् ला	पथा
	म० घै० चार

महा प्रवन्धक

प्रतिभृति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

क्रमांक एम-6/9365---इस कार्यालय की प्रधिसूचना कमांक एम-6/4370, दिनांक 16-7-1982 के तारतम्य में श्री बी० एल० शर्मा, सहायक श्रभियन्ता (यांत्रिकी) की (बेतनमान 650-30-740-35-810-व० भ्र°-35-880-40-1,000-द० धा०-40-1200) की गई तदर्थ नियुक्ति की 31-12-1982 प्राथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता, इनमें से जो पहले हो, तक बढ़ाई जातं। है।

> भा० रा० पाठक महा प्रबन्धक

वित्त ग्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1982

सं० 8 वि० ग्रा० 2(29)-ए/82—क्यय विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण हो जाने पर श्री नारायण बल्ल्ररी, निवेशक को 1 दिसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेश तक 2000-2250 रुपये के वेतनमान म स्राठवें वित श्रायोग में निदेशक के पद पर नियुक्त किया गया है।

> एस० एल० माथुर सिचव (प्रशा०)

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, विनांक 7 विसम्बर 1982

सं० 31/वा० ले० प० 1/62-82--श्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग प्रधिकारियों (वाणि-जियक) को पदोन्नत करके लेखा परीक्षा प्रधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं श्रीर ध्रागे ध्रावेश दिए जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

ऋं० सं०	लेखापरीक्षा ग्रधिकारी का नाम	कार्यालय जहां पदोन्नति से पहले कार्यरत भे	कार्यालय जहां पदोन्नति के बाद तैनात किए गए	ले० प० (वा०) के रूप में पदोक्षति की तारीख
1	2	3	4	5
1.	सर्वेश्री जी० सी० निगम	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, नई दिल्ली	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पवेम निदेशक, बा० ले० प०, रांची	13-8-1982

1	2		3	4	5
2.	शिव कुमार	,	. महालेखाकार, हरियाणा	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प० रांची	14-8-1982
3.	रघुषीर सिंह .	•	. महालेखाकार, पंजाब	महालेखाका र, जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर	16-8-1982
4.	एम० कमालुद्दीन भ्रहमद	. '	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, बंगलौर	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, बंगलौर	28-7-1982
5.	के० एस० राजागोपालन		, महालेखाकार, गुजरात	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, वा० ले० प०, (पै० एवं ते०), मद्रास	9-8-1982
6.	्णन० के० वेंकटेश्वरन्		. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, बा० ले० प०, बम्बई	सदस्य, लेखापरीक्षक बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, बम्बई	23-8-1982
7.	. एस० डी० प्राधान		. महालेखाकार, गुजराल	— – वही – —	5-8-1982
8.	. सी० जगदेश्वर राव	•	. महालेखाकार—II, म्रान्ध्र प्रवेश, हैदराबाद	महालेखाकार—II, ग्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद	11-8-1982

विनांक 10 दिसम्बर 1982

सं० 32 वा० ले० प० 1/75-82—श्रपर उप नियंत्रक-महालेखा परीक्षा (वाणिज्यिक) निम्नलिखित अनुभाग श्रधिकारियों (वा०) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं और श्रागे श्रादेश दिए जाने तक प्रस्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित तारीखों से उसी रूप में तैनात करते हैं।

कं० सं०	श्रधिकारी का नाम	_	कार्यालय जहां प दोन्न ति से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोझति के बाद तैनास किए गए	लें० प० (वा०) के रूप में तैनाती की तारीख
1	2		3	4	5
	सर्वश्री				
1.	एस० क्रुष्णन II .	•	. महालेखाकार, कर्नाटक,	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं	30-8-1982
			बंगलीर	पदेन निदेशक, बा० ले० प०, बंगलौर	(भ्रपराह्न)
2.	गरप्रताप वालिया .		. महालेखाकार, पंजाब	महालेखाकार, हरियाणा	31-8-1982
3.	के० श्रीकुमारन नायर	,	. भू-विज्ञान मध्ययन त्रिवेन्द्रम के केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत महालेखाकार, केरल ।	महालेखाकार, केरल, स्निवेन्द्रम	30-8-1982
4.	एस० एन० गुप्ता .	•	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निवेशक, बा० ले० प०, नई दिल्ली	महालेखाकार, हरियाणा	31-8-1982
5.	चन्द्र मोहन गुप्ता .		. महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर	महालेखाकार–II, श्रान्ध्रं प्रदेश, हैदराबाद	25 -9- 1982
6.	ग्रार० एल० सूद .	•	. महालेखाकार, हरियाणा	महालेखाकार, हरियाणा	25-8-1982
7.	एन० सी० जैन .	•	. सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, नई दिल्ली ।	व ही- 	31-8-1982
8.	एस० पी० चानना .		 भारत के नियंत्रक-महालेखा परीक्षक, नई दिल्ली 	महालेखाकार, हरियाणा	10-9-1982 (भ्रपराह्न)

1 2	3	4	5
9. डी० के० गुहटाकुरता	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक, वा० ले० प०,	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०,	28-8-1982
	पदम ।नदशक, वा० ला० प०, रां ची	पदन ।नदशक, वाठ लठ पठ, रांची	
10. भर्जन चौबे	वही	वही	1-9-1982
11. ग्रार० ग्रार० चकवर्ती	. —वही-—	महालेखाकार, उड़ीसा	31-8-1982
12. बी० के० सिंह	. — वही—	वही	30-8-1982
13. एन० गोपालकृष्णन पिल्ले .	केरल राज्य कांजू विकास निगम, त्रिवेन्द्रम में प्रतिनियुक्ति पर महालेखाकार, केरल	महालेखाकार, केरल, त्रि वे न्द्रम	वही
1.4. एन० के० मेहरा	. महालेखाकार, राजस्थान	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, या० ले० प०, हैदराबाद	4-10-198 2 (भ्रपराङ्ग)
15. सत्य देव शर्मा	. महालेखाकार–∏, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	महालेखाकार~Ⅱ, उत्तर प्रदेश लखनऊ	25-10-1982

एम० ए० सोमेश्चर राष, नंयुक्त निवेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय : निदेशक, लेखापरीक्षा केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली-2, दिनांक 11 दिसम्बर 1982

सं० प्रशासन 1/कार्याक्षय भावेश सं० 452—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री हंसराज सिह वार्धक्य ग्रायु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 दिसम्बर, 1982 श्रपराह्म को भारत सरकार की सेवा से मेवा निवृत्त हो जायेंगे।

उनकी जन्म तिथि 14 दिसम्बर, 1924 है।

ह० श्रपठनीय संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात भ्रहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० स्था० (फ) जी० घो० /पवो० / 1294 — महालेखाकार (1) गुजरात के घघीन लेखा-सेवा के स्थायी सवस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आवेश मिलने तक महालेखाकार (1) गुजरात के कार्यालय में स्थानायन्त लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

- 1 श्री एम० वाय० वैजनापुरकर, 18-11-82 पूर्वाह्न से
- श्री एस० वी० देशपांडे, 18-11-82 पूर्वाह्म से

उपर्युक्त पदोन्नति तद्यर्थं श्राधार पर 1980 के विशेष दीवानी सिविल ग्रावेदन पत्र संख्या 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के अन्तिम श्रावेशों की प्राप्ति की शर्ती पर की जाती है।

ह० ग्रपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर दिनांक 22 नवम्बर, 1982

क्रमाक प्रशा०एक/ले० प्र० प्रमा०/372—महालेखाकार, मध्य प्रवेश, ने निम्न लिखित स्थाई अनुभाग अधिकारी को, स्थानापन्न लेखा अधिकारी पद पर वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 में उनके नाम के श्रागे दशिय कायभार प्रहण करने के विनांक से पदीन्नस किया है।

क्रमांक	नाम	श्राबंटन	स्थायी क्रमांक	कार्यभार ग्रहण विनोक
1. श्री	ए० पी० मोबार	(म०ले० 2)	02/283	22-11-82 (पूर्वाह्न)

वि० के० राय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र बम्बई, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

सं० प्रशासन-1/सामान्य/31-खण्ड-3/सी-1 (1)/4--महालेखाकार महाराष्ट्र-1, बम्बई प्रधीनस्य छेखा सेवा के निम्नलिखित सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ठ किए गए दिसांक से प्रागामी ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

क ० नाम सं०	दिनांक
1. श्री एम० वी० देवासकर	18-10-1982 (श्रपराह्म)
2. श्री एम० डी० चिंचालकर	6-11-1 98 2 (पूर्वाह्र)
3. श्री बी०पी० चक्रवर्ती	30 101982 (पूर्वाह्न)
4. श्री के०सी०चंचलानी	30-10-1982 (पूर्वाह्म)
	एस० म्रार० सपरा, [,] ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरी सेवा ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16, विनांक 6 विसम्बर 1982

सं० 5/जी०/82—वार्धक्य निवृत्ति भायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० जी० रानाडे, स्थानापक महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर--1, दिनांक 31 भगस्त, 1982 (भ्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० 58/जी०/82---राष्ट्रपति जी ने श्री सी० एल० शर्मा, स्थानापन्न जप प्रबन्धक की भावप्यक सेवा निवृत्ति की सजा देने के हेतू विनोक 31-10-81 (भपराह्म) को सेवा निवृत्ति कर किया है।

> वी० के० मेहता, निवेशक

कारखाना सलाह सेवा घौर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय, सायन

बम्बई-22, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० 5/6/82-स्थापना--महानिदेशक, कारखाना सलाह सेवा श्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र, बम्बई, डा० के० सुर्पानारायन को स्थायी रूप में सहायक निदेशक (श्रीद्योगिक मानसशास्त्र) के पष पर दिनांक 17-6-82 से इस कारखाना सलाह सेवा भौर श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिवेशालय में नियुक्ति करता है।

> ए० के० चक्रवर्ती, महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय

भौद्योगिक विकास विभाग

विकास मायुक्त (लघु उच्चोग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए० 19018 (171) / 75-प्रशा० (राज०) — राष्ट्रपति, लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (ग्रांक्षिकी), श्री एम० के० भट्ट जो कोयर बोर्ड, बंगलौर में हुई प्रितिनियुक्ति से 5-11-82 (श्रपराह्म) से वापस लौट ग्राए हैं, को विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में 6-11-1982 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक उप-निदेशक (ग्रांविकी) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018(572)/81-प्रमा० (राज०)--राष्ट्र-पति, श्री स्वप्न कुमार बसु को 14-10-82 (पूर्वाह्न) से ग्रमले भावेशों सक लघु उद्योग सेवा संस्थान, धागरा के प्रधीन केन्द्रीय पादुका प्रशिक्षण केन्द्र में सहायक मिदेशक, ग्रेड-एक (चर्म/ पादुका) के रूप मे नियुक्त करते हैं।

बिनांक, 9 विसम्बर 1982

सं० 12(363)/62-प्रशा० (राज०)---राष्ट्रपति, लघुं उद्योग सेवा संस्थान, नई विल्ली के प्रधीन विस्तार केन्द्र, बाल सहयोग निदेशक, ग्रेड-1 (यांक्रिकी) श्री जे० के० स्याल को निवर्तन की धायु प्राप्त करने पर 30-9-82 के धपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने की ग्रनुमति देते हैं।

> सी० सी० राय, उप-निदेशक (प्रशा०)

पूर्ति मंत्रालय पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन ब्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं ० प्र-1/1 (644)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई विल्ली में स्थायी सहायक निषेशकं (ग्रेड-1) श्रीर स्थानापश्च पूर्ति निषेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) श्री भार० वी० पट्टाभिरामन का 28-9-82 को निघन हो गया।

एस० बालासुकानणियन, उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकता-700016, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

सं० 6884 डी०/ए-19012 (3-ई० आर०)/19 बी०---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री ईश्वर राव को 17-7-82 (पूर्वाह्म) से त्याग-पत्न पर मुक्त किया जा रहा है।

धिनांक 8 विसम्बर 1982

सं० 8898 बी०/ए०-12025 (4-ड्रिलर)/81-19बी०भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित ग्रधिकारियों को
ड्रिलर के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 65030-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०
रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में,
श्रागामी श्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि
से नियुक्त किया जा रहा है:--

क सं०	नाम व पद्यनाम	कार्यग्रहण-तिथि
1. 2.	सर्वश्री ए० के० सिन्हा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) दिलीप कुमार राय, कनिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग)	15-10-1982 (पूर्वाह्म) 15-10-1982 (पूर्वाह्म)

एस० के० मुखर्जी, महा निदेशक

भारतीय खान ड्यूरो

नागपुर, विनांक 9 दिसम्बर 1982

सं० ए-19011 (313)/82-स्था० ए०--संघ लोक सेवा भ्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री बाई एम० बर्धवाल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक को दिनांक 19 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से भारतीय खान अ्यूरो में सहायक श्रयस्क प्रसाधन भ्राधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19012(162)/82-स्था० ए०--विभागीय पदो-झित सिमिति की सिफारिश पर श्री डी० एस० करकरे, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनन भूविज्ञानी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

> वि० चि० मिश्र, कार्यालय झध्यक्ष, भारतीय खान ब्यूरो

राष्ट्रीय श्रभिलेखागार

नई विल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० फा० 8-30/81-स्थापना--श्री तिरलोचन मिह तदर्थ आधार पर प्रशासन अधिकारी को एक फरवरी, 1982 से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थाई आधार पर प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

राजेश कुमार परती, अभिलेख-निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० ए०-19018/17/81-के०स० स्वा० यो०-2-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने डा० एस० एस० चन्द्रका पुरे को 25 श्रक्तूबर, 1982 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बस्बई में श्रायुर्वेदिक फिजिशियन के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> टी० एस० राव, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए०-12025/15/80 (म्रार० एम० एल० एच०) प्रशासन-1/एम० एच०-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० एल० रमेश को 30 सितम्बर, 1982 के भ्रपराह्न से तथा भ्रागामी भ्रादेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया भ्रस्पताल, नई दिल्ली में सहायक जीव रसायनक के पद पर भ्रस्थायी भ्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० के० घई, उपनिदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०--2)

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीवाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० ए०-19025/8/82-प्र०-III--संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्रनुसार श्री मीराचंद हालू को इस निदेशालय के ग्रधीन नागपुर में दिनांक 12-10-82 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन ग्रधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

> गोपालः शरण शुक्ल, कृषि विषणन मलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत्त परियोजना श्रभियांत्रिकी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 26 नवम्बर 1982

सं० वित्रश्रत्र/3(283)/82-स्थापना-196320--निदेशक, विश्वन परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापक सहायक लेखा श्रधिकारी श्री व्हि॰ बी॰ व्यापारी को जुलाई 12, 1982 के पूर्वाह्न से श्रगस्त 27, 1982 के श्रपराह्न तक उसी प्रभाग में लेखा श्रधिकारी—II के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति लेखा—श्रधिकारी—II श्री सी॰ पी॰ जोशी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए हैं।

विनांक 29 नवम्बर 1982

सं० विषम्रप्र/3(283)/82-स्थापना-196329-निदेशक, विद्युत्त परियोजना प्रभियांतिकी प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्रीर स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री डी० एल० गवाणकर को नवम्बर 22, 1982 के पूर्वाह्न से विसम्बर 24, 1982 के श्रपराह्न तक उसी प्रभाग में सहायक लेखा ग्रधिकारी के पद पर श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्त सहायक लेखा श्रधिकारी श्री व्हि० व्हि० सावंत के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर चले गए हैं।

ब॰ वि॰ थत्ते, प्रशासन श्रधिकारी

कय भीर भंडार निदेशालय

वम्बई-400001, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ऋ० मिन/ए/32011/3/76/स्था०/36942—परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋष धौर भंडार निदेणालय के निदेशक ने सहायक कार्मिक श्रिष्ठिकारी प्रशासन ग्रिष्ठिकारी-II श्री बी० जी० कुलकर्णी के रूप में पदोन्नित हो जाने पर इस निदेशालय के स्थायी सहायक के० रिवन्द्रन को रुपए 650-30-740-35-810-द०रो०-40-960 के वेतनमान में 2-11-82 (पूर्वाह्र) से 4-12-82 (ग्रुपराह्र) तक के लिए तदर्थ श्राधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक श्रिष्ठकारी नियुक्त किया है।

सं० क्रमिन/ए०/32011/3/76/स्था०/36946—~परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने प्रशासन ग्रिधकारी—II श्री एस० क्रुष्णन की छुट्टी मंजूर किए जाने पर ग्रस्थायी, सहायक कार्मिक ग्रिधकारी श्री भालचन्द्र गोविंदराव कुलकर्णी को रुपए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2-11-82 (पूर्वाह्र) से 4-12-1982 (ग्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ ग्राधार पर इसी निवेशालय में स्थानापक रूप से प्रशासन ग्रिधकारी-II नियुक्त किया है।

के० पी० जोसफ, प्रशासन श्रधिकारी

ग्रंतरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलौर~560058, दिनांक 19 नवम्बर 1982

स० 020/3(061) ए० श्री० 82---निदेशक, इसरी उपग्रह केन्द्र श्रधीलिखित व्यक्तियों की, प्रत्येक के सामने उस्लिखिन पदों पर तथा तारीखों के पूर्वाह्म से, अंतरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर से पूर्णतः अस्थायी तथा श्रंतिम रूप में आगामी श्रादेश तक नियुक्त करने हैं ——

ऋं० सं०	नाम	पद	विनांक
1	2	3	4
1	श्री टी० वासुदेवन	वैज्ञानिक/ईजीनियर ''एस० बी०''	22-10-82
2.	श्री सी० एन० उमापति	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	25-10-82
3.	श्री एच० मंजुनाथ प्रभु	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	26-10-82
4.	श्रीमती चित्रा राममूर्ति	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	29-10-82
5.	श्री नागेश उपा- ध्याय	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	2-11-82
6.	कुमारी एस० पुष्पा	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	3-11-82
7.	श्री ए० श्रार० मदन मोहन	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	3-11-82
8.	श्री टी० एस० मंजु- नाष	वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०"	4-11-82
9.	श्री एम० पी० वासुकि	वैज्ञानिक/ इंजी नियर ''एस० बी०''	4-11-82
10.	श्रीबी० रमेश	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	5-11-82
11.	कुमारी टी ∙ के० ग्रनुराधा	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	5-11-82
1 2-	कुमारी जी० धार० हरिणी	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	5-11-82
13.	श्री भ्रनन्तु के०	वैज्ञानिक/इंजीनियर ''एस० बी०''	11-11-82
	- 	पी०	एन० राजप्पी,

प्रशासन ग्रधिकारी

केन्द्रीय जल और विद्युत्त भनुसंधान शाला

पुण-411024, दिनांक 9 नवम्बर 1982

सं० 668/190/82-प्रशासन—निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत्त अनुसंधान शाला, खडकवासला, पुणे-411024, एतद्-द्वारा श्री भास्कर गणेश पटवर्धन, सहायक, केन्द्रीय जल आयोग नृई दिल्ली, की केन्द्रीय जल और विद्युत्त श्रनुसंधान शाला, पुणे में प्रशासन प्रधिकारी के जरिए वेतनमान कर 650-30-740-35-810-दर रोरु-35-880-40-1000-दर रोरु-40-1200 पर दिनांक 15 अक्तूबर, 1982 के पूर्वाह्न से एक साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति करते हैं।

श्री पटवर्धन, प्रशासन श्रिष्ठकारी से प्राप्त विकल्प दिनांक 16-10-82 का प्रयोग करते हुए श्री पटवर्धन का बेतन दिनांक 15-10-82 से रु० 680/— नियत किया जाता है, जो उनके केन्द्रीय जल ग्रायोग नई दिल्ली, सहायक के पद (वेतनमान रु० 425-15-500—द० रो०—15-560-20-700—द० रो० 25-800) का वेतनमान है। + (ग्रिधिक) उस पर 20% (प्रतिशत वीस) प्रतिनियुक्ति (कार्य) भत्ता जो ग्रिधिकतम रु० 250/— प्रतिनियुक्ति (कार्य) भत्ता वित्त मंद्रालय, व्यय विभाग के का० ज्ञा० संख्या एफ० 10(24)/ई-3(ख)/60 दिनांक 4-5-1961 समय-समय पर सुधारित तक सीमित है।

भा० ग० पटवर्धन, प्रशासन श्रिधकारी **कृते** निदेशक

नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

सं० ए०-32014/5/81-स्था० I-सौसम विज्ञान के महानिदेशक, भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के धागे दर्शाए गए दिनांक से श्रागामी श्रादेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

ऋं० मं०	नाम	सहायक मौसम वि- ज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने की दिनांक
1	2	3
 ₹		
1. 1	एस० एन० मेहरा	9-6-1982
2 1	एच० डो० बहल	20-9-1982
3	बी० एल० बहल	7-6-1982
4.	के० एम० साहा	2-9-1982
5.	एच० एस० भ्रहलुवालिया	20-9-1982
6.	राजेन्द्र प्रशाद	31-7-1982
7.	के० बी० गुहा	20-9-1982
8.	बी० एस० लाम्बा	27-9-1982
9.	वी० के० चोपड़ा	3-9-1982
	Year of the second	<u> </u>

के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

सं० ए० 38013/6/82-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के कलकत्ता स्थित निदेशक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन कार्यालय के श्री एन० एन० डे सरकार, सहायक संचार श्रिधकारी ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्बरूप दिनांक 31-10-82 (श्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग विया है।

दिनांक 2 विसम्बर 1982

सं० ए० 38013/5/82-ई० सी०-केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 के उपबन्धों के प्रधीन सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के कलकत्ता स्थित निवेशक मंचार, वैमानिक संचार स्टेशन के कार्यालय में श्री टी० के० घोष सहायक संचार ग्रधिकारी ने 31-10-1982 (ग्रपराह्म) को ग्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32013/8/81-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 26 जुलाई 1982 की ग्रधिसूचना सं० ए० 32013/8/81 ई० सी० के ऋम से राष्ट्रपति ने निम्नलिखित 11 ग्रधिकारियों को जो इस समय तदर्थ ग्राधारपर वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं, दिनांक 20-9-82 से भीर ग्रन्थ ग्रादेश होने तक नियमित ग्राधार पर वरिष्ठ तक-नीकी ग्रधिकारी के ग्रेड़ में नियुक्त किया है:—

ऋं० न सं०	ाम	तैनाती स्टेशन
्सर्वः	श्री	
1. पी०	डी० खभा	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय, नई दिल्ली।
2. एस	० सुन्दररामन	क्षे० नियंत्रक संचार का कार्यालय ।
3. एम	० के० पास	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।
4. श्रार	(० के० सिंघला	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद ।
5. पी०	जे ० श्र य्यर	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, (मुख्यालय) ।
6. एन) मांकर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक का कार्यालय, नई दिल्ली ।
7. एस	० पी० जैन	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम ।
8. कर्न्ह	्या लाल }	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली ।
9. एस	० सी० धुरेजः	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम ।
10. एस	० के० शर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम ।
11. रि	ग प्रकास हैं [€]	क्षेत्रीय निदेशक, नागर विमानज विभाग, नई दिल्ली ।

सं० ए०-32014/3/82-ई० सी०--महानिदेशक, नागर विमानन ने निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को उच्च पद का कार्यभार संभालने की तारीख से सहायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रौर उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है ---

ño To	नाम				वर्तमान तैनाती स्टेशन	जिस स्टेशन पर तैनात किया गया	कार्यभार सभ तारीख	ालने की
1	2				3	4	5	
	सर्वश्री							
1.	के० एल० भाटिया		•		बम्बई	बम्बई	30-7-82	(पूर्वाह्म)
2.	के० वी० जी० राव				विजयवाडा	मद्रास	20-9-82	n
3	लक्षमण राम .				कलकत्ता	कलकत्ता	28-7-82	11
4	पी० एम० गुप्ता				ए० सी० एस० दिल्ली	ए० सी० एस० दिल्ली	19-7-82	,,,
5.	सी० एस० प्रसाद		•		विशाखापटनम	मद्रास	20-8-82	71
6	पी० एस० जोली				सी० ए० पी० सी०	श्रार० सी० डी० यू०	24-7-82	н
					इलाहाबाद	नई दिल्ली		
7.	बेधत सिह्				म्रार० सी० डी० यू०	स्टाक टेकिंग पार्टी	29-7-82	,,,
					नई दिल्ली	डी० जी० सी० ए०		
8.	जे० एस० ढिल्लीं		*		म्रार० सी० डी० यू०	श्रार० सी० डी० यू०	5-8-82	")
					नई दिल्ली	नई दिल्ली		
9.	श्रार० सी० वर्मा			•	ए० सी० एस० दिल्ली	सी० ग्रार० एस० डी०	22-7-82	+1
						नई दिल्ली		
10.	के० के० भनोट				कलकेसा	कलकत्ता	22-7-82	11
11.	बी० वी० कृष्णामूर्ति		•		हैदराबाद	<mark>हैदराब</mark> ाद	22-7-82	J1
12.	एम० डी० भोर				नागपुर	नागपुर	22-7-82	73
13.	के० के० श्रीमाली				ए० सी० एस० दिल्ली	गोहाटी	2-11-82	37
14.	एस० सी० गोपीनाथ				मद्रास	मद्रास	22-7-82	"
15.	एस० वी० पिल्ले			-	बम्बई	बम्बई	17-8-82	17
16.	पी० एस० शेखन		•		कलकत्ता	कलकत्ता	30-7-82	"
17.	बी० स्रार० के० शर्मा		•		बेलगाम	अ म्बई	26-8-82	,,
18.	एस० सी० शर्मा			•	भुवनेश्वर	कलकता	30-7-82	"
19.	वी० एस० नन्दा				प्रगरतला	केलकता	19-8-82	11
20.	सी० जे० उदेसी	•	•		बम्बई	बम्बई	30-7-82))
21.	एस० सी० दत्ता		•		पानागढ्	कलकत्ता	25-8-82	,,
22.	्एस० श्रार० कालिया			•	ए० सी० एस० दिल्ली	न्नार० सी० डी० यू०	27-7-82	11
						नई दिल्ली		
	के०सी०तवर	•	•	•	अहमदाबाद	श्रहमदाबाद	28-7-82);
	. ईर्०के० बी० बाबू	•	•	•	त्रिवेंद्रम [⊭]	त्रिवेंद्रम	28-7-82	17
	. एन० वेंकटारमन		•	٠	बम्बई	बम्बई	18-8-82	,,
	. टी० के० घीशल	•	•	•	कलकत्ता	कलकत्ता	25-8-82	3.1
	. भोज राज .		•	-	ए० मी० एस० दिल्ली	ए० सी० एस० दिल्ली	25-7-82	17
	. के० एल० बजाज		•		कलकत्ता	कल्कत्ता	30-7-82	11
	. जगन सिंह् .	•	•	•	भोपाल	रायपुर	21-8-82	71
30	. पुरुषोत्तम कृष्णा		•	٠	श्रार० सी० डी० यू० नई दिल्ली	श्रार० सी० डी० यू० नई दिल्ली	20-7-82	3 r
31	. एम० एस० वारियर				मद्रास	मद्रास	26-7-82	т,
	2. एस० बी० सुब्बाराव			-	विकराबाद	हैंदराबाद	30-7-82	

1 2		3	4	5
33. के० भ्रंजानयुल्लू		, मद्रास	त्रिची	30-7-82 (पूर्वाह्न
34. एम० पूरनचन्द्र राव		. मद्रास	इ म्फाल	29-9-82 ,,
35. एस <i>० कृष्</i> णनन		. मद्रास	मद्रास	30-7-82 ,,
36. रमेण चन्द्र		. ए० मी० एस० दिल्ली	ए० सी० एस० दिल्ली ।	9-8-82 ,,
37. यू० के० यादव		. बम्ब ई	बम्बई	31-7-82 ,,
38. मृनमाय मलिक		. केलकत्ता	कलकत्ता	30-7-82 ,,
39. पी० वि श्वनाथन		. मद्रास	मद्रास	30-7-82 "
40. बी० एस० जज्ग्रा		. ग्रार० सी० डी० यू०	म्रार० सी० डी० यू०	20-7-82 ,,
, ,		नई दिल्ली	नई दिल्ली	
41. ए० श्रीनियासन		. मद्रास	मद्रास	6-8-82 ,,
42. पी० के० के० नायर		. ग्रीरंगाबाद	बम्बई	23-8-82 ,,
4.3.सी०के० डें.		. कलकत्ता	कलकत्ता	25-7-82 "
44. टी० एस० नायर		. त्रिवेंद्रम	त्रिवेंद्रम	27-7-82 ,, ⁴
- 15. वी० श्रीनिवासन		. मद्रास	मद्रास	30-7-82 ,,
46. एस० डी० कुलकर्णी		. बम्बई	बम्बई	2-8-82 ,,
17. श्रोंकार सिंह .	,	. बस्बई	बम्बई	30-7-82 ,,
18. डी० एल० एन० मूर्ति		. कलकत्ता	कलकता	28-7-82
.9. पी० बी० राव		. मद्राम	पोर्ट ब्लेयर	13-10-82
0. ग्रो०पी० खुराना		. सिहोरा	बम्ब र्द	22-9-82
 एम० एम० मोटवानी 	•	. ब म्बई	बम्बई	21 7- 00
2. ए० एस० ढोलके	•	. नागपुर	नागपुर	94-7-99
3. ए० बी० मेन गुप्ता		. कलकता	कलकत्ता	21_ 7-00
54. डी०के०गुप्ता		. बम्बर्ध	बम्बई	20 7- 90
४५. म्रविनाश चन्द्र	•	. सी० ए० टी० सी०	सी० ए० टी० सी०	0-0-00
	,	इलाहाबाद	इलाहाबाद	9-8-82 ,,
56. के०पी० गर्ग	_	. बम्बई	बम्बई	30-7-82
57. जे ० एस० सायब	•	. श्रीनगर	श्रीनगर	24-7-82 [†] ,,
8. श्रार० के० वर्मा		. कलकत्ता	कलकत्ता	27.7.90
59. ए० वी० कुलकर्णी	•	. नागपुर	नागपुर	20. 7.00
50. एन० तुलसीरामन		. मद्रास	बम्बर्द	16 0 00
50. ए० एस० कालेर		. भ्रार० मी० डी० यू०	प्रार० सी० डी ० यू०	01 5 00
11. do due 1447	•	. जार्डसार्डार पूर न ई दिल्ली	नई दिल्ली	21-7-82 ,,
32. स्वर्ण सिंह .		. ग्वालियर	न्नार० सी० डी० यू०	10 0 00
३८. रचणातह .		. '411/14'	नार विल्ली नई दिल्ली	10-9-82 ,,
 एच० एस० ढालीवाल 		. ए० सी० एस० दिल्ली	गर्थ । ५००। ए० सी० एस० दिल्ली	6 0 00
53. एक ० एस ० ढालावाल 54. जे० के० नाथ .	•	, ए० साठ एस गायल्या , कलकत्ता	ए० सार एस० ।दल्ला कलकसा	6-9-82 ,,
54. ज०क०नाथ . 55. सी०एम०गारेला	•	. कलकता . सी०ए०टी०सी०	क्लक्ता सी० ए० टी० सी०	26-7-82 ,,
००. सार एन० गारला			•	21-7-82 ,,
56. भ्रार० के० देशपाण् डे		इलाहाबाद . बम्ब ई	इलाहाबाद बम्बई	0.4 7 0.0
			,	31-7-82 ,,
37. भार० भो० रेगुल		. म द्रा स	मद्रास	30-7-82 ,,
58. एस० के० एन० पिल्ले	•	. कटी	बंगलीर स्टर्	11-8-82 ,,
39. एम० टी० रजनी	•	. सम्बद्ध	बस्बई	31-7-82 ,,
70. ए० के० नारंग	•	. श्रमृतसर	बम्बई	23-8-82 ,,
71. के० बी० बर्वे	•	. बम्बई	बम्बर्६	10-9-82

प्रेम चन्द, सहायक निवेशक (प्रशासः)

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1982

सं० 1/527/82—स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्ब्रारा श्री एस० वी० लोढे को 12 श्रगस्त, 1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक श्रावीं शाखा में श्रस्थायी रूप से सहायक श्रीभयंता नियुक्त करते हैं।

सं० 1/530/82-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता गाखा के पर्यवेक्षक श्री डी० ग्रार० नासकर को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रत्यकालिक रिक्त स्थान पर 6-9-82 से 25-9-82 तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 दिसम्बर 1982

सं 1/342/82-स्था०-विदेश संचार सेवा के महा-निवेशक एतद्वारा मद्रास के पर्यविक्षक श्री ए० ग्रार० श्री निवासन को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्पकालिक रिक्त स्थान पर 17-5-82 से 31-5-82 तक की ग्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रवंधक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 दिसम्बर 1982

सं० 1/190/82-स्था०--डी० टी० एस०, पूना जाखा के मुख्य यांत्रिक, श्री एच० एल० झांजी निवर्तन की श्रायु के हो जाने पर 30 सितम्बर, 1982 के श्रपराह्म से सेवा निवृत्त हो गए।

एच० एल० मलहोता, उप निदेशक (प्रशा०), **कृते** महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

सं० 1/30/82—स्था०—विवेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्दारा ए० एस० ई० एस० लाछ्छीवाला, देहरादून के अधी-क्षक श्रीएम० जी० कुलकर्णी को नियमित श्राधार पर 11-11-1982 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक श्रावीं शाखा में स्थानापन्न कप से महायक प्रशासन श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> पा० कि० गोविन्द नायर, निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 7 दिसम्बर 1982

संव 16/397/82-स्थापना-1-- ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहराद्न, श्री प्रनुतोप गृहा, वन रेंजर, अण्डमान निकोबार वन विद्यालय को दिनांक 23 सितम्बर, 1982 की पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक, पूर्वी वन राजिक महाविद्यालय, करस्यांग (पश्चिम बंगाल) में सहर्षे सहायक शिक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 दिसम्बर 1982

स० 11/325/79-स्थापना-I--ग्रध्यक्ष, वन भ्रनुसंधान संस्थान एवं महाविधालय, देहरादून, श्री एस० एन० बापत, एस० एफ० एस० (मध्य प्रदेश) को दिनांक 8-11-1979 से 13-3-1980 तक वन राजिक महाविधालय, बालाघाट में सहर्ष सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं, जिसके पश्चात् उनकी सेवाएं मध्य प्रदेश वन विभाग को पुनः सौंप दी गई।

रजत कुमार, कुल सचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

सं० 22/82—श्री एस० कम्पानी ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ में श्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 30~9~82 के श्रादेश सं० 178/82 (फा० सं० ए० 22012/55/81-प्रशा०-II) के श्रनुसार, सीमा शुल्क केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण श्रपील श्रधिकरण की दिल्ली स्थित न्यायपीठ में कनिष्ट विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप 'ख" के रूप में स्थानांतरण हो जाने पर दिनांक 5~11-82 (पूर्वाह्म) को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमाशुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई विल्ली में उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 23/82—श्री के० एल० मरवाह ने, जो पहले प्रकाशन निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक ग्रुप "क" के पद पर कार्य कर रहे थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 6-11-1982 के भादेश सं० 190/82 (फा० सं० 22012/83/82-प्रशा०-II) के भ्रनुसार निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुक्क में स्थानांतरण होने पर दिनांक 13-11-1982 (भ्रपराह्न) से श्री श्रो० एस० छाबड़ा के स्थानान्तरण होने से रिक्त स्थान पर सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० बी० सरकार, निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं० 33/1/82-ई० सी०-9—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित नामितों को उप-वास्तुकों के अस्थाई पदों पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क") के० लो० नि० विभाग में रुपए 700/— प्रतिमाह वेतन पर रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/— के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सिहत) सामान्य नियमों एवं शतौं पर प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथियों से नियुक्त करने हैं:——

श्री आर० एस० चौहान

8-10-1982

2. श्री जवाहर लाल बोस

4-10-1982

- (2) उनके वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जायेगा।
- (3) इन्हें नियुक्ति तिथियों से 2 वर्ष की अवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

दिनांक, 9 दिसम्बर 1982

सं० 33/1/81—ई० सी०—9—राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग की नामित श्रीमती कोयल दास को उप—वास्तुक के अस्थाई पद पर सामान्य सिविल सेवा ग्रुप "क" (के० लो० नि० विभाग में रूपए 980/ प्रतिमाह वेतन पर रूपए 700-40-900—व० रो०—40-50-1100-1300/— के वेतनमान में) अतिरिक्त भक्तों सहित सामान्य नियमों एवं शतीं पर दिनांक 8-10-82 से नियुक्त करते हैं जैसे कि संघ लोक सेवा आयोग ने सिफारिश की है।

2. श्रीमती दास को उनकी नियुक्ति की तिथि से 2 वर्ष की अविध के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

> ए० के० नारंग, प्रशासन उपनिदेशक

रेल मंद्रालय (रेलवे बोर्ड) नई दिल्ली, विनांक 14 दिसम्बर 1982 जन अधिसूचना

स० 82/आर० ई०/161/6—दक्षिण पूर्व रेलवे के नीचे दिए गए खंडों पर स्थित रेल लाइनों तथा परिसरों का उपयोग करने वाली की सामान्य सूचना के लिए एतद्दारा यह अधिसूचित किया जाता है कि खंडों के सामने अंकित तारीखों को 25000 वोल्ट 50 साइकिल ए सी शिरोपरि कर्षण तारों में बिजली चालू कर दी गई है। उसी तारीख से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय बिजलीयुक्त माना जाएगा तथा कोई भी अनिधकृत व्यक्ति उक्त शिरोपरि लाइनों के समीप नहीं जाएगा या कार्य नहीं करेगा।

खण्ड	ता रीख
कोरापुट (रहित) अराक् (सहित) अराक् (रहित) वास्टेयर (सहित) बास्टेयर-किरान्डुल के खंड	5-11-1982 1-12-1982

हिम्मत सिंह, सचिव, रेलवे बोर्ड विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी अधिनियम, 1956 और

आसानसोल इलेक्ट्रिक संप्लाई कम्पनी लिमिटेड (समापन-अन्तर्ग**रा)** के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 🖰 दिसम्बर 1982

सं० कल०/7502/एच० डी०/1934—कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्-द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 23-7-79 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और

बंगाल इंजीनियरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में कलकत्ता, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

सं० एल०/5869/एघ० डी०/1944—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्चन्यायाल कलकत्ता ने दिनांक 7-8-1979 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

ह०/प्रपठनीय कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्यप्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में एवं मैसर्स सेवन्ताबाई फायनेन्मर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, भोपाल (म. प्र.) के विषय में

ग्वालियर-474009, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

सं० 1130/पी० एस०/सी० पी०/3264—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अन्तर्गत एसद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से तीन मास की समाप्ति पर, मैसर्स सेवन्ताबाई फायनेन्सर्स एंड चिट फण्ड कम्पनी प्रा० लि०, भोपाल (म० प्र०) का नाम, यदि इसके विरूद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो, रजिस्टर से काट दिया जाएगा एवं कथित कम्पनी समाप्त हो जाएगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश, खालियर कार्यालय कम्पनी निबन्धक, बिहार कम्पनी अधिनियम 1956 और भैली भीयु विभरीज निमिटेड के विषय मे पटना-800001, दिनाक 9 दिसम्बर 1982

स० (852) 560/118—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा(3) के अनुसार एनद्बारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख़ से तीन माह के अवसान पर भैली भीय विभरीज

कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर भैली भीयू विभरीज लिमिटेड का नाम इसके प्रांतकूल कारण दिखाया नहीं गया तो बही से नाम काट दिया जाएगा और उक्त कस्पनी विघटित कर थी जाएगी।

> ए० वहाब अन्सारी कम्पनी र्राजस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले मे और सुदर्शन चिट्स (इडिया) लिमिटेड के मामले में।

कोचीन, दिनाक 9 दिसम्बर 1982

म० 2481/लिक्व/11173/82—सिविल स० सी० पी० 8, 9 और 49/81 में एरणाकुलम में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 13-10-1981 के आदेश द्वारा मुदर्शन चिट्स (इंडिया) लिमिटेड का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

> के० पचापकेशन, कम्पनियो का रजिस्ट्रार, केरल

पुरूप आई. टी लान् लास -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की साथ २८९-६ (1) के अधीन मृबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस० बार०-1/ ए०-82/9094—म्प्रत: मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269- य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संक्या 33, ब्लाक 'सी' है तथा जो ग्राचार्या कृपलानी रोड, ग्रादर्श नगर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिन्तारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्द सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रन् प्रतिमत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रम्तरकों) ग्रीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए स्थ पाया ग्रमा श्रांतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण निश्चित में अस्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है।—

- (क) अम्सरण में हुई किसी बाय की बाबत, उनके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक यों कमी करने या उसने अभने में सविधा के लिए: बौर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जक्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निणिसित, व्यक्तियों, अर्थास् :— श्रीमित उषा नागपाल पत्नी श्री ए० के० नागपाल, निवामी-1760 मुलतानी मोहला, रानी बाग, शक्र वस्ती दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमिति विना जैन पत्नी श्री रिसभ प्रकाण जैन ग्रीर श्रीमिति प्रेम जैन पत्नी श्री विमल प्रकाण जैन, निवासी 21/15 शक्ति नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को सिह कार्यजाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त खड्यों और पदों का, जो अवस विधिनियम, के सध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस सध्यास में दिया गया हैं।

अनुसूची ।

प्लाट नं० 33, ब्लाक 'सी' ग्राचार्या क्रुपलानी रोड, ग्रादर्श नगर, दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज ।

> सुधीर अन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 26-11-1982

प्रस्प बाह् .टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सि०/एक्यू०-2/एस० धार०-1/4-82/9101—धतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 53, ब्लाफ 'बी' है तथा जो ग्रादर्श नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन ग्रुप्रैल 1982

को पृशांक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों नते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

- श्रीमित उमा रानी पत्नी श्री मोहिन्दर सिंह, निवासी डी-12, हकीकत राय रोड, श्रादर्ण नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमित राज कुमारी पत्नी श्री कृशन लाल चढा, निवासी डी-5/7, माडल टाउन, दिल्ली । (ग्रन्तरिनी)

को सह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताकारी के पास सिविस में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया स्या है।

अनुसूची

प्लाट नं० 53, ब्लाक 'बी', राजन बाबू रोड, म्रादर्श नगर, दिल्ली, एरिया 150 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजेन रेज-2, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को स्थीन, निस्नितिकत् व्यक्तियाँ, अर्थात्ः

दिनांक: 23-11-1982

प्रक्रम आई टी एन एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,,000/~ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी म० ए-4/3 है तथा जो राणा प्रताप बाग, जी० टी० रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिनें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

1 श्रीमित मुहाग वर्ली खेरा विश्वश पत्नी श्रो हुन्दन लाल खेरा, निवासी ए-4/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री बेद प्रकाण खेरा सुपुत्र स्थ० श्री कुन्दन लात खेरा, श्रीमिति निर्मल खेरा पत्नी श्री वेद प्रकाण खेरा, निवासी ए-4/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्निरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सपत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्योकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

सेल डीड के साथ नक्शे में लाल दिखाया हुआ भाग जिसका नं ए-4/3, राणा प्रताप बाग, जी टीं रोड, दिल्ली, तादादी 235 वर्ग गज है।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात --

नारीख 23-11-1**982** मोहर

3-396 GI/82

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

आयंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन संअम प्राधिकारी को, यह शिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 12, ब्लाक-एफ० है तथा जो शॉपिंग सेन्टर न० 1, मानसरोवर गार्डेन, बसईदारापुर दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अस्तरकों) जोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में शक्तिकत, निम्नलिखन तहीं हिंगा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उकत अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्य में अभी करने या उससे अचने में सुविधा को बिए; और/या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उका श्रीमिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में में उक्त भ्रीमिनियम की धारा 269-थ की उपन्नारा (1) के को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— 1. श्रीमित बीरन बाली पत्नी श्री सैन दिता राम, निवासी जैड-जैड-2, सरवस्वती गार्डेन, नई दिल्ली, द्वारा उनके जी० ए० गुलणन कुमार पाहवा सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह पाहवा, निवासी बी-16, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रमरजीत सिंह मुपुत्र एस० वार्याम सिंह, निवासी जे-158, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरु करता हूं।

उक्त सम्पति के भाजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

नियम, के प्रध्याय 20-क में विथा गया है।
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय 21-क में विथा गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 12, ब्लाक न० एफ०, शॉपिंग सेन्टर न० 1, तादादी 166.7 वर्ग गज, खमरा न० 2362, स्थापित—— मानसरोवर गार्डेन, बसईदारापुर, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

दिनाक 26 नवम्बर 1982 मोहर प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० ग्रार०-1/ 4-82/9115—श्रतः, मुझे, मुधीर चन्द्रा

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिसकी स० एल०-43 है तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची भे भ्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्णीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रायमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रायमान प्रतिकाल सं, एसे द्रायमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंधनियम के अधीन कर दोने मं अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए.

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 260 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात :-- अधि बनारसी लाल, श्री याल कृणन मर्मा सुपुत्रगण स्व० श्री जे० श्रार० गर्मा, निवासी एल/43, किनी नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमित बसन्ती एन० साह पत्नी श्री नबीन साह. निवासी 1/153, िकर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म काई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राज्यकुर्म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में दें किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशक की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रुभ्यत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास जिल्हा मा किए जा सकारी।

स्थव्यक्रिरण — इसमेप्रयुक्त रब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० ए० ल०/43, स्थापित—कितीं नगर, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 23-11-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 4-82/9123—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी म० 1204 में 1207 है तथा जो बाजार मालीवारा, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्रयीन स्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः ——

- श्री नरेश कुमार मुपुत्र श्री वजीर सिंह एलीयस नाटो मल, निवासी ई-4/22, माडल टाउन, दिल्ली-8। (अन्तरक)
- श्रीमित मधु गुप्ता पत्नी श्री ग्रिनिल कुमार गुप्ता निवासी 108 बनारसी दास इस्टेट, तिमारपुर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पृथां क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

प्रो० न० 1204 से 1207, वार्ड नं० 5, नादादी 152.9 वर्ग गज, बारिमालीवाडा दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्रकल्प मार्ड, टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-1/4-82/9128-प्रत. मुझे, सुधीर चन्द्रा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या 1/85, है तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भार-तीय रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (190 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यभान यतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे **बुश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह** प्रतिशत अधिक । प्र**न्तर**क (मन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिविदत उद्देश्य से उनत ग्रन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की गायत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (स्त्र) ऐमीकिसी आय या किसी घनया अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर धिर्मियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

अन: प्रव, उक्त ग्रधिनियम की भारा 289-ग के प्रनु-सर्ण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) से मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो प्रवीत्:--

1 श्री भ्रमोक कुमार सुपुत्र श्री कस्तूरी लाल, निवासी-1/ 86, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री सुभाष चन्दर बवेजा सुपुत्र श्री हुकुम चन्द बावेजा, निवासी 1/129, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूभना जारो करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्वावर संपत्ति हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पान लिखिन में किए जा मक्तेंगे।

ल्पक्रीकरण ।-- इतमें प्रयुक्त तक्यों कीर पर्यों का, वा उनत चिधिनियम के घध्याय 20-年 परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस **ग्रम्याय में विका ग**या है।

अनुसूची

प्रो० न० 1/86, तादादी 194 वर्गगज, स्थापित किर्ती नगर, नई दिल्ली एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

दिनाक 23-11-1982 माहर.

प्रक्म नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ $\pm -82/9159$ --श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 1, ब्लाक ए, है तथा जो स्वरन सिंह रोड, श्रादर्श नगर, दिल्ली-33, मे स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण मिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रश्रैल 82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री रतन लाल गुप्ता सुपुन्न श्री टिका राम गुप्ता, निवासी बी-4/ए/10 राणा प्रताप बाग, विल्ली-8 (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमिति शिश सूरी पत्नी श्री रमेश सूरी, निवासी-36/24 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना कारी करके पृथाँक्त सम्मित्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नकीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुधी

प्लाट न० 1, ब्लाक नं० ए, तादादी 213 वर्ग गज, स्वरन सिंह रोड, श्रावर्ण नगर, दिल्ली-33।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम० म्रार०-2/ 4-82/9164—म्रत मुझे, सुधीर, चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विव्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार राज्य 25,000/- राज से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या 5852-53 ग्रौर 5875-77 है तथा जो बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्टीन, ग्राप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्तिस का उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश से उक्त अन्तरण निषित में वाम्निविक म्ल्य से किथात नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्तिका व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री परस राम श्रीर दया चन्द सुपुत्रगण श्री शाम दास, श्रीमित कोशल्या रानी पत्नी श्री चन्दर कुमार श्रीर श्रीमित सरवती देवी विधवा पत्नी श्री राम दास, निवासी केसर गज, मेरठ ।

(अन्सरक)

 श्री राम किशोर सृपुत्र श्री ज्योती प्रसाद, निवासी-3011, भगवान गज, बहादूर गढ रोड, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रींकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मविभाजित ग्राक्षा भाग प्रो० नं० 5852-53 ग्रौर 5875-77, वार्ड नं० 14, बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली।

> सुधीर चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक 23-11--1982 मोहर

प्रकप भाइं.टी.एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (नित्रीक्षण) प्रजैन रेंज, 2 नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार० 1/4-82/9165—यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या 5852-53 श्रौर 5875-77, है तथा जो बस्ती हरफूल सिंह, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 82

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलित उद्दोष्य में उतन अन्तरण निम्नित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री पारस राम श्रौर वया चन्द सुपुत्रगण श्री राम दास, श्रीमित कोणल्या रानी पत्नी श्री चन्दर कुमार श्रौर श्रीमतीं सरस्यती देवी विधवा पत्नी श्री राम दास, निवासी केमर गंज, मेरठ।

(अन्तरक)

2 श्रीमित फूलवती पत्नी श्री राम किशोर, निवामी-3011, भगवान गंज, बहादुर गढ़, दिल्ली (श्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु**स्ची**

स्रविभाजित माधार भाग प्रो० नं० 5852-53 स्रीर 5875-77, वार्ड नं० 14, बस्ती हरफूल सिंह ,दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 23-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार० 1/4-4-82/9166-- ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स नाधक है श्रीर जिसकी संख्या 2622, वार्ड XI है, तथा जो कूचा चेलन दरीया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रंप्रेल 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उधित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युदेश से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---5---396 GI/82 श्री तारा चरन गुप्ता सुपृक्ष श्री ज्योति प्रसाद, निवासी मकान नं० 2622, कूचा चेलन, दरिया गज, नई दिल्ली 2 ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जिया-उर-रहमान नैयर सुपुत्र श्री श्रजिज-उर-रहमान नैयर निवासी 4348/4-सी, ग्रंसारी रोड, दिर्या गंज, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

रिमेनिंग भाग प्रो० नं० 2622, कूचा चेलन, वार्ड नं० XI, दिख्या गंज, नई दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 23-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ण) श्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० झार०-1/ 4-82/9167---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से किथिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 7764-7765, है तथा जो दो मंजिला मकान राम नगर, पहाडगंज, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुपूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रील, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान पतिफल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) से बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनन ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किना नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिक नियम, के अप्रीत कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घरण मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त ग्रिंघिनियम, या धन-कर ग्रिंघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था कियाने मे स्थिता के सिए।

प्रतः सव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपवादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री ग्रमर कुमार गोरा वारा 1/4 हिस्से (2) श्री जगदीश कुमार गोरा वारा 1/4 हिस्से (3) श्री बसन्त कुमार गोरावारा 1/2 भाग।

(ग्रन्तरक)

2 मैं० निझावन रेवल सर्विस प्रा० एफ-53, भगन सिंह मार्केट, नई दिल्ली और श्रीमित उमिला अरोड़ा, पत्नी श्री सतीश कुमार श्ररोडा निवासी-2463 मालवा स्ट्रीट, पी० गंज, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेर :---

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबद्यी व्यक्तियों पर सूचना का तामीन प 30 दिन की अवित्र, जो भी अविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भी नर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्याप:
- (ख) इस सूवता के राजात में प्रशासन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अवाद्म्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

हरा किरग:---इनमें प्रयुक्त भन्दों घीर पढ़ों हा, जो उक्त सक्षि-नियम के श्रष्टनाय 20-क में परिभाषित है, बहो सर्थ होगा, जो उत्त सक्ष्माय में विया गया है।

बन्स्ची

दो मंजिला मकान म्युनिसिपल नं० 7764 श्रीर 7765, राम नगर, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, तादावी-253.1/3 वर्ग गज ।

सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० मार०-1/4-82/9177—म्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जी/51, है तथा जो बाली नगर एरीया, ग्राम बसईदारापुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अतिरिती की गई है और मूफ्ते यहिन हिरास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिनत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री प्रजन सिंह ग्ररोड़ा सुपुत श्री खेम सिंह ग्ररोड़ा, निवासी-जी/51, बाली नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमित विद्या विद्या पत्नी श्री दुनि चन्द्र श्राहुजा, निवासी 5/20 डब्ल्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली वर्तमान निवास स्थान-जी/51 बाली नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा राकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बना हुन्ना मकान प्लाट नं० जी/51, तादादी 200 वर्ग गज स्थापित बाली नगर, नई दिल्ली एरीया ग्राम-बसईदारा-पुर, दिल्ली राज्य।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज 2,दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहरू 🖰

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु० 2/एस० श्रार०-1/ 4-82/9178—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000 ∕- रुत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 23, है तथा जो नार्दर्न सीट एक्सटेंशन स्कीम नं० 1, एस०/ मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में पूर्व रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्राथिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं,उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री जगदीश चन्दर सुपुत्र श्री बाधा राम, निवासी नं० 23, कमला नगर, एस०/मंडी, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित सुदेश पत्नी ग्रो० पी० भोला ग्रीर श्री श्रमिताभ भोला सुपुत्र श्री ग्रोम प्रकाश भोला, निवासी-51 राजपुर रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजप≉ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 23, एरीया 1250 वर्ग गज, वाईड रिसो लुशन नं० 452, नार्दर्न सिटी एक्सटेंशन स्कीम नं० 2, सब्जी मंडी, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्रार्ह० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/4-82/7055—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मांगली सकावती, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है धौर मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिमत से अधिक है और ध्रन्तरिक (ध्रन्तरिकों) धौर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर वेने के बण्तरक के दावित्व में कमी करने या धससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के निष्ण;

प्रतः पन, उनतं विधिनियम की धारा 269-म के प्रमुस**रण में, में, उन**त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा(1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्

 श्री जाखू सुपुत्र श्री मंगतु निवासी नांगली सकाबती, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री राकेण खन्ना सुपुत्र श्री जे० सी० खन्ना, निवासी सी-42 राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी क्रांड्रें पूर्वीक्त स्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक्र संपत्ति में हितनक्ष किसी अन्य यक्तियों द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादाची 9 बीघ 12 बिश्वे, ग्राम नांगली संकावती, दिल्ली ।

> सुधीर बन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली विनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/ एस० ग्रार०-2/ 24-82/7056—श्रत. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली, सकावती, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री जालु सुपुत्र श्री मंगतु, निवासी ग्राम नांगली सका-वती, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ऋषि खन्ना सुपुत्र श्री जे॰ सी॰ खन्ना, निवासी॰ सी॰42, राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(ध्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 9 बीचे, 12 बिक्ष्वे, ग्राम नांगली सक्षावती, दिल्ली ।

> सुधीर भन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23 नवम्बर 1982

प्ररूप आर्ड. टी एन. एस.-

ग्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43)की घारा 269थ(1) के ग्रंगीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय रु आय रूर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 2. नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/4-82/7057--- अत. मुझे, सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उपन यधिनियम' कहा गया है), की बारा 249 ख के अधीन सक्षप प्राधिकारों को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिन वाजार मृत्य 25,000/- ६० से आधिक है श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो नागली सकावती, दिल्ली मे स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक भ्रप्रैल 1982 को पूर्वीक्त सम्पान के उचित धाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीनत सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके पुरुषवान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियाँ) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्राप्त-फल निम्मनिखित अर्थ्य से अन्त बन्तरण सिखित में नास्तविक रूप से किया गया है।---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत जकत श्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया अना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के जिए;

बतः, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--- 1 श्री जालू सुपुत्र श्री भगतु, निवासी ग्राम नांगली संकावती, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमित सुशीला खन्ना पत्नी श्री जे० सी० खन्ना, निवासी सी 42 राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारो करके पूर्वोक्त सम्मानि के <mark>प्रजांन क लिए</mark> कार्यवा**हियां करता** ह ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीत से 30 दिन का श्रविध, जा भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के सीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संगत्ति में 'हृतसद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पत्स निखित में किए जा सकरिं।

हरब्दीकरग:--इमर्पे प्रयक्त जब्दा और पदों का, जो उक्त ग्राधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रायं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 7 बीघे, 16 बिश्वे, ग्राम नांगली सकवती विल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्स (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

विनाक 23-11-1982 मोहर: प्रकप आई० टी• एन० एस•---

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 26 नवस्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/4-82/7060—--ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जे-6/91 एन० है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली, एरिया ततारपुर, में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री करतार सिंह श्रौर श्री कुलदीप सिंह सुपुत्रगण श्री मेंघा सिंह, निवासी-बी-17, टैगोर गार्डन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ सूरी मुपुत्र श्री फकीर चन्द सूरी, निवासी-जे 5/, 101-बी, राओरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-न्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

प्रो० नं० जे-6/91-एन, तादादी 160 वर्गगज, कालोनी जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली के नाम से जाने जाते हैं, एरिया तातारपुर, दिल्ली प्रणासन दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 26-11-1982

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- प्ररूप आई टी एन एस -----

जामकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली विनाक 23 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हैबतपुरा, दिल्ली मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रप्रील 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिम्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उिमत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- 4—396 GI/82

अीमित वीवेनी देवी एलीयम बेनी, सुपुत्ती श्री नेत राम तथा पत्नी श्री विष्णु गुप्ता, निवासी-ग्राम-दिचाव कला, दिल्ली।

(श्रन्तरक)

3 श्री ग्रशोक कुमार सुपुत्र श्री सूरज मल, निवासी-प्रकाश भवन बहादुर गढ, रोहतक

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 16 बीघे, 3 बिग्वे, स्थापित ग्राम हैबतपुरा, दिल्ली।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, दिल्ली-2, नई दिल्ली

दिनाक . 23 नवम्बर 1982 मोहर

प्राक्ष्य वार्षः टी. एन . एस . ------

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

शारत तरकाड

कार्यांसय, सहायक आयकर नायुक्त (निर्दासण्) सर्जन र्रेज-2, भई दिल्ली

मई विल्ली विनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-मार०-2/ 4-82/7073----मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य 25900/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या डी /31, है तथा जो भजय इन्क्लेव एरिया ग्राम तिहाड, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, उच्ल अधिनियम के वधीन कार बोने के बन्तरक के वायित्व में कभी कारने या उससे क्षण में सुविधा के लिए; ब्रोड/या
- (था) एसी किसी जाय या किसी थन या वन्य जारितयों कारे, जिन्हु आरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्याने में सुविधा के लिए:

सतः जब, उक्त अधिनियम् कौ भारा 269-व कै अनुसरक मों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों कर्यात्ः—

- भी एस० बिशन सिंह सुपुत्र एस० प्रतर सिंह, निवासी 210, स्ट्रीट नं० 2, हरगोबिन्दपुरा, जग-रांब, जिला लुधियाना, द्वारा उसके सुपुत्र ग्रौर ग्रटार्नी श्री नरेदर सिंह, (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बहादुर सिंह ग्रौर श्रीमित हरचरन कौर निवासी-23/73-बी, तिलक नगर, नर्ष विल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्मित्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामिल से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षद्री के पास् सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्वृद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्यों का, जो उक्छ अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित् इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया इं.शे

नन्स्यी

प्ला नं॰ डी/31, धजय इन्क्लेब, एरिया प्राम-तिहाइ, दिल्ली, भूमि तादादी 200 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन., एस.,------

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/4-82/7074 भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विश्वांव कला दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है;——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।।

कतः वस, उस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत् हि— श्री रुप नारायण प्रोम प्रकाश भगवान सरूप सरूप वेद सरूप महेश सरुप भौर मानन्द सरुप सुपुत्रमण श्री विष्णु गोपाल निवासी-ग्राम-दिश्रांव कला दिल्ली

(प्रस्तरक)

2. श्री सन्त राम सुपुत्र श्री शंका लाल निवासी 75-ए साउथ एक्स० नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितत्त्रों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

कृषि भूमि तादादी ६० बीघे प्राम विचान कला दिल्ली

सुधीर जन्द्रा सक्तम प्राधिकारी: सहायक प्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक : 23 नवम्बर 1982

मोहरः

मारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

जजनई दिल्ली दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/4-82/7075 श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसमा छिवत बाजार मूस्य 25,000/- २० छ प्रधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-दियांव कला दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के लिए; आहे./या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त भिधिनियम, या धन-कर. मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

 श्री रूप नारायण श्रोम सरुप भगवान सरूप ब्रह्म सरूप वेद सरूप महेश सरूप श्रीर श्रानन्द सरूप सुपुत्रगण श्री विष्णु गोपाल निवासी-ग्राम-दिचांव कलां दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजेन्दर सिंह सुपुत्र श्री जिले सिंह निवासी रिंग रोड-सर्विस स्टेशन साउथ एक्सटेंगन भाग 1 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह नूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के <mark>सर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियो करताहु।

उन्त सम्पति के प्रजी के प्रबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 पिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-षद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बक्षों अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में किया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 60 बीघे स्थापित-ग्राम-दिचांत्र कलां दिल्ली ।

> सुधीर चब्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रामुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः—

दिंभांक: 23 नवम्बर 1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० भ्रारं०-2/ 4-82/7076 भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम, दिचांव कलां दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई-दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्राप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहों किया गया ही:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

को अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रूप नारायण, ग्रोम सरूप, भगवान सरूप, ब्रह्म सरूप, वेद सरूप, महेश सरूप ग्रीर ग्रानन्द सरूप सुपुत्रमण श्री विष्णु गोपाल निवासी-दिचांव कलां दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

 श्री राम कुमार सुपृत्न श्री सूरत सिंह निवासी-ग्राम श्रीर पो० दिचाब कला दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 60 बीघे स्थापित-ग्राम-दिचांव कलां दिल्ली ।

> जंसुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई विल्ली

विनांक 23 नधम्बरा 1982 मोहर: प्ररूप नाइ े. टी. एन., एस्., -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुभीन सुमृता

भारत सुरुकार

कार्वालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनोक 23 नवम्बर 1982

मिर्वेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० धार०-2/4-82/7077— धतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, 9

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- क से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-दिचांव कली दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ग रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-क्क निम्निसिक्त उद्वेदक से उक्त अन्तर्भ निस्विद में बास्तिक क्यू से कियत नहीं किया ग्या हैं:—

- (क्य) मान्यसम् ते हुन् निक्षी नाम का नामत समत निध-नियम के नधीन कर दोने के नस्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविक्षा के लिए; बीड़/मा
- (च) ऐसी किसी आव वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

नतः नव, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्थ में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के जन्मभ, जिल्लिकित व्यक्तियों, नर्भात् :— श्री रूप नारायण, भ्रोम सरुप, भगवान सरूप, ब्रह्म सरूप, वेद सरूप, महेश सरूप भ्रोर भ्रानन्द सरूप सुपुद्रगण श्री बिष्णु गोपाल निवासी-ग्राम-विचांव कलां दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामा नन्द सुपुत्र श्री सूरत सिंह निवासी-क्राम भीर पो॰ दिसांव कलां दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकने।

स्पृत्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मूमि तादादी 60 बीचे स्थापित-ग्राम-दिचांव कलां दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्ली

विनाक: 23 नवम्बर 1982

प्रकृप बाई॰ ही॰ एव॰ एस॰----

आयजर चिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के घडीन सुचना बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं धाई ए० सी । (एक्यू) / एस । धार । 4-82 / 7086-धार मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सी/12 है तथा जो ग्रजय इन्क्लेय दिल्ली एरिया 133 वर्ग गज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्ती ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैं 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उिचत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का अराण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत; करते श्राधि-नियम के अश्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के खिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या चम्य धारितवाँ को जिन्हें भारतीय धायकर धांतियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त बासिनयम, या ध्रम-कर धांत्रिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

भतः भव, उक्त प्रविनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के सभीन निकासिक व्यक्तियों, सभीत् :--- श्री शिव दत्त मर्मा सुपुत्र श्री सुन्दर दास मर्मा निवासी-डब्स्यू-जैड-14 ए, मीनाक्षी गार्डेन दिल्ली

(मन्तरक)

2. श्रीमित दमयन्ती पत्नी श्री शिव दत्त शर्मा निवासी डब्स्यू-जैड 14ए मीनाक्षी गार्डेन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी अध्येक पूर्वोक्त सम्पत्ति के आर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तस्वाध में कोई भी बाबोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयक्थ किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी/12 स्थापित-म्रजय इन्स्लेव विल्ली भिम तादादी 133 वर्गगज

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन-रेंज,2 दिल्ली, नई विल्ली

विनांक: 23-11-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भार०-2/ 4-82/7087—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कंझवला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रग्रैल 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रीमित मारो विधवा पत्नी श्री सिरी राम, निवासी-ग्राम-कशवला, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री बिशन सम्बंप मुपुत्र श्री छज्जू राम श्रीर श्रीमित रण्मी देवी पत्नी श्री परमा नन्द निवासी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पस्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

कृषि भूमि तादादी 12 बीघे 16 बिग्वे, स्थापित-ग्राम-कंप्सवला, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23 तबम्बर 1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०-2/ 4-82/7096- ग्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

पौष जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-करोला, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्य प्रमुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन श्रील 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किसान में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृजिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में स्थिया के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधित् :-6—396GI/82

- 1. श्रीमित बिमला देवी बंसल परनी श्री रमेश कुमार निवासी-बी० एम० 49 शालीमार बाग, दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2 श्री दया नन्द णर्सा मुपुत्त श्री एन० एल० णर्मा निवासी-मेवक रोड, सिलीगरी (नेस्ट वगाल) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए हा सकींगे।

स्पष्टीकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीधे, 18 बिश्वे, खसरा नं० 104/10,-प्राम-करोला, दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनाक 23,11-1982 मोहर : प्ररूप बाई. टी. एन. एस -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक मायकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 26 नवम्बर 1982 निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/4-82/7162—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 290 ब्लाक 'ई' है तथा जो नारायणा निवासीय योजना, एरिया-ग्राम-नारायणा, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रील 1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

 श्री राम प्रकाण मुपुब श्री रमल दास, नित्रासी-5/13, पंजाबी बाग ईस्ट, नई दिल्ली।

(अस्तरक)

2. श्री राजिन्दर कृमार मैनी सुपुत्र श्री हरबस लाल, निवासी-ई-268 नरायणा निवासीय योजना, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इन सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्रो० नं० 290, ब्लाक 'ई' स्थापित-लेय-म्राउट, प्लान, नरायणा निवासीय योजना, एरीया नारायणा, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2, दिल्ला, नई दिल्ली

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितृ:——

दिनांक 26-11-1982

प्रक्ष भाई • टी • एन ० एस ०------

आयकर प्रीक्षित्तयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-2/ 4-82/7164----श्रन. मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६/१-च के अधीन मक्षम पाणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी मख्या 11/51, है तथा जो पंजाबी वाग, नई दिल्ली, एरिया मादिपुर, मे स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैंन 1982

को प्लोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल से, एसे द्रश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा की लए, और/मा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंख व्यक्तियों, अर्थातः—

1 श्री गुरबचन सिंह (2) सुरिन्दर पाल सिंह श्रीर (3) बालविन्दर सिंह सभी सुपुत्रगण श्री मोहन सिंह निवासी-मकान नं० 11/51 पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 मैं० लिबर्टी फुट वियर क० दिल्ली, एच० भ्रो० रेलवे रोड, करनाल (हरियाणा) द्वारा श्री डी० पी० गुप्ता मुपुत स्व० श्री लण्जा राम एक भागीदार (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्जन के निए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 11/51, तादादी 538.89 वर्ग गज, स्थापित पंजाबी बाग, नई दिल्ली एरिया ग्राम-मादिपुर, दिल्ली प्रशासन दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारील 26 11 1982 मोहर :

प्रकप बाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-2,नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश म० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० प्रार०-2/4-82/7166—प्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का श्रारण हैं कि स्थावर सर्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम टेहरी दौलत-पुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एस द्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी नाम मा किसी भन मा नम्म नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अन्मरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात ---

श्री शिव कुमार, सुरेग कुमार, विनोद कुमार भौर सिरी स्रोम सुपुत्रगण स्व० श्री बुध राम श्रौर श्रीमती मुकन्दी पत्नी स्व० श्री बुध राम, सभी निवासी-ग्राम-ईश्राहीमपुर, दिल्लो।

(ग्रन्सरक)

 मास्टर पकज जैन, सुपुत्र श्री फतेह चन्द जैन, निवासी-29-बी पार्क एरिया करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यश्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारींख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्मध्योक्षरण -- इसमे प्रयुक्त शन्द। और पद्मां का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अभूसूची

कृषि भूमि तादादी 19 बीघे 1 बिष्वे, खसरा न० 49(2-3), 50 (4-16), 60 (4-16), 61 (4-16), ग्रोर 62 (2-10), स्यातिन-प्रान-इंहरी दौलतपुर, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिस्ली, नई दिल्ली

दिनाक 23-11-1982 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/एक्य०/2/एस० ग्रार०-2/ 2/4-82/7167--- प्रत मुझे सुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जा ग्राम टेहरी दौलत-पुर, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय,नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक ग्रप्रैल 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के थिए अनिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न्हीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :---

श्री शिव कुमार सुरेश कुमार, विनोद कुमार घौर सिरी ग्रोम सुपूत्रगण स्व० श्री बुध राम ग्रौर श्रीमिति मुकन्दी पत्नी स्व० श्री बुध राम, सभी निवासी ग्राम इत्राहीमपूर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

🔾 श्री लाखपत राय सुपुत्र श्री लोघा अल जैन निवासी मेन बारा टुटी चौक सदर बाजार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

भूमि तादादी 19 बीघे ग्रीर 11 बिखे, खनरा न० 11 (4-16), 12 (5-3), 21 (4-16), 22(4-16) स्थापित ग्राम टेहरी दौलत पूर।

> मुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनाम : 23-11-1982

मोहार

प्ररूप आइटी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज 2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/4-82/7188--श्रतः मुझे, मुधीर चन्द्रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है ग्रौर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली सक्षा-वती, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे

वती, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यभान

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यहिंवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्च हेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप स किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए।

अतः अब, उत्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:—

- श्री जालु सुपुत्र श्री मगतु, निवासी ग्राम नांगली सकावती, दिल्ली ।
- (श्रन्तरक) 2. श्री श्रनुप सिंह सुपुत्र श्री जालू निवामी ग्राम नागली सऋतवती, दिल्ली।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाक्षरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि तादादी 13 बीघे, 8 बिश्वे, ग्राम नांगली सक्रावती, दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक 26-11-1982 मोहर: प्ररूप आईंटी. एन एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली: दिनाक 23 नथम्बर 1982 निर्देश म० श्राई० ए० मीo/एक्यूo/2/एम० श्रारo-2/4-82/7189---यत मुझे, मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी मख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नागली मकावती, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक श्राप्रैल, 1982

को पूर्वोंक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमानं प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्ति-

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने म मृविभा के लिये, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, निन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- अो जालु सिपुष्य श्री मगतु निवासी ग्राम ग्रीर पा नागली सन्नावनी, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री प्रनूप िमह सुपुत्र श्री जाल निश्वामी ग्राम प्रौर पा० नागली सञ्चावती, दिल्ली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राम लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 6 बीघे, ग्राम नागली सकावती, दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनाक: 23-11-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-भ्रार०-2/4-82/7193—-श्रन: मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खें के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा की ग्राम हरे-वाली दिल्ली प्रशासन दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (उन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिवक कर से किथत नहीं दिक्या गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने से सृविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिंघधा के निए;

ग्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सरयवान सुपुत्र स्त्री मेहता राम, (2) श्री सूरज मान सुपुत्र श्री मेहता राम, स्पेशल ग्रटर्नी श्री सत-बीच सभी नितासी ग्राम कत्रस्वी नगर, दिल्ली, बाइड एम० पी० ए० दिनाक 23-4-1982।

(ग्रन्तरक)

2 श्री श्रजीत सिंह सुपुत्र श्री तेज सिंह, निवासी ग्राम पूठ कलां, दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्ल संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाे का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

भूमि तादादी 28 बीघे, 8 बिष्ये, का खसरा नं० 41/11, 12, 20, 21, 40/15, 16, 17, 25 स्थापित ग्राम हरेवाली, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहर 🦼

प्ररूप आई० दी० एन० एस :--

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एकपू०/2/एस० श्रार०-2/4-82/7194--श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा ग्रायकर प्रश्विनयम, 1961 (1961 का 43) (विषे समर्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हरेवाली विल्ली प्रणासन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीब ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक हम से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीप कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के बिए; बौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :---

श्री सत्यवान सुपुत्र श्री मेहता राम, (2) श्री सूरज भान सुपुत्र श्री मेहता राम, स्वयं श्रीर स्पेशल श्रटार्नी श्री सतबीर सुपुत्र श्री मेहता राम, वाइड एस० पी० ए०, सभी निवामी ग्राम करवदी नगर, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

1 श्री जगजीत सिंह सुपुत्र श्री तेज सिंह, निवासी ग्राम पूथ कलां, दिल्ली-41 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह भूवता नारी करके पूर्वीका सम्पक्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सक³गे।

स्यब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्सूची

भूमि तावादी 29 बीघे 1 बिग्वे, खसरा नं. 40/24, 42/4, 5, 6, 7, 14, 18 स्थापित एरीया ग्राम हरेवाली, विस्ली राज्य दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज 2. दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० म्रार०-2/ 4-82/7201---श्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या ए-65, है ता जो अधिकृत क लोनी शंकर गार्डन, ग्राम पो० संगीपुर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रिजहट्रीकर्ता भ्रधिकाी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भ्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्योश्य से उक्त अंतरण निम्निल से वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री विवान चन्द घ्रोहरी सुपुत्त श्री ग्रमर नाथ ग्रोहरी, निवासी 128/1, गनेश गर, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. श्री बी० बी० जोशी सुपुत्र श्री खेमा नन्द जोशी श्रीर श्रीमति गंगा देवी पत्नी श्री बी० बी० जोणी, निवासी बी-16, किर्तानगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

बना हुमा प्रो० नं० ए०-65 म्रधिकृत कालोनी शंकर गार्डेन, नई दिल्ली एरिया ग्राम पोसंगीपुर, दिल्ली, भूमि तादादी, 216.66 वर्ग गज।

> सुधीर चृन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 3-11-1982

शरूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 3 नवम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/4-82/7200—श्रत मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- क से अधिक है

भौर जिसकी सख्या डी-68, है तथा जो भ्रजय इन्क्लेव, ग्राम तिहाड, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसे उपाधक भ्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक भ्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थन या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

1 श्री एस० मुलख सिंह सुपुत्र एस० हरनाम सिंह, निवासी 5/149, सुभाष नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एस० जसबीर सिंह श्रीर ए० गुलबीर सिंह सुपुत-गण एस० बलवन्त सिंह, निवासी बी-46, डी० एस० स्वा० मोतिया खान नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्ष भी आक्षीप .--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदूध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्लाट नं० डी-68, 256 66 वर्गगज, प्रजय धुन्नसेघ, ग्राम तिहाड, दिल्ली ।

> सुधीर चन्त्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

अति. अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुवरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अप्रिम् निम्नसिचित व्यक्तियों, जर्मात् क्रिक्

दिनांक 23-11-1982 मोहर प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/4-82/7257—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या डी एच-24, है तथा जो शिवाजी पार्क, एरिया, ग्राम भादीपुर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-बद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में विज्ञात है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रप्रैल 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्खुने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इ्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पृक्षि के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभास-(1) के अधीन, मिम्नुलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमित चन्दर कान्ता पत्नी स्व० श्री कृशन लाल खरबन्दा, निवासी बी-1/154, पश्चिम विहार, नई विल्ली ।

(श्रन्तरक)

 श्री सुखिबिन्दर सिंह मुबुत श्री दिलदार सिंह, निवासी 27/35 पंजाबी बाग, विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्वी

भीम नादादी 336 वर्गगज, प्लाट नं० एच-24, शिवाजी पार्क, एरीया ग्राम मादीपुर, दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 23-11-82

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकःर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-2/4-82/7098--अत मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करोला, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की शाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियी को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारम (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

 श्री प्रदीप कुमार बंसल सुपुक्त श्री राम नारायण, निवासी पी-27 प्रिंसिप स्ट्रीट, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित सुशीला देवी श्रग्नवाल पत्नी श्री पी० एल० श्रग्नवाल, निवासी विशिष्ट रोड, दिशपुर, गोहाटी (श्रासाम)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के वर्षन के विष्कृति करता हो।

उक्त सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादादी 6 बीघे, खसरा नं 104/11/1, 11/2 भीर 105/15 ग्राम करोला, दिल्ली ।

मुघीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज 2, विल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहर

प्रकाष वार्षे, टी. एन्. एव्.----

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के अधीन स्थना

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार०-2/4-82/7225—भ्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सी/133-134 है तथा जो न्यू मुलतान नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 26) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फच निम्नलिचित अध्योश्य से उच्त अन्तरण किचित में वास्तियक रूप से किथा नश्री किया गया हैं:—

- (क) अन्तरकः से हुन् हिसी आया की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और्र/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- श्रीमित रामा देवी घौर श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता निवासी 9/6686, करोल बाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- श्री विजेन्दर सिंह निवासी मकान नं० 113, खेरा खुर्द, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थावतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पूना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्षी

प्लाट नं० सी/133-134, तादादी 373-1/3 वर्गगज, न्यू मुससान नगर, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रॅज-2, दिल्ली नई विल्ली।

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निमनीलिका व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 23-11-1982।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 23 नवम्बर 1982 निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० भ्रार० 2/ 4-82/7229—श्रतः मुझे सुधीर पन्त्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं)., की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम झरौदा मजरा बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक भ्रत्रैल 1982

को पूर्वों क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या सबसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री सरवन सिंह सुपुत्र स्व० एस० फतेह सिंह, निवासी ग्राम भौर पो० भारक, तहसील पहवा, जिला कुरूक्षेत्रा, हरियाणा ।

(म्रन्तरक)

2 श्री वेद प्रकाश गोयल सुपुत्र स्व० श्री शंकर लाल, निवासी 45/2, दी माल, दिल्ली-110007।

(भ्रन्सरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के कर्यन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- . (च) इत स्थाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि तावावी 12 बीधे भीर 14 बिखे, खसरा नं॰ 5/13 (2-12), 5-7/2(1-2), 5-14/3 (1-19), 5-18/1(2-7), 5-23/2(2-7), भीर 15/3 (2-7), स्थापित ग्राम झरौदा मजरा बुरानी, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

नाय्कर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त '(निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-ग्रार०/2/ 4-82/7232---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से जिधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि तथा जो ग्राम पालम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति- इत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रति- फक, निम्निसिंखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बावत, उक्त जीभीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करने वा उच्चे वचने में सुविधा के सिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अब उपल अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, अक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) को अभीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री मूंबे सिंह घोर भूप सिंह सुपुत्रगण श्री मूल चन्द. निवासी डब्ल्यू० जैंड 764 ग्राम श्रौर पो० पालम. नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सिरी कृशन सुपुत्र श्री हर नारायण, निवासी डब्ल्यू० जैंड 791, ग्राम श्रीर पो० पालम, नई दिल्ली-55।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्य सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीके से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्योक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इतमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया न्या हैं।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बीघे 16 बिश्वे, खसरा नं० 13/3 श्रौर 13/7, स्थापित ग्राम पालम, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्की, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई टी.एन एस.------

आयक्षर ध्वातियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म(1) के घ्यान सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्भन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 26 नवम्बर 1982

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अपोर सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- कु से अधिक है

मौर जिसकी सं० 13 है, तथा जो ब्लाक नं० जे-10, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला उमके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत जिल्ला है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय वापा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से अस्त अस्तरण किखात में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी मात्र की बायत, द्वरत धिमिन्यम के अधीन कर देने के धन्तरक के दावित्व में कमी करने या जससे दचने में मुविधा के लिए और/या;
- (ब) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर भाषिनियम, या धन-कर भाषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना जोहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, इस्न झांधिनियम की धारा 269-म के झन्मरण में, में अक्त झिंधिनियम का धारा 269-म की उपसारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 8—396 GI/82

- श्रो णीत्रन कृषार भन्डारी, श्री करम यस्य संद्वारी, निवासी 8, दण बन्धु गुप्ता सार्केट, नई दिल्ली । (धन्तरक)
- १ मै० इस्केय इमपोर्टस एण्ड एक्तपोर्टस.
 8 देशबन्धु गुप्ता मार्केट, करोल बाग, नई दिल्ली हारा उसके भागीदार श्री टी० एवल मन्झरी ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्राड़ंन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्वेत के सम्बन्ध में कोई भी शास्त्रेण।-

- (क) इस मूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी स्थितियों [र यूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ग्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवित्यम के अध्याम 20-क में परिमाणित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 13, ब्लाक नं० जे-10, तादादी 272 वर्ग गज, स्थापित—राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली, एरिया ग्राम—ततारपुर, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 26-11-1982

प्रकृष बाहु . टी. एस. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, नई विस्ली:

नई दिल्ली, दिनाक 23 नमम्बर, 1982

निर्वोश स० माई० ए० सी०/एक्य०-2/एस०मार०-2/4-82/7246-मतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुन्डका, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावज ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण किसित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुन्दैं किसी आय की बाबत्, उक्त विधिनियम में वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धून वा अध्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री इम्बरजीत सुपुत्र श्री हरदवारी, निवासी कमरूदीन नगर, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री हरदवारी सुपुत्त श्री शिव राम,
 राम'प्रेम सुपुत्त श्री मुखी सिंह,
 निवासी ग्राम कमरुवीन नगर, दिल्ली-41

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी भारति ६-०

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ने किसी स्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्था के हाथपन में प्रकासन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, को उस मध्याय में विदा गना हैं।

नगुज्यी

कृषि भूमि तादादी 29 बीघे 19 विश्व, स्थापित ग्राम मुख्डका, दिस्ली ।

> मुधीर वाहा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख 23-11-1982 मोहर प्ररूप आहाँ ही एन एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाक 23 नवम्बर 1982

निषेश सं० भाई० ए० सी० एक्यू०/एस० आर०-2/4-82 7258—श्रत मुझे सुधीर चन्द्रा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और िसर्कः स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कृतव गढ़, दिल्ली में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारि के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए असरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत्रण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निग्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से प्रियत नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्कट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अभे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिसिन व्यक्तियों अर्थात्:—— ज 1 श्री मांगे, रुप चन्द और श्रीनन्द लाल सुपुत्रगण श्री फूलसिष्ठ निवासी ग्राम कृतवगढ़, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

 श्री देया चन्द सुपुत्र श्री दिवान सिह, निवामी कुनबगढ़, दिल्ली , दिल्ली राज्य, दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकींगे।

स्पर्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 16 बीधी, 19 बिश्वे, (1/2 हिस्मे) स्थापित ग्राम कुतवगढ़, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-2, दिल्ली नई विल्ली-110002

तारीख: 23-11-1982

मोहर.

प्ररूप प्रार्द्ध टी । एन । एस । ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०ग्रार०-2/4-82 7259-अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा जायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ब्रधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-ख के प्रधीन पक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये मे श्रिधिक है ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नवादा मजरा, हस्पताल, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची मेंज ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत के लिए यन्तरित की गई है थीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **युश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर** प्रन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नशै किया गया है:--

- (क) मन्तरण से दुई कियी धाय की बाबत उक्त मिछ-नियम के ध्रधीन कर देने के मण्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या :
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्निनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मैं सुविधा के लिए;

यतः श्रवः अकतः प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण मं, म. उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री देश राम सुपुत्र श्री राम जास, निवासी—ग्राम नवादा मजरा, हस्पताल, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जय प्रकाश जैन (नाबालिक) सुपुत्र श्री सुमर मल जैन इारा सहीं श्रिभभावक श्री सुमर मल जैन,। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ब्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ मीर पदीं का, जो उक्त प्रधि-तियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथी होगा. जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

कृषि भूमि तादादी 10 बीघे 18 बिहेवे, स्थापित—ग्राम नवादा, मजरा, हस्पताल, दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-11-1982

प्रारूप आर्इ.टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्णन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश स० श्राई०ए० सी०/एक्यू०-2/०स०श्रार०-2/4-82/7260—श्रत. मृझे, सुधीर चन्द्रा

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक है

भौर जिसकी स० कृषि भ्मि है तथा जो ग्राम नवादा मजरा हस्पताल, दिल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्यास क,रणे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का जांचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखित उच्चेश्य में उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप से किथात नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतं अव, उच्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, भी, उच्तं अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् —

- भी देश राम, सुपुत्र भी राम जास, निवासी----ग्राम नवादा मजरा, ह्स्पताल, विल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री दगर मल गर्मा सुपुत्र श्री साहन लाल, निवासी---3/4, बस्ती हरपुत्रल सिंह, सदर बाजार, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारांच से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पंर मूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त ख़ब्दों और पर्दा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि भृमि तादादी 6 बीघे 4 विश्वे स्थापित ग्रामा नवादा मजरा, हस्पनाल दिल्ली

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 नई दिल्ली-110002

नारीख: 23-11-19**8**2

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्सर्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस०न्नार०-2/4-82/7272---श्रतः, मुझे, सुधीर चन्द्रा

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 20 है, तथा जो ब्लाक 'बी', न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाक श्राप्रैल, 1982

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण स हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एंग्री किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों. अर्थात् :--- अधि चौराती लाल सच्चेचा, सुपुत्र श्री गिरधारी लाल सच्चेवा, निवासी मकान नं० जे-39, राजोरी गार्डन, नई विख्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गुंरय्या लाल गम्भीर सुपुत्र श्री सिधु राम गम्भीर निवासी—पलेट नं० 10, ब्लाक नं० 20, वेस्ट पटेल नगर, नई विस्ली-110008।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

-उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की शारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्दीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनमधी

एक प्लाट नं० 20, ब्लाक न० बी, तादावी 270-2/9 वर्ग गज, जो 225.94 बर्ग मीटर के बराबर है (माप 32 फीट \times 76 फीट), स्थापित ग्रिधकृत निवासीय कालोनी, न्यु मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-110056 श्रीर बना हुंगा खसरा नं० 4/16, एरिया ग्राम जवाला हरी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

ता**रीख**: 2**3-11-8**2

मोहर .

प्रहर भाई। टी। एन। एस।---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2,

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस झार०-2/4-82-7278--- अत: मुझे सुधीर चन्द्रा

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1,961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-घ० से प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कमालपुर मजरा, बुरारी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्नैल, 1982

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ध्रम्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रम्तरण लिखिन में वास्नविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रिमियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तह्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घर या प्रथ्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, व! धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में मुबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मै, उक्त प्रविनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्ननिखित क्यन्तियों भयोत्:--

- श्री रघुनाथ सुपुत्र श्री चन्दन, निवासी——ग्राम बुरारी, दिल्ली राज्य, दिल्ली-9। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री जगत सिह श्रौर श्री जगन नाथ सुपुत्रगण श्री हरकेण निवासी ग्राम बूरारी, दिल्ली राज्य दिल्ली-9 (ग्रन्तरित्र)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध मं कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तालरी के पास लिखित में किए जा सर्जेंगे।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम क प्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

नपुस्ची

कृषि भूमि तादादी 7 बीघे 10 विश्वे, का भाग किला नं० 2, जो 10/8/1 का तादादी 4 बीघे, 16 विश्वे और 10/13/1 का तादादी 2 विघे 14 विश्वे, एरिया, ग्राम कमालपुर मजरा, बुरारी, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारी**ख:** 23-11-1982

मोहर

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज 1

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर, 1982

अग्रमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा ग्राम जो नारपुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रग्रल 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण निम्नित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

- श्री ज्ञामो सुपुत्र श्री नानवा, निवासी ग्राम जोनापुर, नहसील महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- याखन श्रोचंड्स, त्रिवेनी गाईन, गवाईपुर, नई दिल्ली द्वारा भागीदार, श्रोमती श्ररुणा कपूर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्षिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 8 बीषे भ्रौर 10 बिश्वे, एम० नं० 55। किला नं० 11/2, मिन (2-2), 20(3-10), 21(2-18), स्थापित ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महाधक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

मारीख 12-11-1982 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-3/4-82/ 6—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिह

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहरान् 'उनर प्रतिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के अवान सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वाप करने का कारण है कि स्थावर संस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कु से भिक्षक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, तहमील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से विजन हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक ग्रुप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत सं, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र र प्रतिशत में गधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐंत् अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फत विस्तरिद्धित उ्रेश्य से उक्त प्रतरण निखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनिधम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थित् :— 9—396G1/82 श्री ज्ञानी सुपुत्र श्री नानना, निवासी ग्राम जोनापुर नई विल्ली । (ग्रन्तरक)

2 श्री मोडर्न श्रोचेंड्स, त्रीवेणी गार्डेन, गदाईपुर, नई दिल्ली द्वारा भागीदार श्रीमती श्रक्ता कपूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त समाति के श्रर्जंत के लिए कार्यबाहिया शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस प्चता के राजात्र में प्रकारत की तारीख से 45 दिन की प्रवित्र या त'सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबता के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 दिर के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्ब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बिघे श्रीर 4 विश्वे, एम० नं० 54, किला नं० 16(2-12), 25(0-8), एम० नं० 64 किला नं० 1(2-5), एम० नं० 65, किला न० 5(1-19) एम० नं० 55, किला न० 11/2मिन (1-0), स्थापिन ग्राम जोनापुर, तहमील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीखा 12-11-1982 मोहर:

प्रकृष बाह्र .टी. एन. एव. ------

शायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

शारत वरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 1

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ए यू०-1/एस०भार०-3/4-82/ 16—श्रत स्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतनें इसके परचात 'उक्त निभिन्नम' कहा गया है), की धारा 269 के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उचित वाचार मून्व 25,000/- रा. से निभक है

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रूपेल, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मंतरक (बंतरकों) और मंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम् के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिवित उद्वेश्य से उक्त बन्दरम् निवित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ष) ऐसी किसी नाम या किसी भन या नन्य भास्तियों को, जिन्हीं भारतीय नाम-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया वाना चाहिए वा, कियाने में स्विधा के निए;

वतः अव, उक्त विभिनियम की वारा 269-व के वनुसरम में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-क की उपभादा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियमें, व्यक्ति:—— श्री नीर जैन, सुपुत्री श्री मोहिन्दर कुमार जैन, निवासी डी० झाई० ए० ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्री नरेन्द्रजीत सिंह सुपुष्त एम० दुरलब सिंह, श्रीमती रिवन्दर कौर पत्नी एस० नरेन्द्रजीत सिंह, कुमारी प्रभाज्योत कौर ग्रौर कुमारी तारा चटवाल, सुपुत्रीगण श्री एस० बलबीर सिंह, मार्फत यार्क होटल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पृत्रोंकत सम्मृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर
 क्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व), इत सूचना के रावपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवृध किसी जन्य व्यक्ति वृद्यारा जथोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भृतृत्यी

1/2 हिस्से कृषि भूमि तावादी 5 बीघे और 12 बिस्वे, खसरा नं॰ 265/2(2-12), 266(3-0) स्थापित ग्राम खानपुर, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, नई दिल्ली

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर म्नायुक्त निरीक्षण मर्जन रेंज-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भीम है तथा जो ग्राम-खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के निए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वासुप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अन्बरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-म की उपभारा (1) के मुभीन निम्निसिस अयिक्तयों मुश्रीस् ।:— (1) श्री राकेश जैन सुपुत्र श्री लाल चन्द जैन, निवासी-40/30 गीतम नगर, नद्द दिल्ली ।

(मन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रजीत सिंह सुपुत्र एस० दुरलब सिंह,
श्रीमती रिवन्दर कौर पत्नी एस० नरेन्द्रजीत सिंह,
कुमारी प्रभाज्योत कौर श्रौर कुमारी तारा छतवाल,
सुपुत्री एस० बलबीर सिंह,
मार्फत—यार्क होटल, कनाट सकैस,
नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

ननुसूची

हृषि भूमि (1/4 भाग) भूमि तावादी 5 बीघे और 10 बिघवे, बसरा नं० 267, स्थापित-अगम खानपुर, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर-भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

विनांश: 12 नवस्थर 1982

मोइर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०1/एस० श्रार०-3/4-82/ 18—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिस की संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रौल-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे अस्तिवक हप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यु आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नीरू जैन सुपुत्री श्री मोहिन्दर कुमार जैन, निवासी—डी० श्राई० ए० ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रजीत सिंह सुपुत्र एस० दुरलब सिंह, श्रीमती रिवन्दर कौर पत्नी एस० नरेन्द्रजीत सिंह, कुमारी प्रभाज्योत कौर श्रौर कुमारी तारा चटवाल सुपुत्नीगण एस० बलवीर सिंह, मार्फन यार्क होटल, कनाट सर्कस, नई दिल्ली। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, कृषि भूमि तादादी 5 बिघे श्रौर 12 बिश्वे, खसरा नं० 265/2(2-12) 266 (3-0) ग्राम खानपुर, नई बिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोक 12-11-1982 मोहर :--- प्ररूप आईंटी एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० म्रार०-4/4-82/ 19—म्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक है

ग्रीर जिस की सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम करावल नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक ग्रग्रैल-82

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अतिरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए, और/या
- (स्व) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अख, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .-- (1) श्रीमती सुजाता पत्नी श्री देव राज, निवासी-8574/3, ग्रारा कशन रोड, राम नगर, पहाड गज, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री इन्दर सिंह सुपुत्र चौ० फ सेह चन्द, निवासी-76-जैन मिदर गली शाहधरा, दिल्ली-32 ।
2. हरी ग्रग्शक मुपुत्र श्री लाला हरजी लाल, निवासी—1526 वेस्ट रोहताश नगर, शाहदरा, दिल्ली-32।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

भूमि तादादी 33 बीघे 7 बिश्वें, खसरा न० 16/23(3-36), 18/2(3-4), 3(5-11), 7(4-5), 8(4-16), 9(4-9), 13(4-16), श्रौर 14(3-3), स्थापित रीवन्यु इस्टेंट ग्राम करावल नगर, इलाका-शाहदरा, दिल्ली-32।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक 12-11-1982 मोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० मार०-3/4-82/ 23—-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्राया नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रप्रैल-82

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथातु नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बुचने में सूविभा के लिए; अपूर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों, को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में ब्रिश के निए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के बुभीन, निस्नुसिद्धित स्पृक्तियों, अभृति क्र—

- (1) श्री मुनि राम सुपुत्त श्री टोदर, निवासी—ग्राम-श्राया नगर, नई दिल्ली, द्वारा जी० ए० श्री गनेशी राम सुपुत्र श्री मुनि राम, निवासी-श्राया नगर, नई दिल्ली तहसील महरौली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रोम प्रकाश जैन एण्ड श्रशोक कुमार जैन सुपुत्रगण स्य० श्री राम जैन निवासी—सी-6/53, एस० डी० ए० एरिया, नई विल्ली, जितेन्दर कुमार, देविन्दर कुमार सुपुत्रगण स्व० श्री राम कुमार गुप्ता निवासी—17-बाबर लैन, नई दिल्ली। रामनाथ सिंघल सुपुत्र श्री रामपत, निवासी—1-श्राचारवाला बाग, सब्जी मंडी, दिल्ली, श्रौर श्रयूब सैयद सुपुत्र श्री साइद मोहम्मद, निवासी—सी-6/53, एस० डेवलपमेंट एरिया, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं ।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि तादावी 6 बीघे 13 बिघ्वे, खसरा नं० 267 (5-17), 268/2(0-16), स्थापित ग्राम ग्राया नगर, तहसील-मह्रोली, नहि विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राक्युत (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12 नवम्बर: 1982

प्रारूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यु०-1/एस० धार०-3/4-82/ 26---भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस की संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विज्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक श्रप्रैल-82

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरफों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- (1) श्रीमती सन्तोश पत्नी श्री महाबीर, सिवासी-ग्राम भटगांव, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्रीमती श्रशर्फी पत्नी श्री मुंशी राम, निवासी--ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि तादादी 7 बिश्वे 3 बिश्वे, खसरा नं० 67/16 ग्रीर 25, स्थापित-ग्राम-बिजवाशन, ग्रीर 18 विश्वे ग्रभी लेना है।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, विल्ली, नई दिल्ली~110002

दिनांक : 12 नवम्बर 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मिनी सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/4-82/ 42-अतः मुझे नरेन्द्र सिंह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उत्रन श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/∍रुपये मे प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक भ्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुख्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है पौर ब्रस्तरक (ग्रग्नरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रग्नरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निविखित उद्देश्य से उन्त अन्तरग जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया बया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की नागत **एक्त ग्रहि-**नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या घन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

अनः अव, उस्त प्रवितियम की घारा 269-ग के धमुखरण में, में, उक्त प्रवितियम की घारा 269-भ की उपवास (1) को अधीनः, निम्निविधित स्थितियों, वर्षात् श्रीमती श्याम कौर पत्नी श्री राम फल निवासी ग्राम विजवाशन नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रूपिदर सिंह ग्रौर दर्शन दीप सिंह सुपुत्र गण एस० मनोहर सिंह निवासी श्रार-60के न्यु राजिन्दर नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो जक्त भिन्न नियम क श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उत्त प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ताबादी 14 बीघे श्रौर 78 बिक्वे. एम० नं० 65 किला नं० 1(4-8) 10(2-16) एम० नं० 64 किला नं० 5(4-8) 6(2-16) ग्राम बिजवाशन नहमील महरौली नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, दिल्ली, मई दिल्ली

तारीख 12-11-1082 मोहर: प्ररूप नाई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० म्नाई० ए० सी०/ए मू०-1/एस०म्रार०-3/4-82/

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन नई विल्ली मं स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रील 1982

में प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नविधित उच्दरेगों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्त्रीक रूप से किया नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निस्नौलिसित व्यक्तियों, अधित :---

 श्री प्रताप सिंह सुपुत्त श्री जोता निवासी-ग्राम-बिजयासन नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भीमा सुपुत्र श्री लाला निवासी-ग्राम-बिजवासन तहसील महरौली नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन् की अव्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 17 बीघे ग्रौर 6 बिश्वे मुस्तातिल नं० 118 किला नं० 3 (2-18), 8(4-16) 12(4-16), 13(4-16) ग्राम बिजवासन तहसील-महरौली नई विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवस्थर 1982 🕆

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/4 82/46 म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रौल 1982

को पूर्वे किए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृक्ष, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे ध्रयमान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम किन्तिलित उद्यदिष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बल्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व को कभी करने या उससे ब्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, या भन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री प्रसाप सिंह सुपुत्र श्री जोता निवासी-प्राम-बिजवासन नई दिस्ली

(भ्रन्तरक)

2. श्री सुरेन्दर कुमार मोगिया सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी-एच-9 शिवाजी पार्क दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अवधि या तत्स्य मन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी
 वन्धि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की टारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास सिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पळ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, को उक्ह विभिनियम, के क्ष्माय 20 क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया व्या हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे और 1 बिश्वा मुस्तातिल नं० 88 किला नं० 18मिन 2(2-8), 24(2-8), मुस्तातिल नं० 105, किला नं० 26(0-5), स्यापित-ग्राम-विजवान नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 12-11 -1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन्. एस.------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुम्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्वेश स० भ्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/4-82/ 47---भतः मुझे नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उापबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम विनांक श्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त विधिनयम के नधीव कर योगे के वस्तुरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुक्ते में सुविधा के सिए; बॉट/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपान में सुविधा के लिए;

कतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिस व्यक्तियों, नर्भात् ह

 श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री जोता निवासी ग्राम बिजवासन तहसील महरौली नई विल्ली।

(मन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार मोंगिया सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी एच-9 शिवाजी पार्क नई दिल्ली। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 5 बिघे भ्रौर 10 बिएवे मुस्तातिल नं० 88 किला नं० 4(0-14) 23(4-16) स्थापित ग्राम बिजवासन नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 1, दिल्ली, **नर्ष दिल्ली**

तारीख: 12-11-1982

मोहर 😘

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस∴------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-ष (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०मार०-3/4-82/ 49-यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000 / - रा. से अधिक ह

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवासन नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक प्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिली (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निभ्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्ह⁵ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कैं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, अक्त विभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री जोता निषासी ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार मोंगिया सुपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी एच-9 शिवाजी पार्क नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्रके पूर्वोक्त, सुम्पूरित के शूर्वन के पूजिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पर्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चनाकीं तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाबन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुते अर्थ होगा को उस अध्याव में विमन गया है।

भन्सची

कुषि भूमि तादावी 6 बीचे भीर 10 बिश्वे मुस्तातिल नं• 105 किला नं० 3 (4-12) 8/1(1-18) स्वापित ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह तक्षम प्रविकारी सहायक द्यायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, दिल्ली नई दिल्ली

सारीय 12-11-1982

मोहर ः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के ब्राजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज 1

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-1/एस०प्रार०-3/4-82/52-प्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर, महरौली, नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में र्राजस्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908

का 16) के धर्मान दिनांक अर्थेल, 1982 को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृष्ट है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्स्विक रूप से किथ्यू नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूबिधा हो सिए;

अन्त: बड़, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

- श्री बी० एस० मायास सुपुत्र चौम्ररी उदय सिंह, निवासी नं० ए/9, विजय नगर, विल्ली-9 (श्रन्तरक)
- 2 श्री नरेन्दर लाल टन्डन, देव राज टन्डन, ग्रमोककुमार टन्डन, श्रौर मुकेश कुमार टन्डन, सुपुत्र गण श्री मदनलाल टन्डन, निवासी सो-78, एन० डो० एस०ई०, भाग-2, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के **धर्चन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अप किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उनन श्रितियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिचालित है, वहीं धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में बिया गया है।

वन् सुनी

कृषि भूमि तादादो । विषे भौर 18 विष्षे, खसरा न० 79, मिन, स्थापित, ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौती, नई दिस्त्रा ।

नकेंद्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

तारी**व** : 12-11-1**98**2

प्रसम् नादः वी ु एन् ु एसु ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्धाण)

श्रर्जन रेंज 1

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर, 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०म्रार०-3/4-82/ 53--म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उनत अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर, नई विल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सारीख ग्रंप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मलिब्त उद्वेष्य से उक्त बन्तरण लिख्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर येने के अंतरक के दायित्व में, कमी करने या उससे अ्थन में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीम्, निम्नलिखित अधिकतयों, नुषात् ि— श्रो बी० एस० मामाल सृपुत्र चौघरी उदय सिंह मिनासी 4/9, विजय नगर, विल्ली-9,

(भन्तरक)

2. श्री नरेन्दर लाल टन्डन, देव राजटन्डन, अशोक कुमार टन्डन, भौर मुकेश कुमार टन्डन, सुपुत्र गण श्री मदनलाल टन्डन, निवासी सी-78, एन०डी०एस०ई० भाग-2 नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सुकोंगे।

स्वस्वीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शन्यों और पश्ची का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीधे 9-1/2, बिश्वे, खसरा नं० 86, मिन, स्थापित एरिया, ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौति।, नई विल्लो ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1, नई विस्सी

तारी**व** 12-11-1982 मोहर : प्रकप नाई. टी. एन. एत्. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भाई०ए० सो०/एण्यू०-1/एस०ग्रार०-3/4-82/ 71--श्रतः मसे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से बिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन ग्रिम, 1982

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भाग 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् :— श्रीमती प्रनिता कयुरिया पत्नी श्री सुमाव चन्दर कथुरिया, निवासी ए-47, कीर्ति नगर, नई दिस्लो

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस०पी० चढ़ा सुपुत्र श्री ए० एन० चढ़ा निवासी ए-19, पंत्रपोश इनक्लेब, नई दिल्ली।

(प्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत् संपत्ति को वर्जन् को संबंध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्सर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बोधे, श्रौर 16 बिश्वे, तरफ दोनों सङक के साथ, खसरा नं० 373, ग्राम-खानपुर, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

तारीख : 12-11-1982

प्रकप आई० टी० एन० एस०------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ा, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०ग्रार०-3/4-82/ 88-- अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

बायकर घधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्रोर जिसको सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्रसोला, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली म रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भग्नेल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए प्रन्तरित की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्रत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) पौर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में बास्तविक कप से किथत नहीं किया गया हैं..--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रवि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भ्रम्य प्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त मित्रिवियम की घारा 269-न के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन,, निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कृष्ण मलहोत्रा, पत्नी श्री वो०के० मल्होत्रा निवासी सी-1/5, पडारा पार्क, नई दिल्की।

(म्रन्तरक)

2 श्री रघबीर , बलराम श्रीर सिरी राम सुपुत गण श्रा राम सरूप निवासी-ग्राम-श्रसोला, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुख्यी

कृषि भूमि तावादी 5 बीघे श्रीर 14 बिश्वे, खसरा नं० 416, ग्राम-ग्रसोला, तक्ष्सील महरोली, नई विल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम ग्रधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

तारी**ख**: 12-11-1982

प्ररूप बाहा. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) श्रर्जन रेज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सो०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-3/4-82/ 94--म्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० कृषी भूमी है तथा जो ग्राम घीटोरनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में र्ण रूप से वर्णित है), रिजिंग्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिस्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) जनसरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव. उनत निधिनवन, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) में नधीन, निम्मिशिकत स्थितियों, नर्थात् :----

1 श्री मती अतरी पत्नी श्री रामजुलाल निवासी ग्राम घीटोरनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री गुरर्थाप सिंह गुजराल, निवासी डी-138, संकेत नई विल्लो।

(घतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

जनुसूची

कृषि मूमि तादादी 3 बीघे श्रौर 8 बिण्ये, खसरा नं० 336/1 ग्राम-बीटोरनी, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर**ेक्षण)** ग्रर्जन रेंज-^I, नई विस्ली

तारीख: 12-11-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस०झार०-3/4-82/ 97---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घीटोरनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से र्याणत है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रौल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है "---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्रीमती कंचन दयाल पत्नी श्री एस० दयाल निवासी-सी-8 पश्चिम मार्ग बसन्त बिहार नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रणजीत भौर पत्नी श्री गुरदोप सिंह गुजराल निवासी-डी-138 सामेत नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हूं।

उक्क सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

मनुस्ची

कृषि भूमि तादादी 3 बीघे श्रीर 16 बिश्वे खसरा नं० 302 स्थापित-ग्राम-घीटोरनी तहसील महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आपुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंग-[दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**खा** 12-11-182 मोहरू 🏖 प्ररूप आई. टी. एतं. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/एस०ग्नार०-3/4-82/ 98---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम घीटोरनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रीय 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिकिस में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निमिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती कंचन वयाल पत्नी श्री एस० दयाल निवासी सी-8 पश्चिमी मार्ग बसन्त विहार नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती रणजीत कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह गुजराल निवासी डी-138, साकेत, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

कृषि भूमि सादाधी 4 बीघे श्रौर 16 बिश्वे खसरा नं० 334 स्थापित ग्राम घीटोरनी तहसील महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख 12-11-1982 मोहर प्ररूप आह. हो. एन. एस.-----

नाम्कर ज्यित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ब्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०ब्रार०-3/4-82/ 108--ब्रतः मक्षे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- र . से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रिष्ठीन ग्रामें स्व

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बावत, उच्छ जीधीनसम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन्या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —— 1. मैं शीन पार्क बिल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115-श्रंशल भवन 16-के जी० मार्ग, नर्ह दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 मैं० सहगल बिल्डर्स प्रा० नि० 204 फ्राकाश दीप बिल्डिंग 26-ए बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वांक्स सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई शाक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीलर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुस</u>ची

कृषि भूमि तादादी 5 बीचे और 18 बिश्वे खसरा नं० 658 (2-12), 659 (1-19), 670(1-01) और 670/1 (0-06) स्थापित-ग्राम-देवली तहसील महरीली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

ता**रीख** 12-11-1982 भो**ह**र :

शास्य मार्घ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982 निर्देश स० श्चाई०ए० सी०/एक्यू०-1/एस०श्चार०-3/4-82/ 111-श्चतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि एथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मंडी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमारिएक्षिक स्योक्तियों, अर्थात् १--

 श्री मामचन्द सुपुत्र श्री हुकम सिंह निवासी-60 तैमूर नगर, नई दिल्ली

(मन्तरक)

2. श्रीमती श्रर्चना श्रप्रवाल, पत्नी श्री डी० के० श्रप्रवाल निवासी-ए-6/2, श्रार० पी० बाग, विल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 8 बीधे ग्रीर 18 बिश्वे, मुस्तातिस न० 85, किला नं० 22(4-9), 23(4-9), ग्राम -डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 12-11-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/एम०ग्नार०-3/4-82/ 112—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर ज्यिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रील, 1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

 श्री माम चन्द सुपुत्र श्री हुकम चन्द, निवासी-60-तमुर नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती सर्वेश भारेन पत्नी श्री ए० के० घरिन, ृनिवासी-बी-15, साउथ एक्सटेंशन,-1, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्बो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि मूमि तादादी 9 बीघं $\cdot 12$ विश्वे, मुम्नानित नं \circ 100, िकला नं \circ 2(4-16), 3(4-16), स्थापित-ग्राम-डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अभिनियम की भारा 269व की अपभारा (1) के बभीन निम्मीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख 12-11-1982 मोहर : प्रकृष आई। टी० एत० एउ० -

प्रावतम् प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की वास (49-थ(1) के ग्राघीन मुचना

भारत गरमार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० मार०-3/4-82/ 113--म्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

म्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उना प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-स के मधान सक्षम प्राविकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रू॰ से ग्राधिक है

ग्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्ष्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते के करण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) भौर अस्तरिती (अस्तरितयों) है बोच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्निजियित उद्देश्य ने उक्त अस्तरण निखित में वास्तविक कर से प्रियान नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण में हुई कियो आय की बाबत उका प्रक्रिक प्रियम के श्रवीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी अस्त स्वास्थित करने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐपी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नगर था किया जाना चाहिए था, कियाने में ्यिना ज जिए;

श्रवः श्रवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीन, निस्निविषठ व्यक्तियों, अर्थात् ध

(1) श्री माम चन्द सुपुत्र श्री हुकम सिंह निवासी-60 तैमूर नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के॰ एम॰ श्रग्नंबाल सुपुत्र श्री माधो राम, निवासी 36 नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के चर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजगत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के ग्रास व्यक्ति में किए जा सकते।

स्वब्दोक्तरण:---इसमं प्रवृक्त शक्दों और पदों का, जो सकत अतिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो जुने होता, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि नादादी 9 बिधे धौर 12 बिम्वे, मुस्तातील नं॰ 100, किला नं॰ 12(4-16), 13(4-16), स्थापित-ग्राम-डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज -I, नई दिल्ली

दिनांक: 12-11-1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अिंतियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रयः, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/ 114--श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रप्रैन, 1982।

को पूर्णेक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निनित में वास्तिक रूप में किथन नहीं किया गया ---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मिविशा के लिए;

(1) श्री माम चन्द सुपुत्र श्री हुकम सिंह निवासी मकान नं॰ 60-नैमूर नगर, नई ठिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारत कुमार सेठ सुपुत्र श्री ग्रमर नाथ सेठ, निवासी--36 नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

कृषि भूमि तादादी 9 निघे 12 निघ्वेह मुस्तातील नं 100, किला नं 8(4-16), 9(4-16), ग्राम-डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेज-1,नईदिल्ली

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाक: 12-11-1982

प्रकृष बाई • टी • एन • एस • —-

श्रायक**र क्षप्रि**नियम**, 1961 (1961 का 43)** की घारा 269**∞ष (1**) के स्थानि स्^{चन}ा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० आर-3/4-82/ 115—श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम—डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक ग्राप्रैल, 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री माम चन्द सुपुत्र श्री हुकम सिंह, निवासी--60 तैसूर नग*. नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार मुपुत्र श्री राम भरोमे लाल, निवासी v=6/2, श्रार० पी० बाग, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के पर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्मवंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील ने 30 दिन की ध्रविधा, जो से भविष्
 बाद में समाप्त होती हो, ज भीतर प्रवांकर व्यक्तियों
 में किसी व्यक्ति दार(;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में पनामन की तारीख से

 45 दिन के मीता जनत स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी मन्त्र साक्ति हारा, मधोहस्ताक्षरी
 के पाप लिग्हिए हैं हिए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसर्ने प्रयुक्त ग्रन्दों और पर्धों का जो 'सकत अधिनियम' के अध्याय 20 के में अदिभाषित हैं, बहा अर्थ होगा, जो उस अस्याय में दिला गणा है।

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 4 बिघे भौर 12 बिग्वे, मुस्तातील नं 100, किला नं 4, ग्राम-डेरा मंडी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज 1, नई दिल्ली

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण सो, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों अर्थातः:---

दिनांक : 12-11-1982

मोहरः

12-396GI/82

प्ररूप गाइ टा एन एस -------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्या<mark>लय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 नवम्बर 1982

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार-3/4-82/ 116-ग्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-डेरा मडी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्तित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन मार्चिको के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री माम चन्द सुपुत श्री हुकम मिह, निवासी-60 तैमर्ग नगर नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बीर सिंह मुपुत्र श्री फुमन निवासी-ग्राम-डेरा मडी नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं मस्तातील नं 77, किला नं 25 मिन (3-12) मुस्तातील नं 85 किला नं 4(4-16) 5(4-16) 6िमन (2-8) 7िमन(2-8), स्थापित-ग्राम- डेरा मंडी, तहमील महरौली नर्ड दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह
मक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन-रेंज-I, दिल्ली नई दिल्ली

दिनाक 12-11-1982

प्ररूप आहो. टी. एन . एस . -----

श्रायकर ध्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के ध्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज I, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्वेण सं० प्राई० ए० मी०/एअयू०/1/एम० ग्रार०-3/4-82/ 117---ग्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे यह विश्वास करने का जारण है कि उपार भूगी, जिस्ता अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-छतरपुर, नर्ष विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है,) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नर्ष दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्रैल 1982

को पूर्वेकित संपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के इस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफाल से, एसे इस्यमान प्रतिशत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिम्ह भारतीय जायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः शव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन निम्नसिखित अधिनत्यों, नुधातः---

- (1) श्री संतोष कुमार (एच० यू० एफ०) द्वारा कर्तां भी संतोष कुमार सुपुत्र एल० गोकल चन्द निवासी--12 श्रीरंगजेब रोड़, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) प्रशान्ती इनवेस्टमेंट प्रा० लि०, 4830/24 दरिया गंज, श्रंसारी रोड़, नई दिल्ली द्वारा उसके डाइरेक्टर श्रीमती शीला वासुदेवा, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पातृ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे विया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि तादादी 9 बिषे और 12 बिश्वे खसरा नं॰ 1508(4-16), 1509(0-6), 1510/1(2-5), 1510/2(2-5), के साथ फार्म हाउस ट्यूब-वेले, चहारदीवारी, ग्राम-छतरपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जम रेंज-I नई दिल्ली

दिनांक: 12-11-1982

प्ररूप आइ' टी एन एस --- ----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा / ७५० (1) के जधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस॰ श्रार-3/4-82/ 174---अत मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण इ. कि. स्थान कर का जारण इ. कि. स्थान कर का जारण इ. कि. स्थान कर का जारण

श्रीर जिसकी से० कृषि भूमि हं तथा जो ग्राम-रजोकरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक श्रिप्रैल, 1982

का पूर्वा कित सप्तित को उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित को गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का प्रदृह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) क बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल किम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में गस्तिक कम से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के वायित्य म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

श्रतः अर्थः, उपत ंपित्यम, देवारा 269-च के प्रज्ञुत्रण में, में, उक्त अधिनियमः को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री राम चन्द्र, किशन सुपुत्र श्री मोहर सिंह, हरकेश, ईश्वर श्रीर बिशम्बर सुपुत्रगण श्री हरीया, हरीया सुपुत्र श्री मुखा, निवासी—ग्राम-रजोकरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) चन्द्रा फेमिली ट्रस्ट, 35-डिपुटी गज, दिल्ली, द्वारा महेश चन्द जै,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील र 45 किन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांबन्द स्पित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

ममुस्ची

कृषि भूमि तावादी 4 बिघे श्रीर 16 बिश्वे, खसरा नं० 566, ग्राम-रजोकरी, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनाक 12-11-1982 मोहर प्ररूप आर्झ.टी.एन.एस. -----

आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज 1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 12 नवम्बर 1982

निर्देश स० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार-3/4-82/182—म्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यात्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रिजेल, 1982

करे पूर्वेकिन सर्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स एस दृश्यमान प्रतिफल के फद्रह प्रतिशा अ प्राधिक है और अनतरिक (अन्तरकों) और अनतिनित्री (अन्तरित्या) के बीच के एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंगत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आग था किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण म, म, उक्त अधिनियग को भाग 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यितियों, अर्थात् '---

- (1) श्री करतार सिंह ग्रीर ग्रतर सिंह सुपुताण श्री ग्रमीर सिंह, निवासी-ग्राम-बिजवासन, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) मैं अग्रादि क्राफ्ट्स प्रा० लि०, पी-3/4, टैक्सटाइल कालोनी, लुधियाना (पंजाब), द्वारा डाईरेक्टर चमन लाल जैन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (स) इस ग्रचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपितर भे हिनबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिन हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

कृषि भूमि एम० न० 54, किला नं० 8(1-15), 3(4-7), एम० न० 27, किला न० 23(4-14), 24(2-8), 17(2-8), 18(4-14), ग्राम—बिजवासन, तहसील—महरौली, नई दिल्ली भूमि की तादादी 20 बिधे ग्रौर 6 बिध्वे,

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक: 12-11-1982

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० ग्रार-3/4-82/2—श्रत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्राया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक श्रीत, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल के पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अनतिरती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में दास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनीयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री **चुन्नी सुपुत्र** श्री ठकरीया, मिवासी-ग्राम-ग्राया नगर, नई दिल्ली तहसील-महरौली

(भ्रन्तरक)

(2) डा० एल० एम० सिंघवी मुपुत्त स्व० श्री डी० एम० सिंघवी, निवासी-बी-8, एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली, (जो कत्ती श्रपनी एंच० यू० एफ० है) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अम्स्ची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 13 बिघे श्रौर 2 बिघ्वे खसरा न० 256(2-6), 257(3-8), 258(3-14) 259(3-14), स्थापित—ग्राम—ग्राया नगर, तहसील—महरौली नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक 23-11-1982

प्ररूप आह ंटी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचा।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) $\pi \sqrt{1}$ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 23 नवम्बर 1982

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/3--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह.

आयकप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-श्राया नगर नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अनतरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्गरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) श्री नैदर सुपुत्र श्री ठकरीया, निवासी-ग्राम-ग्राया नगर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) डा० एल० एम० सिधवी मुपुत स्व० श्री डी० एम० मिधवी निवासी बी-8, एन० डी० एम० डी०-2, नई दिल्ली, (जो कर्सा श्रपनी एच० यू० एफ० है)। (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पू</mark>र्वोक्त सपीत्त के अर्जन के लिए कार्य<mark>वाहियां</mark> करता ह**ू**।

उक्त सपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (म) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशम की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीतर में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्ध्रम अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अमुस्ची

1/3 हिम्से कृषि भूमि तादादी 13 बिघे ग्रौर 2 बिग्ने, खसरा नं॰ 256(2-6), 257(3-8) 258 (3-14) 259(3-14), ग्राम-ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

विनांक: 23-11-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुखता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त (निनीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/4—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जी ग्राम-श्राया नगर, नई दिख्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री नैंदर धौर चुन्नी सुपुत्रगण श्री ठकरिया, निवासी ग्राप-ग्राया नगर नई दिल्ली, नहसील-महरौली, (ग्रन्तरक)
- (2) प्रकाण सुपुत श्री चुन्नी, निवामी-ग्राम-म्राया नगर, तह्सील महरौली, नई दिल्ली (भ्रन्तिप्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-+

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपतित में हिनगद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

अन्स्ची

2/3 हिस्से कृषि भूमि खसरा नं० 1792/2 मिन(2-7), 1849(4-16), 1854/2(2-3), 1855/2(0-18), 1856/2(0-9), स्थापित—ग्राम—ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ¹, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

मोहरः

प्रक्रप बाहुँ. टी. एन. एस -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/4-82/21-श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

मायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाटी, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इउसे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- '(क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बादक उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए:

अतः अघ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---- 13--396GI/82

(1) श्री साही राम सुपुक्ष श्री जहरिया, निवासी-कोटला मुक्षारकपुर, नई दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(,2) बेगा सुपुत्र श्री टोफा, निवासी-ग्राम-भाटी, नर्ध दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरिता के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अभृसूची

कृषि भूमि तादादी 23 बिघे श्रौर 12 बिग्ने, खसरा नं० 693(3-5), 1051(2-9), 1052(2-3), 1053(2-14) 1054(2-9), 1060(1-2), 1061(0-12), 1062(0-12), 1063(0-10), 1064(0-11), 1065(1-7), 1066(1-3), 1067(1-4), 1068(1-0), 812(1-13), श्रौर 1/2 हिस्से भूमि तादादी 1 बिघे श्रौर 16 बिग्ने, जो 18 बिग्ने के बराबर है जिसका खसरा नं० 805, स्थापित-ग्राम—भादी, तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज-I, नई विल्ली

विनांक . 23-11-1982

प्रक्षत ग्राई० टी० एन० एस०---

ध।यकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/4-82/25—धतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हु") की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हु"

मौर जिमकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिरट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रक्तिरत की गई है भीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मृत्यसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविवा के लिए।

अत: जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म-- (1) श्रीमती संतोष पत्नी श्री महाबीर, निवासी--ग्राम--भटगांव, हरियाणा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चमन लाल सोइ सुपुत्र स्व० लाला राजा राम, निवासी-ए-1/4, बंसत विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अविधिया तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यंक्ति व्यक्तियों मं में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस युवना हे राजनन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रजोहस्ताकारी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पश्चीकरण 1---इनमें रतुत्त पन्दीं भीरादीं छा, जी उक्त अधि-निया के अध्याय 20-इ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि तादादी 8 बिघे, खसरा नं० 43/15, 43/7, ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

विनांक: 23-11-1982

शोहर :

प्रकप आई. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज , नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विज्ञवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैंल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशयों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्रीपतो संतोष पत्नी श्री महाबीर, निवासी-ग्राम-भटगांव, हरियाणा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चमन लाल सोई सुपुत्र स्व० लाला राजा राम, निवासी-ए-1/4, बंसत बिहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि तादावी 6 बिये 8 बिम्त्रे, खप्तरा नं० 43/6, 16 ग्राम-बिजवाशन, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण); धर्जन रेंज I, नई बिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्रारूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/28—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजनाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से व्राणित है), राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक श्राप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :---

(1) श्रीमती संतोष पत्नी श्री महाबीर, निवासी—ग्राम भटगांव, हरियाणा

(मन्तरक)

(2) श्री चमन लाल सोई सुपुत्र स्व० लाला राजा राम, निवासी ए-1/4, बंसत बिहार, नई विल्ली (भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह³।

अनुसूची

भूमि तादादी 4 बिघे 16 बिम्बे, खसरा न० 43/14, ग्राम-बिजवाणन, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर,ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 22 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/4-82/29—-अतः मुझे, नरेन्द्र सिह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भरथल, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक ग्रिप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् .——

- (1) श्री दरीयाभी सिंह सुपुत श्री कुरे, निवासी ग्राम— भरथल, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नारायण सिंह सुपुत्र श्री राम किशन निवासी— ग्राम—कापसहेड़ा तहसील—महरौली, नई विल्ली (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इनटायर हिस्से कृषि भूमि मुस्तातील नं० 17, किला नं० 21 मिन (1-8), मुस्तातील नं० 18, किला नं० 16मिन (2-1), 24(4-16), 25(4-10), 30(0-6), मुस्तातील नं० 21, किला नं० 9 (4-16), 10(2-6), 27(0-2), मस्तातील नं० 31, किला नं० 4(4-16), 5(4-16), 6(4-16), मुस्ताताल नं० 32, किला नं० 1(4-16), 10मिन (1-16), के साथ गेल, स्थापित—ग्राम—भरथल, तहसील महरौली, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनाकः: 22-11-1982

मोह्रसः

प्रकप शाइ . टी. एम्. एस.-----

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/ 34---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 40/2, 40/15, है तथा जो 40/18, ग्राम-कोटला मुबारकपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रुप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नुलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरुष है हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-निवय के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में तुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्सिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुसिखित स्पक्तियों, अधित :— (1) श्री चेतराम सुपुत्र स्वव पंडित लीला राम, निवासी-279 मस्जिद मोठ, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायण, प्रेम नारायण, भगवान दास शर्मा श्रीर त्रिलोक चन्द सुपुत्रगण पंडित पोक्षर मल, निवासी-353, ग्राम-मस्जिव मोठ, नई दिस्ली (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एम-सी-डी नं॰ 40/2, 40/15, 40/18, खसरा नं॰ 628/12/2, ग्राम-कोटला मुबारकपुर, नई विल्ली, तादादी 70 वर्गगज,

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, दिर्ल्श नई दिल्ली

दिनांक: 22-11-1982

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एत॰ एस●---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार-3/4-82/ 36---म्रतः मुझे, मरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 2375 से 2578 है तथा जो ब्लाक 'एन', डब्ल्यू. ई. ए० करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन श्रिष्ठैल, 1982

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशेक्त संपर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; के लिए;
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः क्षतः जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री एस० स्वर्ण सिंह सरक्ष श्री एस० ईशर सिंह, निवाती-2375, गली नं० 13, बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा जी० ए० एस० तेजिन्दर सिंह, निवासी जे०/12/34 राजोरी गार्डेन नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) मै० विकास एजेन्सीज प्रा० लि०, ए-4, मायापुरी, भाग-1, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिंग डाईरेक्टर श्री के० एस० चावला,

(म्रन्तरिती)

को यह बूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जव्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यायः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गुमा हैं।

ज्युस्ची

प्रो॰ एम-सी-डी नं॰ 2375 से 2378, ताबादी 361 वर्गगण, खसरा नं॰ 1408/381, 1410/382, 1412/383, ब्लाक 'एन' वार्ड नं॰ 16 प्लाट नं॰ 22, से 24 तक, डब्ल्यू॰ ई॰ ए॰ करोल बाग, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनांक: 23~11~1982

प्रक्ष भाई• दी• एन• एस•----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही धारा 26% प (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अवतर प्रपृक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3/4-82/ 40--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, भायकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिविनियम कहा की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका डिचित बाजार मरुग 25,000∤- स्पए से ग्रधिक है, श्रौर जिसकी सं० ग्रार-589, है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, मप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिरुख के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाश करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐते दृश्यमान प्रतिफल का पण्डाह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (म्रान्तरकों) और अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरभ के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नसिधित अहेरय से उन्त भन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ध्रिबिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने वा इससे अचने में तुबिधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घर या बन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर घिंधनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण् मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को क्भीन निम्नुलिहिब्स क्युक्तियों सुधीत् :— (1) श्री विक्रम पाल सुपुत्र स्व० एल० राज पाल, श्रीमती णाल्नो देवी विधका पत्ना श्री देव पाल, हुर्ष पाल, चन्द्र पाल, नरेण पाल सुपुत्रकण स्व० श्री देव पाल, द्वारा जी० ए० श्री सुशील कुमार चड्डा, निवासी जी–8, ग्रीन पार्क एक्स० नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० मेला राम प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 454-455 चितला गेट, चुरीवालान, दिल्ली

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीवन सम्वत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 15 दिन की अवधि या तस्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में दिलका किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्तावारी के पास सिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को सकत बिद्यितमा के बध्याय 20-स में परिकाणित हैं, बही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

समय ची

प्रो० नं० ग्रार/589, तादादी 200 वर्गगज, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, न**ई दिल्ली**

दिनाक: 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनाक 22 नवम्बर 1982

निर्देश स० माई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस-मार-3/4-82/56-मन मुझे, नरेन्द्र सिह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा त्रया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० 16/2863 है तथा जो बीडनपुरा, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तश पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के निए:

(1) श्रीमती शांती देवी, नियामी-17/2863 बीडनपुरा करोल बाग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम अवतार गुप्ता निवासी-17/2863 बीडन-पूरा करोल बाग, नर्ड दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत् सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भ्रनुसूची

म्युनिसीपल न० 16/2863-बीडनपुरा, करोल गाग, नई विस्सी, प्लाट न० 103, ब्लाक 'पी' तादावी 161 वर्ग गण

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),
श्रर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

दिनाक 22-11-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-श्रार-3/4-82/59-श्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 8ए/109, है तथा जो डब्स्यू० ई० ए० करोलवाग, नई विल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद भन्सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुमित्रा सोनी पत्मी एस॰ तेजा सिंह सोनी, निवासी-एफ-4/8 माङल टाउम, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मदन लाल शंकर सुपुत्र स्व० श्री साला राम, निवासी—8ए/109, डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी कक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकांकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ 8ए/109, तादादी 134.3 वर्गगज, स्थापित— डब्स्यू॰ ई॰ ए॰ करोल बाग, नई विल्ली

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली

विनांक: 23-11-1982

मीहर :

प्रकप भाई। टी। एन। एस।-

आयक्तर मिविनयमः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 23 नवम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/70--- मतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

धायकर धिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की बहु विश्वास करने का कारण है मि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-इ० से मधिक है

भीर जिसकी सं० ई-16, है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, दिनांक भ्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भग्दरिती (मन्तरिसियों) के बीच ऐसे मन्तरण के किए वय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण लिश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, धक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देते के प्रस्तरक के क्यित्य में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के किए; घीर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ममिनियस, (1922 का 11) या उक्त ग्रीवनियम, धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्व अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया चिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाने निए।

अबः ज्व, उक्त विभिनियम् की भारा 269-ग के अनुस्रण . मी. राक्त अभिनियम की भारा 269-व की स्वापारा (1) 🖷 मुधीन्, निस्नमित्वितु स्युक्तियों, सुधीत् ८—-

(1) श्री वेद प्रकाश मलिक, निवासी-ई-16, कालका जी, नई दिल्ली

(ब्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुवर्षा जसुजा, निवासी-ई-275 ग्रेटर कैलाश⊸2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना गारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

रपब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों खोर पर्वो का, जो **सब**स अधिनियम के प्रध्याय-20% में परिभाषित है, यही प्रवं होगा को उस प्रध्याय में दिया क्या है।

नन्स्थी

प्रो० नं० ई-16, कालकाजी, नई दिल्ली

नरेन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन 🕷 ।, नई दिल्ली

दिनांक: 23-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकरु अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 🗓 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/4-82/ 118--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/-रा मे अधिक है

श्रौर जिसकी गं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-देवली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रश्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उँजिस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मौ, उक्तर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नेलिसित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्री दयानन्द ग्रोर ईश्वर सिंह सुपुत्रगण श्री सिभा, निवासी—ग्राम—देवली, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन सिंह ग्रौर केवल सिंह सुपुत्रगण एस० जगत सिंह, निवासी--66-ए, गौतम नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तृ सम्पत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुधी

कृषि भूमि तादादी 8-1/2 विश्वे, खसरा नं 0.580 मिन, ग्राम-देवली, नर्ष्ट दिल्ली

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज ^I, नई दिल्ली

दिनांक: 22-11-1982

मोहरः

प्रकथ भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

श्रावकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-3/4-82 123--म्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधानेयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० ई/70, है तथा जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक भ्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित छहेय से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिजक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर भ्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के मुधीन् निम्नुसिबिक व्युक्तियों नुभित् ध--- (1) मैं विशास इन्टरनेशनल प्रोडक्शन प्रा० लिंक भागीरथ पैलेस, 1706 गली जयकिशन, चांदनी कौक, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) दी कवल नाथ ट्रस्ट, बबई, 91-बानगंगा रोड, बालकेश्वर, बंबई-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन क लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उनत सम्यक्ति के प्रजेन के सम्बन्ध म कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त श्रधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डींग स्टेडींग प्लाट न० 70, ब्लाक नं० ई (न० ई/70), एरीया 533 वर्गगज, निवासीय कालोनी ग्रेटर कैलाश, स्थापित--ग्राम--याकुतपुर, विल्ली

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज I, नई दिल्ली

दिनाक 22-11-1982 मोहार ध

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण)

भर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

स श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/4-82/126---मत: मुझे नरेन्द्र सिंह,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा यया है, की बारा 269-ख के बादीन सबस प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका स्वित बाजार मूस्य 25,000/- उ० से व्यक्ति है

श्रीर जिसकी सं० 5/74 है तथा जो पदम सिंह रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उन्तर जन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त श्राध-नियम; के प्रधीन कर देने के बन्तरक के वाबित्व में कभी करने या उबसे बचने में सुविधा के लिए: धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को; जिन्हें भारतीय धाय-कर भीवितयम; 1922 (1922 का 11) या बक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, क्रिपान में सुविधा के जिए;

अतः, अव , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारत (1) के अधीन , निम्नु लिखित व्यक्तियाँ , अधीत है—

(1) श्री कत्यायनी दयाल सुपुत्र स्व० श्री विशम्बर दयाल, नियासी—सी—4/23, सफदरजंग डेवलपमेंट एरीया, नई विल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं भ्रमृतसन टावर इंडिया प्रा० लि० ई-57 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, द्वारा उसके डाइरेक्टर श्री टी० सी० जैन

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी कर्ड पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के सिय कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्द्भ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, कोहस्ताक्षरी के पास निकिस में किए जा सकी ।

स्पक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नुसा हैं।

अपृत्यी

प्रो० न० 5/74, तावादी 254 वर्गगण, खसरा नं० 1586/1147, पवम सिंह रोड़, डब्स्यू०-ई०-ए०, करोल बाग, नई विस्सी

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज , नई दिल्ली

विनांक: 23-11-1982

मोहरू 🏻

प्रारूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंजा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ई-540, है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ग्रिप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कहर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) मैं भाटिया ग्रपार्टमेंट्स, ए-18 कैंसाश कालोनी, नई दिल्ली द्वारा भागीवार श्रीमती राज कुमारी भाटिया पत्नी श्री बी० ग्रार० भाटिया, श्री एन० के० भाटिया पी० के० भाटिया, ग्रनिल भाटिया, सुनील भाटिया, सभी निवासी डब्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(ग्रन्सरक)

(2) मास्टर सलमान तनविर द्वारा उसके पिता तथा लिगन श्रभिभावक श्री तनविर उर-रहमान, निवासी-गलासहीद रोड़, मुरावाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उन्सा संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ ई--540 ग्रेंटर कैलाश-2, नई विल्ली, (दो बेड, दो बाथ और किचन, टैरेस बरसाती फ्लोर पर)

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, नई दिस्ली

विमांक: 17-11-1982

प्रकप नाइ . टी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

भायां लय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 नवम्बर 1982

निर्देश सं • आई० ए० सी ०/एवयू ०/ 1/एस० आर०/3/4 82 140:—- अतः मझे नरेन्द्र सिंह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 16/2368, है, तथा जो गली नं० 14, वीडनपुरा करोल बाग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रांकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रांकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्नेल. 82 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान ग्रिक्त के लिए वन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान ग्रिक्त से एसे ख्रयमान ग्रिक्त का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कत निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्क किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के लिए;

1. श्री केवल कृष्ण सुपुत्त श्री सदा नन्द, निवासी-17/5 वेस्ट पटेल नगर, नई विल्ली (2) श्री बृज मोहन सुपुत्त श्री एम० एम० कोहली, निवासी-38 रंग महल, गंजीमर खान, दरिया गंज, दिल्ली

(भन्तरक)

2 श्रीमित दलजीत कौर ग्रानन्द पत्नी श्री रिवन्दर सिंह श्रानन्द, निवासी-3329, पणजीत नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- '(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं 16/2368, गली नं 14, नीडनपुरा (दणमेशपुरा) करोल बाग, दिल्ली, तादादी 227 वर्गगज

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-। दिस्सी

ना**रीख**: 23-11-2982

मोहरु:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों अभृतिः प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-र दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 22 नवम्बर 1982 निर्देश सं ० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस०ग्रार०-3/4-82/146 ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 1237 है तथा जो गली नं० 10, नाइ-वाला करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीला श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख ध्रप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--15--396GI/82

- श्रीमिति द्रोपदी देवो पत्नी श्री जय देव, निवासी-1137, गली नं 10, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली (प्रन्तरक)
- 2. श्री मनोहर लाल पोपली सुपुन्न श्री राजा राम, निवासी-1137, गली नं० 10, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुस्ची

मकान नं० 1137, गली नं० 10, लादादी 117 वर्ग-गज, खसरा नं० 1066, नाईवाला करोल बाग, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज, I नई दिल्ली

नारीख: 22-11-1982

प्रकृप आई. टी. एन. एस. - - - --

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज्-I, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 23 नवस्वर 1982

निर्वेश सं० ए० सी० /एक्यू/1/एस० ग्रार-3/4-82/ 147:---अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसका सं० सी०-208, है तथा जो ग्रैंटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण का से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारों वार्यात्तय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तार्राख अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/पा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वाय प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269व की उपधारा (1) के अधीन गिम्निलिखित व्यक्तियों, सभीत :--- 1. श्री प्यारे मोहन वाहि, निवासी-11 ए०, साकेत कालोनी, कातुलबंध डूर्ग, श्री रिवन्सर मोहन वाहि, निवासी-9 ए/41, सैक्टर-7, भिलाई, श्री सुरिन्दर मोहन वाहि, निवासी एस० यु० 797, मार्फेर 56 ए०, पी० ग्री०, श्री रिमेश वाहि, निवासी एफ० सी० एन० एन्ड वी० ई० एम० सी० टी० ई०, एम० एन० ग्री० डे० एम० सी० टी० ई०, एम० एन० ग्री० डल्यू०, श्रीमती कीणल्या रानी, निवासी-11 ए०, साकेत कालोनी, कातुल बोड, डुर्ग, श्रीमती सरीज जम्मी, निवासी जी। की से-1, श्रशोक बिहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जोगि दर कपूर, निवासी-सी 208 ग्रैंटर कैसाग

1, नई दिर्ला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

प्रो० नं० सी० 208, ग्रीटर कैलाश -1, नई दिल्ला एक मंजिला मकान, तादाद। 300 वर्गगण,

> नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर म्नायुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

सारी**ख**: 23-11-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

जारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982 सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/एस० ग्रार-3/4-82/155:--ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या डी० एस० फ्लेट नं० 29 है जो भगत सिंह मार्केट नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन श्रप्रैल, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री एन० एन० सूरी सुपुत्र श्री द्वारका क्षास सूरी, निवासी-बी०32, निजासुद्द न ईस्ट, नई क्षिली पहले का निवास स्थान ए-43, निजासुद्दान ईस्ट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० ए० एन० फैशन (इण्डिया) प्रा० लि०, एफ० 29, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली द्वारा मैनेजिय डाइरेक्टर श्री धरवनी सोनी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिख् कार्वनाहियां जुरू करता हुं।

उनक सन्तरित को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षकि रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जीभनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं जुर्ज होगा को उस् अभ्याय में दिया ग्या है।

जन्स्यी

सरकारी बना हुमा दो मंजिला फ्लेट नं० 29, भगत सिंह मार्केट, नई दिल्ली तावादी 772 वर्ग फं.ट, के कर्राव।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्स (निर्दक्षण) भर्जन रेज-I, दिल्ली, नई विल्ली।

तारीख: 22-11-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भन्नीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982 सं आई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० ग्रार-3/4-82/156:--भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या 55, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है, (ग्रौर इससे ज़्पाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, ग्रिग्रैल, 1982

की 16) के अवान, अप्रल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (धन्तरकों) भीर
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उपत धिनियम के धिनीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए। धीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्राय-कर ध्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उप-धारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः— 1. मैं भोहन एक्सपोर्टस इण्डिया प्रा० लि०, 7, कम्युनि टी सेन्टर, जमरूदपुर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बीर कुमार नौलक्खा, निवासी-ई-12, एन. डी. एस० भाग2, मार्केट, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वॉक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों .पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शन्दों श्रीर पदों का, जो सक्त श्रिष्ठित्यम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अगृतुची

2-1/2 मंजिला बंगला नं० बी-55, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली बना हुआ, प्लाट तादादी 1000 वर्गगज

> नरेन्त्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-11-1982

मोहरुः

प्ररूप आई. वी. एन.एस. - ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्लो, दिनांक 22 नवम्बर 1982

मर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू/1/एस० ग्रार-3/4-82/ 170---ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा चया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूर्य 25,000/- ए. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 1, एम-219 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश 2 में नई विस्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारों के कार्यालय-नई विस्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रप्रैल, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह अतिशत से ग्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तिकल रूप से किया नया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत उपत अजिनियम के सबीन कर देने के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् हि— 1. श्री अरून मित्तल सुपुत श्री बि० बी० भित्तल, निवासी- ए० 3, ग्रैटर फैलाश इनक्लेब-1, पी० टी० एन०, पैराडाइज होम बिल्डजं, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. श्री एस० एस० मेहरा सुपुन्न श्री एस० डी० मेहरा, निवासी-एस० 241, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिस्सी। (मन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 विन की खवधि; जो भी धवधि बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सम्बन्ध द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबख किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहरूताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त श्रीमनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो धस सक्षाय में विया गया है।

भन्त्वी

फ्लेंट नं० 1, प्रो०नं० एम० 219 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (जी० एफ.)

> मरेला सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-11-1982

प्रारूप बाइं. टी. एन. एस . -----

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1982

सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भार-3/4-82/ 173--- भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ई०-275 है तथा जो ग्रैटर कैलाग-2 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन ग्रीवेल 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तिषक रूप से किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; औ≾/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नौलीखत व्यक्तियों, नर्भात्:— 1. श्रीमता सुवर्षा जसुजा, नियासा-ई- 275 ग्रैटर कैलाम-2 नई दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चमन लाल स्याल (2) श्रीमती सुशिला स्याल, नियासी-ई- 275, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष,री के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बना हुमा 2-1/2 मंजिला प्रो० नं० ई- 275 ग्रैटर कैलाश-2 नई दिल्ली तावादी 237 बर्गगण।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-1 विल्ली, नई दिल्ली A

दिनांक 22-11-1982

मोहरः

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1982

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० म्रार-3/5-82/345— श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या एष० एस०-12 है सथा जो कैलाग कालोनी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त्ता ग्रधिकारी के वीर्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अप्रैल, 1982।

को पूर्वे क्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उराके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अध, उन्कत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उन्कत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती सन्तो। एस० पी० सिंह, निवासी-ए० ७, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(बन्तरक)

2. श्री मदन लाल (2) श्री सुरिन्दर कुमार (3) श्री बालिकशन, (4) श्री चमन लाल धौर (5) श्रीमता दर्शाना चौपड़ा मार्फत-श्रनुपमा स्वीटस, एच-एस /12, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रो॰ नं॰ एच॰ एस॰ 12, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली एरिया 195 वर्ग मीटर।

> नरेन्द्र सिंह सभम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीखाः 25—11—1982

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1982 सं॰ प्राई॰ ए॰ सी॰/एक्यू/II/एस॰ प्रार॰-1/4-82/ 9106:—प्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गंबा हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या-1-सी॰/एस-26 है तथा जो न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्मृत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्यमान प्रतिफल का बम्द्रह प्रतिकत से अभिक है बौर बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पावा गया प्रति-फल निम्मिसिक उड्डावेय से उच्छ बंतरण निचित में वास्त्विक रूप से काथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण ते हुव किती जान की बाबत उक्त जीभ-नियम् को अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्य में कमी कारने या उससे वचने में सुविभा के लिए जीर/मन
- (थ) एसी विकासी आय या किसी भन या अन्य अस्तिकों की, चिन्हों भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- 1. श्री ग्रमर सिंह भल्ला सुपुत्र स्वर्गीय श्री बावा रतन चन्द, निवासी-1/2, वेस्ट पटेल नगर, नई विस्ली। (श्रन्तरक)
- सरदार दलीप सिंह सुपुत सरदार दयाल सिंह निवासी 65/47, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ु</u>स्ची

पहला मंजिला मकान नं० 1-सी/एस-26 (1-सी/एस-26) त्यू रोहलक रोड, करौल बाग, नई विल्ली, क्षेत्र मौजा बाग राऊजी, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 10-12-1982

प्रकप भाई० टी० एन० एस•---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 नई क्षिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार-1/4-82/ 9109---श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनका अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सी/15 है, तथा जो वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, वजीरपुर, दिल्ली में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रग्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इस से किथित नहीं किया भया है:----

- (क) श्रश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिमियम के भ्रधीन कर देने के श्रश्तरक के बायिस्व में कमी करने या उससे अवने मे सुविधा के लिए; बौर√या
- (ख) ऐसी कि तो आय या किसी घन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

ग्रन: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269-थ के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिसिसित व्यक्तियों, अधीते :---16--396 GI/82 श्री रहमत इलाहि मुपुत्र श्री नूर इलाहि, प्रोप० मैं० रिहमत इलाहि एण्ड सन्स, सी-15, वजीरपुरा इन्डस्ट्रीयल एरिया, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सूरेश कुमार सुपुत्र श्री चेला राम, निवासी-सी-48, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली श्रौर श्रीमती [कौशल्या वेवी पत्नी श्री बिहारी लाल, निवासी-जे-172, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुरता.
- (का) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकरेंगे।

स्पथ्यक्रियण :---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हु⁷।

अनुसूची

90/100 हिस्से लिज होल्ड प्लाट नं सी/15 वजीरपुर इन्डस्ट्रीयल एरिया, वजीरपुरा, दिल्ली, तादादी 617.9 वर्गगज.

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्र.धिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 9-12-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एत.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1982

मं० म्राई० ए० सी ०/एक्यू०/2/एस० मार-1/4-82/ 9126:----- मुझे सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 422, 423 है, तथा जो कुचा बुजनाय, धान्यनी चौक, वार्ड नं० 2, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्त्ता प्रधितारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन प्रप्रैल, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया मबा प्रतिफल, रिग्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिओं को जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

लत. अन उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुप्ररण में., में , उक्त अधिनियम की पारा 269-म की उपभारा (त) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभितु:--- श्री रूप नारायण कपूर सुपुत्त श्री जगत नारायण कपूर निवासी-423, कुचा बृजनाथ, थान्दमी भौक, दिल्ली 110006।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राज कुमार मेहहोता सुपुत्र श्री मोहन लाल मेहहोता, वर्तमान निवास स्थान नं० 423 कुचा मुजनाय चान्दनी चौक, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिद् कार्यग्रहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाओव :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (वा) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दशारा अभोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

रुवक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा मवा है।

मन्सूची

2/3 हिस्से प्रो॰ मै॰ 422, 423, तावादी 82 वर्गगज, जो सम्पूर्ण भूमि 122 वर्ग गज है, कुचा बुजनाथ, जान्समी ृतीक बार्ड नं॰ 2, दिल्ली-6 में स्थित है।

> सुधीर चन्द्रा, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई विल्ली।

ता**रीख**: 29—11—1982

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस०भ्रार० 1/4-82/9130 भ्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

नायकर जीवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या डी-1 है तथा जो इकीकत राय रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, भन्नैल 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे प्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसित्त उद्विध्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बामस, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉट/बा
- (च) एसी किसी आम मा किसी भन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा अक्त अधिनियम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिएती द्वारा प्रकट पहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिभा के लिए;

 श्री भीत सेन गुलाटी सुपुत्र श्री गोवर्धन लाल, निवासी-श्री-1, ग्राह्म नगर, दिल्ली, द्वारा जी० ए० भगनान सरूप,।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती देवी परनी श्री छज्जू मल श्रौर श्री छज्जू मल सुपुत्र श्री बिहारी लाल, निवासी-डी-1 श्रादर्श नगर, दिल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाकारी है पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त भाव्यों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंगा है।

मन्सूची

प्रो॰ नं॰ **डी-1, इ**कीकत राय रोड, ग्रादर्श नगर, दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायकत भायकत भायुक्म (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2 दिल्ली, मई दिल्ली।

अतः श्रव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) के अभीन निम्मतिक्ति व्यक्तियों, अभीत् :---

तारीब : 30-11-1982

प्ररूप आर्हे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनाक 10 दिसम्बर, 1982 सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/ /एम० भ्रार०-1/4-82/ 9133 — श्रत: मुझे सुधीर चन्द्रा,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या 93/27 है, तथा जो लाल बिल्डिंग डोरी वालन, न्यू रोहतक, रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन स्रोतेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ब अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, वर्थात् '--

1 श्री श्रोम प्रकाश सुभाष चन्द, विजय कुमार जनरल श्रटारनी मुलख राज मुरेजा द्वारा, निवासी बी-1/10 टीबीया कालेज, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बसन्ती देवी गुलजारी देवी, सखी चन्द, निवासी XII/11284, डोरी वालन न्यू रोहतक रोड करोल बाग, नई विल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० 93/27, ब्लाक 68 ए० म्यूनिसिपल नं० XIV/11284 लाल बिल्डिंग, डोरी वालन, न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 10-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982
सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार/1/4-82/9143श्रत: मझे सुधीर चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रींर जिसकी संख्या 22 है, तथा जो इस्ट एवन्यू मार्केट, पंजाबी बाग दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रग्रैल, 1982

को पूर्विक्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया:——

- (क्स) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---29⇒396 GI/82 1. श्रीमती कमला मनचन्दा परनी श्री योगिन्दर सेन मनचन्दा निवासी-3682/41 साबी मार्फेंट मोरी गेट. दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुलख राज सुपुत्र श्री बनारसी दास (2) श्री बनारसी दास सुपुत्र श्री जगन नाथ (3) सुभाष चन्द सुपुत्र श्री बनारसी दास श्रौर (4) श्री रतन लाल सुपुत्र श्री बनारसी दास, निवासी-2677/8ए पहाड़ गंज नई बिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 22, इस्ट एवन्यू मार्केट, पंजाबी बाग, दिल्ली एरीया 142 वर्गगज,

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2-दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 8-12-1982

प्ररूप बाइ .टी. एन . एस.. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, नई दिल्ली

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनिक्स' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 25,000/-रा. से अभिक है

मौर जिसकी संख्या 9091 (जी० एफ०) है तथा जो गली जमीर वाली, नवाब गंज, दिल्ली में स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख प्रप्रैल, 1982

को पूर्वा क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (गंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उच्च अधिनियम के अधीव कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कभी करमें या उससे अचने में सुविधा के शिए; और/या
- (क) एंसी किसी आव या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर किंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त किंधिनयम, वा धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के जुभीन निम्नुहिस्सित स्युक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती गंगा देवी पत्नी श्री छागन मल, निवासी-9739, गली नीम वासी, नवाब गंज, पुल बंगस, विल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रूप रानी पत्नी श्री बनारसी बलाल, निवासी 9091, गली जमीर वाली, नवाब गंज, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वाचिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

मकाम नं० 9091 (जी० एफ०) स्थापित—गली जमीर बाली, नवाब गंज, विल्ली, भूमि तावादी 101 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक मायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, दिल्ली।

तारीख: 30-11-1982

मोइर ः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

. भारत सरकार

कार्यां स्य, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2 विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/एस० श्रार०1/4-82/9146— भतः मझे, सुधीर चन्द्रा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-था के श्रमीत सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या 1051 है, तथा जो मेन बाजार, बाजार सीताराम दिल्ली-6 में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1982

को पृशोकत सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्निलिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिवक क्या से किश्यत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों कांग्रे, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अब उक्त जीभितियम की भारा 269-म को अनुसरण में, में, हक्त अभिनियम की भारा 269-म की उण्धारा (1) के अधीन, निम्निनिसिस व्यक्तियों, अधीय ~~

- 1. श्रीमती जानकी देवी पत्नी श्री गोपास बिहारी लास माथुर, निवासी-19/2 बी०, शक्ति नगर, दिल्ली-7। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री मन्हेदर कुमार जैम सुपुक्ष श्रीराम जैन निवासी-113 विर्या गंज, नई विल्ली (2) राम किशन शर्मा, सुपुत्र श्री मिठन लाल शर्मी निवासी-2660 हिन्दु-वारा, बाजार सीताराम, दिल्ली (3) श्री प्रेम चन्द जैन सुपुत्र श्री मुकल लाल जैन निवासी 3131-ए०, हिन्दुवारा, बाजार सीताराम, दिल्ली (4) श्री राम शर्मा सुपुत्र श्री हरी राम शर्मा निवासी-3274 सालदरवाजा, बाजार सीताराम, दिल्ली (5) दिनेश गुप्ता सुपुत्र श्री पी० श्री० गुप्ता (एडवोकेट) निवासी-3704, चरखेवालन, दिल्ली-6।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित् के वर्जन के तिथ कार्यनाष्ट्रियों करता हुां।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकोंगे।

स्वक्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 1051 मेन बाजार, बाजार सीताराम, दिल्ली-110006।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख: 8-12-1982

मोहरः

प्ररूप धाई० टी• एन• एस०---

भायकर प्रिवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2 नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1982

सं० माई० ए० सी०/एक्यू-2/एस म्रार०-1/4-82/9149'---भतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा नया है), की लारा 269 थ के अधीन नवाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने हा कारण है कि स्थावर नम्पति. जिलहा उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या सी०-335 है तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली में स्थित है, ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन सारीख प्रप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त समासि के उचिन बाजार मृख्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकृत के लिए प्राप्तिक ही नहें है और मुझे यह शिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समासि का उचिन बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे पृथ्यमान प्रतिकृत का पण्डह प्रतिकृत प्रशिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित छन्ने ये बन्न अन्तरण लिजित में बाह्तविक कप से कथित नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, पक्त अधिकियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐती कियो जा या कियो घन या जन्य जास्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर धिविमयम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाल में सुविधा के किए;

प्रतः अब, जनत प्रधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निशिवित व्यक्तियों भवति :--

 श्री सतनाम सिंह सुपुत्र श्री हरबस सिंह निवासी— सी०-335, मजलीस पार्क, दिल्ली-33।

(म्रन्तरक)

2 श्री स्वरनजीत दुगल सुपुत्र श्री तीर्थ राम दुगल, निवासी-बी० 372, मजलीस पार्क, दिल्ली-33। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त प्रस्पति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उत्त सम्माति के अर्थत के पंत्रंत्र में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचता के राज्यक में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सन्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (छ) रम मुका के राजाव में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भोदर एक्त स्थावर भम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए का सकेंग।

राष्ट्रीकरण च-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्व होगा, जो जस आश्रपाय में विया गया है।

मम्स्ची

मकान नं॰ सी॰ 335, मजलीस पार्क, दिल्ली, भूमि तादादी—111 वर्ग गज,

> सुधीर चन्द्रा सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन-रेंज 2, दिल्ली।

तारीख: 30-11-1982

मोहरः

प्रकृप वार्द्ः दी . एन . एस . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मू (1) के ब्योज सूचना

भारत तडकाड

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, नई (दल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवश्वर, 1982 सं० ग्राई० ए3 सी०/एक्यू/2/एस/ग्रार०-1/4/32/9158 ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पदा हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार सूम्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 3778 श्रीर 3779 है तथा जो कुषा मुश्रतर खान मोरी गेट, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रिप्रेल 1982

को पूर्वा विस संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुक्त में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर बीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के बन्तरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-स को उपभास (1) के अधीन, निकालिसित व्यक्तियों, अर्थाष् :---17—396G1/82 श्रीमती विमला दवी पत्नी श्री चान्दी प्रसाद सुपुत प० जोती प्रसाद, निवासी 34544, सैक्टर 35 डी, चण्डीगढ, वर्नमान निवास स्थान 3881 मोरी गेट, दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एल० भगवान दास सुपुत्र श्री सुन्दर लाल श्रीर श्रीर श्रीमती शारदा देवी सुपुत्री श्री राम सरूप पत्नी श्री छोटे लाल, निवासी मी० 57 भजन पुरा, जी3 टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन् के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सु से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्झ वृष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी क्रे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में विया ग्या है।

जन्सुची

प्रो० नंस का भाा, न० 3,778ह ग्रौर प्रवे० नं० 3779 445 वर्गगज, कुचा मुग्रतर खॉैन, बेरी गेट, दिल्ली।

> सुधार **घन्द्रा** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2 विल्ली

लारीख: 29-11-1982

प्रकृष पाई • टी • एन • एव •-----

भाधकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन तूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 10 विसम्बर 1982 निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस०श्चार०-4/4-82/ 9162—-श्चतः मुझे सुधीर चन्द्रा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्वप् से प्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० डी-13/7 है, तथा जो माडल टाउन, दिस्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रश्रैल, 1982

को पूर्वीक्द सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया । यॉक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ब, उस्के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मुख्य, अतिशत से अधिक है अंद अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निधिखित उद्देशन से उक्त अन्तरण लिखिन में बाह्यविक रूप से कथित तहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उवन अधि-नियम के भ्राधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में तथा करने या उससे जबने में मुविधा के लिए; ध'र/या.
- (अ) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रस्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती औरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः बाब, उक्त प्रधिनियम को घारा 269-ग के, प्रनुसरग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नृतिस्ति व्यक्तियों, वर्धात्:--- श्रीमती सीता देवी पत्नी ईश्वर दास, निवासी डी-13/7, डामल टाउन, दिल्ली-9

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सन्तोष गुप्ता, पत्नी श्री बेद पाल गुप्ता निवासी डी-12/1, मालड टाउन, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पति के श्रजैन के लिए सार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्बक्ति क प्रजैत के पम्बन्ध में कोई भी अर रेप '---

- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारोख में 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी उर प्रॉक्त अकिनयों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस म्बना के राजपत्र म प्रज्ञानन की नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दक किसी अन्य व्यक्ति शारा प्रवाहशाक्षरी के नाम निखित में किए जा सकेंगें।

स्यब्दोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्वा हा, जो हका अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही सर्व होता, को उत्त परमाव में स्वास्त स्व

म्रनुसूची

प्रो० नं० डी-13/7, मॉडल टाउन, दिल्नी-9

ु ीरचन्द्रा पश्च प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीष्णण) भ्रजनरेज 2, नई दिल्ली

तारीख 10-12-1982 मोहर :

प्ररूप धाई॰ टी॰ एव॰ एव॰--

ग्रायकर ग्रे**धिवियम, 1981 (1961 का 43)** की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांकं 1 दिसम्बर 1982

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के धवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नांगली, सत्तकावती, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्रैल, 1982

को पूर्वोवत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है योर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यनान अतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकन, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से सक्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबा उक्त श्रक्षितियम के अक्षीत कर दन के अन्तरक के दायिस्य मंक्सी करत गाउसमे बचने में सुविधा के लिए; औप/या
- (ख) उँदर किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों की जिन्हें भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 'का 11) या उन्त अविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अब, उरु। अधिनियन का धारा 269-ग के अनुसरूण में, में, उक्त मर्धिनियन की धारा '269-च को उपधारा (1) के भवीन, निम्निव्यक्ति स्थितियोः अर्थानः— श्री जालु सुपुत्र श्री मंगतु,
 निवासी ग्राम नांगली, सक्रावती, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. राजेश खन्ना सुपुत्र श्री जे० सी० खन्ना, निवासी सी-42, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों. परः
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त
 व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बीघे 8 बिश्वे, खसरा नं० 31/5/1 (5-12), और 4(4-16), ग्राम नांगली सकावती, दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख' 1-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 2

नई दिल्ली, दिनाक । दिसम्बर 1982 निर्देण म० ग्राई० ए० मी०/एक्य०-2/एस०ग्रार०-2/4-82/

7058—अत मुझे मुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु सं अधिक है

श्रीर जिसकी स० कृषि गूमि हे तथा जो ग्राम नागली सक्रावती, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसम उपावड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयन्ति श्री कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रीर्ण, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उबत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्मिनियक व्यक्तियों, अर्थात् --- श्री जालु सुपुत्र श्री मंगलु,
 निवासी ग्राम नांगली सकावती, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री धनुप सिह सुपुत्र श्री जालु निवासी ग्राम नांगली सकावती, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आहरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थितायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिस्थाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

कृषि भूमि तादादी 11 बिघे 2 बिण्ये, खसरा नं० 16/12, 18/2, 19/1, 34/7/2, स्थापित ग्राम नागली सक्रावती, दिल्ली ।

सुधीर चन्द्रा, सक्षम श्रधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज 2, नई दिल्ली

तारी**ख**: 1-12-1982

प्ररूप भार्ष • टी • एन • एस •----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के सबीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०श्रार०-2/4-82/ 7072—ग्रतः मुझे सुधीर चन्द्रा,

प्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- २० मे प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बमनवली, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का चन्नह प्रतिकात से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति छहेष्यों से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण में हुई किसी आय की वावत उक्त आधि-नियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के आए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री राम सुपुत्र श्री भाग मल,
 निवासी-प्राम-बमनौंली, तहसील महरौंली,
 नई दिल्ली।
 (अन्तरक)

2. बदन सिंह स्पृत्र श्री राम निवासी-ग्राम-बमनौली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ५स मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किमी जन्म क्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पब्दी हरण :--इमर्में प्रयुक्त शन्दों और परों का, औ तकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां ग्रंथ होगा जी उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खनरा न . 148 मिन (2-6) , 361 (4-16) , 373 (6-14) , 375 (4-16) , 376 (4-16) , 377 (0-4 , 378 (2-6) , 379 (4-16) , 380 (4-16) , स्थापित-ग्राम-बमनवली तहसील-महराली , नई दिल्ली ।

मधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अजन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 8-12-1982 मांहर : प्ररूप आई टी एन एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रानंत रेज-II

नई दिल्ली, दिना हा 29 नवस्थर, 1982 निर्देश स० प्रार्द ०० मी०/एक्यु०/2/एस०प्रार०-2/4-82/ 7174—प्रत मुझे सुर्धार चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उक्त शीर्वानयम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकार्य का यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा संजिधिक है

धौर जिसकी स० कृषि भृति है तथा जो ग्राम वरवाला, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसभ अगबद्ध प्रतुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिवस्ट्रीकर्ना शिश्वकारा क कार्यातय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक ग्राप्तेल, 1982

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उत्तेवन बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफत्त के लिए अन्तरिश की गई हा और मूके यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफत्त स, एग इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श अपिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मितिका उद्देश्य म क्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है ——

- (क) अतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दन के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी ताय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सिविशा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की प्रधारा (1) के अधीत, जिस्तिनिक्त योजाया अधीत --- श्री जयकिशन सुपुत्र श्रीमती फुलो, निवासी-ग्राम ग्रौर पो० बरवाला, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

2 मास्टर सदीप श्रौर प्रदीप (नाबालिक) सुपृत्त गण श्री जय किशन श्रौर श्रीमती माविती देवी पन्नि श्री जय किशन, सभी निवासी-ग्राम -बरवाता, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी अरके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबध म काई भी आक्ष्प ---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया। पर सूचना की तामील स 30 दिन की जबिध, जा भी भविध बाद मा समापा होती हो, के भीतर पूर्ववित अधिकत्यों मा स' किसी व्यक्तिन द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीय रो 45 दिन के भीतर उक्त रथात्र सम्पत्ति ने हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरा के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:----इसमा प्रयुक्त शब्दों जीर परी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा पीरभागित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसूची

मूमि तादादी 26 बिघे ७ प्रिश्व ग्राम-वर-वाला दिल्ली

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीख 29-11-1982 माहर प्ररूप आई. टी एन एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 18 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी० श्रार० 62/34872/82-83/एक्य०-**बी०**-श्रतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12/1. 16(1) (नया) है, तथा जो रेस कोर्स रोड, बेगलूर, में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गाधीनगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 5-5-1982

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, मॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री यू० एन० रामदाल बल्ला व नं० 12/1/16, रेम कार्म रोड बेगलूर ।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजएत् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रुपायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेये।

स्पष्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 703/82-83 ता० 5-5-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 12/1, 16/1 (नया) श्रार० सी० रोड, बेंगलूर ।

> मंजु माधवन सक्षप प्राधिकारी सहायक आग्रकार शान्वा (गिरक्षिण) प्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 18-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 16 नवम्बर 1982

िनिदेश सं० सी० श्रार० नं० 62/3432*6*/82-83/**एक्यू/बी---**

श्रातः मझे, मंजु माधवन

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 1648/3, नया नं० 1, 1648/6, नया नं० 1/1, 1648/6, नया नं० 1/8, 1648/6, नया नं० 1/3 श्रीर 1648/6 नया नं० 1/9, है, तथा जो श्रोल्ड बैंक रोड, मेंसूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता, श्रिधकारी के कार्यालय, मेंसूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन [दिनांक 3-4-82]

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार 'मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरित (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री सी० पी० नंजुडा शेट्टी, डी० नं० 94, 7, मन रोड, जयलक्ष्मीपुरम, बी० बी० मोहल्ला, मैसूर

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रजीज सेट सुपुत स्व० सत्तार श्रम्भा सेट, नं० 6 माडल हाउस, टेम्पल रोड, जयलक्ष्मीपुरम, मैसूर ।

(ब्रन्तरिती)

को यह त्याना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जून्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनिय के के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 93/82-83 ता० 3-4-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 1648/4 नया नं० 1, 1648/6 नया नं० 1/1, 1648/6 नया नं० 1/8, 1648/6 नया नं० 1/3 और 1648/6 नया नं० 1/9, जो स्रोल्ड बैंक रोड, मैसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेल, बैगलूर

तारीख: 16-11-1982

प्रारूप आहर्र.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्चर्जन रेंज, बेगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी०ग्रार० नं० 62/34914/82-83/एक्यू०-बी---

यतः मुझे, मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 21/1 है, तथा जो एम० जी० रोड, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्री रूरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 24-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए थान छिपाने में स्विधा के लिए।

. अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनंसरण को, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित स्यक्तियों, नर्धात् :—
18 – 396 G1/82

- ग कुमारी रोमा प्रकाश सुपुत्ती डाक्टर प्रेम प्रकाश नं० 66, मेरीन ड्रैव, बम्बई-400020.
 - (2) श्री राजीव भातेजा, सुपुत्र श्री श्रमरीत भातेजा ब्रिङ्ज स्ट्रीट, वेंगलूर-25.

(ग्रन्तरक)

 श्री जिम्मी रतनजी नजार नं० 5, फामरोज कोर्ट, मैरीन ड्रैब, नम्बई-400020.

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिथ, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपत्ति में हितबङ्ध किसी अन्य अथिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

(यस्तावेज सं० 547/82-83 तारीख 24-4-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 21/1, जो एम० जी० रोड, बेंगलूर-1 में स्थित है ।

म जु माधवन सक्षम प्राप्तिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, वेंगसुर

तारीख 10-11-1982 मोहार : प्ररूप आह^र. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी॰ग्रार०६२/३5६७०/82-83/एक्यू०-बी— ग्रतः मुसे, मंजू माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 188 है, तथा जो डिफोंस कालोनी, इंबिरा नगर बेंगलूर, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 5-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उद्देश विभिन्नियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- शी महमूद जमाल, सुपुत्र ग्रब्दुल्ला जमाल, उनके पी० ए० होल्डर उनके भाई है। नाम है: श्री सुलैमान जमाल, नं० 621, भानसवाडी लेग्नाउट,]] स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर-38में रहते हैं। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती ममताज रेड्डी पत्नी श्री ग्राप्त श्राप्त रेड्डी "उषा किरण" पलाट नं 404, IV पलोर, होडिन रोड, श्रलसूर सिविल, स्टेमन, बेंगलूर-42 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यशिहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज स० 1252/82-83 ता० 5ब4-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 188, जो डिफेंस कालोमी, (पुराना नाम था बिन्नामन्गला लेखाउट) नका नाम, इधिरा नगर बेंगलूर-38 में स्थित है।

> मंजू माधवन, सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (नि**री**क्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 17-11-82

मो**हर**ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निवेश स०सी०ग्रार० नं० 62/34349/82-83/एक्यू-बी---श्रतः मुझे, मंजु, माधवन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० 48 है, तथा जो दिन्नामन्गला, II स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर मे रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री के० नर्रासहा रेड्डी नं० 48, बिन्नामन्गला II स्टेज, भानसवाडी लेग्राउट एक्सटेन्शन, बेंगलूर-38

(भ्रन्तरक)

श्री एम० भस्करा रेड्डी
 न० 34, II, स्टेज , इंदिरा नगर,
 बेंगलूर-38

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

(दस्तावेज सं० 245/82-83 ता० 22-4-1982) सम्पत्ति है जिसका स० 48 जो बिन्तमन्गला II स्टेज भानसवाडी, लेग्नौट एक्सटेंशन, बेंगलूर-38 में स्थित है।

> मंजु माधवम सक्षम प्राधिकरी स**क्षा**यक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 17-11-1982

मोहर ः

प्रकप नाहै. टी. एन्. एस.-----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्थना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाक 10 नवम्बर 1982

निदेश सं० मी०ग्रार० नं० 62/34354/82-83/एक्यू०-बी---यतः मुझे, मंजु माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 2/1 है, नथा जो मिड फोडंगार्डन्स, बेंगलूर-1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 26-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित भाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का जिल्ली किया प्रतिक्त के किए तथ पाया गया प्रतिक्त किया किया विश्वास के स्वास के किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीर/या
- (का) एरेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

जतः वयः, उकतः विधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं वाँ, वाँ, उकतं अधिनियमं की धारा 259-वं की उपधारा (†) के अवीप, निस्निलिकित व्यक्तियों, अधित् :--- श्री बी० प्रसन्ता कुमार नं० 2/1, घिड फोर्ड, गार्डन्स, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560001

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चंचला कुमारी श्रीमती ग्रमृत कुमारी ग्रीर श्रीमती शकुन्तला कुमारी नं॰ 555, बी॰ बी॰ रोड, ग्रलन्दूर, मद्रास-16

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्मित्ति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की सविधि, जो भी जन्मी बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में ब्रिस-बद्ध फिली अन्य व्यक्ति दृश्या अक्षोहस्ताक्षणी के पास निस्ति में किए जा सक्ती।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं वर्ष हुनेगा जो उस वध्याम् में दिया गुसा है।

बन्स्ची

(बस्तावेज सं० 287/82-83 दिनांक 26-4-82) सम्पत्ति है जिसकी सं० 2/1, जो मिष्ठफोर्ड गार्डेन्स, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560001 ।

> मंजु माधवत, सक्षम प्राधिकारी सहाचक जायकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारी**व**: 10-11-1982

प्रक्य भाद्री, टी. एन. एस.-----

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत छरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 19 नवम्बर 1982

निर्देश स० सी० प्रार० न० 62/34871/82-83/एक्यू०/बी----यत: मुझे, मजु माधवन

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इबके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तकारों को यह ।वस्यास करन का कारण है कि स्थावर सम्मात, जिस्का उचित अभिगर मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

भौर जिसकी स० 20/27 है, तथा जो IV टेम्पल रोड, मल्लेश्बरम, बेगलूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाक 27-5-1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्निन मे बाम्न-

- (का) अन्तरण से हुई जिसी बाय की बाबत उकत अधि-नियम को अभीन कर दीने को अन्तरफ को दायित्व मों कमी करने या उससे अवने मों सुविधा का लिए, और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यत्ञास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, बा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया. प्राता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीस्चित व्यक्तियों, अर्थात्:---

श्रीमती के० एस० चन्नाविका भौर कुछ लोग 20/27, 4, टेम्पल रोड, मल्लेश्वरम, बेगलर।

(मन्तरक)

3 श्री विश्वनाथ देश पांडे, सुपुत्र पाडुरगराव, थाना कुशनूर, बिदर डिस्ट्रक्ट।

(म्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्य-नाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समान्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन संची

(दस्तावेज स्० 695/82-83 ता० 27-5-82) सम्मत्ति है जिसकी स० 20/27, जो 4 टेम्पल, रोड, मल्लेश्वरम, बेगलूर-3 मे स्थित है।

मजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, बेंगसुर

तारीख 19-11-1982 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, बेगलूर बेगलूर, विनाक 16 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी०ग्रार० न० 62/34910/82-83

यतः मुझे, मंजु माधवन

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित वाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 12 है, तथा जो नित रोड, कुक टाउन, बेंगलर-5 में स्थिन है (श्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन दिनाक 19-5-1982

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित याजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में बास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हों भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिधा के सिए।

बत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के बभीन, निस्तितिकत व्यक्तियों, अभित् —— श्री ई० पी० वर्ड,
 नं० 38, ग्रशोका रोड,
 कुक टाउन, बेगलूर-84

(अन्तरक)

 श्री राबर्ट जोसफ नं० 31, ब्रिगेड रोड, बेगलुर-25

(ग्रन्तरिली)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कार दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/भा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो अक्त अधिनियम, कं अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो अस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुबुची

(दस्तावेज सं० 493/82-83 ता० 19-5-82) सम्पत्ति है जिसका स० 12 जो नित रोड, कुक टाउन, डिविजन, नं० 49, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माघवन सक्षम प्राधिकारी तहासक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजेंन रेंज, बेंगलूर

तारीच : 16-11-1982

मोहर,

प्रसम्ब बाइ. की. एन. एस ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, बेंगलूर

बेगलूर, दिलाक 13 अगस्त 1982

निदेश सं० 446/82-83--यत. मुझे, श्रीमती मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० धार० एस० नं० 42/2, तथा जो डूली हल्ली में रहने वाला प्रापरटी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रानेबेन्तूर, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिनाक 21-4-1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वज्ने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री करीबसप्पा गल्लप्पा बाबगी, रानेबेन्नूर

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सरोजम्मा, पत्नी श्री चन्द्र शेखरप्पा, इचगोडर हेडमास्टर, राजेशवरी है स्कूल रानेबेन्तूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स संपरितः के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

वन्स्यो

(दस्तावेज सं० 87/82-83 ता० 21-4-1982) रानेबेन्नूर तालुक डूली हल्ली ग्राम मे रहने वाला प्रापर्टी नं० श्रार० एस० नं० 46/2 ।

> मंजु माधवन सक्षम त्राधिकारी गहायत स्रायास्य कालुक्त (निराक्षण) स्रजन रेज, वेंगसूर

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीख: 13-8-1982

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नेगलूर

बेगलूर, दिनाक 13 अगस्त 1982

निदेश सं० 447/82-83—अत मुझे, मजुमाधवन, ग्रामकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उन्त प्रधितियमं तटा गरा है), नी बारा 269-ख के प्रजीत बसन श्रिधिकरों को, पर विश्वास करने का कारण है कि स्थाहर संपत्ति, जिसका उवित बाजार मूख्य 25,000/- क० से ग्रिकिक

और जिसकी स० प्लाट नं० 74 हैं, तथा जो सुपर मार्केट, गुलबर्गा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वास्त संप्रति व उचित वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांमन संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (प्रन्तरितियो) ने बीच ऐस अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (प्रन्तरितियो) ने बीच ऐस अन्तरण के लिए, तृष्ट पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हो ने किया नहीं हिया नथा है —

- (क) अन्तरण स हुई । कसो भाग की बाबत उक्त मांध-नियम के भाशीन कर देने के भ्रम्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें मारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्लिषम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

एक्जोक्यूटिव इन्जीतियर,
 पी० डब्ब्यू० दो०,
 गुलबर्गा डिबीजन, गुलबर्गा।

(भन्तरक)

2 मैनर्स रमेश द्रेसिस, होल सेन रेडोमेड और कडपीम मर्जेन्ट्स, फोर्ट रोड, गुलबर्गा।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उना सम्पत्ति के श्राजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की धर्मांध्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकन व्यक्तिना में से किसी व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौर है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो और पथी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसर्ची

(दस्तावेज सं० 114/82-83 सा० अप्रैल, 1982) गुजबर्गाशहर सुपर मार्केट, में रहने बाुला प्लाट नं० 74

> मंजु माधजन सक्षम प्राधिकारौ सहायक बायक र आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जंस रेज, बेंगलूर

कतः सव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्थितयों, अर्थीत्:---

तारी**च**ं 13-8-1982

प्रस्प आर्ह. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

बेंगलूर, दिनांक 13 अगस्त 1982

निदेश सं० 448/82-83--अत: मुझे, मंजू माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,, जिसका उचित बाजार मृल्य 2.5,000 ∕-र**ः. से अधिक ह**ै और जिसकी सं० 3378-बी, हाबेरी शहर में नैशनल हाई वे पूना बंगलोर रोड में रहने वाला प्रापर्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावेरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-4-82 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित कें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्र्ड किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का, 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

बतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 9-396 GI/82

1. श्रीमती पारवती बायी, पत्नी श्री शंकरप्पा **बुलगन्नवर** लावणगेरे

(अन्तरक)

 श्री एल्लप्पा वीरप्पा टोंकद, फरटीलाइजर मरर्चेन्ट, बस स्टैण्ड के पास, हावेरी ।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 14/82-83 ता० 2-4-1982) हावेरी शहर में नैशनल हाई वे पूना बंगलोर रोड पुर रहने वाला प्रापर्टी नं० 3378-बीहै।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 13-8-1982

मोहर् 🗓

प्ररूप भाई० डी॰ एन॰ एत०----

ब्रायक्षर ब्रह्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधान मुक्का

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी०आर०62/34339/82-83--अतः मुझे, मंजु माधवन,

आयंकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्तम आधिकाण की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस म उचित बाजार मन्य 25,000/-रुठ से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 32 है तथा जो पट्टन्दूर, अग्रहारा विलेज, वैटफील्ड बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्गाजय बेंगलूर साऊथ तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 30-4-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृत्य; उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐस दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से मधिक है और प्रस्तरक (प्रम्तरकों) और भ्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरक के निए तय पामा गया प्रतिकास, निम्नामित उद्देश्य से उन्त सम्तरण विचित में वस्त्रविक का से कविन नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरग म हुई जिसी आप का नावा उत्तर प्रधिनियम के घडोल कर देने के ग्रन्सरक के दावित्व में कमी करने या छससे वजने में सुविधा के लिए। धीर/या
 - (ख) ऐसो किसी आप या किसी घन या अन्य आहित्यों को जिन्हों भारतीय धायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने मे सुविधा के जिए।

कतः वयः, उक्त किभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरभ में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीजिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्रीमती पमेला मितयास नं० 30, सेंट मार्कंस रोड, बेंगलूर

(अम्तरक)

- (1) श्री एस० वेंकटरामय्या नं० जी-8, अलेंबिक ग्लास कालोनी, वैटफील्ड, बेंगलूर ।
 - (2) श्री रामसेशम्या, नं० जी-9, अर्लेबिक ग्लास कालोनी, वैट फील्ड।
 - (3) श्री एम० वी॰ सोमशेकर, मं० जी-14, मैन रोड, बैट फील्ड, बेंगलूर ।
 - (4) श्रीमती सुनिता गुप्ता, नं० जी-3, अर्लेबिक ग्लास कालोनी, बैटफील्ड, बेंगलूर। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की। अवधि या तस्त्रम्थन्त्री व्यक्तिमों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की। धवधि, जो की
 प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी खान में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 97/82-83 ता० 30-4-82) सम्पत्ती है जिसका सं 32 जो पट्टन्यूर ध्रग्रहारा विलेज, बैटफील्ड बेंग्लूर में स्थित है।

> मंजु माध**वन** सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्ज रेंज बंगलूर

दिनांक : 27-11-82

प्रकम नाइ. टी. एन. एस. -----

माय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 586/7/5 है, तथा जो 8 कास , मललेक्ष्यरम, बेंगलूर में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-7-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल स, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से किथा गया है:—

- (क) कृत्तरण संहूदं किसी बाय का बायत, उक्छ श्रीभीनसम् के ब्भीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्य में कभी करने या उससे स्वने में सुविधा के लिए; बौर्∕या
- (व) ऐसी किसी नाय मा किसी थन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योधनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया चाना चाहिए था कियाने में दृष्ट्या में हिक्स

अतः अप, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के, वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की सपधारा (1) के विधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्धात्:—

- श्री बी० नारायग कामत
 एन० टी० रोड, शिमोगा । (अन्तरक)
- 2. (1) एन० धेवेन्द्र राव
 - (2) एच० डी० रमेश,
 - (3) श्री एच० डी० सत्यनारायण
 - (4) श्री एच. डी॰ गिरीश , नं॰ 171/1, किलारी रोड, बेगलूर-560053

(अन्तरिती)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पृतित में मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप;---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बच्च किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधि-निवम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

(वस्तावेज सं० 1192/82-83 ता० 8-7-82) सम्पत्ति है जिसका सं० 586/7/5 जो 8 का 1, मस्लेशवरम बेगसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन संक्षम प्राधिकारी सञ्जाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, ग्रेंगलूर

तारीच : 30-11-1982.

मोहरः

ंप्ररूप आर<u>्द</u>े टी. एन<u>. एस.---</u>----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 नवम्बर 1982 निदेश सं० सी०आर० नं० 62/34827/82-83/एक्नी/बी— यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 149/1, 152/14, 152/29ए, 151, 152/6, 152/10, 152/5, 152/13, 150/2, 150/3, 150/4, 150/1, 152/5, 152/4 है, सथा जो कुम्भूर विलेज, सोमवारपेट तालुक, नार्थ कूर्ग डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मरकेटा मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-4-82 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिकाल से, एसे इरयमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखत उद्वेश्यों से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (का) अम्तरण से हुई किसी आय करी वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- श्रीमती के० पार्वती मन्दन्ना, परित स्व० श्री मन्दन्त और दो लोग कुम्भूर विलेख, सोमवारपेट, तालुक, कोहान् जिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरक)

 श्री के० के. त्यस्मरसम्मन,सुपुत्र श्री के० के० कुंजू-कुजू और चार लोग, सबिता, एस० एन० पार्क रोड, केन्नानूर डिस्ट्रिक्ट, केरला स्टैट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अध्योप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

(दस्तावेज सं० 25/82-83 ता० 8-4-82)

सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 149/1 में 6.74 एकर्स, 152/14 में 3.30 एकर्स, 152/29ए, में 0.56 एकर्स, (az) (बेन), 151 में 4.06 एकर्स (az), 152/6 में 0.70 एकर्स, 152/10 में, 1.60 एकर्स, 152/8 में 0.12 एकर्स, 152/13 में 2.44 एकर्स, 150/2 में 1.64 एकर्स, 159/3 में 1.74 एकर्स, 150/4 में 0.66 एकर्स, 150/1 में 3.40 एकर्स, 152/5 में 0.30 एकर्स, (x) सीमवार्पेट, तालुक नार्थ कुंग डिस्ट्रिक्ट।

मंजु माथवम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगलूर ।

तारीख 30-11-82 मोहर: प्ररूप आई. टी. थ्नृ. एस_-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 25 नवम्बर 1982

निदेश सं० सी०आर०नं० 62/34364/82-83/एक्वी---अतः सुप्ते, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 671 है, तथा जो वेस्ट आफ कार्ड रोड, II स्टेज, बेंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-4-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देष्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बी० एस० प्रसन्ता,
 पी० ए० होल्डर, आफ श्री के० एन० रामास्वामी,
 नं० 503, राजमहल विलास एक्सटेंशन,
 बेंगलूर-6।

(असरक)

श्रीमती आर० पी० शांतिनी,
 नं० 66, हुचिन्स रोड ईस्ट, बेंगलूर-5:।
 (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में चितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयूक्त गुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अव्सूची

(बस्तावेज सं. 503/82-83 ता० 28-4-82) सम्पत्ति है, जिसका सं० 671 जो बेस्ट आफ कार्ड रोड, क्रितीय स्टेज बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर।

तारीख 25-11-1982

मोहरः

शुरूषु आहे. दी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, विनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० आर०/82-83/353—यतः मुझे, आनन्द सिंह आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 1/3 भाग जायदाद, नं० 2259/2 है, जो अंदर गेट महासिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त् सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नितिसत उद्देष्य से उक्त अंतरण मिनित्त में बास्तिबक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित नामित्यों, मर्थात् :--- श्री जगदीश राज पुत्र धीवान चन्द वासी—सोनीपत, जिला, रोहतक द्वारा ठाकुरदास पुत्र लधा राम, जनरल आर्टीलरी, ।

(अन्तरक)

 श्री विहारी लाल पुत्र लघा राम, गली नं० 3, भारी फपूरा, अमृतसर।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

1/3 भाग जायदाद नं० 2259/2 जो कटडा महासिंह अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 1785/23 4-82 रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> अनान्य सिंह जाई० आर०एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख: 27-11-82

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अर्मेतसर

अमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस०आर०/82-83/353—यतः मुझै, आनन्य सिंह आई० आर० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/3 भाग जायदाद नं० 2259/2 है, जो अंदर गेट महासिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद्ध भनसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याद्ध्य, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्विश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तिबक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अर्थ, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन :—

 श्री जगदीण राज पुत्र वीवान चन्द, वासी—सोनीपत, जिला—रोहतक द्वारा ठाकुर दास पुत्र लधा राम। जनरल बादटाररी,

(अन्तरक)

 श्रीमती राज उर्फ रमन वसन पत्नी चंदर प्रकाश, वासी—–हिवारी, जिला—किंकानेर।

(अन्तरिती)

जैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

4. और कोई।

(वह व्यक्ति जिसके बारे यें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

जक्त सम्पृति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग जायदाव नं० 2259/2 जो कटडा महासिंह, अमृतसर में है जैसा कि सैल डीड नं० 1795/25-4-82 रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह आई० आर०एस० सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-३,चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख 27-11-82 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/354----प्रतः मुझे, ग्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस०,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

न्नीर जिसकी सं० 1/3 भाग जायदाद नं० 2259/2 है तथा जो ग्रंदर गेंट महासिंह

प्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रीक, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रथमान प्रतिफल से, ऐसे स्थममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिचित व्यक्तियों, अधीत् र--

- श्री जगवीश राज पुत्र दीवान चन्द, वासी---सोनीपन, जिला---रोहतक, ब्रारा ठाकुर दास पुत्र लक्षा राम, जरनल श्रादटाररी। (श्रन्तरक)
- श्रीमती भ्रमर कौर पत्नी ठाकुर दास, गली नं० 3, शारीफपुरा, भ्रमृतसर। (भ्रन्तरिती)
- ज़ैसा ऊपर नं० 2 में कोई किरायेवार हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिमोग में सम्मित्त है)

4 श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में म्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरीं के पास निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त प्रक्षितियम के प्रक्रमाय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रथ होगा, जो उस अक्याय में विगा नया है।

मनुसूची

1/3 भाग जायदाद नं० 2259/2 जो कटडा महासिंह, स्रमृतसर में है जैसा कि सैल डीड नं० 1784/23-4-82 की रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, स्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक. श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, चन्द्रपुरी, भमृतसर

तारीख: 27-11-1982

मोहार ः

प्ररूप आई ही पून एस 🕟 👓 👓

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

अमृतसर, विनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/355—श्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं० एक जायवाद नं० 8464 है, जो कटरा बाजार कोर्ट बाबा दीप सिंह, प्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था विक्या जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मोंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) मों अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियाँ, अर्थात :---20---396 GI/82 । भीमती सोमा विधवा जेठा जिंह व धनवंत कौर पुती जेठा सिंह, गली नं० 3 मगान नं० 3683, गुरराम दास नगर, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

विजे कुमार पुत्र राम मूरती,
 ग्रंवर सुलतान क्रिड गेट गली नं० 4,
 गुरराम दास नगर, श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

जैसां ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।
 (वह व्यक्ति, चिसके पिधभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके प्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाण लिखित में किए अह सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अन्**स्ची**

1/4 भाग, जायदाद नं० 8464 जो बाजार कोर्ट बाक्षा दीप सिंह, श्रमृतसर में है जैसा कि सैल डीड नं० 1136/15-4-82 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्य सिंह ग्राई०ग्रार०एस० सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, चंद्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 27-11-82

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1982

नि देश सं० ए० एस० म्रार० / 82-38 / 356--- म्रन मानन्य सिंह माई० म्रार० एस०, **आयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्वात् 'उका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपत्रे से प्रधिक है उचित वाजार मृत्य ग्रीर जिसकी सं० एक जायदाद नं० 8464 है, जो कोर्ट बाबा दीप सिंह, ग्रमुतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक प्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजगर मूल्य से कम के दु≉यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमात प्रतिकत का पन्त्रत् प्रतिशत ग्रधिक है भ्रोर भन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बीच** एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उनत भन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरत के दायित्व मैं कमी करने या **उ**ससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अन, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीम निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- ा श्रीमित मोमा विश्वया जेटा सिह व धानवंत कौर पुती ्जेटा [सिह, सामी सुनी संघ कर सुर समानस्य समूर पुस्तस्य ।

बासी गली नं० 3, गुर रामदास नगर, श्रमृतसर। (श्रन्तरक)

- 2. श्री मुरिदर कुमार पुत्र राम मुरती, गुर राम दास नगर, ग्रंदर मुलतान सिंह गेट, श्रमृतसर। (ग्रस्तरिती)
- 3 जैसा ऊपर सं० 2, में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्तिहै)

4. ग्रौर कोई । . (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पृवाँक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वध्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रश्नि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रम होगा, जो उस श्रश्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

1/4 भाग जायदाद नं० 8464 जो बाजार कोई बाबा दीप सिंह, भ्रमृतसर में है जैसा कि सैल डीड रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिकारी. श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी, ग्रमृतसर

तारीखा: 27-11-82

प्रकप नाहाँ. टी. एत्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत **सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांकः 27 नवम्बर 1982

निवेश सं० ए०एस०म्रार०/82-83/357—म्रतः मुझे, म्रानन्द सिंह म्राई० म्रार० एस०,

भ्रायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख भ्रधीन सभ्रम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एक जायदाव नं० 8464 है, तथा जो कोर्ट बाबा दीप सिंह, अमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. सोमा वधवा, जेठा सिंह व धनवंत कौर पुत्री जेठा सिंह, गली नं० 3 मकान नं० 3683, गुर रामधास नगर, श्रमृतसर।

(अन्तरक)

भ्रशोक कुमार पुत्र राम मुरती,
 गली नं० 4, गुर रामदास नगर, भ्रमृतसर।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर न० 2 में कोई किरायेवार हो । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

4. भौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 विन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखत में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

1/2 भाग जायदाद नं० 8464 जो बाजार कोट बाबा दीप सिष्ठ, श्रमृतसर में है जैसा कि सैल खीड नं० 1134/15-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज-3, चंद्रपुरी, ग्रमतसर

नारीख : 27-11-82

मोहरु

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 27 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/358——अतः मुझे, श्रानन्द सिंह श्राई० श्रार० एस०,

भागकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक जायदाद जो दुनी चन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक अप्रैल, 1982

में पूर्वोक्त सम्पति के उजिन बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ज्याने में सृतिया के सिए; जौड़/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती सुरिन्दर कौर बधावन पुन्नी बीर रघुबीर सिंह, वासी—48-एम-6, ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली द्वारा वीर रघुवीर सिंह उर्फ दलबीर कोर विधवा रघवीरसिंह उर्फ वीर रघवीर सिंह।

(भ्रन्तरक)

श्री मन्नमोहन सिंह पुत्र सुरंजन सिंह,
 38-वाइट एवन्यू, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के क्षिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थिनतयों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्युष्कि रणः --- इसमें प्रयुक्त कवां और पदों का, वो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितु हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद 166.66 व० ग० जो धुनी चन्द रोड, ग्रमृतसर में है जैसा कि सैल डीड नं० 2223/28-4-82 रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, ग्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी, ग्रमृतसर

तारीख 27-11-82 मोहर:

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आदे . टी . एन . एस . ------

भाषकर आंधिनधम, 1961 (1961 का 43) औ धारा 269-घ (1) की अधीन सुबना

1375

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर दिनार 22 नवस्वर 1982

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/82-83/359—- ग्रत मुझे, श्रानन्द सिंह ग्राई० श्रार० एस०,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

भ्रौर जिसकी सं एक जायदााद है जो दुनी चन्द रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्धरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखिन में वास्तिबक स्म सं केथित नहीं किय गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में बाबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्थित व्यक्तियो, अर्थात् :---

- जिनी चौधरी उर्फ जितन्दर बीर पुत्री बीर रधुबीर सिंह, वार्सी---- 48-एम-6. ग्रंटर कैलाश. नई दिल्ली अब ग्रार० बी० दुनी चन्द रोष्ठ, ग्रमृतमर ।
- 2 श्रीमती परमिन्दर कौर पत्नी मनोहर सिंह वासी—-ब्रहादर नगर, सुलतान सिंह रोड, श्रमृतसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उपर म० 2 में कोई किरायेंदार हो।
 (बह ब्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. ग्रीर कोई । (बह व्यक्ति , जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्ति में हिनश्रे हैं)

क्ये यह सूचना चारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन क सम्बन्ध भी काई। भी आक्षप .---

- (क) इस स्वास के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत- ब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक जायदाद 166 66 व० ग० जा दुनी चन्द रोड, ग्रमृतसर में है जैंसा कि सैल डीड न० 2222/28-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह श्राई० ग्रार०एस० सक्षम **प्रा**धिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षणं) श्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख 22-11-1982 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निदेण स० ए०एस० म्रार०/82-83/360—म्रतः मुझे, म्रानन्द सिंह, श्राई० म्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार म्स्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट भूमि का जो 265 श्रनीत नगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर ज़ो पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयु की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—-- श्री गुरबचन सिंह पुत्त दयाल सिंह, वासी—गांव कोकरी कलां, तहसील—सोगा, जिला फरीदकोट द्वारा रामसिंह पुत्त श्रमीर सिंह, वासी—मोहन नगर, जनरल श्रटारनी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरजीत सिंह लाल कमलजीस सिंह लाल, हरलाल, हंसी लाल व मनमोहन सिंह लाल पुत्रान साधू सिंह, भागविदर सिंह लाल, श्ररिवन्दर सिंह पुत्रान, रतन सिंह वासी—बाजार, लकड़ मंडी, कटडा जिलयाबाला, श्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैंडा कि ऊपर नं० 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्तिहै)

4. ग्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट नं० 265 जो 295.24 व० ग० है जो अजीत नगर, श्रमृतसर में है जैसा सैल डीड नं० 1701/ 21-4-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

> आनन्द सिंह, म्राई० म्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज 3, चन्द्रपुरी, म्रमृतसर

तारीख: 22-11-82

प्रकाप आहाँ टी एक एस ---- ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनाक 27 नवम्बर 1982

निदेश स. ए० एस० ग्रार०/82-83/361—श्रत मुझे, श्रानन्द सिह श्राई० श्रार० एस०,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी स० एक जायदाद न० 199 है, तथा जो खेमकरन रोड, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नेलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण निखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उक्क्से वचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विध के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (।) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !—— भी मिनिन्दर सिष्ट पुत्र जस्थत सिंह,
 वासी---चाक चबूतरा गिलवाली गेट श्रमृतसर ।

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती भृषिन्दर कौर पत्नी चरनजीत सिह, वासी 2454 गली राही माजे, बाजार गुजरा चोक चब्रुतरा वाला, श्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

उनैमा कि ऊपर स० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)

4 श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीखा से 45 वित की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य क्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रिक्षि-नियम के श्रष्ठयाय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो छस अन्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक जायदाद 200 व० ग० हैं जो 199 खेम करन रोड श्रमृतसर में है जैसा कि सैन डीड न० 1625/21-4-82 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रमृतसर में दर्ज है।)

ग्रानन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारी**ख** 27-11-82 मोहर: प्रसार भारत भी तन् एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, ध्रमृतसर ध्रमृतसर, दिनांक 22 नवम्बर 1'982

निदेश स० ए०एस०म्रार०/82-83/362 भ्रतः मुझे भ्रानन्द सिंह भ्राई० भ्रार० एस०

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एक जायदाद न० 670/9-4 है, जो कटडा करम सिंह श्रमृतसर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय स्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तर्भातियों) के बाच एस अनारण के लिए तय गया गया प्रति-फल किमनिश्चित उद्योध्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी नाय की नाबत उक्त अधि-नियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उत्तमे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्रन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- गें न्या काट्य थेस जिस्ते (जिस्ट्र्ड) कटडा करम सिंह, श्रमृतसर द्वारा . रामम्रती, णाम सुन्दर, जंगी लाल, सीताराम श्रौर हीरालाल पुत्रान बीठ मल ।

(भ्रन्तरक)

 मै० रतन लाल राणन लाल नासी बाजार बजरंग कटडा करम सिंह, ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि अपर स० 2 में कोई किराएदार हो।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पक्ति है)
- 4. ग्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पृशांयन मम्पित्त की अभेन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध दिने अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्क जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

एक जायदाद नं० 670/9-1 जो 99.5 व० ग० है, जो नई सड़क कटरा करमसिंह ग्रमृतसर में है जैसा कि सैल ढीड नं० 2320/30-4-82 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्नेन रेज-3, चन्द्र पुरी, श्रमृतसर

तारीख : 22-11-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 25 नवम्बर 1982

निवेश सं० ए० एस०भ्रार०/82-83/363—-ग्रतः मुझे श्रानन्व सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि ल्यापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव श्रानन्द पुर पठानकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्रग्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिभत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिती की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारंसीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-396 GI/82

 श्री हंस राज पुत्र मलावा राम वासी मुहल्ला, अंदरियां पठानकोट ।

(म्रन्तरक)

 श्री बीरिन्द्र कुमार पुत्र राम रतन पुत्र वधावा मल वासी सैनगढ़, पठानकोट ।

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।
(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पृष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि 8 कनाल 13 मरलें, जो ध्रानदपुर पठानकोट में है जैसाकि सैल डीड नं० 308/29-4-82 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पठानकोट में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, ग्राई०ग्रार० एस०० सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, ग्रमृतसर

तारीख 25-11-1982 मोहर: प्ररूप बार्ष .टी .एन् .एस् .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भरी भारा 269-च (1) के अधीन सुभग

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

यर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 25 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस०भ्रार०/82-83/364:— यतः मुझे, भ्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन उठाम प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो श्रानन्वपुर पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में बिणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रील, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके द्रश्मान प्रतिफल से एसे द्रश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ऑधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्रल, जिल्लीलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बाक्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाना बाहिए था डिवाने में सिंदिधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण मों, मीं उत्तर अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निज्निसियस व्यवस्थिं, नशीस् :--- श्री हंसराज पुत्र मलावा राम पुत्र सरद्धा राम बासी महला जंबरियां पठानकोट।

(मन्तरक)

2. श्री जगभूषण भतरी पुत्र मिलखी राम भतरी 4-शी, पटेल मार्ग, गाजियाबाद, (यू०पी०) (भ्रन्तरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है

4 धीर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके कारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को वह सूचना चारी करके पृत्राँक्त सम्बद्धित को अर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध मी काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के युव्पत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अपित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वचीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया नया ही।

वयस्यी

कृषि भूमि 4 कनाल 9 मरले जो भ्रानन्यपुर पठानकोट में है जैसा कि सैल डीड सं० 307/29-4-82 को रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> भानन्द सिंह, भाई० भार० एस० सक्षम मधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, भ्रमृतसर

तारीख 2,5-11-1982 मोहर: प्रकप काई. टी. एन्. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज, ग्रमृतसर ग्रमृतसर, विनांक 25 नवम्बर 1982

निदेश सं ए० एस० आर० / 82-83 / 365 — अतः मुझे आनन्द सिंह, आई० आर० एस०

मायकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त श्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रेत्रोन सक्षम श्रीविकाणे की, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि जो आनंदपुर पठानकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के एरयमान अतिफल क लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अधिक ने गे, ऐमे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिणत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में यास्तिवक अप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किनो भ्राय की बाबत, उक्त स्रक्षिक रियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/बा
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, य धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के सिए;

जतः जब्, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनुतरक में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, जर्थकुं:--- श्री हंसराज पुत्र मलावा राम पुत्र सरद्धा राम वासी महला, अदिरिया, पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगभूषन श्रतरी पुत्र मिलखी राम श्रतरी 4-श्री, पटेल मार्ग, गाजियाबाद (यू०पी०)

(ग्रन्सरिती)

जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भीर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रघोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बूग्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिम्मित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थनुत्त्री

कृषि भूमि 2 कनाल 13 मरले, जो भ्रानन्वपुर पठानकोट में है जैसा सैल श्रीड सं० 309/29-4-82 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> भानन्य सिंह, भाई० श्रार० एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

तारीख: 25-11-1982

प्ररूप बार्ष. टी. एन्. एस.-+ /----

आवश्यर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनाक 18 नवम्बर 1982

निदेश स० ए० एस० श्रार०/82-83/366—-श्रतः मुझे, श्रानन्द सिह, श्राई० श्रार० एस०,

मायकर प्रधित्यमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

स्रौर जिसकी स० एक जायदाद है, जो पठानकोट गुरदासपुर रोड, पठानकोट में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाक स्रश्नल, 1982

को पूर्वोक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोनन मंपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीधक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियो) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त भन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसा आध को अध्या अध्य अधि-नियम के धक्कोन कर देने के अन्तरक के वायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कीर्या
 - (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती श्राशा भारती विधवा रघुबर दत्त भारती सामने, सरस्वती स्कूल, महला साहब जादिया, पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

 मै० बेदी सरविस सटेशन, गुरदासपुर रोड, पठानकोट । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर म० 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

ग्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवािक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य अपिक इवारा अभोहस्ताकरी के पास् निस्ति में किए जा सकरें।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वमुसुची

एक जायदाद 14 मरला, नजदीक मैं० बेदी सरिवस स्टेणन, गुरदासपुर रोड, पठानकोट में है जैसा कि सैल डीड नं० 185/ 20-4-1982 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पठानकोट में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, श्राई०श्रार०एस० सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, श्रमृतसर

नारीख: 18-11-1982

प्रकार बाई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, ग्रमुतसर

श्रमृतसर, दिनाक 22 नवम्बर, 1982

निदेश म० ए०एस०न्नार०/82-83/367—न्नत. मुझे श्रानन्द सिह श्राई० श्रार० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक जायदाद न० 14-सी है, जो मदानंदनगर, श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके ध्रियमान प्रतिफल से एसे ध्रियमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न्लिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के वधीन कड़ दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी कड़ने या उससे बचने में बुद्धिश के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जत:, बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्तां, अर्थात— 1. श्रीमती रंजना खन्ना विधवा, केवल कुष्ण, भ्रनिला खन्ना, पुत्नी, केवल कुष्ण, रशमी पुत्नी केवल कुष्ण, संगीता पुत्नी, केवल कृष्ण, द्वारा विजे खन्न, जनरल श्राटारनी वासी 14-सी, दयानन्द नगर भ्रमुतसर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जनक पत्नी राम जन्द वासी लारेंस रोड,
 1-सी, ब्रह्म नगर, श्रमृतसर ।

(भ्रन्सरिती)

3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. श्रौर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधांहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक जायदाद 230 ख० ग० जो 14-सी, दयानन्द नगर, प्रमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 6628/9-7-82 को रिजस्ट्रीकर्ता फ्रिधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिह, श्राइ० आर० एस० सक्षय र्घाधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, 3 चन्द्रपुरी, द्यमृतसर

तारीख: 22-11-1982

प्ररूप आहर्ः दी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस०आर०/82-83/368—अतः मुझे, भानन्द सिंह, आई० आर० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद न० 14-सी० है, तथा जो दयानन्द नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिख्ति में वास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धामित्व में कभी कर्षिया उच्चसे क्ष्म में सुविधा के क्षिए; नृष्टि/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर सिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निक्तिक्त व्यक्तिस्थां, अधीत्ः—

- श्रीमती रंजना खाना विधवा केवल कृष्ण, अनिला खाना रशमी मनचन्दा, संगीता मेहरा, पुत्रियां, सवर्गीय केवल कृष्ण खाना, वासी 14-सी, गली नं० 2 दयानन्द नगर, अमृतंसर द्वारा विजे खाना सुद्रतार (अन्तरक)
 - श्रीमती बंदना पत्नी नंद किशोर वासी 1 सी, ब्रह्मनगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्कि करणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और प्रदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितृ हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्यी

एक जायदाद 248 व० ग०, जो 14-सी, दयानन्द नगर, अमृतसर में है जैसा कि सैल डीड नं० 6790/13-7-82 को रजिस्ट्रीटर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 चन्द्रप्री, अमृतसर

सारी**ज** : 22-11-1982

प्रकप बाई • टी • एत • एस •----

भायकर प्रोधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निवेश सं० ए० पी० नं० 3627---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उनित वाजार मूल्य 25,000/- द० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव कडिया वाली तहसील, जालन्धर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनिश्चन श्रीवक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐथे प्रन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य में उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण में हुई किसी आय की बाबत उका प्रिय-नियम के भ्रमीन कर देने के धन्तरक के बाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (195) का 27) के अयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री दीदार सिंह पुत्र पियारा सिंह,
 गांव कडिया, वाली तहसील, जालन्धर।

(अन्तरक)

- श्रीमती शिवराज पत्नी चमन लाल वासी न्यू जवाहर नगर और चमनलाल पुत्र साधु राम (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूजना जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यति क ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षप 1--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्वष्टी हरण :--इन में प्रयुक्त मध्यों प्रोर पर्यों का, जा उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्य होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 12, दिनांक अप्रैल, 1982 को जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-12-1982

मोहर 🕄

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ए०पी० नं० 3628—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो कडिया वाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

दती पूर्वाक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के निच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री संतोख सिंह पुत्र पियारा सिंह वासी गाव कडिया वाली तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- श्रीमती शिवराज पत्नी चमन लाल वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर और चमन लाल पुत्र साधुराम ।

(अन्तरिती)

- 3. जैहा कि ऊपर नं०2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 11, दिनांक अत्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है। जे० एस० गिरधर सक्षम धाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-12-82

प्रकल आई टी एन एस ---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अथीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982 निदेश सं० ए० पी० न० 3629--अत मुझे, जे० एल० गिरधर,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और की मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गुरू तेग बहादुर नगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मियधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन निम्नीसिकत व्यक्तियों, अधीत :——
22—396 G1/82

- होत्राम एव नेबराज बाता अनराज प्रदोरनी द्वारा शी जोगिन्द्र मिह वासः 71-अवतार नगर, जालन्धर।
 - (अन्तरक)
- 2 श्री बलदेव िमह पुत्र अमलोक सिंह वासी म० न० 192, गाव बोतान, तहमील जालन्धर

3 (अन्तरिती)

जैसाकि ऊपर न०2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जनाता है कि वह सम्पत्तिमे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्मिति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न० 61 विनाक अप्रैल 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जें० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

नारीख : 2-12-82 मोहर . प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश नं ० ए० पी० नं ० 3630---यत मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूचि में लिखा है तथा जो गुरू तेन बहादुर नगर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (स) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री होतू राम पुत्र नेथराज द्वारा जनरता अटोरनी श्री जोगिन्द्र सिह् वासी 71 अपतार नगर, जॉलन्धर ।

(अन्तरक)

- श्रीमती रचपाल कौर पत्नी बलदेव सिंह मकान नं 192, गांव नोतान तहसील जालन्धर। (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्यव्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 75, दिनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रींकर्ना अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 2-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदेश स० ए० पी० नं० 3631---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वरियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- लालचन्द पुरभोला राम वासी 615 माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्सरक)

 मैसर्स जै भारत और ट्रेडिंग कं० राईस मिल्स कपूरथला, मन्डी।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा गया है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में दिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्क्ष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 146 दिनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालम्बर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज जालन्धर

तारीख: 2-12-82

प्ररूप आर्धः. टी. एन. एस. - -- -आयुकर आधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचनः

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 विसम्बर 1982

निदेश सं० ए० पी० न० 3632—स्पतः मुझे जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अंपत्ति का जिस्त बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी आय की बम्बत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिसिक व्यक्तियों, अर्थास् :-- श्रीमती चानन कौर माता जोगिन्दर सिंह पुत्र करतार सिंह गाव गुरा नहसील नकोदर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरिदयाल सिंह पुत्न हरनाम सिंह वासी गौव सैयदपुर तहसील सुलतानपुर जिला कपूरियला और डा० जोगिन्द्र सिंह पुत्न गोपाल सिंह वासी गांव अमीरदाबा जिला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिव रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--६ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 150, विनांक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

ता**रीख** : 2-12-1982

प्ररूप आई. टी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्यर

जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निदेश स० ए० पी० न० ३६<mark>७३---</mark>यत भुझे, जॅ० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकार्या को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी म० जैमा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो कडिया वाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत दिनांक अप्रैल, 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संह्इं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम का भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात्:— श्री दीदार सिंह पुत्र पिपारा सिंह
 वासी कडिया बाली तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

अीमती शिव राज पत्नी चमन लाल वासी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर और चमनलाल पुत्र साधु राम ।

(अन्तरिती)

- जैहा कि क्रपर न० 2 में लिखा है ।
 (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनकद्ध है)

कां यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोह्नस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकैगे।

स्पद्धीकरण .— इसमा प्रय्वत शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया ही।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख न० 183, दिनाक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीखा: 2-12-1982

माहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक अध्यकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निदेश स० ए० पी० न० 3634---थन मुझे, जे० एल० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कडिया वाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक अप्रैल, 1982

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपल के निए अनिरित की गई है और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चीहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;'

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— श्री संतोख सिंह पुत्र पियारा सिंह वासी गाव कडिया वाली, तहनील जालन्धर ।

(अन्तरक)

 श्रीमती शिवराज पत्नी श्री चमनलाल वामी न्यू जवाहर नगर, जालन्धर और चमनलाल पुत्रं साधु राम

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर न० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 जो व्यक्ति सम्पत्तिमे रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगा।

स्पष्टीकर्ण: --इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जसा कि विलख नं० 184, दिनाक अप्रैल, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 2-12-82

मोहर ।

प्ररूप काई. डी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

िनदर्रेश नं ए. पी. नः 3635⊷-यतः म्फो, जं एलः गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिमकी सं जैमा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के िनए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

 शीमती हरनाम कौर निधाः। भगत सिंह तासी गांप रमीदी जिला कप्रथला।

(अन्तरक)

 मौसर्ज हमराज और प्त्र प्राईविट लिमिटाइ, जी.टी. रोइ, जालन्धर।

(अन्दर्भारती)

- जैसा कि उज्यद नं 2 में लिखा है।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रिजीच रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अथाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी त्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नः 191 दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजिस्ट्रीकार्य अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

ज'. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीस 2-12-1982 मोहर: प्रस्त आहे, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निदर्शिनं, ए. पी. नं, 3636--यतः म्फे, जं, एल. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो किंगरा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1982 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदद देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में म्विधा के निए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — भी हरियान थिंद्र प्रजागर गिंह वासी गांव किंगरा, सहसील जालन्धर ।

(अस्तरक)

2 श्री विजय क्यार प्र विहारी लाल वासी र्युट न . 12, किशन नगर, जालन्थर ।

(अन्त**िरती**)

- जैसा कि उत्पर न . 2 मं निखा है।
 (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सपत्ति में रिज्ञ रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्पाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति दो अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अधि होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अम्सूची

ब्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 195, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मो लिखा गया है।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आय्क्ष (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील : 2-12-1982

प्ररूप आई^{*}. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 3637---यतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक ही

और जिसकी सं. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है तथा जो

वरियाना मो स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मं रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का

16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मे सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अधीत्:--23-39 6GI /82

1. श्री मंगू राम पुत्र भोला राम वासी 615 माडल टाउन, जालन्धर। म्ह्सार-श्राम सालिग राम सतपान पत्रान म्ग रास।

(अन्तरक)

2 राधा दृडेर्स, कपरथला द्वारा शी व्यादिला।

(अन्सरिती)

 जैसा कि ऊपर नं . 2 में लिला है। (बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति ही)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे म अभाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित~ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पच्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 382, दिनांक अप्रैल, 1982 को रियस्ट्रीकर्य अधिकारी जालन्धर मे लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण) अर्जान रोजा, जालन्धर

2-12-1982 नारीख मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. *****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत संस्कार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्थर

जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निद^{ेश}श नं. ए पी नं 3638—स्यत म्फो, ज एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. में अधिक है

25,000/- रु. में अधिक ही और जिसकी स. जैसा कि अन्सूची मो लिखा ही तथा जो मीता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मो विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982 को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मृल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मझ यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही ——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी ब्लाग प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— श्री आत्मा सिंह पृत चानन सिंह तासी । जिंक गोर, मानल शाउल, जालस्थर।

(अन्तरक)

2 श्री गोगिन्द्र सिंह पृत्र मृन्या सिंह दासी गान जवान, जिला हाशियारपुर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मं गंपित है)

4 जां व्यक्ति संपत्ति में रुजीच रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारं में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबदुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उका सम्पति के अर्जन के सब्ध में कार्ड भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न 412, विनाक अप्रैल, 1982 हा रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर में लिखा गया है।

जे एन गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयट्डर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख 2-12-1982 मोहर . प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 2 दिसम्बर 1982

निर्दाश न. ए. पी. नं. 3639---यत मुक्ते, जे. एल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. जैसा कि अनुसूची म लिखा है तथा जा वरियाना में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मं वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, नार्गम अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया पतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्त्विक एप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृथिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणितिक व्यक्तियों, अर्थात्:--

शी मलिकयात सिंह, इन्बिरजीत सिंह मृत्य सूरत सिंह और मृस्तियार-ए-आम श्रीमती राजक मारी उर्फ राजरानी बंटी सूरत सिंह वासी गांव विरियाना, तहसील जालन्थर और सवर्ग रानी उर्फ स्वर्ग देवी और परिवन्द्र कामारी उर्फ परिवन्द्र कार बंटियां सूरत सिंह।

(अन्तरक)

 श्रीमती शिव राज रानी सहगल पत्नी मोहन लाल सहगल वासी एत.एफ.-132 कार्डला मोहल्ला, जालन्थर।

(अन्तरिती)

- 3.. जैसा कि उत्पर न . 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जा र्व्याक्त संपत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पाग लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 516, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीय : 2 12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती अर्जन रॉज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निवर्षेत्र नं ए. पी. नं. 3640—यतः मुभ्ने, जं. एल. सरक्षर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अरं जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो विरियाना में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विज्ञात हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूबिधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधित :--- श्री इन्तर जीत सिंह, मलिकयात सिंह सप्तृत्र सूरत सिंह और मृस्तियार-ए-आम राज कुमारी उर्फ राज रानी और श्रीमती स्वर्ग रानी उर्फ स्वर्ग देवी और परिवन्द्र कुमारी उर्फ परिवन्द्र कौर प्रियां सूरत सिंह वासी गांव वरियाना, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती रूप रानी पत्नी राम प्रकाश कपूर बासी एन . इ.-120 मोहल्ला सहलगम,, जालन्थर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सपत्ति है)

4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुजि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्द्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 519, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

ता**रील** 2-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निदर्शन ए पी नं ३६४।—यतः मुर्फे, ज. एल गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसको स जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जा गाव खरला में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारील अपंल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वाम करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिम्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रणबीर सिंह पुत्र बहाद्द्र सिंह और अमरजीत सिंह, गुरजीत सिंह सुपृत्र रणबीर सिंह द्वारा जनरल अटोरनी हरजिन्दर सिंह नजदोक सस्ता लोहा स्टार, नकोदर रोड, जानस्पर।

(अन्तरक)

2. श्री भूपिन्द्र सिंह गिल पुत्र कन्दन सिंह फाँजी कालानी, भागपुर, जिला नेनीताल।

(अन्तरिसी)

3 जैमा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सपित है)

 जा व्यक्ति सपत्ति मा रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मा अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पृत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नः 576, दिनाक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जानन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीव : 2-12-1982

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

ं निर्दोध नं ए पी. नं. 3642--यतः मुक्ते, जं. एत. गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के गाव कि गरा में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुस्ची मा और पूर्ण रूप मा विणित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीन अप्रेल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल दो लिए अन्तरित बती गर्ड है आर मुक्ते यह विश्वार करने का कारण हौ कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरितीयों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्री हरीपाल सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी गाव किंगरा, तहसील जालन्थर।

(अन्तरक)

2 श्री सुरजीत सिह व्यंगनम पुत्र डा. प्रीतम सिंह 106 ग्रीन पार्क, जालन्धर।

(अन्तरिसी)

- 3 जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मंपीत है)
- 4. जा व्यक्ति संपत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार मं अवाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिआषित ह[†], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[†]।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 640, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्धर

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्हिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारोख : 2-12-1982 मोहर : प्ररूप आर्ड. टी. एन, एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निद्यान ए पी न 3643---यत मुर्फ, जं.एस. गिरधर, आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रुट. में अधिक हैं और जिसकी स. जैसा कि अनुसूची म लिखा है तथा जो वरियाना में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म विर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर मो रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीय अप्रल, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मूल्य सं कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विकास करनं का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल स, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्तु अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री मंग् राम पृत्र भोला राम गारा जगरिनी सालीग राम, सनमा। सूप्ण भग राम कासी 615 माइल टाउल, जालन्बर।
- 2 श्रीमती कृष्णावती विधवा ओम प्रकाश वासी गाय सरागे सास, तहसील जालन्धर।

(अन्त_िरती)

(ক-প্ৰায়)

- 3 जैमा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- 4 आ व्यक्ति संपत्ति में रिजीच रखता है। (तह त्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि तह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 651, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे लिखा गया है।

जे एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जालन्धर

तारीय 2-12-1982 मोहर : प्ररूप आईं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजा, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निद[ा]श नं ए. पी. नं 3644--यतः म्भे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं जैसा कि अनुसूची में निला है तथा जो गांव खुरला में स्थित है (और इसमें उपाबस्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथन नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तितयों, अर्थात :-- श्री गुरदियाल सिंह और स्वर्ण सिंह स्पृत्र समुध सिंह वासी गांव अर्त्ला, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. दी महालक्ष्मी कांपोर्रेटिव विल्डिंग स्कास्टिं लि. कि. दी जालन्धर मारवल कांपोरेटिव नकोंदर रोड, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैमा कि उजपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति संपत्ति मं राचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 657, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्ट्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारील 2-12-1982 मोहर:

प्रस्य आई० टी० एन० एन०--

श्रायक र अधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरपा**र**

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, टिनान 4 दिसरबर 1982

निर्दोश स ए पी न 3645—यत सकते, जे एल गिरधर, आयकर अभिनियन, १७३१ (१७४१ का ४८) (१४से इसमे , इसके पश्चान् 'उरून पिट्ट' हहा एए ') हो धारा 269 ल के सुध न सुन्न अधिकार कार्त तो, यह जिल्लास करने

का कारण है कि स्थावर क्या जिसका उचित बाजार

मूल्य ३5,0 : / इ० मे वधि ह है

और जिसकी स जैसा कि नीचे की अनुसूची म लिए। हैं तथा जो पागणडा मो स्थित हैं (और हमस उपाददा अनपधी म ज्यों भप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीका किया 1908 (1903 का 16) के अधीन, तारोख अप्रेल, 1982

का 16) के अधीन, तारोख लप्रेल, 1982 को प्वादत सपित के उाचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का मन्दर के अपूर्ण माम प्रतिफल को प्रदेश अपूर्ण माम प्रतिफल, निर्माण माम प्रतिक माम प्रतिक माम प्रतिक माम प्रतिक माम प्रतिक माम प्रतिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर जिपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्री था अपन्य का या किया के लिए,

अत: स्रव, उक्त आंधनारकी व्यया 269-ग क अनुसरण में, मैं र अधार पार 269-व अ त्रवाण (1) हे क्योप जिस्सित व्यक्तियों, अर्थात :---24—39'6GI/82 श्री फतह पात सिह पुत्र श्री स्रिन्द्र सिह ात्त. मोहल्ला सतनामपुरा फगवाडा द्वारा श्री विनोद क्मार

(अन्तरक)

2 श्री करनेंच सिह पृत्र श्री सन्त सिह ासी-फगवाडा।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उपरोक्त न 2 मे लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिंग शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) ३३ न्वत के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविद्या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की श्रविष्ठ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीतत व्यक्तिए में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस मुक्त के राजाबा में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब कियो अन्य अपक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के प्रम निक्षित में किए जा सकेंगे।

हराब्दी हरण: --इसमं प्रमुक्त जन्दः गीर पदों का, जा उक्त अधिनियम, के प्रध्याप 20-क में परिमाणित वहां अथं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख न 55, दिनाक अप्रैल, 1982 को रीजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फग्वाडा न लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख 4-12-1982 मोहर . प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269- ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जानन्धर

जालन्धर, दिसंक 4 दिसम्बर 1982

निद^{्ध}श नं ए. पी. नं 3646--यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर गत् 'उदार अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अभीन स्थम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर स्थिति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. जैया कि नीचे की अन्म्ची में लिखा है त्या जो फ क्याड़ा से क्या है (और इसमे उपानदभ अनुसवी में पूर्ण रूप से व्याणत हो), पीजन्त्री कर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, फगवाड़ा में रिजन्त्रकरण अधिनित्यम, 1908 (1908 का 16) के जधीन, तर्योग मई, 1982

को पूर्वीवन संपत्ति के उचित बाजार मल्य से तम के धरममान प्रतिफल के लिए अनरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, एसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे ग्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत का जिल्लाहित एक्तरिय से उचन अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कः) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाण्टिल भें कानी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी फिनी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिटी द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री फतेह सिंह पुत्र श्री सुरिन्द्र सिंह वासी फगवाड़ा माहल्ला सतनाम पुरा द्वारा श्री विनोद कामार

(अन्तरक)

 श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री उतम सिंह फगवाड़ा

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति, में रुजि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोदत सम्पत्तिः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब चे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबत्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेगे

स्पद्धीकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

ध्यक्ति सथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 524, दिनांक मर्ह, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन र्रज, जालन्धर

तारीख: 4-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकरे आयुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रंज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 4 दिसम्बर 1982

िनद[™]श नं. ए. पी. नं. 3647——यतः, मुक्ते, **अ**ं. एल[.] गिरधर,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

अरंद जिसकी सं. जैसा कि नीचे की अनुसूची में लिखा हैं तथा जा खवास पूर, तहसील हाशियारपूर में स्थित हं (अरंद हससे लपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, हाशियारपूर में रिजस्ट्री-करण ऑधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अर्थेल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते पह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और√या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अधीन,

 श्री चिक्रम सिंह ढिल्लों सुपृत्र श्री मेहर सिंह वासी दालेगाल पी. एस. फिल्लौर मुख्ययारे-याम श्री निरन्द्र सिंह धामी गांव दागना कला, जिला हांशियार पृर

(अन्तरक)

 श्री सूरिन्द्र सिंह प्रश्री बालीराम और श्रीमती कुलदीप करि प्रश्री श्री सूरिन्द्र सिंह वासी सुभाप नगर, हांशियार पूर

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उपरोक्त नं. 2 में जिल्ला हो। (वह व्यक्ति, जिसके अविभाग में सापत्ति हो)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मो राजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार मो अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति मों हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के गीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपप्य में प्रकाशा की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्मति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेथे।

स्पष्टीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 418, दिनांक अप्रैल, 82 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी होशियारपूर ने लिखा है।

जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण), अर्जन रंज, जालन्धर

तारीच : 4-12-1982

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निद^{ें}श नं. ए. पी. नं. 3648--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

मायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वरि-याना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मृत्य से काम के दशामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण दें हैं से में बाम्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियां का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री मलिक यात सिंह, ईन्दर जीत सिंह सपुत्र मूरत सिंह और मुख्तियार-ए-आम राजक मारी उर्फ राजरानी और परिवन्दर कारी उर्फ परिवन्दर कार पुत्रीयां सूरत सिंह वासी गांव वरियाना, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

2. मैंसर्ज भारत कौमकल्स और अनुवक्ट्रोनिंग वर्कस, 383 न्यू जवाहर.नगर, जालन्धर।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके दारं म अधाहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति म हितवद्ध है)

का यह गुचना जारा करके पृत्रोंक्त सम्पर्शित के अर्जन कालए कायंत्राहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के डर्जन के सम्बन्ध मा काइ भी काक्षण:--

- (क) इस सूचना को शावपय में प्रकारन की रागरंख रु 45 दिन की अवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को नीतर पूजका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किपिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 352, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी क्रालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम ,प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, जालन्धर

तारींब : 2-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याका, सहानक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, जालन्धर

जात दर, गढनाक 2 दिसम्पर 198?

ोनदक्ष मं. ए. पी. मं. 3649--यतः म्फो, जे. एल. गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उदत अधिनियम' बद्धा गया है।, की धारा 269-ख टी अधीन उसमें प्रश्यकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000 र-रा. से अधिक है

25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी म. जैमा कि अनुस्ची में लिखा हैं तथा जो बिस्टान ने थिया है (जार इनसे उपायदा अनुस्ची मो आर फीना से विकास है), रिजस्क्रीनार्क अभिन्यारी के बार्तल्य, जल्ल्या मा स्विन्द्रीयारण अधिन्यम. 1908 (1908 का 16) के लीन, तारीक अधैन, 1982

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अनिता है जि मही है अन कमें यह विश्वास करने का कानज है कि मश्यक्तीन सम्पत्ति का उदित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमा प्रतिकन का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतिरितियों) के बीन अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, जिम्मोंचित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निवित्त में बास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किमी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मलिकयात सिंह, इंन्दर जीत सिंह सुपृत्र सूरत सिंह और मुिल्तियार-ए-आम राजकुमारी उर्फ राजरानी ओर परिवन्दर क्मारी उर्फ परिवन्दर कौर पृतीयां सूरत सिंह वासी गांव विरयाना, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

मैसर्ज भारत कौमिकल्स और मन्फेक्ट्रोनिंग बर्कस,
 383 न्यू जवाहर नगर,
 जालन्थर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में **तम्पत्ति है)**

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हू ।

उवत परपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्पम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वता की तार्मिक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाह में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस न्ना दे राजपत्र मो प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भंतर उक्त न्यावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 697, दिनांक अप्रैल, 1982 को र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्थर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारील : 2-12-1982

प्ररूप आर्ष टी. एन एस. -----

मायकर म्रिजिनगम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रिजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 2 दिसम्बर 1982

निदोश नं. ए. पी. नं. 3650--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर.

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन प्रशिवितम' कहा गया है), की प्राण 269-ख र प्रशिव सम्भा प्राप्ति का प्राप्ति का प्राप्ति का प्रश्वान सम्भा प्राप्ति का प्राप्ति का प्रश्वान सम्भा प्राप्ति का प्राप्ति का प्राप्ति का प्राप्ति का प्राप्ति का का प्राप्ति का का प्राप्ति का प्राप्ति

को पूर्वोकः सम्पत्ति के उचित बाजार सृत्य संकम वे दृष्यमान प्रांतक विक निष्ट्र मादित की गई है और मुखे यह भा दास करने का कारण है कियशप्रांकत सम्पति का एजिए बाजार पृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक का पन्दर् प्रतिशत प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) आर अन्तरिती (प्रन्तियी) के बीच ऐसे अन्तरभ के लिए तस देश भा नक , किस लिखित उद्देश्य ने उसन प्रत्तरण निर्मित सम्वर्ग कर भारति नहीं। किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किस' आय को ब्राबन उक्त मोध-नियम के श्रश्नीन कर दल के अन्तरक के दायिस्व में कमा रुरते या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ज) ऐसो किसा आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त प्रधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 थी रोशम लाल दोशी और हरबन्स लाल वर्मा सृपृत्र दिलंतराम वासी सदर बाजार, मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. जसवीर सिंह पुत्र कर्म सिंह वासी गाव बगु, जिला फिराजेपुर कॉमिकल्स खालसा बूट हाउन्स, सदर बाजार, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 मे लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्द्ध है)

को यह मृषना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उदन सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजएत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त हाती ही, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से विध्या व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर मम्पत्ति में हिनदब्ध किसी अन्य कर्षित द्वारा, अधाहरताकरी के पास लिक्टिन में जिल्ला पानकेंगे :

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त यथ्वों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 282, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर मे लिखा गया है।

जे. एल. गिरभर सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर घायुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालन्धर

तारीख : 2-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालनधर, दिनांक 2 दिसम्बर 1982

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3651--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है. (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अग्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--

 श्री रिशम लाल दोशी और हरबन्स लाल वर्मा सृपुत्र दौलत राम वासी सदर बाजार, मृक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्री ईन्दरजीत सिंह पुत्र कर्म सिंह वासी गांव बगू जिला फिरोजपुर कौमकल्स खालसा बूट हाउन्स, सदर बाजार, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तगरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 283 दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 2-12-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 दिसम्तर 1982

निर्देश न ए पी नं 3652--यह मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची से लिखा है जो मण्डी गुरू हर सहाग में स्थित हैं (और इगसे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, गुरू हर सहाय में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अरैन,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार म्ल्य से कण के जगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान गतिफल से, एसे दश्यम गतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के चि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किगा वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरत के दायित्व में कमी करने या उससे उपा में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य अपिनयों को जिन्हों भारतीय अयक र अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, का धनकर अधिनियस, का धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्री गरमीत सित का मार नाजीत सिह श्रीनती राज्यामानी जियान पनदेश करि, मोहनवीर कार, अमृतकोर कार-प्ती श्री गुरू नरजीत जिल्ल दासी हन-का-उतार, किस्रोजपुर द्वारा गुरू हरदीप सिंह, म्स्तमारी-गाम

(अन्तरक)

 श्री राजीव कुमार पुत्र श्री रनन ताल वासी गुरु हर सहाय, जिला फिराजेप्र।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि त्यरोधन न 2 मा तिका है। (वह व्यक्त, जिसके अधिभोग मो नन्मति है)

4 जो व्यक्ति सम्यक्ति में रुक्ति रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यक्ति में हितबद्ध हैं)

कां यह सूचना जारी करवे पूर्वीत्रत्र मंगीत्र के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हा

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की टारीक से 45 दिन की सबिप या तसीपी जिल्ला पर स्चना की नामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अपिश बाद में सम्पन होती हो, की भीतर पर्वीकत व्यक्तिगों की में किसी व्यक्ति दशरा;
- (स) तस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर संपत्ति म तितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुकरा अधान्तरगक्षरी के पास-लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्स्ची

व्यक्ति तथा समास्ति जैरा कि विलोख गं. 90, दिनांक अप्रैल, 1982 को किएकि की किया है।

जे. एल. गिरधर सक्ष्म प्राधिकारी महायक आयकर ग्यामा (निरोक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 6-12-1982

प्ररूप आइ. टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निद^{्ध}श नं ए. पी. गं 3653--यतः म्फे, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मण्डी गुरू हर सहाय में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुरू हर सहाय में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सविधा के सिए;

अतः अच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त पिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन . निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—396GI/82 श्री गुरमीत सिंह पुत्र नरजीत सिंह श्रीमसी राजकुमारो विधवा मनदीप कार, मोहनबीर कार, अमृतबीए कार प्त्री श्री एक नरजीत सिंह वासी हन-का-उतार, फिराजपर इवारा गुरू हरदीप सिंह मुख्तयार -याम

(अन्तरक)

 श्री राजीव कमार पृत्र श्री रतन लाल वासी गुरू हर सहाय, जिला फिरोजपुर।

(अन्तरिती)

- 3. जैमा कि उपरोक्त नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राधित स्थायत्त्रों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 92, दिनांक अप्रैल, 1982 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी गण्ट हर महान ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर

सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालन्धर

तारील : 6-12-1982

प्रस्थ्य आई टी.एन.एस.------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

अर्जन रेज एरणाक लग कोचीन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 17 नवम्बर 1982

निद्शासं एन. सी. 598/82**-**83---यत[ः] म्भे, वी आर. नायर, नायकर क्रीचिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका** उचित नाजार मृत्य 25,000/- फ. से बीधक है और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाक लम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणांकालम मा भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, 19 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मिति का उचित बाजार मुल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्यह प्रतिकत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (**जंबरितियाँ) को बीच एसे जन्तरण के लि**ए तय पाया गया प्रति-कस , निम्नीसिसित उददेश्य से उनत अन्तरण निमित भा वाप्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, जनत अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/या
- (बा) एरेनी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1i) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जबः, उक्तः जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , भैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीग, विकासितिक व्यक्तित्यों, अर्थातु:---

श्री एम ने. संब्धार

(अस्तरक)

2. कमारी आन्पा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नर्भ होगा जो उस नध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8.87 Cents of land with a building as per schedule attached to Doc. No 1394

> वी आर नायर यक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज. एरणाकलम

17-11-1982 सारीख मोहर .

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन राज, लखनउऽ

लखनजर, दिनांक 12 नवम्बर 1982

जी. आर्ड. आर. संख्या आर-176/अर्जन---अत. मूर्फे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं 83 है तथा जो सिविल लाइन, माल गोवाम रोड, चोपला बरोली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बराली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 8 फरवरी, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हमा के किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिये और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

मतः भस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, नधौतः—

- । मधुरचन्द्र
 - 2 पण्पुपिसर
 - 3. सु**धीर मोह**न
 - 4. बिलमोहन
 - स्नील क्मार मुख्तार आम
 - श्रीमती अमरवती

(अन्तरक)

- 2. । श्री राम आसरे लाल
 - 2. श्री अनिल क्मार
 - मृनील कुमार
 - 4. श्री विपिन कामार

(अन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआदित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आराजी पैमाईशी 798 वर्गगज वाके 83 सिविल लाइन माल गोदाम राड, चोपला बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37 जी संख्या 2535 व सेलडीड में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्टार बरेली के कार्यालय में दिनांक 8-2-82 (37-जी फार्म के अनुसार) किया जा चुका है।

ए. प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, सखनउन

तारी**र** : 12-11-1982 **मोह**र

प्ररूप आइ⁵. टी. एन. एस.-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनउठ

लखनज्ज, दिनांक 15 अक्तूबर 1982

निवर्भेश नं. जी. आर्इ. आर. स. एन-50/अर्जन---अत: म्भे, ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 /- रुः से अधिक हैं

और जिसको सं. प्लाट नं. 1020/3 ही तथा जो गांव शाहपूर त्रिगरी जिला मृरादाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-4-1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हाँ कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्सक दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा ॱकेलिए; और∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोलिए।

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत :----

1. श्री धर्मात्मा सरन

(अन्तरक)

2. न्यू मुखवाबाद (वस्ट) सहकारी आवास समिति लि. व्वारा इसके सिचव अकर हरी सिंह

(अन्तरिती)

3. उपरांक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क़ी शारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

एक खुली अभीन प्लाट नं 1020/3 खाता नं 164 जो 2.90 पैमाइशी डिसिमिल जोकि गांव शहपुर त्रिगरी जिला मुरादाबाद में स्थित है। जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 1345/82 में वर्णित हो। जिसका पंजी-करण सब रजिस्टार मराबाबाद के कार्यालय में दिनांक 21-4-1982 को कियाजाचुकाही।

> ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रंज, लखनउर

तारीच । 15-10-1982 मोहर ः

प्ररूप आईंटी एन एस ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, लम्बन्ज

लखनउर, दिनाक 3 जुलाई 1982

निर्दाश न म जो आर्ड आर मख्या एम/137-अर्जन--अत मुफ्ते, ए प्रसाद आयकर अधिनियम, । 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन अक्षम पाणिकारी का यह विस्वास करने का कारण है कि रथावर भपरित, जिसका उचित बाजार भृत्य 25,000 ∕- र⊤ स'अरिधक है और जिसकी स 509/147 है तथा जा रिवरच्यू काटज न 2 न्यू हैदराबाद लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण न्य स वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखने का पित्रहीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अधीन, दिनान्त 20-4-1982 को पूर्वी ता सपत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान में, एसे दृश्यमान प्रतिकान के पन्द्रह प्रतिकात म अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिया 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, एा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-म क, अनुसरण म, में उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिवत व्यक्तिया, अर्थात् .— । श्री रबीन्द्र सिह भवौरिया

(अन्तरक)

2 मिर्जा मुज्जिमिल बग

(अन्तरिती)

3 उपराक्त अन्तरिनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह मूचना जारो करके पूर्वाक्त मर्पात्त ते अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप --

- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील मं 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपिता में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंग।

स्पष्टीकरणः--इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया हाँ।

अनुसूची

एक किता मकान पर्स्ता न 509/147 जा काटज न 2 स प्रसिद्ध है 5460 वर्ग फिट ताके रिवरव्यकाट ज नम्बर 2 न्यू हैंदराबाद लक्षनऊ में स्थित है। तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जा 37-जी फार्म सम्या 1722 एव मेलडीड में वर्णित हैं जिसका पजीकरण मब रिजस्ट्रार लक्षनऊ के कार्यालय में दिनाक 20-4-1982 की किया जा चुका है।

ए प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, सम्बन्दः

नारील 3-7-1982 माहार प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, लखनक

लखनक, दिनांक 9 अगस्त 1982

निद[∺]श न . जी . आर्इ . आर . सं . बी-103/अर्जन---अतः म्रुके, ए. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं.27/2 नगर पालिका नं.522/314 है तथा जा चन्दर नगर आलम बाग में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-4-1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, ए'से द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्बदेयों से उक्त बन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त बिधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. थी तिलकराज भटेजा

(अन्तरक)

2. श्रीमती बिमला संजाना

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: --

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हिस्सा बोमजिला मकान नं. 27/2 (म्युनिसिपल नं.) 552/314) जो कि चंन्दर नगर आलमवाग जिला लखनऊ में स्थित है (वैमाईशे 1724 स्कायरिफट जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड एवं फार्म 37-जो संख्या 1628/82 में वर्णित है जिसका रिजस्टोशन सब रिजस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-4-1982 का किया जा चूका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजें, ल**क्षन**क

तारीच ः 9-8-1982

मोहर 🛭

प्ररूप शाई. टी. एन. एव.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**प्**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, लखनज

लखनऊ, दिनांक 9 अगस्त 1982

निर्दोश नं. जी. आर्क्ड आर. सं एस.-139/अर्जन---अतः मुक्ते, ए. प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुल्य 25,000/- रतपए से अधिक है और जिसकी सं 27/2 (म्युनिसिपल नं 552/314) है तथा जो चन्दर नगर आलमबाग लखनऊ मे स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखने के में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-4-1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से., एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अम्तौरती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप में किथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से झुड़े किसी आय की बाबत, उस्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कभी करने या उसले वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना जाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री तिलकराज भटेजा

(अन्सरक)

2. श्री मदन मांहन लाल साडाना

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में काई आक्षेप:~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी :

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'डक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याध में दिया गया है।

वन्सूची

्षक हिस्सा दो मंजिला मकान नं. 27/2 (म्युनुसिपल नं. 552/314) जो कि 2036 स्कयारिफट है जो चन्दर नगर आलमबाग लखनऊ में स्थित ही जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म नं. 37-जी सं. 1625/82 में वर्णित ही जिसका रिजस्ट्रोशन सब रिजस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 15-4-1982 को किया जा चुका है।

ए. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनउठ

तारील . 9-8-1982 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ंधारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लोधयाना

लुधियाना, विनांक 16 नवम्बर 1982

निदंश मं चण्ड /11/82-83---अत. मभी, म्लइंय चन्त्र, बायकर विभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000∕- रत. से अ**धिक है**

और जिसकी सं. मकान नं. 2529 हो तथा जो सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित हो (और इससे उपाबस्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1982

16) के अधीन, तारीं अप्रैल 1982 को पूर्वोक्स संपंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- क. म. सं. कोहली सपुत्र श्री सूजान सिंह निवासी 86, प्रीती मार्ग, बसन्त बिहार नई दिल्ली
- (अन्तरक)
 2. श्रीमती बलबीर कार पत्नी डा. जी. एंस. नरुला
 मार्फत मकान नं. 66 सैक्टर 18-ए, चण्डीगढ़।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पात किसित में किए जा सकरि।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नका है।

अनुसूची

मकान नं. 2529 जी कि सैक्टर 35-सी खण्डीगढ़ में हैं। (अयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी खण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 46_y बर्गल 1982 के अधीन दर्ज हैं

सुबद्ध चन्य सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारी**ख** - 16-11-1982 मो**ह**र ≟ प्ररूप आह. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदेश स. लघ./13-ए/82-83--अत. म्फे. स्थदेश चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिर जिसकी सं. कांठी नं. 106 है तथा जो माडल ग्राम लुधियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह, प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अंतरण से हुर्इ िकासी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात् :---26---396GI/82

- 1 श्री मनोहर सिंह सपूत्र श्री तोना राम निवासी कोठी न 106, माइल ग्राम न्धियाना । (अन्तरक)
- 2. शीमती उर्जा रानी कुदर पत्नी श्री बालिकशन कुन्यर निवासी बी-11-1339, आर्य मुहल्ला लूभियाना । अब 276, बालटन राड ईस्ट मालसं, सरो, के टी 80 एच टी यू. के इंगलैंड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धु किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास्म निवित में किये जा सकेंगे।

स्युक्त करण : इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गृंथा है।

जनुसूची

कोठी नं. 106 जो माङल ग्राम लूधियाना में हैं (जयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कार्यालय के किलेख संख्या 1602, मर्द 1982 के अधीन, दर्ज हैं)

स्खरित जन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, लूधियाना

तारीच ः, 16-11-1982 मोहर् छ प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 16 नवम्बर 1982

निदश स लध./14-ए/82-83--अतः मुभ्ते, स्खदंब धन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं कोठी नं. 106 है तथा जो माइल ग्राम लूधियाना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लीधयाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्दा, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में तक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री मनोहर लाल सपुत्र श्री तोला राम निवासी 106 माडल ग्राम, लुधियाना ।
 - (अन्तरक)
- 2 श्रीमती उत्तमा रानी कुन्दरा पत्नी श्री बोलिकशने कुदरा निवासी-बी-। 1239-आर्य मृहल्ला लुधियाना, अब 276, बालटन राड, इन्ट मालसे सर्व के टी. 80 एच टी. यू के. इगलैंड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

कोठी नं. 106 जो माडल ग्राम लुधियाना में हैं। (जयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लूधियाना के कार्यालय के विलेख मख्या 2387, मर्द 1982 के अधीन दर्ज हैं)

> सुखरेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेक रोज, लुधियाना

तार^{ील 1}6-11-1982 मोहर प्ररूप. आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदश सं. 12032—यतः मभ्ने, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. 4/254,255,256, है, जो बिग बजार

स्ट्रीट कोयभवटूर में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयभवटूर (ठाकूमेंड सं. 1861/82) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रापरला 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अयं उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जुधीन, निम्नतिक्तितु ज्युक्तियों, अर्थात् :--

श्री बी. राम. रामलिंगम चेट्टियार ।

(अन्तरक)

2. श्री सी. राम कालियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारि। 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-4/254,255,256, बिग बजार स्ट्रीट, कायमबट्र (क्षक्मेंड सं. 1861/82)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहावक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मक्सस

तारीस : 1-12-1982

मोहर 🔢

प्ररूप आहें, टी., एन., एस.,-----

1. श्री बी. राम रामलिनगम चेट्टियार

(अन्तरक)

2 : श्री वी जलनदर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्रास

मद्राम, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निदोश सः 12032--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है **बारि** जिसकी सं. 4/254,255,256, है, तथा जो बिंग बाजार स्ट्रीट कांयमबट्टूर में स्थित हैं, (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, कोयमबट्टूर (डाक्नुमेन्ट नं 1862/82) में भारतीय अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, रापरल 82 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उत्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

भन्सूची

भूमि और निर्माण 4/254,255,256, विग बजार स्ट्रीट, कोयमबट्टरूर (डाकर्मेन्ट सं. 1862/82)

आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्राम

त्तरी**व** : 1-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मक्सम

मद्रास, दिनांक 1 विसम्बर 1982

निदोश सं. 17167—यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 176, लायडस रोड है, तथा जो मधास-600086 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मझाम मौत (डाक्रमेंट स. 1130/82) में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल सं, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के किए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीतः :---

1. श्रीबी रा बालचंदर

(अन्तरक)

2. के. सुवाशवंद रनका और कसत्त्री बाय

(अन्तरिती)

को यह सुम्ना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ड) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वी का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

भूमी और निर्माण-176, लायडम रोड, मद्रास-600086 (डाक्ट्रमेंट सं. 1130/82)

आर. पी. पिल्लैं मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

नारीस : 1-12-19**82**

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-१।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निद्येश न. ए. सी.-14/आर्-11/कल./82-83—
यत: मुफे, सि. रोखामा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. प्लाट न.-58 है तथा जो मि. आइ. टि. स्कीम नं. सात (एम), परिपूरक. कलकत्ता-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस. आर. शियलवह में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन.,

तारीख 26-4-82 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थात् .-- 1. श्रीमती गीता साहा. और संकर साहा ।

(अन्तरक)

2. श्री विमल भूषण पाल

(अन्त*िरती*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एरिया 2 कठा 7 छिटाक प्लाट नं -58 मि आई टि. स्कीम नं सात एम कलकत्ता-54।

सि. रोखामा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-११,
54, रफीअहमद सिदवाई रोड,
कलकत्ता-16

तारीख : 10-9-1982

प्ररूप आर्ड्: टी. एन . एस . ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269-घ (1) के अक्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-।।।, कलकत्ता

निद^{र्}श नं. 1180/अर्जन आर-।।।/82-83--यतः म्भे, ोनद[ि]श नं, 1180/अर्जन आर-।।।/82-83---यलः म्**फ**े,

सि. रोखामा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ - र $_{2}$ से अधिक हैं

और जिसकी स 55-बी है तथा जो पूर्ण मित्र प्लेस, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्सा अधिकारी के कार्यानय, कलकत्ता में, रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीस 12-4-1982

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के उच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्सरफ को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. परिसाल वानारजी

- (अन्सरक)
- 2. श्रीमती कृष्णा चक्रवर्ती

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अधिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्मूची

55-बी, पूर्न मित्र प्लेस, कलकत्ता 1 के-10च-25 स्के. फिट अमीन पर मकान।

> सी. राखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, 54, रफीअहमद किंदवाई रोड. कलकत्ता-16

नारी**स** 12-11-1982 माहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 19 नवम्बर 1982

निवंश न. ए-263/82-83/टी.एस.को./299-309--अतः मुझे, इं. जे. मावलौंग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिस्की सं. दाग मं. 1770 (भाग) (पूराना) और पी. पी. सं. 68 (पुराना) पत्राचारी नया बाग सं. 4350 और पी. पी. सं. 371 है तथा जो ए. टी. रोड, तीनस्किया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिनस्किया में, र जिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-4-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अंतरिती की गई है अर मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमार प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिली (अंतरिक्षियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

> (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सूविधा के लिए; और/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निम्निनियित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती सारा दोनी खेतान, स्व. नाथमल खेतान, ए. टी. होड, तिनसुकिया की पत्नी।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री चान्दमल सराफ, ए टी. रोडे, तिन-सुकिया।
 - (2) श्री विजय कुमार सराफ, श्री चान्द्रमल सराफ ए.टी. रोड, तिनस्किया के प्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध > किसी अन्य व्यक्ति द्वारा., अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन का माप लगभग 1950 स्वयायर फीट जो दाग सं. 1770 (भाग) (पुराना) और पी. पी. सं. 68 (पुराना), नया पत्राचार वाग सं. 4350 और पी. पी. सं. 371 तिनस्किया टाउन सीट के भीतर, सं. 10, माँजा, तिनस्किया, म्यूनिसि-पैलिटी होल्डिंग सं. 2669 (भाग) वार्ड सं. 12 तिनस्किया म्यूनिसिपैलिटी में स्थित है।

र्दः जे. सावर्लींग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, शिलांग

तारीच 19-11-1982 मोहर: प्रारूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजा, पृण

पुणे, दिनांक 20 नथम्बर 1982

निवर्°श सं∞ सि. ए. ⁄ 773 / एस. आर. हवेली-। ∕ 82-83. – यतः, मृझे, शिकात कुलकणीं, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000 / - रा. से अधिक हैं। और जिसकी सं. 583 नारायण पेठ, ही तथा जो पूना-30 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबंधक हवेली-। पूर्ण मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द ही और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके डस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल , निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पाधनकर अधिनियम, पाधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 27--396GI/82

- 1. (1) श्री एस. ऋति आगाशे
 - (2) श्री आर एस. आगाशे
 - (3) श्रीटी व्ही आगाशे
 - (4) श्री एल व्ही आगाशं (स्वर्गवासी) 583, नारायण पेठ पूना-30 ।

(अन्तरक)

 जलभारा सहकारी गृह रचना संस्था मर्यादीत 583, नारायण पठ पूना-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपित्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

जमीन और उसके उत्परका मकान नं 583, नारायण पेठ पूना-30, (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के 1910 जो अप्रैल 82 को ब्रायम निबंधक हवेली-। पूना के दफ्तर में लिखा ही)।

> शशिकांत क*्*लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पुना

सारीख : 20-11-82

प्रकृत वाद' हो पूर्व प्रवासन्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पुणे-411001

पूर्ण-411001., दिनांक 30 अक्तूबर 1982

निद्धेश सं. सि. ए. 5/एस. आर. करकीर/768/82-83 — यतः मुफ्ते, शिष्ठान्त कृलकणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रू. में अधिक है

और जिसकी सं. सि. सं. नं 2102/8, ई, वार्ड, राईकर कालोनी, ही तथा जो कोव्हाप्र में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्र्यम निबंधक करगीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 27-5-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्त-रिक कप से किथित नहीं किया गया है ए—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाजत उक्त जीध-नियम के जधीन कर दोने के जम्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे जचने में सुविधा के जिये; जीर/या
- (च) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्री श्रीकात मल्हारराव नंदगांवकर सि. स. सं. 2103/8, इं. वार्ड रुक्टकर कालोनी कोल्हापुर । (अन्तरक)
- 2. श्री राजेन्द्र बबनराव विजापूरं घर नं. 713/1/2ए. इ. वार्ड., शाहपूरी गली नं. 4 कोल्हापूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

सि. सं. दं 2102/8, ईं वार्ड, राईकर कालोनी, काल्हापूर (जैसे की रिजस्ट्रीकृत जिलेख क. 1964, जो 27-5-82 की दुम्यम निबंधक करवीर के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत क्लकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज,, पूर्ण

ताराख : 30-10-82

प्रकप भार्षः दी. एन्. एस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूर्ण-411004

पुण-411004, विनांक 19 नवम्बर 1982

निदेंश सं. सि. ए. 5/एस. आर. जलगांव/769/82-83—यतः मुक्ते, शशिकांत कृलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. नं. 179/2 प्लौट नं. 1,4,5,6,7,8,9,23 और 24 हैं, तथा जो जलगांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजि-स्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय व्ययम निबंधक जलगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6-5-1982

को पृशिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधियान, के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उजत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिद्धित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. 1. श्री सत्यप्रसाद श्रीराम गोसावी
 - 2. श्री श्रीकांत एस गोसावी
 - श्री धनंजय एसं गोसायी कापडपेठ हाउल्लानं 921, नासिक जिल्हा नासिक ।

(अन्तरक)

2. श्री मंजूषा सहकारी गृह निर्माण संस्था लि. चेअर-मैन श्री वसंतराव जगलराव पाटील, प्लाट नं. 9, एम. जे. कालेज के पिछी। जिल्हा पेठ जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अदिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

मन्सूची

स. मं. 179/2, प्लॉट नं. 1, 4, 5, 6, 7, 8, 23 और 24 जलगांव। (जैसा की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 1849 जो 6-5-1982 को बुयम निबंधक जलगांव के दप्तर में लिखा हो)।

शशिकांत क्लकणी सक्षम प्राधिकारी स**हायक बायक**र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीब : 19-11-1982

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूणे-411004

पुण-411004, दिनांक 21 नवस्बर 1982

निद^{क्ष}श सं. सि. ए. 5/774/एस आर करवीर/82-83—यतः मुक्ते, शशिकांत कलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 257 प्लाट नं. 13 से 22 तक 51 से 53 तक और 67 से 71 तक है तथा जो कोल्हापूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय द्यम निवंधक करवीर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबता, उकता अधिनियम के अधीन कर धेने के क्लरण को बामित्य में कमी अपने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, 'छिपाने में स्विभा के लिए;

जदः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नुलिचित व्यक्तियों, अधात् —

- श्री एं. एस. सुर्वे सहायक आयुक्त, कोल्हापूर म्युनिसिपल कार्पारशान, 1829, सी. वार्ड कोल्हापूर।
- (अन्तरक)
 2. श्री जी, डी. पांवार चिफ प्रमाटर, क्योल्हापूर स्युनि.
 कार्पारिशन सरहटस कोष. आ. गृह निर्माण संस्था
 मर्यादिल ए. बोर्ड नं. 450/2, कोल्हापूर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृश्तिका सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पृतितयों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का ख्ला ट्कडा सं. नं. 257, प्लाट नं. 13 से22 तक, 51 में 53 तक और 67 से 71 तक कोल्हापूर। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1995 जो 28-5-82 को दुस्सम निबंधक करवीर के दप्तर में लिखा है)।

शशिकांत कुलकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

ता्रीख : 21-11-1982

मोहर .

(अन्तरक)

प्रारूप आई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पटना

पटना, दिनाक 29 तवम्बर 1982

निदोश सं. ।।।-617/अर्जन/82-83--अतः म्फ्रे, प्रबोध क्मार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सर्पत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं प्लौट नं 237 (अश) तो जा नं 9, खाता नं 2, थाना नं 10 खसरा नं 1 है, तथा जो मोजा बहाद र-पूर, प्रगना अजिमाबाद, पटना सिटी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण एप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1982

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती इन्दुमोर, वल्च कमल प्रसाद मोर, निवासी आर. के. एभेन्य, पटना ।
- श्री लक्ष्मी प्रसाद सराफ बल्द श्री हरि प्रसाद सराफ, निवासी, एक्जीविसन रोड, बेस्ट, जी. पी. ब्रो., पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध भी कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के ए.स लिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हारेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकवा 3 कट्ठा 8 भूर एवं 10 ध्रको है जो मौजा बहाद्र पूर तथा जो अभी कक इ बाग रोड, प्रगना अजिमाबाद, थाना म्ल्तान गंज जिला पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 1769 दिनांक 15-4-82 में विर्णित है एव जिसका निबन्ध अवर निबन्धक पदाधिकारी पटना सिटी के द्वारा समपन्न ह्जा है।

प्रबोध कुमार दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बिहार, पटना

तारील 29-11-1982 मोहर . प्रकृष् नाक्ष्य, द्वी , एन , एस , ----

बाथकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

पटमा, दिनांक 1 दिसम्बद्ध 1982

निविश सं । । । -618/अर्जन/82-83---अतः म्भे, प्रवाध कामार वार्ध, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविधकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है आर जिसकी सं. प्लाट सं.-1800, होल्डिंग सं.-621, वार्ड सं-।।। है तथा जो ग्राम सोरम (निबारपूर)., थाना/जिला रांची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धरिंगत है), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रांची मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 वर्गल, 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित

बें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री लिलत मोहन राय वल्द-स्व.सूरेन्द्र नाथ राय निवासी-38, धैयद अमीर अली एवेन्यु, कलकत्ता-17

(अन्तरक)

 श्री कारदा भूषण सिंह वल्द-स्व. दुर्गा प्रसाद सिंह निवासी-क्वार्टर नं. बी-1184 सेक्टर-।।, एच. ई. सी. कालोनी, गोस्ट-धर्वा, जिला-रांची-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध में करोहाँ भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

अनुसूची

जमीन सय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा 7½ कट्ठा है तथा जो ग्राम-सीरम (निवारनपूर) थाना/जिला-रांची में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका सं 3833, दिनांक 22-4-1982 में विणित है तथा जिसका निवंधन जिला अवर निवंधक पदाधिकारी रांची के बुवारा संपंत हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बिहार, पटना

तारीख . 1-12-1982 मोहर : प्ररूप अरहा. टी. एन. एस.-----

आयम्बर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बिहार,पटना पटना, दिनांक 1 दिसम्बर 1982

निद्येश सं. ।।।-619/अर्जन/82-83--यतः मुक्ते, प्रयोध कुमार दुवे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं विसिक्त संख्या 3073 के अनुसार है, तथा जो कन्द्रेक्टरसं एरिया, पोस्ट/धाना-बिस्टपुर, शहर जमशेदपुर जिला-सिंहभूम में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में आरे पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,, दिनांक 19-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उध्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्रीमती कविता श्रोशाल जाँसे-श्री निर्मल चन्द घोषाल, नियासी-215, घरव बांस राड, कलकत्ता-29 (परिचम बंगाल), द्वारा प्राभिकर्ता, श्री गुरुम्ख सिंह, वल्द-स्थ. हरनाम सिंह, निवासी-हाल्डिंग नं. 59, बरदवारी (काशी डीह न्यू लेआउट), साक्ची, जमशेदपुर ।

(अन्तरक)

2. 1. श्री करतार सिंह वल्द-स्व हरनाम सिंह

श्री जसपाल सिंह बल्द-श्री सुरजान सिंह दोनों निवासी - यूनिट गं. 11 बार 12, निमल 'कुटोर' कन्द्रेक्टरस एरिया, पोस्ट बिस्ट्रपुर, जमकोदपुर ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्तुची

जमीन मय पक्का मकान जिसका रक्तवा 22,400 स्कवायर फीट है तथा जो कन्द्रेक्टरस एरिया, पोस्ट/थाना - बिस्टपुर, शहर जमशोवपुर, जिला - सिंहभूम में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 3073 विनांक 19-4-82 में वार्णत है तथा जो अवर निबंधक पदाधिकारी जमशेवपुर के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दृबें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बिहार, पटना

तारीच : 1-12-1982

मोहेरः

प्ररूप आई. टी. एन ्स. -----

- आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 3 दिसम्बर 182

निवोध सं. ।।।-620/अर्जन/82-83—-अतः मुक्ते, प्रबोध सम्पद्धान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. विसिका मंख्या 3197 दिनांक 20-4-82 के अनुसार है तथा जो थाना - परस्डीह, प्रगना - दलभूम जिला-सिंह भूम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 20-4-82

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया ——

- (का) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमली नबीहान जांजे - श्री विल्ल् गववी गोयला 2. श्री विल्ल् गवबी गोयला वल्द - स्व. दुखी गोयला 3. श्री नीरूल अजीम ब्ल्ट गफरूर गोयला सभी निवासी - परसुडीह, थाना-परसुडीह, जिला-सिंह भूमि।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स वारीडीह को-आपरेटीव हाऊस कन्सट्रकसर्न सोसायटी लिमिटेड, जमशेदपुर द्वारा, सेकेटरी श्री हरीश पाण्डोय जौजे - श्री सुबदेव पाण्डोय, निवासी - हारीडीह, थाना - स्ट्रिंगोरा शहर जमशेदपुर, जिला - सिंहभूम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जैसा कि वासिका संख्या 3197 दिनांक 20-4-82 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन अवर निबंधक पदाधिकारी जमशेंदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रुवोध कमार दुर्ब सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, बिहार, पटना

तारील : 3-12-1982

मोहर 🗵

प्ररूप आह्रे.टी.एन.एम. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, नागपुर

नागप्र, दिनांक 9 नवम्बर 1982

निद्देश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/200/82-83---यतः मुभ्ते, एम. व्हि. आर. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाउरार मूल्य 25.000 / - रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. म्यूनं 3-5-78 सी. सर्वेनं 6064, 6065 और 6066 शीट नं. 43 है तथा जो कसारी बजार, और गाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और गाबाद (डाक में ट सं. 2351) में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह िस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपीत्त का उचित बाजार मुल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्यहं प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--28---396GI/82 (1) श्री सोभगजंद वन्द उतमचंद गुगले रा. औरगावाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एस. कें. चांद वल्द एस. के. रहीम फिल्म एक्जीबीटर, औरंगाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनसची

उत्तर दिशा भाग मकान म्यू. नं. 30-5-78 सिटी सर्वें नं. 6064., 6065 और 6066, शीट नं. 43, कसारी बाजार औरंगाबाद।

> एम . व्हि. आर . प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन र^रज, नागपर

तारीख : 9-11-1982 मोहर : प्रकल्प आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, नागपर

नागपुर, दिनाक 9 नवम्बर 1982

निदोश स आई ए सी /अर्जन/199/82-83--यत मुभ्के, एम. विह आर प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मन्य 25,000/- रुक्त से अधिक है

और जिसकी स मकान का माज्य पर्धान म्यू न 5378 है जो सर्वो न 6064, 6065 और 6066 सिटी न 43 है तथा जो कसारी बजार, और गाबाद में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय और गायाद) बाक् में ट स 2351 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिंतिक के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सपत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सिवधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने से सविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियो, अर्थात् —— (2) श्री नेमचद वल्द चरमचद बाक लवाल रा और गाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस के चाद बल्द एस के रहींम फिल्म एक्जीबीटर, और गावाद।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स</mark>पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता ह*ू*।

उक्त सपति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रापितर में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरि।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क के परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उन्म अधाय मे दिया गया हाँ।

अनुसूची

उत्तर दिशा भाग मकान स्यु न 3-5-78 सिटी सर्वो नं 6064, 6065 और 6066, शीट न 43न कसारी बाजार और गायाद।

एम क्लि आर प्रसाद सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयक्षर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रोज, नागपर

तारील 9-11-1982 मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नागपुर

नागप्र, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निद्येश सं. आइ. ए. सी./ए. सी: क्या./198/11/ 82-83--यतः मुक्ते, एमः वी आर प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्मे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं. भी नं. 13, प्लाटन. 19 है, जो एरिया 1485 स्रके. फीट मेन रोड गोदिया मे स्थित हैं (और उससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोंदिया (डाक्यूमेन्ट स. 1014) मे भारतीय राजस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय संउक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए और/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अगहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभक्त (1) क अभीग निम्मलिखित व्यक्तियो , अर्थास् :---

श्री रमेश भोजराज टहल्यानी सी/ओं में भोजराज एण्ड संस लसनी जि. भंडारा

(अन्तरक)

2. श्री मोहनदास साध्राम टष्टिल्यानी दुवारा लक्की की स्टोअर्स, मेन रोड, (स्टेशन रोड) गोंदिया।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अधि । जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर भम्परित में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण --इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिसा गया है।

अन्लूची

शीट नं 13, प्लाट नं 19 एरिया 1485 स्के. फीट मेन रांड, गोंविया।

> एम. वी. आर. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागप्र

तारीन : 8-11-1982 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन., एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अगस्त 1982

निविश सं. आर्द: सी./ए. सी. क्यू./185/82-83---यतः मुझे, एम थी. आर. प्रसाद, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं 05 है, जो छावनी नागपुर में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाक्ट्रमेट सं. 2934/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30 अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक)अंतरकों(और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री पी. की. बनर्जी श्रीमती कृष्णा बनर्जी रेसीर्डसी रोध, सबर, नागपुर।

(अन्तरक)

 श्री आर. सी. खंडलिवाल श्रीमती पुष्पा खंडलिवाल 10 ए मगवाधर ले आउन्ट धरमपठ, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि क्षाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकरें।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट क. 5 खक. 1/3+1/5 वार्ड क. 61 नेससन चौक, छात्रनी नागपुर क्षेत्र 9274 चौक।

> एम ् भी आर प्रसा सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज, नागपुर

सारीच : 10-8-1982

मोहर 🤁

प्ररूप आई. टी. एन. एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1982

निदंश मं. आई. ए. सी/ए सी. क्यू./196/82-83---यतः मुझे, एम बी. आर. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै आरेर जिसकी स. एन. ई. पी./2028/82 है, ओ वेंस्ट्रन मोर्शन सी न.261/2 मकान न.102 शिर नं. आर्ड.एसः रहार कालांनी, नागपुर मास्थित है (और उसके उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों है कार्यालय , नागपुर (शकुमोट सं. एन . यू. पी./ 2028/82) म⁻ रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2 अप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंड्यमान प्रतिफल से, एसे इंड्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों सं उक्त अन्तरण जिल्लिस में बास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अभीन, निम्निचित्ति व्यक्तियो, अभीत्:—— श्रीमती इंबीरा बाई परिन स्व . पूर्णचन्द्र बूटी रहार कालोनी, वधरिष्ठ, नागपुर।

नागप्र।

(अन्तरक) २. मैं. गिरीष को. आपरोटिव हाउन्नसंग सोमायटी लि. घेयरमेन श्री जरिबर सिंह आनंद सी. ए. रोड,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्लि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहुस्ताक्षरी के पाम लिखिन में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

वस्टर्स पोर्शन' सी न. 261/2 मकान न. 102 गिर न. 15 रहारे कालोंनी, वर्धारोड, नागप्र एरिया 26615-25 स्कॅ. फीट।

> एम. वी. आर. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नागपूर

तारीख : 27-9-1982

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एम.एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 10 अगस्त 1982

निदिश सं आर्ह. ए. सी. /ए. सी. क्य्. /184 /82-83 --- यतः मुक्ते, एम. वी. आर. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. है, जो शिरिन लाज, बैरामजी टाउजन, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिरट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपूर (डाक्मेंट सं. 2097/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1 अप्रैल,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्फ के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थातु :-- श्रीमती कमलरूब कामद चिरिन लाज बैरामजी टाउउन, नागपुर।

(अन्तरक)

 श्री राजपाल महरा जनरल मैनेजर श्री राजकुमार महाजन मायनिंग इन्जीनियर कोल माईन्स अथारिटी पेंच ऋली एरिया, छिंदवाडा (म.प्र.)

(अन्सि'रसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नौंकरों के क्वार्टस 'शिरिन लाज' बैरामजी टाऊन, नागप्र क्षेत्र 7200 चौ. फुट।

> एम वी आर प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नागपुर

ता**रीव** : 10-8-1982

मोहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एम. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपूर

नागपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1982

निदश मं आर्ह. ए. सी. 'ए. मी. क्यू/189/82-83 --यतः मुक्ते, एम. वी. आर. प्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक **है** और जिसकी सं. खेत नं. 136 ही. 492 आरू 18 नया हदी वहार का खेत हैं, जो पे. खामगांव प्रवासपुर पी. तुल. खामगांव बुकढाणा में मिथत हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बामगांव (डाक्मेंट सं. 1083/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **बधीन**, 30 अप्रैल, 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह थिरशस कारने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपरित का उपित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- 1. 1. श्री शकर मुरलीधर पवार
 - 2. श्रीमती पारवती बाई म्रलीधर पवार

- 3. श्री अरुण मुरलीधर पवार
- 4.श्री किशन म्रलीधर पवार
- 5 श्री प्रकाश मुरलीधर पवार
- श्री अविनाश म्रलीधर पवार सभी लामगांव बार्ड नं 23, तह सामगांव, जिला ख्कढाणा।

(अन्सरक)

- 2. मै. समागांव लेण्ड डिपलपमेन्ट कारपोरोशन जिला बुककाणाः
 - मै. पार्टेनर प्रवीप प्रेमसुखदारा राठी
 - रा. खामगाव, जिला बुकढाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

स्रोत नं. 136 हैं. 4.92 आरू. 18 पेठ सामगांब प्र.बालापुर त. पो. मु. सामगांव जिला बुकढाणा केंद्राकी व. या. हदी बहार का सेत।

> एमः वीः आरः प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आगऊर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, नागपूर

नारीय : 10 9-1982 मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA (ADMN. BRANCII—I)

New Delhi, the 9th December 1982

No 16 82-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Sh. R. S. Sui, P.P.S. to Hon'ble the Chief Justice of India as Officiating Deputy Registrar in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of December 8, 1982 to December 22, 1982 in the Jave vacancy of Sh. A. S. V. Raghavan, Offg. Deputy Registrar until further order. Deputy Registrar, until further orders.

H. S MUNJRAL, Dy. Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Dolhi-110011, the 26th November 1982

No. A.12019, 3/80-Admn.JI.—In continuation of this Office Notification of even number dated 6-8-1982, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Research Assistants (Languages) of the office of Union Public Service Commission to the ex-cadre post of Junior Research Officer (Languages) in the Commission's office on an ad hoc basis for a further period of three months w.c.f. 5-11-1982 to 4-2-1983 or until further orders whichever is earlier.

- Kumari K. Bandyopadhyay.
 Shri M. L. Varadpande.
 Shri B. Ghosh.
 Shri S. B. Kodad.
 Shri A. N. Sarma.

The above mentioned persons should note that their appointment to the post of Junior Research Officer (Languages) is purely on ad hoc basis and will not confer upon them any title for absorption or seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

> Y. R. GANDHI, Under Secy. (Admn.), for Secy. Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DFPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRA-TIVE REFORMS)

CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

No. I-6/65-AD-V.—On attaining the age of superannuation, Shri I. V. Ratna Rao, Superintendent of Police, CBI Madras relinquished charge of the office of Superintendent of Police with effect from the afternoon of 30th November,

The 7th December 1982

No. A-12024/1/82-AD.V.—The President is pleased appoint Shri D. N. Narchal, Executive Engineer (Civil), S.S.W. (Food) CPWD, New Delhi as Executive Engineer in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, New Delhi on deputation with effect from the afternoon of 26th November, 1982 until further orders.

The 14th December 1982

No. A/19036/7/77/Ad.V.—The services of Shri D. S. Thiruvengadathan, Dy. Supdt, of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Tamil Nadu Police on repatriation, were placed at the disposal of Govt. of Tamil Nadu with effect from 20th November, 1982 afternoon on expiry of leave from 22-9-82 to 20-11-82.

R S. NAGPAL, Adının. Officer (E), C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF.

New Delhi-110003, the 8th December 1982

No. F.2/24/81-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm Shri G. S. Raturi in the CRPF in the rank of Asstt. Comdt.

The 10th December 1982

No. F.2/24/81-Estt(CRPF).—Shri P. J. Singh (Commandant of the CRPF) who was on deputation to Triputa Govt.

has now been selected on deputation for appointment in Bharat Aluminium (o. Ltd. New Dulhi w.e.f. 7-8-82 (AN).

The 11th December 1982

No. O II-1065/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Laht Kumar Shrivatri, General Duty Officer Grade-II of 1st Bn. CRPF with effect from the afternoon of 18th November 1982.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt).

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500 252, the 6th December 1982

No. 15011/7/78-Estt.—On completion of his tenure of deputation in the Saidar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, Shri Santh Kumar, IPS(SPS-AP) relinquished charge of the post of Assistant Director, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad on the 6-12-82 (A.N.), for taking up his new assignment as Superintendent of Police, Special Branch-I, Hyderabad.

K. V. S. BHIMA RAO, Admn. Officer for Director.

MINISTRY OF PLANNING (DEPARTMENT OF STATISTICS) COMPUTER CENTRE

New Delhi-110066, the 26th November 1982

No. A-20011/335/79-CC.—In pursuance of the proviso to sub-rule (1) of rule 5 of the Central Services (Temporary Service) Rules, 1965, Director, Computer Centre, Department of Statistics, Ministry of Planning, New Delhi, hereby terminates the services of Shri K. Govindan, Data Processing Assistant/Tape Librarian in the Computer Centre, with effect from 18th October, 1982

> MAMRAJ, Admn. Officer for Director.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE OFFICE OF THE CUSTOMS, EXCISE AND GOLD CONTROL APPELLATE TRIBUNAL

New Delhi, the 1st December 1982

No. F.6-CEGAT/82.—Shri R. P. Gupta, lately working as Assistant Chief Accounts Officer in the Directorate of Statistics & Intelligence, Central Excise & Customs, C.R. Building, New Delhi, assumed charge as Assistant Registrar, Customs, Excise & Gold Control Appellate Tribunal, New Delhi in the forenoon of 1st December, 1982,

R. N. SEHGAL, Registrar.

(DEPARTMENT OF REVENUE) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 18th November 1982

No. 168/A.—In continuation of Notification No. 209/A dated 22-4-82 the ad hoc appointment of Shri M. S. Pandy, D.C.O. of India Security Press, Nasik Road, is further extended for a period of 6 months, w.e.f. 20-10-82 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM General Manager.

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 4th December 1982

F. No. BNP/C/5/82.—In continuation of this department's notification of No. BNP/C/5/81 dated 4-2-1982 and even No.

of dated 25-2-1982, the ad-hoc appointment of following officers are hereby extended upto 31-12-1982 or till the posts are restored to the grade of Asstt. Works Manager and are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Posts to which ad-hoc appointment is extended
(1)	(2)	(3)
S/Shri		
1. V. V	'enkataramani	. Technical Officer (Printing & Plate)
2. R. C	. Agrawal	Technical Officer (Printing & Plate)
3. Ash	ok Joshi	Technical Officer (Printing & Plate)
4. A. D). Deshpande	. Technical Officer (Printing & Plate)
5. S. K	. Shukla	. Technical Officer (Printing & Plate)

M. V. CHAR General Manager.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 2nd December 1982

No. M-6/9365.—In continuation of this Notification No. M-6/4370 dated 16-7-1982, the *ad hoc* appointment of Shri B. L. Sharma as Assistant Engineer (Mech.), in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 is extended for a period upto 31st December, 1982 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

S. R. PATHAK General Manager

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th December 1982

No. 8FC.2(29)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Expenditure, New Delhi, Shri Narayan Valluri, Director has been appointed as Director in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 2000-2250 with effect from the forenoon of 1st December, 1982 and until further orders.

S L. MATHUR Under Secy. (A)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 7th December 1982

No. 2730/CA. I/62-82.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of A.Os (C	`)		Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of promotion as AO(C)
1	2		•	3	4	5
	S/Shri G. C. Nigam			Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, New Delhi.	Member, Audit Board & Ex-Officion Director of Commercial Audit, Ranchi.	, 13-8-1982
2.	Shiv Kumar	•		Accountant General, Haryana.	-do-	14-8-1982
3.	Raghbir Singh			Accountant General, Punjab.	Accountant General, J & K, Srinagar.	16-8-1982
4.	M. Kamaluddin Ahmed			Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bangalore.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.	, 28-7-1982
5.	K. S. Rajagopalan .			Accountant G "oral, Gujarat	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, (P. & Oil), Madras.	, 9 - 8-1 9 82
6.	N. K. Venkateswaran		•	Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	23-8-1982
7.	S. D. Pradhan			Accountant General, Gujarat	Member, Audit Board & Ex-Officio, Director of Commercial Audit, Bombay.	5-8-1982
8.	C. Jagdeswara Rao		٠	Accountant General II, Andhra Pradesh, Hyderabad.	Accountant General-II Andhia Pradesh, Hyderabad.	11-8-1982

the 10th December 1982

No. 32/C.A.I/75-82.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officer (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the officers noted against each in column No. 4 below with effect from the dates mentioned in Column No. 5 below until further orders:—

Sl. No.	Name of Officers		Office where working before promotion	Office where posted on promotion	Date of posting as A. Os(C)
1	2		3	4	
S/SI 1. S. K	hri Crishnan II	, ,	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, Bangalore.	30-8-1982 (A.N.)

1	2				3	4	5
, , , ;	S/Shri				·	w , +	
2.	Gurpartap Walia .				Accountant General, Punjab.	Accountant General, Haryana.	31-8-1982
3.	K. Sreckumaran Nair	•	٠	٠	Accountant General, Kerala working on deputation with Centre for Earth Science Studies, Trivandrum.	Accountant General, Kerala, Trivandrum,	30-8 - 198 ₂
4.	S. N. Gupta	,	•	•	Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi.	Accountant General, Haryana.	31-8-1982
5.	Chandra Mohan Gupta		•	•	Accountant General, Rajasthan, Jappur.	Accountant General-II, A. P., Hyderabad.	25+9-1982
6.	R. L. Sood				Accountant General, Haryana.	Accountant General, Haryana.	25-8-1982
7.	N. C. Jain	•		•	Member, Audit Board & Ex-Officio, Direct- or of Commercial Audit, New Delhi.	-do-	31-8-1982
8.	S. P. Chanana.				Comptroller and Auditor General of India, New Delhi.	Accountant General, Haryana,	10-9-1982 (A.N.)
9,	D. K. Guhatakurata		•	•	Member, Audit Board & Ex-Officio, Direc- tor of Commercial Audit, Ranchi,	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Ranchi.	28-8-1982
10.	Arjan Chaubey .				-do-	-do-	1-9-1982
11.	R. R. Chakrabarty .				-do-	Accountant General, Orissa.	31-8-1982
12.	B. K. Singh				-do-	-do-	30-8-1982
13.	N. Gopalakrishnan Pıllai	i			Accountant General, Kerala on deputation with Kerala State Cashew Development Corporation, Trivandrum.	Accountant General, Kerala, Trivandium.	-do-
14.	N. K. Mehra		•		Accountant General, Rajasthan.	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commer- cial Audit, Hyderabad.	4-10-1982 (Λ.Ν.)
15.	Satya Deo Sharma .				Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Accountant, General-II, Uttar Pradesh, Eucknow.	25-10-1982

M. A. SOMESWARA RAO Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 11th December 1982

No. Admn.I/O.O. No. 452.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri H. R. Singh a permanent Audit Officer of this office will retiring from the service of the Govt. of India with effect from the afternoon of 31-12-1982. His date of birth is 14th December, 1924.

A. S. MOHINDRA Jt. Director of Audit (Admn. 1)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, GUJARAT

Ahmedabad, the 8th December 1982

Estt.(Λ) /GO/Promotion/1294.—The Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri M. Y. Vaijanapukar, and S. V. Deshpande permanent memhers of the Suyordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General-I, Gujarat, Ahmedabad with effect from 18-11-1982 (FN), until further orders.

The above promotions have been made on ad hoc basis and subject to the final orders of the Gujarat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

> K. D. DAVE, Senior Dy. Accountant General/(Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, MADHYA PRADESH

Gwalior, the 22nd November 1982

No. OE.I/G.Os. Promotion/372.—The Accountant General-In Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the undermentioned permanent Section Officer as Accounts Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-401000-EB-40-1200 with effect from the date of his joining as noted against him :-

Sl. No.		Nar	ne	Ре	rmanent No.	Date joi	of ning	Allocated to
1,	Shri	Α.	P.	Mowar,	02/283	22-11-82	AG.II,	

B. K. ROY Sr. Dy. Accountant General (Λ)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENFRAL MAHARASHTRA-1

Bombay-400 020, the 1st December 1982

No. Admn.I/Genl/31-Vol.III/C-1(1)/4.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint the following Section Officers (Audit and Accounts) to officiate as Accounts/Audit Officers from the dates mentioned against their names, until further orders :-

1. Shri N. V. Dewaskar, 18-10-1982 (AN)

Shri M. D. Chinchalkar, 6-11-1982 (FN).
 Shri B. P. Chakravarthy, 30-10-1982 (FN).
 Shri K. C. Chanchalani, 30-10-1982 (FN).

S. R. SAPRA Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 6th December 1982

No. 57/G '82.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. G. Ranade, Offg. General Manager (SG) Level J retired from service w.e.f. 31st August, 1982 afternoon.

The 7th December 1982

No. 58/G/82.—Shri C. L. Sharma, Offg. Deputy Manager was retired compulsarily with effect from 31st October 1981 (AN) on imposition of penalty therefore by the President with immediate effect.

> V. K. MEHTA Director

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay-400 022, the 7th December 1982

No. 5/6/82-Estt.—The Director General, Factory Advice Service & Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Dr. K. Suryanarayanan to the post of Assistant Director (Industrial Psychology) in the Directorate General Factory Advice Service & Labour Institutes, in a substantive capacity with effect from 17 6-1982.

A. K. CHAKRABARTY Director General

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th December 1982

No. A-19018(171)/75-A(G).—The President is pleased to appoint Shri M. K. Bhat, Asstt. Director (Gr. I) (Mech.) in Small Industry Development Organisation as Dy. Director (Mech.) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on ad hoc basis with effect from the forenoon of 6-11-82 until further orders, on his reversion from deputation with the Coir Board, Bangalore with effect from 5-11-82 (AN).

No. A-19018(572)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Swapan Kumar Basu as Asstt. Director (Gr.I) (L/F) at Central Footwear Training Centre under Small Industries Service Institute, Agra with effect from the forenoon of 14-10-1982 until further orders

The 9th December 1982

No. 12(363)/62-Admn(G)Vol.II.—The President is pleased to permit Shri J. K. Syal, Asstt. Director (Gr. I) (Mech.), Extension Centre Balsahyog, under Small Industries Service Institute, New Delhi to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 30-8-82.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A1)

New Delhi-1, the 7th December 1982

No. A-1/1(644).—Shri R. V. Pattabhiraman, permanent Assistant Director (Grade I) and officiating Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service) in the office of the Director General of Supplies and Disposals, New Delhi, expired on 28-9-1982.

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-700016, the 4th December 1982

No. 6884D/A-19012(3-E.R.)/19B.—Shri Eashwer Rao, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 17-7-82 (FN).

The 8th December 1982

- No. 8898B/A-12025(4-Driller) 81-19B.—The following officers of the Geological Survey of India are appointed as Driller in the same Department on Pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the date as mentioned against each, until further orders:—
- Sl. No., Name & Designation and Date of joining
 - Shri A. K. Sinha, S.T.A. (Drilling)—15-10-82 (F/N).
 Sri Dilip Kr. Roy, J.T.A. (Drilling)—15-10-82 (F/N).
 - S. K. MUKHERJEE Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 9th December 1982

No. A.19011(313)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Y. M. Barthwal, Senior Technical Assistant to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the forenoon of 19th November, 1982.

No. A.19012(162)/82-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion of mmittee, Shri D. S. Karkare, Permanent Senior Technical Assistant (Geology), Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Assistant Mining Geologist on ad hoc bas's in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the forenoon of 2°th October, 1982.

B. C. MISHRA Head of Office, Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 7th December 1982

No. F.8-30/81-Estt.—Shri Tarlochan Singh, offg. Administrative Officer on ad hoc basis is appointed as Administrative Officer on regular temporary basis with effect from 1st February, 1982 (FN), until further orders.

R. K. PERTI, Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th December 1982

No. A.19018/17/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. S. Chandrakapure to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme, Bombay on temporary basis with effect from 25th October 1982 (FN).

Dy. Director Admn. (CGHS. I).

New Delhi, the 8th December 1982

No. A-12025/15/80(RMLH)Admn.I/MH.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. L. Ramesh to the post of Assistant Biochemist in Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi with effect from the afternoon of the 30th September, 1982 on temporary basis, and until further orders.

P. K. GHAI Dy. Director, Admn. (CGHS-II)

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th December 1982

No. A-19025/8/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Mira Chand Hallu, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 12-10-1982 (FN), until further orders.

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 26th November 1982

No. PPED/3(283)/82-Estt.I/16320.— Director, Power Projects Engineering Division. Bombay hereby appoints Shri V. B. Vyapari, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the same Division in a temporary capacity on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of July 12, 1982 to the afternoon of August 27, 1982 vice Shii C. P. Joshi, Accounts Officer-II promoted as Accounts Officer-III.

The 29th November 1982

No. PPED/3(283)/82-Estt.I/16321.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri

D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the foreupon of November 22, 1982 to the afternoon of December 24, 1982 vice Shri V. V. Sawant, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

B. V. THATTF Administrative Officer

DIRICTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 8th December 1982

No. DPS, A 32011/3/76-Est./36942.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a permanent Assistant of th's Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 from 2-11-82 (FN) to 4-12-82 (AN) in the same Directorate vice Shri B. G. Kulkarni, Assit. Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II.

No. DPS/A/32011/3/76/Est./36946—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Bhalchandra Govindrao Kulkarni, a temporary Asstt. Personnel Officer of this Directorate to officiate as an Administrative Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 from 2-11-82 (FN)to 4-12-82 (AN) in the same Directorate vice Shri S. Krishnan, Administrative Officer-II granted leave.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 19th November 1982

No. 020/3(061) A-082.—Director ISRO SATELLITE CENTRE is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO SATELLITE CENTRE, Bangalor of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
l	2	3	4
1.	Shri T. Vasudevan	Sci/Engineer 'SB'	22-10-82
2.	Shri C. N Umapathy	Sci/Engineer 'SB'	25-10-82
3.	Shri H. Manjunatha Prabhu	Sci/Engineer 'SB'	26-10-82
4.	Smt. Chitra Rama- murthy	Sci/Engineer 'SB'	29-10 - 8 ₂
5.	Shri Nagesh Upadhyay	a Sci/Englneer 'SB'	2-11-82
6.	Kum. S. Pushpa	Sci/Engineer 'SB'	3-11-82
7.	Shri A. R. Madhan Mohan	Sci/Engineer 'SB'	3-11-82
8,	Shri T. S. Manjunath	Sci/Engineer 'SB'	4-11-82
9.	Shri M P. Vasuki	Sci/Engineer 'SB'	4-11-82
10.	Shri B. Ramesh	Sci/Engineer 'SB'	5-11-82
11,	Kum, T. K. Anuradha	Sci/Engineer 'SB'	5-11-82
12.	Kum. G. R. Harini	Sci/Engineer 'SB'	5-11-82
13.	Shri Ananthu K.	Sci/Engineer 'SB'	11-11-82

P. N. RAJAPPA Administrative Officer

CLNTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-24, the 9th November 1982

No. 608/190/82-Adm.—The Directer, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-411024, hereby appoints, on deputation for one year, Shri Bhaskar Ganesh Patwardhan, Assistant, Central Water Commission, New Delhi, as Administrative Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—100 EB 40—1200 with effect from the forenoon of October, 15, 1982.

With reference to the option dated 16-10-82, exercised by Shri Patwardhan, Administrative Officer, the pay of Shri Patwardhan, has been fixed at Rs. 680/- i.e. the basic pay of the post held by him as Assistant in the Central Water Commission, New Delhi, in the scale of pay of Rs. 425—15—500 LB—15-560-20—700—EB—25—800 plus 20 per cent (twenty per cent) deputation (duty) allowance there on limited to the maximum deputation (duty) allowance of Rs. 250 in accordance with and subject to the conditions laid down in the Ministry of Finance Deptt. of Expenditure's O.M. No. F 10(24)/E.III(B)/60 dated 4-5-1961 as amended from time to time with effect from 15-10-1982.

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

MINISTRY OF CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th December 1982

No. A. 32014/5/81-E. 1.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants, India Meteorological Department, as Assistant Meteorologists, in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:—

St. No.	, Name	Date of assumption of charge as Assistant Metcorologist
1.	Shri S. N. Mehra	9-6-1982
2.	Shri H. D. Bahl	20-9-1982
3.	Shri B. L. Behal	7-6-1982
4.	Shri K. M. Saha	2-9-1982
5.	Shri H. S. Ahluwalia	20-9-1982
6.	Shri Rajendra Prasad	31-7-1982
7.	Shri K. B. Guha	20-9-1982
8.	Shri B. S. Lamba	27-9-1982
9.	Shri V. K. Chopra	3-9-198

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENFRAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st December 1982

No. A. 38013/6, 82-EC —Shri N. N. De Sarkar, Assistant Communication Officer in the office of the Director of Communication, Aero, Comm., Stn., Calcutta of Aero Comm. Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of his office on retirement on 31-10-82 (AN) on attaining the age of superannuation.

The 2nd December 1982

No. A. 38013/5/82-EC.—Shri T. K. Ghosh, Assistant Communication Officer, in the office of the Director of Communication, Aero Comm. Stn., Calcutta of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department

relinquished charge of his office on retirement on 31-10-82 (AN) under the provisions of Rule 48 of the CCS (Pension) Rules, 1972.

The 8th December 1982

No. A. 32013/8/81-EC.—In continuation of this Department's Notification No. A. 32013/4/81-EC dated the 26th July, 1982, the President is pleased to appoint the following eleven officers at present working as Senior Technical Officers on adhoc basi 3 the grade of Senior Technical Officer on a regular basis w.e.t. 20-9-1982 and until further orders:—

Sl. No.	Name	S	tation of posting
1	2		3
S/Shri 1. P. D	. Khanna	O/o Director,	R.C.D.U., New

Delhi.

1		3
	S/Shri	
2.	S. Sundararaman	O/o Regional Controller of Com. Calcutta.
3.	M. K. Pal	Aero. Comm. Stn., Calcutta.
4.	R. K. Singhla	C. A. T. C., Allahabad.
5.	P. J. Iyer	DGCA (Hqrs).
6.	N. Shankar	O/o Director, RCDU, New Delhi.
7.	S. P. Jain	ACS, Palam.
8.	Kanahiya Lal	O/o Director, RCDU, N. Delhi.
9.	S. C. Dureja	ACS, Palam.
10.	S. K. Sharma	ACS, Palam.
11.	Ravı Prakash	C/o Regional Director, C.A.D., New Delhi.

No. A. 32014/3/82-EC(Pt.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad hoc basis, w.e.f. the date of taking over charge of the higher post and to post them to the stations indicated against each:—

Sl. No.	Name		Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2		3	4	5
·	S/Shri				
1.	K. L. Bhatia		. Bombay	Bombay	30-7-1982 (FN)
2.	K. V. G. Rao		. Vijayawada	\mathbf{M} adras	20-9-1982 (FN)
3.	Laxman Ram . ,		. Calcutta	Calcutta	28-7-1982 (FN)
4.	P. M. Gupta		. A.C.S., Delhi	A.C.S., Delhi.	19-7-1982 (FN)
5.	C. S. Prasad .		. Visakhapatnam	Madras	20-7-1982 (FN)
6.	P. S. Jolly		. CATC, Allahabad	RCDU, New Delhi	24-7-1982 (FN)
7.	Beant Singh .		RCDU, New Delhi	Stock Taking Party, DGCA	29-7-1982 (AN)
8.	J. S. Dhillon		. RCDU, New Delhi	RCDU, New Delhi	5-8-1982 (FN)
9.	K. K. Bhanot .		Calcutta	Calcutta	22-7-1982 (FN)
10.	R. C. Verma		. ACS, Delhi	CRSD, New Delhi	22-7-1982 (FN)
11.	V. V. Krishnamurthy		. Hyderabad	• Hyderabad	22-7-1982 (FN)
12.	M. D. Bhor		. Nagpur	Nagpur	22-7-1982 (FN)
13.	K. K. Shrimali .		. ACS, Delhi	Gauhati	2-11-1982 (FN)
14.	S. C. Gopinath .		. Madras	Madras	22-7-1982 (FN)
15.	S. V. Pillay . ,	, .	. Bombay	Bombay	17-8-1982 (FN)
16.	P. S. Sekhon		. Calcutta	Calcutta	30-7-1982 (FN)
17.	V. R. K. Sharma .		. Belgaum	Bombay	26-8-1982 (FN)
18,	M. C. Sharma.		. Bhubaneshwar	Calcutta	30-7-1982 (FN)
19.	V. S. Nanda		. Agartala	Calcutta	19-8-1982 (FN)
20.	C. J. Udeshi		. Bombay	Bombay	30-7-1982 (FN)
21.	S. C. Dutta		. Panagarh	Calcutta	25-8-1982 (FN)
22.	S. R. Kalia		ACS, Delhi	RCDU, New Delhi	27-7-1982 (FN)
2 3.	K. C. Tawar		. Ahmedabad	Ahmedabad	28-7-1982 (FN)
24.	E. K. V. Babu.		. Trivandrum	Trivandrum	28-7-1982 (FN)
25.	N. Venkataraman .		. Bombay	Bombay	18-8-1982 (FN)
26.	T. K. Ghoshal .		. Calcutta	Calcutta	25-8-1982 (FN)
27.	Bhoj Raj		. ACS, Delhi	ACS, Delin	25-7-1982 (FN)
28.	K. L. Bajaj		. Calcutta	Calcutta	30-7-1982 (FN)
29.	Jagan Singh		. Bhopal	Raipur	21-8-1982 (AN)
30.	Purshottam Krishna		. RCDU, New Delhi	RCDU, New Delhi	20-7-1982 (FN)
31.	M. S. Warrier ,		. Madras	Madras	26-7-1982 (FN)
32.	S. V. Subba Rao .		. Vikarabad	Hyderabad	30-7-1982 (FN)
33.	K. Anjaneyulu		. Madras	Trichy	30-7-1982 (FN)
34.	M. Puran Chandra Rao		. Madras	Imphal	29-9-1982 (FN)
35.	S. Krishnan		. Madra _b	Madras	30-7-1982 (FN)
36.	Ramesh Chandra .		. ACS, Delhi	ACS, Delhi	9-8-1982 (FN)
37.	U. K. Y ČW .		. Bombay	Bombay	31-7-1982 (FN)

1 2		<u> </u>	4	5
38. Mirmy Ma	llick	Calcutta	Calcutta	30-7-1982 (FN
39. P. Vishwana	than	Madras	Madras	30-7-1982 (FN)
40. B. S. Jajuha		RCDU, New Delm	RCDU, New Delhi	20-7-1982 (FN)
41. A. Srinivasa	n	Madras	Madras	6-8-1982 (FN)
42. P. K. K. Na	ır	Aurangabad	Вотьау	23-8-1982 (FN)
43. C. K. De		Calcutta	Calcutta	25-7-1982 (FN)
44. T. S. Nair		Trivandrum	Trivandrum	27-7-1982 (FN)
45. V. Sriniyasa	1	Madras	Madras	30-7-1982 (AN)
46. S. D. Kukka	rni .	Bombay	Bombay	2-8-1982 (FN)
47. Onkar Singh	,	Bombay	Bombay	30-7-1982 (FN)
48. D. L. N. Mu	rthy	. Calcutta	Calcutta	28-7-1982 (FN)
49. P. V. Rao		Madras	Port Blair	13-10-1982 (FN)
50. O. P. Khura	na , ,	. Sihora	Bombay	22-9-1982 (FN)
51. M. S. Motw	ını	Bombay	Bombay	31-7-1982 (FN)
52. A. S. Dholke		. Nagpur	Nagpur	24-7-1982 (AN)
53. A. B. Sengut	ta	Calcutta	Calcutta	31-7-1982 (FN)
54. D. K. Gupta		Bombay	Bombay	30-7-1982 (FN)
55. Ayinash Cha	nder	CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	9-8-1982 (FN)
56. K. P. George	·	Bombay	Bombay	30-7-1982 (FN)
57. J. S. Saib		. Srinagar	Srinagar	24-7-1982 (FN)
58. R. K. Verma		Calcutta	Calcutta	27-7-1982 (FN)
59. A. V. Kulka	m	. Nagpur	Nagpur	30-7-1982 (FN)
60. N. Tulsiram:	ın . ,	Madras	Bombay	16-9-1982 (FN)
61. A. S. Kaler		RCDU, New Delhi	RCDU, New Delhi	21-7-1982 (FN)
62. Swaran Sing	1,	. Gwalior	RCDU, New Delhi	10-9-1982 (FN)
63. H. S. Dhaliv	al	. ACS, Delhi	ACS, Delhi	6-9-1982 (FN)
64. J. K. Nath		. Calcutta	Calcutta	26-7-1982 (FN)
65. C. M. Garele		. CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	21-7-1982 (AN)
66. R. K. Deshp	ande	. Bombay	Bombay	31-7-1982 (FN)
67. R. O. Regue		. , Madias	Madras	30-7-1982 (FN)
68. S. K. N. Pill		Ooty	Bangalote	11-8-(982 (FN)
69. Μ. Γ. Rajan		Bombay	Bombay	31-7-1982 (FN)
70. A. K. Naran	g	. Amritsar	Bombay	23-8-1982 (FN)
71. K. B. Barve		. , Bombay	Bombay	10-9-1982 (FN)

PREM CHAND
Assistant Director (Admn.)

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the The Director General,

1982

No. 1/527/82-Est.—Overseas Communications Service, hereby appoints Shii S. V. Londhe as Assistant Engineer in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 12th August, 1982 in the Arvi Branch, and until further orders.

No. 1/530/82-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. R. Naskar, Supervisor, Calcutta Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 6-9-82 to 25-9-82 (both days inclusive), against a shouttern vacancy on ad-hoc basis, and as local arrangement.

The 6th December 1982

No. 1/342/82-Est. The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. R. Srinivasan, Supervisor, Madras Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 17-5-82 to 31-5-82 (both days inclusive), against short-term vacancy on ad-hoc basis, and as local arrangement

The 7th December 1982

No. 1/190/82-1-st. Shri Ilita Lal Jhanjee, Chief Mechanician, D.T.S., Poona, retired from service, with effect from the afternoon of the 30th September, 1982, on attaining the age of superannuation.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

Bombay, the 7th December 1982

No. 1/30/82-Est. The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. G. Kulkarni, Superintendent, A.S.E.S., Lachhiwala, Dehra Dun as Assistant Administrative Officer, in an officiating capacity in the Arvi Branch with effect from the forenoon of the 11th November, 1982, and until further orders, on a regular basis.

P. K. G. NAYAR Director (Admn.) for Director General

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES .

Dehra Dun, the 7th December 1982

No. 16/397/82-ESTS.I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun is pleased to appoint Shru Anutosh Guha, Forest Ranger, Andaman & Nicobar Forest School, as Assistant Instructor, E.F.R.C. Kurseong w.e.f 23-9-1982 (F.N.) until further orders.

The 8th December 1982

No. 11/325'79 Ests.1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehradun is pleased to appoint Shii S. N. Bapat, SFS(MP) as Asstt. Instructor, Forest Rangers College Balaghat, w.c.f. 8-11-1979 to 13-3-1980, after which has services have been replaced at the disposal of M.P. Forest Department.

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute & Colleges

DIRECTORATE OF INSPECTION AND AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th December 1982

No. 22/82.—Shri S. Kampani, lately posted as Superintendent Central Excise Group 'B' in the Meerut Collectorate on transfer as Junior Departmental Representative Group B in the Customs, Excise and Gold Control. Appellate Tribunal for Delhi Bench within the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise vide Ministry of Finance (Department of Revenue) Order No. 178/82 (F. No. A. 22012/55/81-Ad.II) dated 30-9-82 assumed charge of the post w.e.f. 5-11-1982 (forencon).

No. 23/82.—Shri K. L. Marwah lately posted as Assistant Director Group 'A', Directorate of Publication, New Delhi on Transfer to the Directorate of Inspection and Audit Customs and Central Excise vide Ministry of Finance, Department of Revenue Order No. 190/82 (F. No. A-22012/83/82-Ad.II) dated 6-11-1982 assumed charge of the post of Assistant Director w.e.f. 13-11-82 (AN) vide Shri O. S. Chhabra transferred.

S. B. SARKAR Director of Inspection

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 1st December 1982

No. 33/1/82-ECIX.— The President is pleased to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Debuty Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 700 P M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions.

- 1. Shri R. S. Choahan-8-10-82.
- 2. Shri Jawahar Lal Bose-4-10-82.
- 2. The pay of the above officers will be fixed according to the rules.
- 3. They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their appointment.

The 9th December 1982

No. 33/1/81-EC-IX.—The President is pleased to appoint Smt. Kovela Das a nominees of the U.P.S.C against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a pay of Rs. 980/-P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 8-10-82 on the usual terms and conditions, as recommended by the Union Public Service Commission.

2. Smt. Das is placed on probation for a period of two vears with effect from the dates of her appointment.

A. K. NARANG Dy. Director of Administration

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 14th December 1982

No. 82/RE/161/6.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises situated on the undernoted sections of the S.E. Railway, that the 25000 Volts 50 cycles A.C. Overhead Traction Wires will be have been energised on the dates notified against the section On and from the same date, the Overhead Traction Wires shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section

Date

Koraput (Excl)-Araku (incl)—5-11-82. Araku (excl)-Waltair (incl)— \(\) 1-12-82.. Sections of Waltair-Kirandul)—\(\)

> HIMMAT SINGY Secy. (Rly. Board)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the Matter of Companies Act 1 of 1956, and in the matter of Asansol Electric Supply Company Limited

Calcutta, the 6th December 1982

No. L/7502/H-D/1934.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 23-7-79 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and In the Matter of Bengal Engineering Company Private Limited

Calcutta, the 6th December 1982

No. L/5869/H-D/1944.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the abovenamed company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 7-8-79 and the Official Liquidator/court Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

Sd./-Illegible
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal, Calcutta

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and of M/s Shewantabai Financiers and Chit Fund Company Private Limited, Bhopal (M.P.)

Gwelior, the 6th December 1982

No. 1130/PS/CP/3264.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of M/S SHEWANTABAI FINANCIERS AND CHIT FUND COMPANY PRIVATE LIMITED, BHOPAL, unless cause is shown to the contrary, will be struck-off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies Madhya Pradesh, Gwalior.

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and Valley View Breweries Limited Patna-800001, tht 9th December 1982

No. (852)-560/5253.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of VALLEY VIEW BREWERIES LIMITED unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar.

NOTICE

In the Matter of Companies Act 1 of 1956 and In the matter of Sudarsan Chits (India) Private Limited

Cochin, the 9th December 1982

No. 2481/Liq/11173/82.—By an order dated 13-10-81 in C. P. No. 8, 9 and 49/81 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Sudarsan Chits (India) Limited.

K. PANCHAPAKESAN Registrar of Companies Kerala

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9101.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 53, Block B situated at

Adarsh Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Smt. Uma Rani W/o Sh. Mohinder Singh R/o D-12, Hakikat Rai Road. Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari W/o Sh. Krishan Lal Chandra R/o D-5/7, Model Town, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION: -- The terms and expressions in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 53 Block B on Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi area 150 sq. yds.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-1982

FORM I.T.N.S --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982 Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-82/9102.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-4/3, situated at Rana Partap Bagh, G.T. Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely — 30—396GI/82

(1) Smt. Suhay Wanti Khera wd/o Sh. Kundan Lal Khera R/o A-4/3, Runa Partap Hagh, Delbi

(Transferor)

(2) Sh. Ved Parkash Khera S/o late Sh. Kundan Lal Khera 2-Smt. Nirmal Khera W o Sh. Ved Parkash Khera R/o A-4/3, Rana Partap Bagh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Portion shown red in the plan attached in the sale deed bearing No. A-4/3, Rana Partap Bagh, G.T. Road, Delhi mg about 235 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 23-11-1982

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Ref. No. IAC Acq.lI/SR-I/4-82/9105.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 12, Block No. F, situated at Mansarover Garden, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Veeran Wali W/o Sh. Sain Ditta Ram R/o ZZ-2, Saraswati Garden, New Delhi through her G.A. Gulshan Kunar Pahwa S/o Sh. Sunder Singh Pahwa R/o B-16, Kirti Nagar, New Delhl.

(Transferoi)

 Amarjit Singh S/o S. Waryam Singh R/o J-158, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, Block No. F. Shopping Centre No. I, mg. 166.7 sq. yds. khasra No. 2362, situated at Mansarover Garden, Basai Darapur, Delhi

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi /New Delhi

Date: 26-11-1982

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sh. Banarei Lal, Sh. Bal Krishan Sharma Ss/o Late Sh. J. R. Sharma R/o L/43, Kirti Nagar, New Delhi

(2) Smt. Vasanti N. Shah w/o Sh. Navin Shah R/o 1/153, Kirti Niagar, New Oelhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 231d November 1982

Ref. No. IAC/Acq.11/SR-I/4-82/9115.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. L/43, situated at Kirti Nagai, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. L/43, situated in Kirti Nagar, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC /Acq.II/SR-J/4-82/9123.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 1204 to 1207 situated at Bazar Maliwara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Naresh Kumar S/o Sh. Washr Singh alias Natto Mai R/o E-4/22, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Gupta W/o Sh. Anil Kumar Gupta R/o 108, Banarasi Das Estate, Timarpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 1204 to 1207 in Ward No. V mg. 152.9 sq. yds. at Bazar Maliwara, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi /New Delhi.

Date: 23-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander Baweja S, o Sh. Hukum Chand Baweja R /o 1-129, Kirti Nagar, New Delhi.

I-86, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9128.—Whereas, 1. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I/86, situated at

Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April 1982

persons, namely .—

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Kasturi Lai R/o

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The expressions terms and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/86, mg. 194 sq. yds. situated at Kirti Nagar. New Delhi area of vill Bassai Darapur. Delhi State, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 23-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I /4-82/9159.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1 in Block A, situated at Adersh Nagar, Delhi-33

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Raten Lal Gupta S/o Sh. Tika Ram Gupta B4a/10 Rana Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Suri W/o Sh, Ramesh Suri R/o 36/24, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, in Block A, mg. 213 sq. yds. on Swaran Singh Road, Adarsh Nagar, Delhi-33.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-1982

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE.
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/4-82/9164.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. 5852-53 and 5875-77 situated at

Basti Harphool Singh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Paras Ram & Daya Chand Ss/o Sh. Ram Dass Smt. Koshalya Rani W/o Sh. Chander Kumar & Smt. Sarawati Devi Wd/o Sh. Ram Dass R o Kesai Gani, Meerut.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Kishore S/o Sh. Jyoti Pershad R/o 3011, Bhagwan Gonj, Bahadur Garh Road, Delhi

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Un-divided half share of property No. 5852-53 and 5875-77, Ward No. XIV at Basti Harphool Singh, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-82

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING IP ESTATE NFW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No IAC/Acq II/SR-I/4-82/9165—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5852-53 and 5875-77 situated at

Basti Harphool Singh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Paias Rain & Daya Chand Sa/o Sh. Ram. Dass Smt. Koshalya Ram. W/o Sh. Chunder Kumar & Smt. Saraswati Devi Wd/o Sh. Ram. Dass R. o. Kesar. Ganj. Meerut

(Transftror)

(2) Smt Phool Watt W/o Sh Ram Kishore R/o 3011, Bhagwan Ganj Bahadur Garh Road Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Un-divided half share of property No 5852-53 and 5875 77 Ward No XIV at Basti Harphool Singh Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date 23-11-82 Seal FORM I.T.N.S.

Sh. Tara Charan Gupta S/o Sh. Jyoti Parshad R/o H. No. 2622, Kucha Chellan, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Zia-ur-Rehman Nayyar S/o Shri Aziz-ur-Rehman Nayyar R/o 4348/4-C, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/9166,—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 2622, situated at

Kucha Chellan, Ward No. XI, Darya Ganj, New Delhi-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfers for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---31-396GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Remaining part of property bearing H. No. 2622, Kucha Chellan, Ward No. XI, Darya Ganj, New Delhi-2.

> SUDHIR CHANDRA, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-82

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UPDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Dolli, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/9167.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M.C. No. 7764 & 7765, situated at Rain Nagar, Paharganj, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Amar Kumar Gorawara having 1/4th share
 Sh. Jagdish Kumar Gorawara having 1/4th share
 Sh. Basant Kumar Gorawara having 1/2 share.
 (Transferor)
- (2) M/s Nijhwan Raveli Service (P) F-53, Bhagut Singh Mkt. New Delhi & Smt. Urmil Arora W/o Sh. Satish Kumar Atora R/o 2463, Nalwa Street, Pharganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storeyed House bearing M.C. No. 7764 & 7765, Ram Nagar, Paharganj, New Delhi measuring 253.1 1/3 sq. vds.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-82

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9177.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. G/51, situated at

Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Arjan Singh Arota S/o Sh. Khem Singh Atota R/o G/51, Bali Nagar, Incw Deihi, (Transferor)
- (2) Smt. Vidya Wanti W/o Sh. Duni Chand Ahuja R/o 5/20, WEA, Kaiol Bagh, New Delhi at present G/51, Bali Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House, built on free-hold Plot No. G/51, mg. 200 sq. yds. situated in the colony known as Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9178.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Banglow No. 23, situated at

Northern City Extension Scheme No. I S/mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Jagdish Chander S/o Sh. Bogha Ram R/o No. 23 Kamla Nagar, S/mandi, Delhi.

(2) Smt. Sudesh W/o Sh. O. P. Bhola and Sh. Amitabh Bhola S/o Sh. Om Parkash Bhola R/o 51, Rajpur Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Banglow No. 23 area 1250 sq. yds. vide Resolution No. 452 at Northern City Extension Scheme No. 1, S/mandi, Delhi.

> SUDHIR CHANDRA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 23-11-82

Scal:

 Shri Jallu S/o Mangtu r/o Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Khanna S/o J. C. Khanna r/o C-42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7055.—Whereas, 1 SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 9 bighas 12 biswas, situated at vill. Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

(1) Shri Jallu S/o Mangtu r/o Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rakesh Khanna S/o J. C. Khanna r/o C-42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7056.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or swinten of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property sany be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the midd.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 9 bighas 12 biswas, situated at vill. Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranger, II
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the absressed property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursuant, putterly:—

Date: 23-11-82

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7057.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at on April, 82 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jallu S/o Mangtu r/o Nangli Sakrawati, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Khanna S/o J. C. Khanna r/o C-42, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of sotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 97 bighas 16 biswas, vill. Nangali Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7060.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I-6/91-N, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Kartar Singh & Sh. Kuldip Singh Ss/o Sh. Mengha Singh r/o B-17, Tagore Garden, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Prem Nath Suri S/o Sh. Faqir Chand Suri r/o J-5/101-B, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-6/91-N, mg. 160 sq. yds. Colony known as Rajouri Garden, area of vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 26-11-1982

Soal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7062.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Haibet Pura, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—
32—396GI/82

(1) Smt. Triboni Devi alias Beni d/o Net Ram w/o Vishnu Gupta, r/o Vill. Dichaun Kalan. Delhi

(Transferor)

(2) Shii Ashok Kumar s/o Suiaj Mal r/o Parkash Bhawan, Bahadurgaih, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 16 biswas 3 biswas, situated at vill. Haibetpura, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.Π/SR-Π/4-82/7073,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

Plot No. D/31, situated at Ajay Enclave, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object off—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri S. Bishan Singh S/o S. Attar Singh r/o 21 Street No. 2, Hargobind, Pura, Jagraon, Distt. Ludhiana, through his son and attorneys Narinder Singh. (Transferor)
- (2) Sh. Bahadur Singh & Smt. Harcharan Kaur r/o 23/73-B, Tilak Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D/31, mg. 200 sq. yds. situated at Ajay Enclave area of Vill. Tihar Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranger, II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7074.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Dichaun Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Roop Narain, Om Prakash, Bhagwan Sarup, Braham Sarup, Ved Sarup, Mahesh Sarup, Anand Sarup ss/o Shri Vishnu Gopal r/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Ram s/o Shanka Lal r/o 75A, South Exn. N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 60 bighas situated at vill. Dichaun Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7075.—Whereas, J. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Iacome-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Dichaun, Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Roop Narain, Om Sarup, Bhagwan Sarup, Barhan Sarup, Ved Sarup, Mahesh Sarup and Anand Sarup ss/o Vishnu Gopal r/o Vill, Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajender Singh s/o Shri Zile Singh r/o Ring Road, Service Station, South Extn. I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 60 bighas, situated at vill. Dichaun Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 23-11-82 Scal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 231d November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-Π/4-82/7076.—Whereas 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Dichaun, Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) S/Shri Roop Narain, Om Sarup, Bhagwan Sarup, Barhan Sarup, Ved Sarup, Mahesh Sarup, Anand Sarup ss o Vishnu Gopal r/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi.
- (2) Shri Ram Kumar s/o Surat Singh r/o Vill, & P.O. Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 60 bighas situated at vill Dichaun Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. lAC/Acq.II/SR-II/4-82/7077.—Whereas l, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Dichaun, Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Roop Narain, Om Satup, Bhagwan Bathon Sarup, Ved Satup, Mahesh Sarup, Anand Sarup ss/o Vishou Gopal r/o Vill. Dichaun Kalan, Delhi.
- (2) Shri Rama Nand s/o Surat Singh r/o Vill. & P.O. Dichaun Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning ase given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 60 bighas situated at vill. Dichaun Kalan, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 23 11-82

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The state of the s

(1) Sh. Shiv Datt Sharma s/o Sh. Sunder Dass Sharma 1'0 WZ-14A Membashi Garden Delhi.

(Transferoi) Sharma 1/0

(2) Smt Damyanti w 'S Sh. Shiv Datt WZ-14 A, Meenakashi Garden, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 23rd November 1982

IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7086.—Whereas I, No. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. C/12, situated at Ajay Enclave, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

New Delhi on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. C/12, situated in Ajay Enclave, Delhi with the land mg. 133 sq. yds under the said house.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date : 23-11-82 Sen1 :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Maro w/o Sh. Siri Ram r/o village Kanjhawla, Delhi.

(2) 1. Shri Bishan Sarup s/o Sh. Chhajju Ram; 2. Smt. Roshni Devi w/o Sh. Perma Nand r/o......(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7087.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Kanjhawla, Delhi

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THÈ SCHEDULE

Land mg. 12 bighas 16 biswas, situated at vill. Kanjhawla, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

Seal;

NOTIC: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7096.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-lax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinarter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vall. Karala, Delhi

(and more tully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquittion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

33-396GI/82

- (1) Smt. Bimla Devi Bansal w/o Ramesh Kumar r/o BM-49, Shalimar Bagh, Delhi.
- (2) Sh. Daya Nand Sharma s/o Sh. N. L. Sharma r/o Sevoka Road, Siliguri (W.B.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 18 biswas k. No. 104/10, at village Karala, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Ram Parkash s/o Sh. Remal Dass r/o 5/13, Punjabi Bagh East, New Delhi-26. (Transferor)

(2) Sh. Rajinder Kumar Maini s/o Sh. Harbans Lal r/o E-268, Naraina Residential Scheme, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7162,—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 290 Block E, situated at Vill. Naraina, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2" of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 290 in Block E, situated in the lay-out plan of Naraina Residential Scheme, area of vill. Naraina, Delhi State. Delhi, mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7164.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/51, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

- (1) S/Sh. Gurbachan Singh, Surinder Pal Singh and Balwinder Singh all ss/o Sh. Mohan Singh r/o H. No. 11/5!, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Liberty Footwear Co., Delhi, H.O. Railway Road, Karna (Haryana) through Sh. D. P. Gupta s/o late Sh. Lajja Ram, one of the partner.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 11-51, fag. 538.89 o. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi a ca ef vid. Aladipur, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 26-11-82'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7166.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section | 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Tehr Daulatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shii Shiv Kumar, Suresh Kumar, Vinod Kumar and Siii Om ss/o late Sh. Budh Ram and Smt. Mukandi wd/o Budh Ram r/o Yill. Ibrahimpur, Delhi.
- (Tiansferor)
 (1) Master Pankaj Jain s/o Fatch Chand Jain r/o 29-B,
 Park area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land mg. 19 bighas 1 biswas K. No. 49 (2-3), 50 (4-16), 60 (4-16), 61 (4-16) and 62 (2-10), situated at vill. Tehri Daulaspur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7188 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Agr 1and situated at Vill Nangli Sakrawati, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not bene truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jallu s/o Mangtu r/o Nangti Sakrawati, Delhi.
- (2) Shri Anup Singh s/o Jallu r/o Nangli Sakrawati, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ractice in the Official Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Action shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 13 bighas 8 biswas vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-H,
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-82

(1) S/Shri Shiv Kumar, Suresh Kumar, Vinod Kumar and Sili Om ss/o late Sh. Budh Ram and Smt. Mukandi wd/o Budh Ram all r/o Vill. Ibrahimpur, Delhi.

(2) Shii Lakhpat Rai s/o Lodha Mal Jain r/o Main Bara Tooti Chowk, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/4-82/7167.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Tehri Daulatpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and 19 bigha 11 biswas K. No. 11(4-16), 12 (5-3), 21 (4-16) and 22 (4-16) situated at village Tehri Daulatpur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

`nic 23-11-82

FORM LTNS -

(1) Sh Jallu s/o Mangtu 1 o VPO Nangli, Sakrawati, Delhi

(Transferor)

NOTIC'E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh Anup Singh s/o Shri Jallu r/o VPO, Nangli Sakrawati. Delhi (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P TSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/4-82/7189.—Whereas I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons stamely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be mile in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 6 bighas of village Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7193.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovtable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Harevali, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section. (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Satyawan s/o Shu Alchta Ram, Sh. Suraj Bhan s/o Mehta Ram hiniself and as special attorney of Sh. Satbir all r/o Vill. Kavardi Nagar, Delhi vide SPA, dated 23-3-1982.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh s/o Shu Tej Singh r/o Vil!. Pooth Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. bighas 8 biswas part of khasra No. 41/11, 12, 20, 21, 40/15, 16, 17, 25 situated in the area of vill. Harevali, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, 1. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7194.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Harevali, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

34—396GI/82

(1) Shri Satyawan s/o Sh. Mehta Ram, Sh. Suraj Bhan s/o Mehta Ram himself and as special attorney of Sh. Satbir s/o Shri Mehta Ram all r/o Vill. Kramb Narra Delby vde SPA dated 23-3-1982 (Transfero)

(2) Sh. Jagjit Singh s/o Sh. Jei Singh 1/o Vill Pooth Kalan, Delhi-41.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 29 bighas 1 biswas part of khasra No. 40/24, 42/4, 5, 6, 7, 14, 18, situated in the area of vill. Harevali, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND PLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEETH

New Delhi, the 231d November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7201.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-65 situated at Shankar Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Diwan Chand Ohri s/o Sh. Amar Nath Ohri r/o 128/1, Ganesh Nagar, New Delhi.

Transferor

(2) Sh. B. B. Joshi x/o Sh. Khemir Nand Joshi & Smt. Ganga Devi w/o Sh. B. B. Joshi 1/o. B-16, Kitti Nagai, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built-up property bearing No. A-65, situated in approved colony known as Shankar Garden, New Delhi area of Vill, Possangipur, Delhi mg, 216 66 sq yds,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lay
Acquisition Range II. Delhi/N, w Delhi

Date: 23-11-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, J. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Rei. No. 1AC/Acq.fi/SR-11/4-82/7200.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. D 68, situated at Ajay Enclave, Vill. Tehar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri S. Mulkh Singh s/o S. Harnam Singh r/o 5/149, Subash Nagai, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri S. Jashir Singh and S. Gulbir Singh as/o S. Balwant Singh r/o B-46, D.S. Qur. Motia Khan, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-68, mg. 256.66 sq. yds. at Ajay Enclave, Village Tehar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7257.—Whereas, I, SUDHIR, CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

Plot No. H-24, situated at Shivaji Park, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chander Kanta w/o late Sh. Krishan Lal. Kharbanda r/o B-1/154, Paschim Vihar, New Delhi-(Transferor)
- (2) Sh. Sukhvinder Singh s/o Shri Dildar Singh r/o 27/35, Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 336 sq. yds. bearing Plot No. H-24, Shivaji Park, area of Vill. Madipur, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G 13 GROUND FLOOR, C R BUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/4-82/7098 —Wherens I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Agr. land situated at Vill. Karala, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Pardoop Kumar Bansal 5/0 Sh Ram Narain r/0 P-27, Princip Street, Calcutta.
- (2) Smt Shushila Devi Agaiwalla w/o P. L. Agaiwalla i/o Basist Road, Dispur Gauhati-6 (Assam).

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 6 bighas khaisra No. 104/11/1, 11/2 and 105/15 village Karala, Delhi

SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date . 23-11-1982.

FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. FSTAFE, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/4-82/7225.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot Nos. C'133-134, situated at New Multan Nagar, Delhi

Plot Nos. C'133-134, situated at New Multan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

- (1) Smt. Rama Devi and Sh. Surinder Kumar Gupta r/o 9/6686, Karol Bagh, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Vijender Singh r/o H. No. 113, Khera Khurd, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. C/133-134, mg. 373-1/3 sq. yds. New Multan Nagar, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982,

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Rel. No. IAC/Acq.11/SR-II/4-82/7229.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Jharoda, Majra Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sarwan Singh s/o late S. Fateh Singh r/o Vill. & P.O. Bhorak, Tehsil Pehowa, Distr. Kurukshetra, Haryana.

(Transferor)

(2) Sh. Ved Prakash Goyal s/o late Sh. Shankar Lal, 1/0 45/2, The Mall, Del p-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land mg. 12 bighas & 14 biswas bearing khasra Nos. 5/13 (2-12), 5-7/2 (1-2), 5-14/3 (1-19), 5-18/1 (2-7), 5-23/2 (2-7) and 15/3 (2-7), situated in village Jharoda, Majra Buran, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assil. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

(1) Shri Sube Singh and Bhoop Singh ss/o Sh. Mool Chand r/o WZ-764, Vill. & P.O. Palam, New Delhi-

(Transferor)

NOTI(T UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Siii Kiishan s/o Sh. Hai Naiain 1/o WZ-791 Vill & P.O. Palam. New Delhi 45 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G 13 GROUND FLOOR, C R, BUILDING, I P L'STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7232 —Wherens, I SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Agr. land situated at Vill. Palam, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg 4 bighas 16 biswas khasra No. 13/3, and 13/7, situated in village Palam, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, 1 P. ESTATF. NEW DELHI New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No. IAC/Acq II/SR-II/4 82/7239.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 13, Block J-10, situated at Rajouri Garden New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely ---35-396GI/82

Sh Shitai Kumar Bhandan s/o Sh, Karam Chand Bhandari 1/o S, Des Bandhu Gupta Market, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Esskay Importers & Exporters, No. 8, Des Bandhu Gupta Market, K. Bagh, New Delhi through its partner Sh. T. L. Bhandari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 13, in Block J-10 mg. 272 sq. yds. situated Rajouri Garden, area of vill Tatarpur Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Inderjit s/o Hardawari r/o Kamruddin Nagar, Delhi

(2) Shri Hardawari 5/0 Shiv Ram, Ram Prem 43/0 Mukhi Singh r/0 Vill. Kamruddin Nagar, Delhi-41. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. G-13 GROUND FLOOR, C R BUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No IAC/Acq II/SR-II/4-82/7246.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Mundka, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 29 bighas 19 biswas, situated at vill. Mundka, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delha

Date · 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7258.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Qutubgarh, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mange, Roop Citand and Sh. Nand Lal all ss/o. Sh. Phool Singh all r/o, Vill. Qutubgarh, Delhi State, Delhi.
- (Transferor)
 (2) Sh. Daya Chand s/o Sh. Dewan Singh r/o Vill.
 Qutubgarh, Delhi State, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said animovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 16 bighas 19 biswas (1/2 share) situated at vtl-lage Qutubgarh, Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

Ser

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AČQUISITION RANGE !!, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7259.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill Nawada Majra, Hastsal, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

No. Agr. land situated at Vill. Nawada Majra, Hastsal, Delhi

on April, 1982
(1) Shri Des Ram s/o Sh. Ram Jas r/o Vill. Nawada Majra, Hastsal, Delhi.

(2) Shri Jai Parkash Jain (minor) 3/0 Sh. Jhumar Mal Jain through its natural gaurdian, real father Jhumar Mal Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 10 bighus 18 biswas situated at vill. Nawada Majra Hastsal, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 23rd November 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7260.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Nawada Majra, Hastal, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifter a percent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Des Ram s/o Sh. Ram Jee r/o Viii. Nawada Hastsal, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dunger Mal Sharma s/o Sh. Sohan Lal r/o 3/4, Basti Harphool Singh, Sadar Bazar, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 6 bighas 4 biswas, situated at vill. Nawada Majra Hastaal, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

Seal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7272,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 20, Block-B, situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or version of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- Sh. Khairati Lal Sachdeva s/o Sh. Girdhari Lal Sachdeva, r/o H. No. J-39, Rajouri Garden, New Delhi-110027.
- (2) Sh. Guraya Lai Gambhir s/o Shri Sidhu Ram Gambhir r/o Flat No. 10, Block No. 20, (Flat No. 20/10), West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 20 in Block 'B' (Bungalow Plot No. 20) admeasuring 270-2/9 sq. yds. equal to 225.94 sq. mtr. (Size 32 feet × 76 Feet) and situated in a free-hold and approved residential colony known as New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi-110056 and comprising of khasra No. 4/16, in the area of village Jawala Heri. Delhi State, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR, C R BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DFLHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7278.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill Kamalpur, Mazara, Burari, Delhi State, Delhi

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any insome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Raghu Nath s/o Sh. Chandan, r/o Vill. Burari Delhi State. Delhi
- (2) Sh. Jagat Singh, Sh. Jagan Nath so Sh. Harkesh r/o Vill. Burari, Delhi State, Delhi (Transfere)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS.

Land mg. 7 bighas 16 biswas part of killa No. 2, i.e. 10/8/1 mg. 4 bighas 16 biswas, and 10/13/1 mg. 2 bighas and 14 biswas, area of Vill. Kamalpur, Mazara, Burari, Delhi State. Delhi

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date 23-11-1982

9cal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI New Delhi, the 12th November 1982

Ref. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/5.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Giani a/o Shri Nanwa r/o Vill Jonapur, Teh. New Delhi.
- (2) Modern Orchards, Triveni Garden, Gadaipur,
 N. Delhi through its partner Smt. Aruna Kapoor.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. lend mg. 8 bighas and 10 biswas, M. No. 55, killa No. 11/2, min(2-2), 20(3-10), 21(2-18), situated in village Jonapur, Teh. Meh., N. Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE [, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III, 4-82/6.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Jonapur, Teh. Meh., N. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

36-396Gf/82

(1) Shri Giani S'o Nanwa r/o Vill Jonapur, N Dellu

(Transferor)

(2) Modern Orchards, Triveni Garden, Gadaipur, New Delhi through its partner. Smt Aruna Kapoor. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 4 biswas M. No. 54, killa No. 16(2-12), 25(0-8), M. No. 64, killa No. 1(2-5), M. No. 65, killa No. 5 (1-19), M. No. 55, killa No. 11/2 min (1-0), situated in village Jonapur, Teh. Meh., New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

'New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/16.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Khanpur, N. Delhl

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Neeru Jain d/o Sh. Mohinder Kumar Jain 1/0 D.I.A. Green Park, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Narinderjit Singh s/o S. Durlab Singh, Smt, Ravinder Kaur w/o S. Narinderjit Singh, Kumarl Prabhajyot Kaur and Kumarl Tara Chatwal ds/o S. Balbir Singh c/o York Hotel, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agr. land mg. 5 bighas and 12 biswas bearing khasra Nos. 265/2 (2-12), 266 (3-0), situated at Vill. Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/17.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land stuated at Vill. Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rakesh Jain s/o Sh. Lal Chand Jain r/o 40/30, Gautam Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Narinderjit Singh s/o S. Durlab Singh, Smt. Ravinder Kaur w/o S. Narinderjit Sngh, Kumari Prabhajyot Kaur and Kumari Tara Chhatwal d/o S. Balbir Singh c/o York Hotel, Connaught Circus, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land (1/4 share) in land mg. 5 bighas and 10 biswas bearing khasra No. 267, situated at Village Khanpur,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-IIJ/4-82/18.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Khanpur, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Neeru Jain d/o Sh. Mohinder Kumar Jain r/o D.I.A., Green Park, N. Delhi.
- (Transferor)
 (2) Shri Narinderjit Singh s/o S. Durlab Singh,
 Smt. Ravinder Kaur w/o S. Narinderjit Singh,
 Kumari Prabhajyot Kaur and Kumari Tara Chatwal
 ds/o S. Balbir Singh c/o York Hotel, Connaught
 Circus, New Delhi.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share m agr. land mg. 5 bighas and 12 biswas bearing khasra Nos. 265/2 (2-12), 266(3-0), at village Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT QF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR

CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I SR-IV/4-82 19.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agr. land situated at Vill. Karawal Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Sujata w/o Sh. Dev Raj r/o 8574/3, Ara Kashan Road, Ram Nagar, Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Inder Singh s/o Ch. Fateh Chand τ/o 76, Jain Mondir Gali Shahdara, Delhi-32; (2) Sh. Hari Ashok s/o Sh. Lala Harji Lul τ/o 1526, West Rohtash Nagar, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 33 bigha 7 biswas comprising in khasra Nos. 16/23(3-3), 18/2(3-4), 3(5-11), 7(4-5), 8(4-16), 9(4-9), 13(4-16) and 14(3-3), situated in the revenue estate of Vill. Karawal Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 12-11-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/23.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Muni Ram s/o Shri Todar r/o vill. Aya Nagar N. Delhi through general attorney Ganeshi Ram s/o Muni Ram r/o Aya Nagar, Teh. Meh., N. Delhi.
- (2) Shri Om Parkash Jain & Ashok Kumar Jain ss/o late Shri Ram Jain r/o C-6/53, SDA, Area, New Delhi, Jitender Kumar, Devinder Kumar ss/o late Sh. Ram kumar Gupta r/o 17, Babar Lane, N. Delhi, Ram Nath Singhal s/o Rampat r/o 1 Acharwala Bagh, Subzi Mandi, Delhi and Ayub Sayed s/o Syed Mohd, r/o C-6/53, S. Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 13 biswas, khasra No. 267 (5-17), 268/2(0-16), situated in village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III, 4-82/26.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propery, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh w/o Sh. Mahabir r/o Vill. Bhatgaon, N. Delhi.
- (2) Smt. Asharsi w/o Munshi Ram r/o Vill. Bijwasan, N. Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 7 bighas 3 biswas, khassa No. 67/16 and 25. situated at Bijwasan, and 18 biswas yet to be allotted.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. 1AC/Acq I 'SR-11I/4-82/42.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Afficer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, 'a rursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shyam Kaur w/o Rem Phal r o Bijwasan. New Delhi

(2) Shri Rupinder Singh and Darshan Deep Singh ss/o S. Manohar Singh of R-608, New Rajinder Nagar, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 14 bighas and 8 biswas M. No. 65 killa Nos. 1(4-8), 10(2-16), M. No. 64, killa No. 5(4-8), 6(2-16), village Bijwasan, Teh. Mch., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I New Delhi

Date: 12-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/45.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:— 37—396GI 82

- (1) Partap Singh s/o Jota r/o Vill. Bljwasan, N. Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Bhima ato Lala rto Vill. Bijwasan, Teh. Meh., N. Delhi. (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 17 bighas and 6 biswas bearing Mustatil No. 118, Killa No. 3, (2-18), 8(4-16), 12(4-16), 13(4-16) Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I New Delhi

Date: 12-11-82

Scal:

(1) Shri Partap Singh

s/o Shri Jota r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Mongia s/o Shri Harnam Singh r/o H-9, Shivaji Park, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/46.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer, as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 1 biswa bearing Mustatil No. 88, Killa No. 18 min (2-8), 24(2-8), Mustatil No. 105, Killa No. 26(0-5), situated at Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

Soal:

FORM I.T.N,S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/47.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Partap Singh s/o Shri Jota r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Mongia s/o Shri Harnam Singh r/o H-9, Shivaji Park, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 10 biswas bearing Mustatil No. 88, Killa No. 4(0-4), 23(4-16), situated at Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGI-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/49.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Partap Singh s/o Shri Jota r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Mongia s/o Shri Harnam Singh r/o H-9, Shivaji Park, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 6 bighas and 10 biswas bearing Mustatil No. 105, Killa No. 3(4-12), 8/1(1-18), situated at Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

New Delhi on April, 1982

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/52.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Shri B. S. Mayal s/o Chaudhary Udai Singh r/o No. A/9, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferor)

(2) S/Shri Narinder Lland Tandon, Dev Raj Tandon, Ashok Kumar Tandon and Mukesh Kumar Tandon ss/o Shri Madan Lal Tandon r/o C-78, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 1 bighas and 18 biswas khasra No. 79 min, situated in area of Vill. Sultanpur. Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI ACQUISITION RANGE-I

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/53.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. S. Mayal s/o Chaudhary Udai Singh r/o No. 4/9, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferor)

(2) S/Shri Narinder Lel Tandon, Dev Raj Tandon, Ashok Kumar Tandon and Mukesh Kumar Tandon ss/o Shri Madan Lel Tandon r/o C-78, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 4 bighas 93 biswas khasra No. 86 min, situated in the area of Vill. Sultanpur, Teh. Meh., New Dolhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L
Delhl/New Delhi

Date: 12-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/71.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Vill. Khanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Mrs. Anita Kathuria w/o Shri Subhash Chandor Kathuria r/o A-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Chadha s/o Shri A. N. Chadha r/o A-19, Pamposh Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas including both side road khasra No. 373, Vill. Khanpur, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Krishan Malhotra w/o Shri V. K. Malhotra r/o C-1/5, Pandara Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Raghbir, Balram and Siri Ram ss/o Shri Ram Salup r/o Village Agola, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/88.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 /- and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agr. land situated at Vill. Asola, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 5 bighas and 14 biswas, khasra No. 416, village Asola, Teh. Meh., New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38-396GI/82

(1) Smt. Atri w/o Shri Ramju Lal r/o Vıll. Ghitoıni, New Delhi.

(Transferor)

 Smt Ranjit Kaur w/o Shri Gurdeep Singh Gujral New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ağr. land mg. 3 bighas and 8 biswa, khasra No. 336/1, Village Ghitorni. New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No IAC/Acq I/SR-III/4-82/97.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Arthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on April, 1932

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai! property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Kanchan Dayal w/o Shri S. Dayal r/o C.8, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Ranjit Kaur w/o Shri Gurdeep Singh Gujral New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 3 bighas and 16 biswas bearing khasra No 302, situated in Vill. Ghitorni, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/98.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agr. land situated at Vill. Ghitorni, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice-under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Kanchan Dayal w/o Shri S. Dayal r/o C.8, Paschimi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ranjit Kaur w/o Shri Gurdeep Singh Gujral New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas bearing khasra No. 334, situated in viliage Ghitorni, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 1

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref No IAC /Acq I/SR-III/4-82/108 —Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Agricultural Land

situated at Village Devli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982 on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Green Park Builders & Promoters (P) Ltd.
 115 Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s Sahgal Builders (P) Itd, 204 Akash Deep Building, 26A, Barakhamba Road, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands mg 5 bighas and 18 biswas complised in khasra Nos 658 (2-12), 659 (1-19), 670 (1-01) and 670/1 (0-06), situated in the Revenue Estate of village Deoli, Teh Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, I
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, I

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/4-82/III -Whereas, I, NARINDAR SINGH,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing

Agricultural Land

situated at village Dera Mandi, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Mam Chand S/o Shri Hukam Singh, R/o 60, Temoor Nagar, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Mis. Archana Aggarwal W/o Shri D. K. Aggarwal, R/o A.6/2, R.P. Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 8 bighas and 18 biswas bearing Mustatil No. 85, Killa No. 22(4-9), 23(4-9), Village Dera Mandi, Teh. Mch., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date · 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, J G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/112.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agicultural Land

situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mam Chand S/o Shri Hukam Singh, R/o 60, Temoor Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sarvesh Aren W/o Shri A. K. Aren, R/o B. 15, South Extn. I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 100 Killa No. 2(4-16), 3(4-16), Village Dera Mandi, Tch. Mch., New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/113.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at village Dera Mandi, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mam Chand S/o Shri Hukam Singh. R/o 60, Temoor Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri K. M. Agarwal S/o Shri Madho Ram, R/o 36, Netaji Subhash Marg, New Delhi, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswa bearing Mustatii No. 100 Killa No. 12(4-16), 13(4-16), situated at Village Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-11-1982

(1) Shri Mam Chand S/o Shii Hukam Singh, R o Temoor Nugat, House No 60, New Delhi.

(T) ansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhaiat Kumai Seth S o Shii Amai Nath Seth, R/o 36, Netaji Subhash Maig, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-82/114.—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. Agricultural Land

situated at village Dera Mandi, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at New Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by my of the aforesaid persons within a period of 45 " ys from the date of publication of this notice in two Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 9 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 100, Killa No. 8(4-16), 9(4-16), Village Dera Mandí, Teh Meh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Dinesh Kumar S/o Shri Ram Bharosey Lal,

(1) Shii Mam Chand S/o Shri Hukam Singh, R/o 60, Temoor Nagar, New Delhi.

R/o A.6/2, R.P. Bagh, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

> G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI.HI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II1/4-82/115.--Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at village Dera Mandi, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:~39—396GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 100 Killa No. 4, Village Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

> NARINDAR SINGU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DFLHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/116.--Wherens. I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at village Dera Mandi, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act. in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mam Chand S/o Shri Hukam Singh, R/o Village Dera Mandi, New Delhi (Transferor)

(2) Shri Bir Singh S/o Shti Phoosan, R/o Village Dera Mandi, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land bearing khasra Nos. Mustail No. 77, Killa No. 4(4-16), 5(4-16), 6min (2-8), 7min (2-8), situated at Village Dera Mandi, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1 P ESTATE NEW DELHI

New Delhi the 12th November 1982

Ref No IAC /Acq I/SR III/4 82/117 --- Wnereas, I NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fur market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing

No Agricultural I and

situated at Village Chattarpur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .—

(1) Shri Santosh Kumar' (HUF) acting through its Karta Shri Santosh Kumar S/o Shri L Gokal Chand, R/o 12 Aurangzeb Road, New Delhi

(Fransferor)

(2) Prashanti Investments (P) Ltd, 4830/24 Darya Ganj, Ansari, Road New Deihi through its Director Mrs. Sheila Vasudeva

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

TAPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agi land mg 9 bighas and 12 biswas kh Nos 1508 4(16) 1509(0-6), 1510(2-5), 1510/2(2-5) with furm house, tube well, boundary wall Village Chhattapui Teh Meh New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 12 11 1982 Seal

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. 1.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/4-82/174.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at Village Rajokri, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ram Chander, Shri Kishan Ss/o Shri Mohar Singh,
 - Shri Harkesh, Shri Ishwar and Shri Bishamber Ss/o Shri Haria, Haria S/o Shri Mukha, R/o Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Chandra Family Trust, 35, Deputy Ganj, Delhi through Mahesh Chand Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 4 bighas and 16 biswas, Khasra No. 566, village Rajokri, Teh. Meh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/182.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at Village Bijwasan, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kartar Sinkh and Shri Attar Singh Sa/o Shri Amir Singh, r/o vill. Bijwasan, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Addi Kraits (P) Ltd., P-3/4, Textile Colony, Ludhiana, (Punjab) through director Chaman Lal Iain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land 20 bighas and 6 biswas M. No. 54, killa Nos. 8 (1-15), 3(4-7), M. No. 27, killa No. 23(4-14), 24(2-8), 17(2-8), 18(4-14), village Bijwasau, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/2.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural Land

situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer an agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chunni S/o Shri Thakaria, R/o Village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) Di. L. M. Singhvi S/o Late Shri D. M. Singhvi, R/o B-8, NDSE-II, New Delhi as karta of his HUF.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agr. land mg. 13 bighas and 2 bigwas, khasta No. 256(2-6), 257(3-8), 258(3-14), 259(3-14), situated in village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-l
Delhi/New Delhi

Date . 23-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/3.—Whereus, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural I and

situated at Village Aya Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai pdroperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Niader S/o Shri Thakaria, R/o Village Ava Nagar, Teh. Meh., New Delhi. (Transferor)
- (2) Dt. L. M. Singhvi S/o Late Shii D. M. Singhvi, R/o B-8 NDSE-II, New Delhi as kaita of his HUI-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used helein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agi land mg. 13 bighas and 2 biswas, khasra No 256(2-6), 257(3-8), 258(3-14), 259(3-14), situated in village Aya Nagar, Teh Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date 23-11-1982 Seal FORM 1,T.N,S,-----

(1) Shii Niadei and Shii Chunni Ss/o Thakaiin, R/o Village Aya Nagai, Teh. Meh., New Delhi. (Transteior)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parkash S/o Shri Chunni, R/o Village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 23rd November 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/4.—Wherens, 1, NARINDAR SINGH,

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land

situated at Village Aya Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

2/3rd share in agr. land measuring bearing khasta Nos. 1792/2 min (2-7), 1849(4-16), 1854/2(2-3), 1855/2(0-18), 1856/(0-9), situated in village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-11-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/21.—Whereas, I.-NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bhati, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—40—396GI/82

(1) Shri Sahi Ram s/o Jaharia
r/o Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bega s/o Shri Tofa 1 'o Vill Bhati, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The 'terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 23 bighas and 12 biswas bearing khasra Nos. 693(3-5), 1051 (2-9), 1052 (2-3), 1053 (2-14), 1054 (2-9), 1060 (1-2), 1061 (0-12), 1062 (0-12), 1063 (0-10), 1064 (0-11), 1065 (1-7), 1066 (1-3), 1067 (1-4), 1068 (1-0), 812 (1-13), and 1/2 share in land mg. 1 bighand 16 biswas equal to 18 biswas bearing khasra No. 805, situated at Village Bhati, Teh. Meh, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

(1) Smt. Santosh w/o Shri Mahabir, 1'o Vill. Bhatgaon, Distt. Sonepat, Haryana. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chaman Lal Soi s/o Late Lala Raja Ram r/o A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/25—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 8 bighas, kh. No. 43/15, 43/7, at vill. Vijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/27.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bijwasan, New Delhi. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Santosh w/o Mahabir, r/o Vill. Bhatgaon, Distt. Sonepat, Haryana.

(2) Shri Chaman Lal Soi s/o late Lala Raja Ram r/o A-1/4, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 6 bighas 8 biswas, khasra No. 43/6, 16 at village Bijwasan, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/28.—Whereas, J, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the itamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill, Bijwasan, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons in mely:—

- (1) Smt. Santosh w/o Shri Mahabir, r/o Vill. Bhatgaon, Distt. Sonepat, Haryana.
 - (Transferor)
- (2) Shri Chaman Lal Soi 5/o late Lala Raja Ram r/o A-14, Vasant Vihar, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land ong. 4 bighas 16 biswas, comprising in kh. No. 43/14, Vill. Bijwasan, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range!, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1932

(1) Shri Daryao Singh s/o Shri Kure, r/o Vill. Bharthal, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Na1ain Singh s/o Shri Ram Kishan r/o Vill. Kapashera, Teh. Meh. New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/29.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bharthal, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Entire share in agr. land bearing Mustatil No. 17 killa No. 21 min (1-8), Mustatil No. 18, killa No. 16 min (2-1), 24 (4-16), 25 (4-10), 30 (0-6), Mustatil No. 21 killa No. 9, (4-16), 10 (2-6), 27 (0-2), Mustatil No. 31, killa No. 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (4-16), Mustatil No. 32 killa No. 1 (4-16), 10 min (1-16), with well, situated at Village Bharthal, Teh. Meh. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-II1/4-82/34.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. 40|2, 40|15, 40|18, situated at Village Kotla Mubarakpur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Chet Ram s/o late Pandit Lila Ram r/o 279, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Narain, Prem Narain, Bhagwan Dass Sharma and Trilok Chand all ss/o Pandit Pojhar Mull, all r/o 353, Village Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing MCD No. 40/2, 40/15 and 40/18, Khasra No. 628/12/2, Village Kotla Mubarakpur, New Delhi measuring about 70 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq f/SR-IΠ/4-82/36.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section

269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2375 to 2378 Block 'N' situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Swaran Singh r/o S. Ishar Singh r/o 2375, gali No. 13, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi through general attorney, S. Tejinder Singh 1/o I-12/34, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Vikash Agencies (P) Ltd., A-4, Mayapuri Phase-I, New Delhi through managing Director Shri K. S. Chawla.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property MCD No. 2375 to 2378 mg. 361 sq. yds. kh. No. 1408/381, 1410/382, 1412/383, Block 'N' Ward No. XVI, plot No. 22 to 24, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/40.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R-589 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer on April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

11) Shri Vikram Pal s/o Late L. Raj Pal Smt. Shanno Devi wd/o Late Shri Dev Pal, Harsh Pal, Chander Pal Naresh Pal sons of Late Shri Dev Pal through General Attorney Shri Sushil Kumar Chadha r/o G-8, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Mela Ram Properties Pvt Ltd., 454-455, Chitla Gate, Churiwalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R/589, Mg. 200 Sq. yds. at New Rajinder Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 24-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/56—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. XVI/2863, situated at Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the begistration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41—396GI/82

 Smt Shanti Devi r/o 17/2863 Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Avtar Gupta r/o 17/2863, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ÉXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. XVI/2863, Beadonpura, Karol Bagh, New Delhi, Plot No. 103, Block No. P. measuring 161 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-f, Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/59.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8A/109, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other resets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitia Soni w/o S. Teja Singh Soni r/o F-4/8, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Shankaı s/o Shri (Late) Lala Ram, r/o 8A/109, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 8A/109, mg 134.3 sq. yds. situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Ved Prakash Mahk, r/o E-16, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suvarsha Jasuja, r/o E-275, Greater Kaniash-II, New Delhi

(Transferee).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref No. IAC/Acq.1/SR-III/4-82 /70.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-16, situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income, arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-16 Kalkaji New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/118—Whereas I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agr. land situated at Vill. Devli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on April, 1982

for an apparent consideration which is less, than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Daya Nand and Ishwar Singh ss/o Sibba

(Transferor)

(2) Shii Mohon Singh and Kewal Singh ss/o Jagat Singh 1/o 66A, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agi land mg. 81 biswas kha ra No. 580 min, Village Devli New Dolhi.

> NARINDAR SINGH Com 1.1.4 1.41 Inspecting Assistan. (comm such income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New D thi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/123 — Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E/70, situated at Greater Kailash, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Vishal International Productions (P) Ltd., Bhagirath Palace, 1706, Gali, Jaikishan, Chandani Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) The Kavle Nath Trust. Bombay, 91, Banganga Road, Walkeshwar, Bombay-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on plot No. 70, Block No. E (No. E/70), 533 sq. yds in the residential colony known as Greater Kailash situated at village Yaqutpur, Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I.

G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DI-1 HI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/126.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5/74, situated at Padam Singh Road, Kntol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fatt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax (c), 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act to the following persons, namely:

 Shii Katyayni Dayal s/o late Shri Bishambei Dayal i, o C 4/23, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Amritson Tower India (P) Ltd., E.57, Greater Kailash-I, New Delhi through its Director, Shi T. C. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5-74, mg. 254 sq. yds. khasra No. 1566/1447, Priam Sm26 Road, WEA, Karol Bagh, New Delhi

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date . 23-11-198

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TITE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING. LP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82/128.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-540, Greater Kailash-II, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M s Bhatia Apartments. A-18.
Kailash Colony, New D.lhi, through its partners
Smt. Raj Kumari Bhatia w/o Shri B. R. Bhatia,
Svs. N. K Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia,
Sunil Bhatia, all r/o W-41, Greater Kåilash-I, New
Delbi

(Transferor)

(2) Master Salman Tanvir through, father and legal guardian Shri Tanvir Ur. Rehman, r/o Galchcheed Road, Moradabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi (2 beds 2 baths, d/d, kitchen, terrace, on the barsati floor).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir Kewal Sushim 5/o Sadda Nand, R/o 17/5, West Pacel Nagar, New Delhi and Shir Brij Mohan 5/o Shir M. M. Kohli R/o 638, Rang Mchal Ganj Mir Khan, Darya Ganj, Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd November 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/4-82, 140—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. XVI/2368, Gali No. 14 situated at Beadonpura now known as Dashmeshapura, Karol Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Daljit Kaur Anand w/o Shri Ravinder Singh Anand R/o 3329, Ranjit Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thill have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

House No XVI/2368 Galı No 14, Beadonpura now known as Dashmeshpura, Karol Bagh, Delhi Mg 227 sq. vds

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

Seal

FORM ITNS ---

(1) Smt. Daropti Devi w/o Jai Dev r/o 1137, gali No 10, Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohai Lal Popli 3/o Raja Ram r/o 1137, gali No. 10, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/146.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 1137, Gali No. 10, situated at Naiwala Karol Bagh N. Delhi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on April. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

42-396GI|82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1137, mg. 117 sq. yds. kh. No. 1066, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1
Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

Soal:

FORM-ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23th November 1982

Rcf. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/147.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-208, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pyare Mohan Wahi r/o 11-A, Saket Colony, Ispat Housing Society Katulbode, DURG. Shri Ravinder Mohan Wahi r/o 9A/41, Sector 7, Bhilai. Shri Surinder Mohan Wahi r/o S.U. 797 c/o 56 A.P.O., Shri Ramesh Wahi r/o FCN & VE, MCT E, Mhow., Smt. Kaushalya Rani r/o 11-A, Saket, Colony, Katulbode, DURG, Mrs. Saroj Jaggi r/o G-1, Phase-I, Ashok Vihar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Kapur, C-208, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-208, Greater Kailash-I, New Delhi, single storeyed house, measuring 300 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-III/4-82/155.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00'- and bearing

No. D/S Flat No. 29, situated at Bhagat Singh Market, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. N. Suri s/o Sh. Dawraka Dass Suri r/o B-32, Nizamuddin East, New Delhi, formerly residing at A-43, Nizamuddin East, New Delhi.

(Transferor)
(2) M/s. A. N. Fashion (India) (P.) Ltd.,
F-29, Bhagat Singh Market,
New Delhi through its Managing Director
Shri Ashwani Soni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other porson interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built double storeyed flat No. 29, Bhagat Singh Market, New Delhi mg. about 772 sq. ft.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

M/s. Mohan Exports India Private Ltd., Community Centre, Zamrudpur, New Delhi.

(2) Shri Bir Kumar Nowlakha, E-12, NDSE Part-II, Market, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/156.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No B-55, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed Bungalow No. B-55, Greater Kailash-I, New Delhi built on plot measuring 1000 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

New Delhi.

(2) M. L. Mehra s/o Sh. S. D. Mehra

(1) Shri Arun Mittal s/o Shr Vi B. Mittal 1/o A-3, Greator Kallash Enclave-1,

Ptni; Paradise Home Builders, Nehru Place,

(Transferor)

(2) M. L. Mehra s/o Sh. S. D. Mehra r/o S-241, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/170.—Wheream I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. I, Prop. No. M-219, situated at Greater Kailash-II, N. Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. I, Prop. No. M-219, Greater Kailash-II. New Delhi (G.F.).

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range I Delhi/New Delki

Date: 22-11-1982

Scal :

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGEJ.

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHJ.

New Delhi, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/4-82/173.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-275, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Suvarsha Jasuja, E-275, Greater Kailash-II, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Chaman Lal Syat 2. Smt. Sushila Syal, r/o E-275, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period capires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Built-up property being 2½ storeyed bearing No. E-275, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 237 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 22-11-1982

Sont :

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 25th November 1982

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/5-82/345.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

HS/12 situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Mrs. Santosh S. P. Singh A/7, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Madan Lal

2. Mr. Surinder Kumar

3. Mr. Balkishan

 Mr. Chaman Lal &
 Smt. Darshana Chopra c/o Anupama Sweets, HS/12, Kailaah Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. HS/12, Kailash Colony, New Delhi Mg. 195 Sq. Meters.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/4-82/9106,---Whereas I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1-C/H-26, situated at New Rohtak Road, Karol Bagh, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Delhi on April, 1982.

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Amar Singh Bhalla a/o late Sh. Bawa Rattan Chand r/o 1/2, West Patel Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Sardar Dalip Singh s/o Sardar Dayal Singh r/o 65/47, New Rohtak Road, Delhi.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storeyed House No. 1-C/H-26 (1-C/H-26), New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi, area of Mouza Bagh Raoji, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 19-12-1982

FORM LT.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 9th December 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/4-82/9109.--Whereas I. SUDHIR CHANDRÁ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. C/15, situated at Wazirpur Indl. Area, Wazirpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- Sh. Rehmat Elahis /o Sh. Noor Elahi Prop. M/s. Rehmat Elahi & Sons.,
 C 15, Wazirpur Indl. Area, Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Suresh Kumai s/o Sh. Chela Ram r/o C/48, Rajouri Garden, N. Delhi, & Smt. Kaushalya Devi w/o Sh. Rehari Lal r/o J-172, Rajourl Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explre later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

90/100 share of lease hold plot No. C/15, Wazirpur Indl. Area, Wazirpur, Delhi, measuring 617.9 sq yds.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-12-1982

Seal .

43-396GI 82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 29th November 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/4-82/9126.—Whereas I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 422, 423 situated at Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Ward No. 2, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Roop Narayan Kapoor s/o Shri Jagat Narayan Kapoor r/o 423, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi-110006.
- (2) Sh. Raj Kumar Mehrotra s/o Shri Mohan Lal Mehrotra, at present at 423, Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3 share in property No. 422, 423 mg. about 82 sq. yds. out of 122 sq. yds., situated at Kucha Brij Nath, Chandni Chowk, Ward No. 2, Delhi-6.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 29-11-82

FORM LTNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9130.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1, situated at Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any lacome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Bhim Sain Gulati 8/0 Sh. Goverdhan Lal r/o D-1, Adarsh Nagar, Delhi through his G.A. Bhagwan Sarup.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Shrimati Devi w/o Sh. Chhajju Mal and Sh. Chhajju Mal s/o Sh. Behari Lal r/o D-1, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-1, Hakikat Rai Road, Adarsh Nagar Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9133.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 93/27, situated at Lal Bldg., Dori Walan, New Rohtak Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Om Parkash, Subhash Chand, Vijay Kumar through G. A. Mulakh Raj Mureja r/o B-1/10, Tibia College, K. Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Devi, Gulzari Devi, Sakhi Chand r/o XIV/11284, Dori Walan, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 93/27 Block 68-A, Mpl. No. XIV/11284, Lal Building, Dori Walan, New Rohtak Road, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1982.

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9143.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at East Avenue Market, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamla Manchanda w/o Sh. Yoginder Sent Manhanda r/o 36821/41, Shabi Market, Mori Gate Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mulakh Raj s/o Sh. Banarsi Duss. Sh. Banarsi Dass s/o Jagan Nath Subhash Chaud s/o Banarsi Dass, Sh. Rattan Lal s/o Sh. Banarsi Dass r/o 2677/8A, Paharganj, New Delhi.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 22, East Avenue Market, Punjabi Bagh, Delhi, measuring 142 sq yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1I, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 30th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9144.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

H. No. 9091 (GF), situated at Gali Zamir Wali, Nawab Ganj, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Smt. Ganga Devi w/o Sh. Chhaggan Mal r/o 9739, Gali Neem Wali, Nawab Ganj, Pul Bangash, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Roop Rani w/o Sh. Banarsi Lal r/o 9091, Gali Zamir Wali, Nawab Ganj, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 9091 (GF), situated in Gali Zamir Wali, Nawab Ganj, Delhi, with the land mg. about 101 sq. yds. under the said house.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 30-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR
C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-J/4-82/9146,—whereas, 1, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1051, situated at Main Bazar, Bazar Sita Ram, Delhi-110006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt, Janki Devi w/o Sri Gopal Bihari Lal Mathur r/o 19/2B, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahender Kumar Jain 5/0 Sri Ram Jain 1/0 113, Darya Ganj, New Delhi, Ram Kishan Sharma 5/0 Shri Mitthan Lal Sharma 1/0 2660, Hinduwara, Bazar Sitaram, Delhi, Sh. Prem Chand Jain 5/0 Mukat Lal Jain 1/0 3131-A, Hinduwara, Bazar Sitaram, Delhi, Sri Ram Sharma 5/0 Hari Ram Sharma 1/0 3274, Lal Darwaza, Bazar Sitaram, Dinesh Gupta 5/0 P. D. Gupta Advocate 1/0 3704, Charkhewalan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 1051, Main Bazar, Bazar Sita Ram, Delhi-110006.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 8-12-1982

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9149.—Whereas, I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-335, situated at Majlis Park, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satnam Singh s/o Sh. Harbans Singh, 1/0 C-335, Majlis Park, Delhi-33.
- (2) Sh. Swaran Jit Duggal s/o Tirath Ram Duggal r/o B-372, Majlis Park, Delhi-33.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-335, Majlis Park, Delhi, mg. 111 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9158.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 3778 and 3779 situated at Kucha Muattar Khan, Mori Gate. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection "(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44--396GI/82

(1) Smt. Binila Devi w/o Sh. Chandi Pershad s/o Pt. Joti Pershad 1/o 3544, Sector 35-D, Chandigarh presently at 3881, Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri L. Bhagwan Dass s/o Sh. Sunder Lal & Smt. Sharda Devi d/o Shri Ram Sarup w/o Sh. Chhote Lal r/o C-57, Bhajan Pula, G. T. Road, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. 3778 & Property No. 3779 mg. 445 sq. yds. at Kucha Muattar Khan, Mori Gate, Delhi.

SUDHIR. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 29-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9162.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-13/7 situated at Model Town, Delhi-110009 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any accome aroung from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Sita Devi w/o Ishwar Dass r/o D-13/7, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Gupta w'o Ved Pal Gupta r/o D-12/I, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-13/7, Model Town, Delhi-110009.

SUDHIR CHANDRA
Competent Autho.ity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 10-12-1982,

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st December 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7054.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more' fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jallu s/o Mangtu r/o Nangli Sakrawati, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Khanna s/o J. C. Khanna r/o C-42, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, sha'l have the same invaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 9 b'ghas 8 biswa, khasia No. 31/5/1 (4-12) & 4 (4-16), Vill. Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-12-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st December 1982

Ref No. IAC/Acc.II/SR-II/4-82/7058 —Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Agr. land situated: at Vill. Nangli Sakrawati, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jailu s/o Mangtu r/o Nangli Sakrawati, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Anup Singh s/o Jallu r/o Nangli Sakrawati, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land 11 bighas 2 biswa, kh. No. 16/12, 18/2, 19/1, 34/7/2 situated in ilvl. Nangli Sakrawati, Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 1-12-1982.

FORM 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th December 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7072.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bamnauli, Teh. Meh., Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Shii Ram 5,0 Bhag Mal 1/0 Village Bamnauli New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Badam Singh 5/0 Shri Ram 1/0 village Bamnauli, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hv any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agr. land khasta Nos. 148 min (2-6), 361 (4-16), 373 (6-14), 375 (4-16), 376 (4-16), 377 (0.4), 378 (2-6), 379 (4-16), 380 (4-16), situated in village Bammanli, Ich. Meh, Delbi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date: 8-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, G-13 GROUND FLOOR C. R. BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/4-82/7174.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sail Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Agr. land situated at Vill. Berwala, Delh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jai Kishan s/o Smt. Phullo r/o VPO: Barwala, Delhi.

(Transferor)

(2) Master Sandeep & Pardeep minor ss/o Sh. Jai Kishan and Smt. Savitti Devi w/o Sh. Jai Kishan all r/o Barwala, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 26 bighas 7 biswas of village Barwala, Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-11-1982.

Scal:

FORM LT.N.S.--

NOTICI UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 18th November 1982

CR. No. 62/34872 82-83/ACQ-B—Whereas I, MANJU MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Incometex, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market—value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12/1, 16/1 (New) situated at Race Course Road, Bangaloic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 703/82-83 on 5-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri U. N. Ramdas Ballal No. 12/1/16, Race Course Road, Bangalore. (Transferor)
- (2) Shri N. G. Kothare
 No. 12/1, 16/1, 1 Floor, Race Course Road,
 Bangalore
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicut on of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapter NVN of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 703/82-83 Dated 5-5-82)

All that property bearing No. 12/1, 16/1 (New), R.C. Road. Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisit.on Range, Bangalore

Date: 18-11-1982

FORM 1.1.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 16th November 1982

C.R. No. 62 34326/82-83/ACQB.—Whereas, I.

MADHAVAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 1648/4, New No. 1, 1468/6 New 1/1, 1648/6 New No. 1/8, 1648/6 New No. 1/3 & 1648/6 New No. 1/9 situated at Old Bank Road, Mysore

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore under document No. 93/82-83 on 3-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons, namely :--

(1) Shri C. P. Manjunda Shetty, D. No. 94, 7th Main Road, Jayalakshmi Puram, V. V Mohalla, Mysore,

(Transferor)

(2) St. Azeez Sait S/o Late Sattar Abba Sait No. 6, Model House Temple Road, Jayalakshmipuram, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 93/82-83 Dated 3-4-82)

All that property bearing Nos. 1648/4 New No. 1, 1648/6 New No. 1/1, 1468/6 New No. 1/8, 1648/6 New No. 1/3, & 1648/6 New No. 1/9 situated at Old Bank Road, Mysore.

MANIU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 10th November 1982

C.R. No. 62/34914/82-83/Acq/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 21/1, situated at M.G. Road, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivaji Nagar, under document No. 547/82-83 on 24-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
45—396GI/82

 Smt. Rama Prakash, D/o Dr. Prem Prakash, No. 66, Marine Drive, Bombay-400 020.
 Sr. Rajiv Bhateja, S/o Amrit Bhateja, Bridge Street, Bangalore-25.

(2) Shri Jimmy Ratanji Nazar, No. 5, Framrose Court, Marine Drive, Bombay-400 020.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 547/82-83 Dated 24-4-1982) All that property bearing No. 21/1, situated at M.G. Road, Bangalore-1.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th November 1982

C.R. No. 62/35670/82-83/ACQ/B.—Whoreas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

188. situated at Defence Colony, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar under Document No. 1252/82-83 dated 5-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohamed Jamal S/o Sri Abdulla Jamal, Reptt by his P.A. holder and brother Sulaiman Jamal, No. 621, Banswadi Lay-out, IInd stage, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferor)

(2) Shrimathi Mumtaz Reddy, w/o Shri R. R. Reddy, "Usha Kiran", Flat No. 404, 4th Floor, Haudin Road, Ulsoor, Civil Station, Bangalore-560 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1252/82/83 Dated 5-4-1982)
All that property bearing No. 188 situated at Defence Colony (formerly known as Binnamangala Lay-out) now called Indiranagar, Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bengalore

Date: 17-11-1982

(1) Shri K. Narasimha Reddy, No. 48, Binnamangala IInd Stage, Banaswadi Lay-out Extn., Bangalore-38.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) (2) Shri M. Bhaskara Reddy, No. 341, IInd Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

may be made in writing to the undersigned-

whichever period expires later:

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th November 1982

No. C.R. 62/34349/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'enid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value axceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at Binnamangala IInd Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 245/82-83 on 22-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Registered Document No. 245/82-83 Dated 22-4-1982) All that property bearing No. 48, situated at Binnamangala Hnd Stage, Banaswadi Lay-out Exten., Bangalore-38.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 17-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th November 1982

C.R. No. 62/34354/82-83 Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2/1, situated at Midford Gardens, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 287/82-83 on 26-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. V. Prasanna Kumar No. 2/1, Midford Gardens Civil Station Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchala Kumari Smt. Amrit Kumari & Smt. Shakunthala Kumari, No. 555, B. B. R.oad, Alandoor, Madras-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 287/82-83 Dated 26-4-82)
All that property bearing No. 2/1 situated at Midford Gardens, Civil Station, Bangalore-560001.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-11-1982

Scal:

FORM J.T N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 19th November 1982

C.R. No. 62/34871/82-83/ACQ-B—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the mid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20/27, situated at IV Temple Road, Malleswaram, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 695/82-83 on 27-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. S. Channambika & Others, 20/27, IV Temple Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Vishwanath Deshpande s/o Panduranga Rao, Thana Kushnoor, Bidar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 695/82-83 Dated 27-5-82) All that property bearing No. 20/27, IV Temple Road, Malleswaram, Bangalore-43.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-11-82

Seat:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 16th November 1982

C.R. No. 62/34910/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, situated at North Road, Cooke Town, Bangalore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar under document No. 493-82-83 on 19-5-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. E. P. Bird, No. 38, Ashoka Road, Cooke Town, Bangalore-84.

(Transferor)

(2) Mr. Robert Hoseph, No. 31, Brigade Road, Bangalore-25.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 493/82-83 Dated 19-5-82) All that property bearing No. 12 situated at North Road, Cooke Town, Division 49 Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 13th August 1982

C.R. No. 62/446/82-83 Acq./B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 42/2 situated at Holli Halli, Taluk: Ranebennur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ranebennur Under Document No. 87/82-83 on 21-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parameter of Scotlon 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karibasappa Mallappa Byadagi. Ranebennur.

(Transferor)

(2) Smt. Sarojamma, W/o Shri Chandrasekharappa, Huchagondar, Head Master, Rajeshwari High School, Ranebennur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 87/82-83 Dated 21-4-1982]
Property bering No. R.S. No. 46/2 situated at Holli Halli,
Taluka: Ranebennur,

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th August 1982

Notice No. 447/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 74 situated at Super Market Gulbarga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Gulbarga Under document No. 114/82-83 on April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any 'income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namel;

- (1) The Executive Engineer,
 P.W.D., Gulbarga Division Gulbraga.
 on behalf of the Governor of Karnataka.
 (Transferors)
- (2) M/s. Ramesh Dresses, While Sale Ready-made and Cut Piece, Merchant, Fort Road, Gulbarga.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 114/82-83 dated April 1982.] Plot No. 74 situated in the Supermarket area Gulbarga.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-8-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 13th August 1982

Notice No. 448/82-83.—Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 3378/B. situated at National High Way P. B. Road, Haveri.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveri Under document No. 14 on 2-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--46--396GI/82

(1) Smt. Parvathibai W/o Shri Shankarappa Bulgannanavar, Davanagere.

(Transferors)

(2) Shri Yellappa Veerappa Tonkada, Fertilizer Merchants, Near Bus Stand, Haveri.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saidl immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 14/82-83 Dated 1-4-1982]. Property bearing C. S. No. 3378.B situated on the National High Way Poona Bangalore Road, Haveri.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 13-8-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 27th November 1982

C. R. No. 62/34339/81-82.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and

bearing No.

Sy No. 32 situated at Pattandur Agrahara Village, White-field Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk Under document No. 97/82-83 on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pamela Mathias No. 30, St. Marks road, Bangalore,

(Transferors)

- (2) Shri S. Venkataramaiah
 No. G.-8, Alembic glass colony, whitefield, B'lore.
 2. Mr. Ramaseshaiah, No. G. 9.
 Alembic glass colony, whitefield.
 - Mr. M. V. Somashekat, No. 14, Main road, whitefield, Bangalore.
 - 4. Mrs. Sunitha Gupta, No. G-3, Alembic glass colony, While Field, Bangalore.

 (Transferees)

•

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 97/82-83 dated 30-4-82) All that property bearing Sy. No. 32, situated at Pattandur Agrahara Village, Whitefield Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated: 27-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1982

C. R. No. 62/35621/82-83[ACQ-B.--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 586/7/5 situated at 8th Cross, Malleswaram B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar under document No. 1192/82-83 on 8-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. Narayana Kamath N. T. Road, Shimoga

(Transferois)

- (2) Shri H. Devendra Rao,
 - 2. Sri H. D. Ramesh
 - 3. Sri H. D. Satyanarayana
 - 4. Sri H. D. Girish, No. 171/1, Kilari road, B'lore-5600053.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1192/82-83 dated 8-7-82) All that property bearing No. 586/7|5 situated at 8th Cross Malleswaram Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-82.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th November 1982

C. R. No. 62/34827/82-83|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Sy. Nos. 149/1, 152/14, 152/29A, 151, 152/6, 152/10, 152/8, 152/13, 150|2, 150|3, 150|4, 150|1, 152/5, 152/4 situated at Kumboor village, Somwarpet Taluk N. Coorg District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mercara under document No. 25,82-83 on 8-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Parvathy Mandanna W/o Late Mandanna & two others Kumboor Village, Somwarpet Taluk Kodagu District.

(Transferors)

(2) Shri K. K. Thyagarajan S/o. Sri K. K. Kunju Kunju & 4 others Sabitha, S. No. Park road, Cannanore District, Kerala State

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 25/82-83 Dated 8-4-82)
All that property bearing Survey Nos. 149/1, of 6.74 acres
152/14 of 3.30 acres152/29A of 0.56 acres (wet) (Bane)
151 of 4.06 acres (wet), 152/6 of 0.70 acres, 152/10 of
1.60 acres, 152/8 of 0.12 acres, 152/13 of 2.44 acres, 150/1
of 1.64 acres, 150/3 of 1.74 acres, 160/4 of 0.66 acres,
150/1 of 3.40 acres (Bane) of 0.30 acres (House site)
152/4 of 0.44 acres (Bane) situated at Kumboor Village,
Somwarpet Taluk, N. Coorg Dist.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 30-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-5600001, the 25th November 1982

C. R. No. 62/34364/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

671, situated at West of Chord road, II Stage, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajajinagar under document No. 503/82-83 on 28-4-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri B. S. Prasanna
 P. A. holder of Sri K. N. Ramaswamy,
 No. 503, Rajmahal Vilas Extn.
 Bangalore-6.

(Transferors)

(2) Smt. R. P. Shanthini No. 66, Hutchins road East, Bangalore-5.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 503/82-83 Dated 28-4-82) All that property bearing No. 671, situated at West of Chord road II stage, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-11-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/352.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 share of Property No. 2259/2 situated at Inside Gate Mahan Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Raj S/o Shri Dewan Chand r/o Sonepat, Distt. Rohtak, Through Sh. Thakur Dass S/o Sh. Ladha Ram, General Atto ney. (Transferor)
- (2) Shri Behari Lal \$/o Shri Ladha Ram, R/o Gali No. 3, Sharifpura, Amritsar.

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. 2259/2, situated at Gate Mahan Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1785 dated 23-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982 Ref. No. ASR/82-83/353.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/3 share of Property No. 2259/2 situated at Inside Gate Mahan Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Amritsar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Raj S/o Shri Dewan Chand r/o. Sonepat, Distt. Rohtak, Through Sh. Thakur Dass S/o Sh. Ladha Ram. General Attorney. (Transferor)
- (2) Smt. Raj alias Smt. Raman Wasan W/o. Shri Chander Prakash, r/o Hiwari, Distt. Bikaner. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. 2259/2, situated at Katra Mahan Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1795 dated 25-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-1982.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/354.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3 share of Property No. 2259/2 situated at Inside Gate Mahan Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Raj S/o Shri Dewan Chand r/o. Sonepat, Distt. Rohtak, Through Sh. Thak Dass S/o Sh. I adha Ram. General Attorney.
- (2) Smt. Amar Kaur W/o Shri Thakur Dass, Gali No. 3 Sharifpur, Amritsar.
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of property No. 2259/2, situated at Katra Mahan Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1784 dated 23-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 3-CHANDER PURI. TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/355.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property No. 8464 situated at Kot Baba Deep Singh, Amritsar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Afmitsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--47—396GI/82

(1) Smt. Soma wd/o Sh. Jetha Singh & Smt. Dhanwant Kaur d/o Sh Jetha Singh, Amritsar.

(2) Shri Vijay Kumai S/o Shii Ram Murti, 1/o Gali No. 3, H No 3683, Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property

(4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of property No. 8464 situated at Kot Baba Deep Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1136 dated 15-4-82, of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 27-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/356.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property No. 8464 situated at

Kot Baba Deep Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt, Soma Wd/o Sh Jetha Singh & Smt Dhanwant Kaur D/o Sh. Jetha Singh R/o Gali No. 3, Guru Ram Dass Nagar, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Surinder Kumar S/o Sh. Ram Murti, Guru Ram Dass Nagar, I/S Sultanwind Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(One fourth) 1/4th share of property No. 8464 situated at Bazar Kot Baba Deep Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1135, dated 15-4-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/357.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. One property No. 8464 situated at Kot Baba Deep Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; azd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Soma Wd/o of Sh. Jetha Singh & Dhanwant Kaur D/o Sh. Jetha Singh, R/o Guru Ram Dass Nagar, Amritsar Gali No. 3 H. No. 3683.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Ram Murti, Gali No. 4, Guru Ram Dass Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 8464, situated at Kot Baba Deep Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1134 dated 15-4-82, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/358.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property at Amritsar situated at

Duni Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Surindervir Wadhawan
 D/o Sh. Vir Raghbir Singh, R/o 48-M-6,
 Greater Kailash, New Delhi Through Smt. Vir
 Raghubir Singh Uraf Dalbir Kaur Wd/o
 S. Raghubir Singh uraf Vir Raghubir Singh.
 (Transferoi)
- (2) Sh. Manmohan Singh S/o Sh. Surjan Singh, 38, White Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 166.66 sq. yds., situated at Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2223 dated 28-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 27-11-82

A 11

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83 '359.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property in Amritsar situated at

Duni Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Jinni Chowdhary alias
 Jatinder Bir D/o Sh. Bir Raghubir Singh,
 R/o 48-M-6 Greater Kailash, New Delhi
 Presently R.B. Duni Chand Road, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Smt. Parminder Kaur W/o Sh. Manohar Singh, R/o Bahadur Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 166.66 sq. yards, situated at Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 2222 dated 28-4-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/360.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land in ASR situated at

265, Ajıt Nagar, Amrıtsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Gurbachan Singh S/o
 Sh. Dayal Singh R/o Vill. Kokari Kalan,
 Teh. Moga, Distt. Faridkot, Through Sh. Ram Singh
 S/o Sh. Amir Singh R/o Mohan Nagar, General
 Attorney.
 - (Transferor)
- (2) S/Shri Harjeet Singh Lal, Kamaljit Singh Lal, Harpal Singh Lal & Manmohan Singh Lal, sons of Shri Sadhu Singh, Shri Bhagvınder Singh Lal, Arvinder Singh sons of Sh. Rattan Singh, R/o Bazar Lakkar Mandi, Katra Jallianwala, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 265, measuring 295.24 sq. yds., situated in Ajit Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1701 dated 21-4-82 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date 22-11-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 27th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/361 —Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

One propery No. 199 situated at

Khem 'Karan Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Maninder Singh S/o Shri Jaswant Singh R/o Chowk Chabutra, Gilwali Gate, Amritsaı .

(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur W/o Shri Charanjit Singh R/o 2454, Gali Rahl Maju, Bazar Gujjran, Chowk Chabutra Wala, Amritsar

(Transferec)

- (3) As at S. No 2 above and tenants, if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 200 sq. yards, situated at 199 Khem Karan Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1625 dated 21-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Amritear

Date: 27-11-1982 Seal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/362.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

One property No. 670/IX-4, situated at

Katra Karam Singh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kapur Cotton Waste Co. (Regd.).
Katta Karam Singh,
Amritsar
Through:
S/Shri Ram Murti, Sham Sunder, Jangi Lal,
Sita Ram and Hina Lal, sons of Shri Biroo Mal.
(Transferor)

(2) M/s. Rattan Lal Roshan Lal R/o Bazar Bajrang, Katra Karam Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 670/IX-4, measuning 99.5 sq. yards, situated at Nai Sarak, Katra, Karam Singh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 2320 dated 30-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritage

Date: 22-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/363.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Anandpur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—396G1/82

 Shri Hans Raj S/o Malava Ram S/o Shri Shardha Ram R/o Jandrian Mohalla, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Kumar S/o Shri Ram Rattan S/o Shri Wadhava Mal, R/o Saingarh, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. above and tenants, if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Kanals, 13 Marlas, situated at Anandpur, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 308 dated 29-4-1982 of the Registering Authority, Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 25-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/364,—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Agricultural land situated at Village Anandpur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Pathankot in April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hans Raj S/o Malava Ram S/o Shri Shardha Ram R/o Jandrian Mohalla, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Jag Bhushan Attri S/o Shri Milkhi Ram Attri, R/o 4-D, Patel Marg, Ghaziabad (U.P.).

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 Kanals, 9 Marlas, situated at Anandpur, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 307 dated 29-4-1982 of the Registering Authority, Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 25-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 25th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/365.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at

Viliage Anandpur, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Pathankot on in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hans Rej S/o Shri Malava Ram S/o Shri Shardha Ram R/o Jandrian Mohalla, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Jag Bhushan Attri S/o Shri Milkhi Ram Attri, R/o 4-D, Patel Marg, Ghaziabad (U.P.)

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Kanals, 13 Morlas, situated at Anandpur, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 309 dated 29-4-1982 of the Registering Authority, Pathankot.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 25-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 18th November 1982

Ref. No. ASR/82-83/366.—Whereas, I.

ANAND SINGH, IRS., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Pathankot situated at

Gurdaspur Road, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S.R. Pathankot in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, "or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt, Asha Bharti Wd/o Shii Raghubir Dhatt Bharti. Opp. Saraswati School, Moh. Sahibzadian, Pathankot.

(Transferor)

(2) M/s. Bedi Service Station, Gurdaspur Road, Pathankot.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any. (Persons in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 14 Marlas, near M/s. Bedi Service Station, Gurdaspur Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 185, dated 20-4-82 of the Registering Authority, Pathankot.

> ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritaar

Date: 18-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/367.—Whereas, I. ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing

One property No. 14-C, situated at Dayanand Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ranjana Khanna
Wd/o Shri Kewal Krishan,
Smt. Anila Khanna
D/o Kewal Krishan,
Smt. Rashmi
D/o Kewal Krishan and
Smt. Sangeeta
D/o Kewal Krishan,
Through:
Shri Viay Khanna, General Attorney,
R/o 14-C Dayanand, Nagar,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Janak W/o Shri Ram Chand, R/o Lawrence Road, 1-C Braham Nagar, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenants, if any.

 ((Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 230 sq. yards, situated at 14-C Dayanand Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6628 dated 9-7-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date: 22-11-1982

Seal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritar, the 22nd November 1982

Ref. No. ASR/82-83/368.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property No. 14-C, situated at Dayanand Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Amritsar in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ing persons, namely:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afarcastic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Smt. Ranjana Khanna
 Wd/o Late Kewal Krishan Khanna,
 Smt. Anila Khanna
 Smt. Rashmi Manchanda
 Smt. Sangeeta Mehra,
 D/o Late Kewal Krishan Khanna,
 R/o 14-C Gali No. 2, Dayanand Nagar,
 Amritaar.
 Through Sh. Vijay Khanna Mukhtar

(Transferor)

(2) Smt. Vandana W/o Nand Kishore, R/o 1-G Braham Nagar, Amritsar

(Transferce)

- (3) As at Si. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property measuring 248 sq. yards, situated at 14-C Dayanand Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6790 dated 13-7-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritaar

Date: 22-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Jalandhar the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3627.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As Per Schedule situated at Kadianwali Teh. Jalandhar

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandbar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforegaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Didar Singh S/o Piara Singh V. Kadianwali Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Shiv Raj W/o Chaman Lal R/o New Jawahar Nagar, Jalandhar and Chaman Lal S/o Sadhu Ram.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 12 of April, 1982, of the Registering Authority, Islandhar

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1982

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3628.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kadianwali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Santokh Singh S/o Piara Singh, R/o V. Kadian Wali, Teh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Shiv Raj W o Chaman Lal 'R/o New Jawahar Nagar, Jalandhar and Sh. Chaman Lal S/o Sadhu Ram

(Transferee)

- (3) As S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registration sale deed No. 11 of April, 1982, of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax,
Acquisition Runge,
Jalandhar.

Date: 2-12-1982

FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3629.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Gur Teg Bahadur Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

49---396GI/82

(1) Shri Hotu Ram S/o Neb Ra; through General Attorney Sh Joginder Singh t/o 71-Avtar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh S/o Amolak Singh 1/0 House No. 192, V. Bootan Teh. Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows to to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 61 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. 3630.—Whereas, I, J. D. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the incorpe-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovnoperty having a fair market value exceeding

No. as per schedule

Situated at Gur Teg Bahadur Nagar

(and prore fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Hotu Ram S/o Neb Raj through General Attorney Sh Joginder Singh r/o 71 Avtar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Rachhpal Kaur W/o Baldev Singh, 192, V. Bootan Teh. Jalandhar. House No.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 75 of April, \$2 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. 3631 —Whereas I, J. L. GIRDHAR. 269B of being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Wanana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Re Istration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Lal Chand S/o Bhula Ram, r/o 615, Model Town, Jalandhar, (Transferor)

(2) M/s. Jai Bharat & Trading Co., Rice Mills Kapurthala Mandi.

(Transferee)

(3) As S No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 146 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3632.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Kingra

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer

et Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Chanan Kaur Mother of Joginder Singh S/o Kartar Singh, V. Gurah Tehsil Nakodar. (Transferor)
- (2) Shri Hadyal Singh S/o Harnam Singh r/o V. Saidpur Teh. Sutanpur Distt, Kapurthala and Dr. Joginder Singh S/o Gopal Singh R/o V. Amir Khas Distt. Ferozepur,

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale doed No. 150 of April, 82 of the Registring Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. 3633—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Kadianwali,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) Didar Singh S/o Piara Singh r/o V. Kadianwali Teh Jalandhar. (Transferor)
- (2) Smt. Shiv Raj W/o Chaman Lal r/o New Jawahar Nagar, Jalandhar. Sh. Chaman Lal S/o Sh. Sadhu Ram.

(Transferee)

(3) As S No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 183 of April. 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandher, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3634.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/as per schedule situated at Kadianwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Santokh Singh S/o Piara Singh r/o V. Kadianwali Teh, Jalandhar.

(Transferor) (2) Shrimati Shiv Raj W/o Chaman Lal r/o New Jawahar Nagar, Jalandhar and Chaman Lal S/o Sadhu Ram.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 184 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pornous, namely:-

Date: 2-12-82

Seel

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3635.—Whereas, I J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any meome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Harnam Kaur Wd/o Bhagat Singh r/o V. Ramidi Distt. Kapurthala

(Transferor)

(2) M/s. Hans Raj & Sons Pvt. Ltd. G. T. Road, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registeration sale deed No. 191 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

FORM NO ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No 3636.--Whereas, I J. I., GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Shir Ham Pal Singh Stu Ulgar Singh V Kingra Teh, Jalandhai

(Transferoi)

- (2) Shri Vijay Kumai S/o Sh. Behari Lal R/o Street No. 12, Kishan Nagar, Jalandhar.
 - (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale leed No. 195 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jelandher

Date 2-12-82

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3637.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. as per Schedule situated at Village Wariana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

50-396GI/82

(1) Shri Mangoo Ram S/o Shri Bhulla Ram R/o 615, Model Town, Jalandhar General Attorney of S/Shri Salig Ram & Sat Pal Ss/o Mangu Ram.

(Transferor)

 Radha Traders, Kapurthala through Sh. Bua Ditta.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 382 of April, 82 of the Registering Authority, Ialandher.

J. (. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-82

(1) Atma Singh S/o Chanan Singh R/o I, Link Road, Model Town, Jalendhar.

(Transferor)

Shri Joginder Singh S/o Munsha Singh R/o V. Jhawan, Distt. Hoshiarpur,

(Transferee)

(3) As s. no. 2 above

(Person in occupation of the Property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. 3638.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing market

No. as per schedule situated at Mota Singh Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 412 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar,

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3639.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at V. Wariana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act (1908 16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Malkiat Singh, Inderjeet Singh Ss/o Shri Surat Singh Self and Mukhtiar-ai-am of Smt. Raj Kumari alias Raj Rani D/o Shri Surat Singh, R/o V. Wariana Teh. Jalandhar, and for Swarag Rani urf Swarag Devi and Parvinder Kumari Urf Parvinder Kaur Ds/o Shri Surat Singh.
- (2) Smt. Shiv Raj Rani Sehgal W/o Shri Mohan Lal Sehgal, R/o NF-132, Qila Mohalla, Jalandhar.

(Transferee)

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,

 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 516 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Aiquisition Range, Jalandhar.

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

. Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. 3640.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Schedule situated at V. Wariana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- S/Shri Malkiat Singh, Inderjeet Singh Ss/o Shri Surat Singh Self and Mukhtiar-ai-am of Smt. Raj Kumari alias Raj Rani D/o Shri Surat Singh, R/o V. Wariana Teh. Jalandhar, and for Swarag Rani urf Swarag Devi and Parvinder Kumari Urf Parvinder Kaur Ds/o Shri Surat Singh.
- (2) Smt. Roop Rani W/o Shri Ram Parkash Kapur R/o N.E. 120, Mohalla Sehglan, Jalandhar.

(Transferec)

(Transferor)

- (3) As S. No. 2 above.
 - (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 519 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Alquisition Range, Jalandhar.

Date : 2-12-1982 Seal :

FORM !TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3641.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at V. Khurla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ranbır Singh S/o Shri Bahadur Singh and S/Shri Amarjıt Singh Gurjit Singh Ss/o Shri Ranbir Singh through General Attorney Shri Harjinder Singh Near Sasta Iron Store, Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh Gill S/o Shri Kundan Singh, Fauji Colony, Bagpur, Distt Namital

(Transferee)

(3) As S No. 2 above
(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULI

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 576 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar

J L GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Aiquisition Range, Jalandhar

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the itorestad property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 2-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D-(I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSSTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3642.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. hs per Schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Hari Pal Singh S/o Shri Ujagar Singh R/o V. Kingra Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Surjit Singh BainsS/o Dr. Pritam Singh,R/o 106 Green Park, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 640 of April, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-1982

Sent :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHΛR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3643.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Mariana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in April 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as

agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Mangu Ram S/o Bhula Ram General Attorney of Salig Ram Sat Pal Ss/o Mangu Ram 1/o 615, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna Wati Wd/o Om Parkash, r/o V. Sarai Khas, Tch. Jalandhai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 651 of April, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUSITION RANGE, IALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3644.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a 1ain market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. As per Schedule situated at V. Khurla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jalandhar in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gurdial Singh and Swaran Singh Ss/o Samud Singh r/o V Khurla, Teh. Jalandhar,

(Transferor)

(2) The Mahalakshmi Co-op. House Building Society Ltd., C/o The Jalandhar Marble Co. Nakodar Road, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 657 of April 1982 of the Registering Authority, Ialandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th December 1982

Ref. No. A.P. No. 3645.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—396GI/82

(1) Shir Fatch Pal Singh \$70 Shir Surinder Singh, R/o Moh. Satnani Pura, Phagwara, through Shir Vinod Kumar.

(Transferor)

(2) Shri Kamail Singh Shri Sant Singh R/o Phagwara.

(Transferee)

- (3) As S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 55 of April 1982 of the Registering Authority, Phagwara

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ialandhar

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 4th December 1982

Ref. No. A.P. No. 3646.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No As per Schedule situated at Phagwara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwaru in May 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to such as that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of (1922 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Fatehpal Singh S/o Shri Surinder Singh R/o Phagwara, Moh. Satuan Pura through Yinod Kumar.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/o Shri Uttam Singh, Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 524 of May 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 4th December 1982

Ref. No. A.P. No. 3647.-Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25000/- and bearing No. market

As per Schedule situated at Khawaspur Teh.

Hoshiarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiaipur in April 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bikram Singh Dhillon S/o Sh. Mehar Singh R/o Dhallewal P. S. Phillaur Mukhtiai-a-am Shri Narinder Singh Dhami, Vill. Dagana Kalan Distt, Hoshiarpur. (Transferor)

(2) Shri Surinder Singh S/o Shri Bali Ram and Smt. Kuldip Kaur D/o Shri Surınder Singh R/o Subhash Nagar, Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 418 of April 1982 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar

Date: 4-12-1982

FORM NO. I.T.N.S.~~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3648.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at Wariana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jalandhar in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the inters has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Malkiat Singh, Inderjit Singh Ss/o Surat Singh Self and Mukhtiar-Ai-Am of Raj Kumari Urf. Raj Rani and Parvinder Kumari Urf. Parvinder Kaur, Ds/o Surat Singh r/o V. Wariana, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Chemical and Manufacturing Works, 383 New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No 352 of April 1982 of the Registering Authority Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3649.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing

No. As per Schedule situated at Wariana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Malkint Singh, Inderjit Singh Ssio Surat Singh self and Mukhtiar-ai-Am of Raj Kuman Utf. Raj Rani and Parvinder Kuman utf. Parvinder Kaur Ds/o Surat Singh r/o V. Wariana Teh, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri M's Bhaiat Chemicals and Manufacturing Works, 383, New Jawahar Nagar, Jalandhar.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immuvable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registeration sale deed No 697 of April 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

1. 1. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date 2-12-1982

(Transferor)

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No 3650,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Muktser, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktser in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Recham Lal Doshi and Harbans Lal Verma Ss/o Daulat Ram, R/o Sadar Bazar, Muktsai.
- (2) Shri Jasvir Singh S/o
 Karam Singh R/o V. Begu Distt. Ferozepur
 C/o Khalsa Boot House, Sadar Bazar, Muktsar.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 282 of April 1982 of the Registering Authority, Muktear

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 2-12-1982

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAI ANDHAR

Jalandhar, the 2nd December 1982

Ref. No. A.P. No. 3651.—Wherens, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Muktsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Resham Lal Doshi and Harbane Lal Verma Ss/o Daulat Ram R/o Saddar Bazar, Muktsar.

(Transferor)

- (2) Shri Inderjit Singh S/o Karam Singh R/o V. Begu Distt. Ferozepur C o Khalsa Boot House, Sadar Bazar, Muktsar. (Transferee)
- (3) As S No 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 283 of April 1982 of the Registering Authorty, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 2-12-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th December 1982

Ref. No. A.P. No 2652 - Whereas, I, J L GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mandi Guru Har Sahai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guru Har Sahai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Shi Gurmeet Singh S.o Sh. Guid Naijeet Singh, Smt. Raj Kuman Widow, Nandip Kaur, Mohanbir Kour, Amuthu Kaur Ds/o Sh Guru Narjeet Singh, R/o Han-Ka-Utar, Ferozepur through Guru Haidip Singh, Mukhtiai-i-am.
- (2) Shri Rajiv Kumai S/o Sh. Rattan Lal R/o Guiu Har Sahai, Distt. Ferozepur.

(3) As per Sr No 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned as in the Registration sale deed No. 90 of April, 1932 of the Registering Authority, Guru Har Sahai.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalaudhar

Date: 6-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th December 1982

Ref. No. A.P. No. 3653.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing. No.

As per Schedule situated at Mandi Guru Har Sahai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Guru Har Sahai on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said `Act, to the following persons, namely:—
52—396GI/82

- (1) Shr: Gurmeet Singh S/o Sh. Guru Narjeet Singh, Smt. Raj Kumari Widow, Mandip Kaur, Mohanbir Kaur, Amrit Kaur Ds/o Sh. Guru Narjeet Singh, R/o Han-Ka-Utar, Ferozepur through Guru Hardip Singh, Mukhtiar-a-am. (Transferor)
- (2) Shri Sanjiv Kumar S/o Sh. Rattan Lal R/o Guru Har Sahai, Distt. Ferozepur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazétte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned as in the Registration sale deed No. 92 of April, 1982 of the Registering Authority, Guru Har Sahai.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Little Flower Church Road, Kaloor, Cochin-17.

Sri M. J. Xavier

(Transferor)

(2) Miss Anusha Rep. by Dr. Thomas Varghese Velenteth House, Janath Road, Palarivattom. (Transferee)

Mattupuram House, "Omana Nivas"

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ANAND BAZAR, COCHIN-662 016.

Cochin, the 17th November 1982

Ref. L.C. No. 598/82-83.—Whereas I, V R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 19-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax up for the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8.87 cents of land with a building as per schedule attached to document No. 1394.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acqui ition Range, Ernakulam

Date: 17-11-1982

Seai :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 12th November 1982

Ref. G I.R. No. R-176/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 83 situated at Civil Lines, Mal Godam Road, Chopla, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 8-2-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Madhur Chand
 - 2. Pappu Pisar 3. Sudhir Mohan
 - 4. Viral Mohan
 - 5. Sunil Kumar-Mukhtar-e-aam
 - 6. Smt. Amarwati
 - 7. Smt. Kusum Gupta

(Transferor)

- (2) 1. Ram Asrey Lal
 - Anil Kumar
 Sunil Kumar
 - 4. Bipin Kumar

(Transferee)

(3) Above sellers

(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi measuring 798 sq. yards situated at 83, Civil Lines, Mal Godam Road, Chopla, Batcilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2535, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 8-2-1982 (as per 37G form).

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 15th October 1982

Ref. G.I.R. No. N-50/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1020/3 s.tuated at Vil!—Shahpur-Tigri, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharmatma Saran
- (Transferor)
 (2) New Moradabad (West) Sahkari Avas Samiti Ltd.
 through its Secretary, Thakur Hari Singh.
 (Transferee)
- (3) Above vendee.

 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open land plot No. 1020/3, Khata No. 164, measuring 2.93 d cimals situated at Village-Shahpur-Tigri, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 3"G No. 1345/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Maradabad, on 21-4-82.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 15-10 82

(1) Shri Ravindra Singh Bhadoria

(Transfero

(2) Shri Mirza Muzammil Beg

(3) Above seller.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 3rd July 1982

Ref. G.I.R. No. M-137/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 1600 to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 509/147 situated at River View Cottage No. 2, New Hyderabad, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforecaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Person in occupation of the property)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

One house No. 509/147—Cottage No. 2, measuring 5460 sq. ft. situated at River View Cottage No. 2, New Hyderabad, Lucknow, and all that description of the property which is mentiond in the sale deed and form 37G No. 1722, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 20-4-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 3-7-1982

FORM NO. IT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) ')F THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 9th August 1982

Ref. G.I.P. No. B-103/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 27/2 (Municipal No 552/314) situated at Chander Nagar, Alambagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office

at Lucknow on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

(1) Shrı Tilak Raj Batheja.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Sadana

(Transferee)

(3) Above Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a double storey building No. 27/2 (Munic pal No 552/314), situated at Chander Nagar, Alimbagh, Lucknow (measuring 1724 of ft) and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and from 37G No. 1628-82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar Lucknow, on 15-4-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow-

Date 9 8 1982 Seal THE THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE OWNER.

FORM ITMS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(t) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, I UCKNOW

Lucknow, the 9th August 1982

Ref. G.I.R. No. M/139.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27/2 (Municipal No. 552/314) situated at Chander Nagar, Alambagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Tilak Raj Batheja.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan Lal Sadana,

(Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exp. ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of a double storeyed building No. 27/2 (Municipal No. 552, 314), measuring 2036 sq. ft. situated at Chander Nagar, Alambagh. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1625/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 15-4-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 9-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 16th November 1982

Ref. No. CHD/11/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 25 000/, and hearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. House No. 2529, Sector 35-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of thee Recgistering Office at Chandigarh in April, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 cf 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Capt. M. S. Kobli S/o Shri Sujan Singh R/o 86, Putiti Marg, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferors)

(2) Smt. Balbir Kaur W o Shri (Dr.) G. S. Narula C/o House No. 66, Sector 18-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2529, situated in Sector 35-C, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 46 of April, 1982 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16th November 1982

(1) Sh. Manoher Lal 5 o Sh. Tola Ram, R/o Kothi No. 106, Model Gram. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Usha Rani Kundra W/o Shri Bal Krishan Kundra R/o B-/I-1329, Arya Street, Ludhiana, now 276, Walton Road, East Molesey, Surrey, KT80HT, K. England.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Iudhiana, the 16th November 1982

Ref. No. 1.DH/13-A/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value being the Competent Authority as the wald Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Kothi No. 106, Model Gram situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in May, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Kothi No. 106, situated in Model Gram, Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1602 of May, 1982 of the Registering Authority, Ludhiana).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: persons.

53—396GI/82

Date: 16th November 1982

Stal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 Ot 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING
Ludhiana, the 16th November 1982

Ref. No. LDH/14-A/82-83.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 10% Model Gram, situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sh. Manohar Lal S/o Sh. Tola Ram R/o 106, Model Gram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Kundra W/o Sh. Bal Krishan Kundra R/o B-II, 1239, Arya Street, Ludhiana Now, 276, Walton Road, East Molesey, Surrey, KT80HT, U.K. England.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 106, Model Gram, situated at Ludhiana (The property as mentioned in the Registered Deed No. 2387 of May, 1982 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 16th November 1982

FORM I.T.N.S.-

(1) B M Ramalingam Chettiar 364, Vysial St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

O! FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 182

Ref. No. 12032.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 4/254, 255, 256, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 186/82) on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the foresaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) C. N. Kaliappan, 28/67A1, Ponnurangam Road, RS Puram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4/254, 255, 256, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Doc. 1861/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

Date: 1-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 182

Ref. No. 12032.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4/254, 255, 256, Big Bazaar St., situated at Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 1862/82) on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely •—

(1) Siert B M Rameligam Chattier, 364, Vysiel St., Coinchaters.

(Transferor)

(2) V. Jalladar, 698, Big Bazaar St., Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4/254, 255, 256, Big Bazaar, Street, Coimbatore, (Doc. 1862/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Dese 1-12-1982

5m1:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 182

Ret. No. 17167.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 176, land and Building situated at Lloyds Road, Madras-600 086

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Madras South (Doc. 1130/82) on April 1982 (Document No. 1378/82) in March 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri B. A. Belasbendra, 11. First Cross Road, Malleswaram, Sangalore-560 603.

(Transferor)

(2) Shii K. Subhashchandra Ranka and Mrs. Kasturi Bai. 68, Cathedral Road, Madras-600 086.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 176, Lloyds Road, Madras-600 086 (Doc. 1130/82)

R. P. PILLAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 1-12-1982

)eel ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta the 10th September 1982

Ref. No. AC-14/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 58, situated at C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Scaldah on 26-4-1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gita Saha and Sri Sankar Saha F/6, M.I.G. Housing Estate V.I.P. Road, Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Bimal Bhushan Pal, 10B, Bakrai Street, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 2K, 7 CH.
Plot No. 58, C.I.T. Scheme No. VII(M) (Supplementary)
More particularly described in deed No. 334 of S. R. Sealdah
of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 10-9-1982

Soul:

(1) Mr Paritosh Banorjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Krishna Chakraborty

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1982

Ref. No. 1180/Acq R-III/82-83 -- Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 55-B, situated at Purna Mitra Place, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1-K-10 ch-25 q ft with building being premises No. 55-B, Purna Mitra Place, Calcutta

C. ROKHAMA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range III /Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta 700016

Date: 12-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE SHILLONG

Shillong, the 19th November 1982

Ref. No. A-263/82-83/DSK/299-304.—Whereas, I, E. J. MAWLONG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Dag No. 1770 (part) (old) and P. P. No. 68 (old) corresponding to New Dag No. 4350 and P. P. No. 371 situated at A. T. Road, Tinsukia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sara Devi Khaitan, W/o Late Nathmal Khaitan, A. T. Road, Tinsukia.

(Transferor)

(2) (1) Sri Chandmal Sara, A. T. Road, Tinsukia.
 (2) Sri Bijay Kumar Saraf, S/o Sri Chandmal Saraf, A. T. Road, Tinsukia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertys may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sarae meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1950 Sq. Ft. (approx) is covered under Dag No. 1770 (part) (old) and P. P. No. 68 (old) corresponding to new Dag No. 4350 and P. P. No. 371, under Tinsukia town sheet No. 10, Mouza, Tinsukia, Municipal holding No. 2669 part) of Ward No. 12 of Tinsukia Municipality.

F. J. MAWLONG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Shillong.

Date: 19-11-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVÉ ROAD, POONA-4

Poona-4, the 20th November 1982

Ref. No. CA5/773/SR-Haveli-I/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing

No. 583 New Narayan Peth, CTS No. 582 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Pune on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a') facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and for
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail fct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said le. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—54—396GI/82

- (1) 1. Shri S. V. Agashe
 2 Shri R. S. Agashe
 3. Shii T. V. Agashe
 4 Shri L. V. Agashe (deceased) by his heirs. All at 583, Narayan Teth, Pune-30.

(Transferor)

(2) Jaldhara Sahakari Griha Rachana Sanstha Maryadit, 583, Narayan Peth Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 583 (new), Narayan Peth, Pune-30. (Property as described in the Sale deed registered under document No. 1910 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune on April, 1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date . 20-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60 61, FRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Poona-4, the 30th October 1982

Ref. No. CA5/SR-Karvir/768/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.S. No. 2102/8 E Ward, Ruikar Colony situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Kalvir on 27-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shashikant Malharrao Nandgaonkar, C.S. No. 2103/8 E Ward, Ruikar Colony, Kolhapur. (Transferor)
- (2) Shri Rajendra Babanrao Vijipure,
 House No. 713/1/2A, E Ward, Shahupuri,
 Galli No. 4, Kolhapur.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. No. 2102/8, E Ward, Ruikar Colony, Kolhapur. Property as described in the sale deed registered in under decument No. 1964 in the office of the Sub Registrar, Karvir on 27-5-1982.

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 30-10-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

> > Poona-4, the 19th November 1982

Ref. No. CA5/SR-Jalgaon/769/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKĂRNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 179/2, Plot No. 1, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 23 and 24 situated at Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Jalgaon on 6-5-1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) (1) Shri Satyaprasad Shriram Gosavi (2) Shri Shrikant S. Gosavi

(3) Shri Dhananjay S. Gosavi All at Nasik City Kapad Peth, House No. 921, Nasik, Dist. Nasik.

(2) Manjusha Sahkari Griha Nirman Sanstha Ltd., Chairman Shri Vasantrao Jagatrao Patil, at Plot No. 9, Behind M. J. College, Hostel, Jilha Peth, Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out of S. No. 179/2, Jalgaon, Plot No. 1, 4, 5, 6, 8, 9, 23

(Property as described in the sale deed registered in document No. 1849 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon on 6-5-1982),

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons

Date: 19-11-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'T COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

COMET HOUSE, 691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-411009

Pune-411009, the 21st November 1982

Ref. No. CA-5/774/SR.Karvir|82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R\$ No. 257, Plot No. 13 to 22, 51 to 53 & 67 to 71 Karvir, Kolhabur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Karvir on 28-5-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. S. Surve, Assistant Commissioner, Kolhapur Municipal Corporation, 1829, C-Ward, Kolhapur.

(Transferor)

(2) Shri G. D. Powar, Chief Promotor of Kolhapur Municipal Corporation, Servants Co-operative Griha Nirman Sanstha Ltd.. A-Ward, H. No. 450/2, Kolhapur.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION the terms and expressions used herein as are defined in Clarific XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R. S. No. 257, Plot No. 13 to 22, 51 to 53 & 67 to 71 at Karvir, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1995 in the Office of the Sub-Registrar, Karvii on 28-5-82).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 21-11-82.

(1) Smt. Indu More, W/o Sri Kamal Prasad More, At R. K. Avenue, Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Lakshmi Pd. Saraf, W/o Sri Hari Pd. Saraf, At Exhibition Road, P.O.-G.P.O., Patna. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

> (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Patna-800 001, the 29th November 1982

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. III-617/Acq/82-83,—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961° (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 237 (part) Touzi no. 9, Khata No. 2, Thana No. 10, Khesra No. 1

situated at Mouza Bahadurpur, Pargana-Azimabad Patna City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 15-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the moperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hisb hity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kathas 8 Dhur and 10 Dhurki with house situated at mouza Bahadurpur Presently Known as Kanker Bagh Road, Pargana-Azimabad, P. S. Sultanganj Dist-Patna & more fully described in deed No. 1769 dated 15-4-82 & registered with S. R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800'001, the 1st December 1982

Ref. No. III-618/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1800, Holding No. 621, Ward No. III situated at Village Siram (Nibaranpur), P. S. Distt. Ranchi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 22-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- (1) Shri Lalit Mohan Roy 5/e Late Surendra Nath Rey R/e 38, Syed Amir Ali Avenue, Calcutta-17. (Transferor)
- (2) Shri Sarda Bhusan Singh S/o Late Durga Prasad Singh R/o Qr. No. B-1184, Sec. II, H. E. C. Colony, P.O. Dhurwa Dist-Ranchi-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7½ Kathas with double storeyed pucca building situated at village-Siram (Nibaranpur), P. S./Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 3833 dt. 22-4-82 registered with D. S. R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Patna.

Date: 1-12-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 1st December 1982

Ref. No. III-619/Acq/82-83.---Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per sale deed situated at Contractors Area, P.O./P.S.-Bistupur, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jamshedpur on 19-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sunt. Kabita Chosai W/o Sri Nirmai Chand Ghosai R/o 315, Suret Bose Read, Calcutta-29 (West Bengal) Represented through har attorney, Sri Gurumukh Singh S/o Late Harnam Singh R/o Holding No. 50 Bandayani (Parkidib Nirmay) Holding No. 59, Baradwari (Kashidih New Layout), Sakchi, Jamshedpur.

(Transferor)

 (2) 1. Sri Kartar Singh S/o Late Harnam Singh
 2. Sri Jaspal Singh S/o Srl Surjan Singh,
 Both R/o Unit No. 11 and 12, 'Nirmal Kutir'
 Contractors Area, P.O. Bistupur, Jamshedpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 22,400 Sq. Ft. with puese building situated at Contractors Area P.O./P.S. Blatupur, Town Jamshedpur Dist-Singhbhum and morefully described in deed No. 3073 dt. 19-4-82 registered with S. R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Patna.

Bate: 1-12-82.

Scal:

FORM-ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 3rd December 1982

Ref. No. III-620/Acq/82-83.—Whereas, I. P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per sale deed No. 3197 dated 20-4-82

situated at P.S.-Parsudih, Pergana-Dhalbhum, Dist Singhbhum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jamshedpur on 20-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- No therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Nabihan W/o Sri Dillu Gaddi Goala
 Sri Dillu Gaddi Goala S/o Late Dukhi Goala
 Sri Norrul Azim S/o Late Gaffur Goala, of Parsudth, PS-Parsudih Dist-Singhbhum.
 - (Transferor
- (2) M/s. The Baridih Co-operative House Construction Society Ltd., Jamshedpur, Represented its Secretary, Sri Harish Pandey S/o Sri Sukhdeo Pandey, of Haridih, P.S. Sidhgora, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As described in sale deed No. 3197 dt. 20-4-82 registered with S. R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Patna.

Date: 3-12-82. Seal:

(1) Shii Sobar Chand S/o Shii Uttam Chand Gugle R/o Aurangabad

(Transferør)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii S. K. Chand S. o. Shii Rahim, Exhibitor of Films, R/o. Aurangabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th November 1982

Ref No IAC/ACQ/200/82-83 —Whereas, J, M \vee R PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beauing No

Northern Portion of the house property bearing Municipal No 3-5-78 City Survey No 6064 6065 & 6066 situated at Kasan Bazar, Amangabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Northern Portion of the House property bearing Municipal No 3 5-78 City Survey No 6064, 6065 & 6066 Sheet No 43 at Kasari Bazai, Aurangabad

M V R PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely —

Date 9-11-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th November 1982

Ref. No. IAC/ACQ/199/82-83.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

South portion of property, Municipal No. 3-5-78 City Survey No. 6064, 6065 & 6066, Sheet No. 43 situated at Kasari Bazar, Aurangabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Nemi Chand
 S/o Shri Dharam Chand Bakliwal
 R/o Aurangabad.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Chand S/o Shri Rahim, Film Exhibitor, R/o Ayrangabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South Portion of the House property bearing Municipal No. 3-3-78 City Survey No. 6064, 6065 & 6066, Sheet No. 43, at Kasari Bazar, Aurangabad.

M. V. R. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Date: 9-11-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 8th November 1982

Ref No IAC/ACQ/198/11/82-83 —Whereas, I, M V R PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Sheet No 13 Plot No. 19, Area · 1485 Sq ft. situated at Main Road Gondia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Main Road, Gondia

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Shri Ramesh Bhojraj Tanlyani,
 C/o M/s. Bhojraj & Sons Lakhani
 Distt. Bhandara

(Transferor)

(2) Shri Mohandas Sodhuram Tanlyani C/o M/s Lucky Stores, Station Road, Gondia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter

THE SCHEDULE

Sheet No. 13, plot No 19, Area 1485 Sq ft with house. Main Road, Gondia

M. V. R PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date 8 11-1982 Sen1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. Proteck Banerjee & Smt. Krishna Banerjee, Residency Road, Sadar, Nagpur.

(Transferor)

(2) M₁, R, C, Khandelwał & Smt. Pushpa Khandelwał, 10-A Bhagwaghar Layout, Dharampeth, Nagpur.

(Transferee)

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagput, the 10th August 1982

Ref. No. IAC. ACQ/185/82-83.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5 Kh, No. 1/3, 1/4 Nelson Square, situated at Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 Kh. No. 1/3, 1/4, Ward, No. 61, Nelson Square, Chaoni, Nagpur, Area: 9274 Sq. ft.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 10-8-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 27th September 1982

Ref. No IAC/ACQ/196/82-93 —Whereas, I, M V R PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing No

Western portion of S. No. 261/211 No. 102, Sheet No. 15 Rahate Colony Wildhi Roul Nagpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at NGP 2028/82 on 2 4 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) incilitating the concealment of inv income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said. Act. of the Wealth tax. Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Induabar W/o Late Shii Puranchandra Buty, Rahate Colony, Nagpur

(Transferor)

(2) M s Guish Co-op. Housing Society, Chairman Shit Jashn Singh Anand, C A Road, Nagpur

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Western portion of S. No. 261-2 H. No. 102, sheet No. 15 Kahate Colony. Waidha Raod, Nagpur. Area 26615-25 sq. ft.

M V R PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Nagpur

Date 27-9-1982 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th August 1982

Ref. No. IAC/ACQ/184/82-83.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Municipal No. 719 C. No. 24 W. No. 60, situated at Byramji Town, Nagpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: --

 Smt. Kamalrukh D. Cassad, R/o Shirin Lodge, Byramji Town, Nagpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Rajpal Mehra,
 Cren. Manager,

 2. Shri Rajkumar Pramanand Mahajan, Eng. both R/o Pench Valley Project Area,
 Dist. Chhindwara.

 Coal Mines Authority.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion called Servants Quarters in the Shirin Lodge Compound having Municipal No. 719 C. No. 24 & Ward No. 60 having an area of 7200 Square feet at Byramji Town, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 10-8-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 26th November 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/4-82/9094.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 33 Block C, situated at

Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Delhi in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Usha Nagpal W/o Sh. A. K. Nagpal R/o 1760, Multani Mohalla, Rani Bagh, Shakur Basti, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Jain W/o Sh. Rishabh Prakash Jain & Smt. Prem Jain W/o Sh. Vimal Prakash Jain R/o 21/15, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pot No. 33 Block C, Acharya Kriplani Road Adarsh Nagar, Delhi mg. 200 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA, Component Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 26-11-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 10th September 1982

Ref. No. IAC/ACQ/189/82-83.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the salar Net reason to solve that the salar was able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land field No. 136 Hec. 4-92 AR 18 outside the territory of Municipality Peth Khamgaon Pra. Balapur Tah. P.T.

Khamgaon Distt. Baldhana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1083/82 on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shi i Shankar Murlidhar Pawar 2. Smt. Parwatibai M. Pawar 3. Shri Arun M. Pawar 4. Shri Kesho M. Pawar 5. Shri Prakash M. Pawar 6. Shri Avinash M. Pawar All R.O. Khamgap Wd. No. 23

All R/o Khamgaon Wd No. 23 Tah. Khamgaon, Distt. Buldhana.

(Transferor)

(2) M/s. Khamgaon Land Development Corporation for Managing Partner Pradeep Premsukhdar Rathi R/o Khamgaon Tah. Khamgaon, Distt. Buldhana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land Field No. 136 Hec. 4-92 AR 18 Peth Khemgae Pra. Balapur Tah PT Khamgaon Distt. Buldhana outside the area of Municipality.

> M. V. R. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-9-1982